THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 61 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ शु.2 2082 बुधवार, 28 मई-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

पंडित नेहरू की पुण्यतिथि पर पीएम मोदी ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)। देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू की आज पुण्यतिथि है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस मौके पर पंडित नेहरू को श्रद्धांजलि अर्पित की। सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में पीएम मोदी ने लिखा कि 'हमारे पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि'। पंडित नेहरू भारत के सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री पद पर रहने वाले नेता थे और उन्होंने अगस्त 1947 से लेकर मई 1964 तक भारत का नेतृत्व किया। पंडित नेहरू की पुण्यतिथि पर कांग्रेस ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की। कांग्रेस ने इस मौके पर भी केंद्र पर निशाना साधने का मौका नहीं चूका और कहा कि साल 2014 से पंडित नेहरू की विरासत को बदनाम करने, विकृत करने, नकारने, अपमानित करने और विरासत के ध्वस्त करने के 6डी प्रयास किए जा रहे हैं।

5वीं पीढ़ी के स्वदेशी लड़ाकू विमान के मॉडल को मंजूरी

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)। भारत में बनने वाले 5वीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान यानी एडवांस्ड मीडियम कॉम्बेट एयरक्राफ्ट (एएमसीए)के प्रोडक्शन मॉडल को मंजूरी मिल गई है। केंद्र सरकार ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

रक्षा मंत्रालय ने बताया कि एयरक्राफ्ट को बनाने के लिए सरकारी के साथ निजी कंपनियों को भी बोली लगाने का मौका दिया जाएगा। एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एजेंसी (एडीए) जल्द ही इसके लिए एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट (ईओआई) जारी करेगा। एयरक्राफ्ट बनाने में निजी कंपनियों को मौका देने की घोषणा से डिफेंस और इससे जुड़े सेक्टर्स की कंपनियों के शेयर्स में करीब 6 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। निफ्टी इंडिया डिफेंस इंडेक्स भी 52 सप्ताह के नए हाई 8,674.05 पर पहुंच गया।

ऑपरेशन सिंदूर कैमरे के सामने किया : पीएम

> ताकि कोई सबूत न मांगे > पाकिस्तान ने आतंकियों के जनाजे में अपने झंडे लहराए

अहमदाबाद, 27 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात में लगातार दूसरे दिन मंगलवार को ऑपरेशन सिंदूर पर बात की। उन्होंने कहा, हमने आतंकवाद के 9 ठिकाने तय करके 22 मिनट में उन्हें ध्वस्त कर दिया। और ये सब कुछ कैमरे के सामने किया, ताकि कोई सबूत न मांगे।

ऐसा माना जा रहा है कि मोदी ने यह बात उरी आतंकी हमले के बाद पीओके में की गई भारतीय सेना की सर्जिकल स्ट्राइक को लेकर की। तब विपक्ष ने लगातार इसके सबूत मांगे थे। उन्होंने कहा, पाकिस्तान जानता है कि वो सीधी लड़ाई में हमसे जीत नहीं सकता है इसीलिए वो आतंकवादी भेज रहा है। उनके यहां मारे गए आतंकवादियों के जनाजे में पाकिस्तानी झंडे लगाए गए, यह कोई प्रॉक्सी वॉर नहीं है।

पीएम मोदी 2 दिन के गुजरात दौरे पर थे। उन्होंने गांधीनगर में 2 किमी लंबा रोड शो किया। इसके बाद गांधीनगर में गुजरात की शहरी विकास यात्रा के 20 साल पूरे होने के जश्न में हिस्सा लिया। प्रधानमंत्री ने सोमवार को भुज में भी एक सभा की थी। यहां उन्होंने पाकिस्तान को चेतावनी दी कि सुख-चैन से जियो, अपने हिस्से की रोटी खाओ, नहीं तो मेरी गोली तो है ही। आतंकवादियों ने जब पीओके पर कब्जा किया, अगर उसी दिन उन मुजाहिद्दीनों को मौत के घाट उतार दिया होता। लेकिन सरदार पटेल की बात नहीं मानी गई। लेकिन ये मुजाहिदीन लहू चख गए थे। सिलसिला 75 सालों से चल रहा है।

'आज गुजरात की तरक्की पूरी दुनिया देखती है'

पीएम ने कहा कि 2035 में जब गुजरात 75 साल का होगा, तो बहुत आगे बढ़ चुका होगा। जब गुजरात महाराष्ट्र से अलग हुआ तो चर्चा होती थी कि अलग होकर गुजरात क्या करेगा। तीनों तरफ समुद्र है। दूसरी तरफ पाकिस्तान है। गुजरात के पास कोई मिनरल्स नहीं, गुजरात तरक्की कैसे करेगा। लेकिन, आज गुजरात पूरी दुनिया में जाना जाता है। मोदी ने कहा कि गुजरात ने नमक लेकर हीरे तक की यात्रा पूरी कर ली है। हमने योजनाबद्ध तरीके से कदम उठाए। हमारे सरकारी मॉडल की चर्चा पूरे देश में हो रही है। पहले गुजरात में पर्यटन के बारे में कोई बात नहीं करता था, लेकिन अब विदेशी लोग घूमने के लिए गुजरात आते हैं। 2047 में जब भारत की आजादी के 100 साल पूरे हो जाएंगे, तो हम ये तय कर लें कि देश की इकोनॉमी को 4 नंबर से 3 नंबर पर ले जाने के लिए हम किसी विदेशी चीज का उपयोग नहीं करेंगे। हमें गांव-गांव जाकर व्यापारियों को ये शपथ दिलानी होगी कि कितना भी मुनाफा हो, वे विदेशी माल नहीं बचेंगे। लेकिन दुर्भाग्य देखिए, गणेशजी भी विदेशी आ जाते हैं।

विधायक एसटी सोमशेखर और ए.शिवराम हेब्बार भाजपा से निष्कासित

> राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग का आरोप

बेंगलूरू, 27 मई (एजेंसियां)। भाजपा ने पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप में विधायक एसटी सोमशेखर और शिवराम हेब्बार को पार्टी से छह साल के लिए निष्कासित कर दिया है। एसटी सोमशेखर पर राज्यसभा चुनाव के दौरान क्रॉस वोटिंग करने और शिवराम हेब्बार पर राज्यसभा चुनाव में मतदान के समय अनुपस्थित रहने का आरोप है। इसे लेकर कर्नाटक में भाजपा के मुख्य सचेतक ने दोनों विधायकों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था।

पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप :

बीती फरवरी में कर्नाटक में राज्यसभा की चार सीटों के लिए मतदान हुआ। इन चार में तीन सीटों पर कांग्रेस ने और एक सीट पर भाजपा ने जीत दर्ज की। व्हिप जारी होने के बावजूद एसटी सोमशेखर द्वारा कांग्रेस उम्मीदवार अजय माकन के पक्ष में मतदान किया गया, जिसके चलते भाजपा को सिर्फ एक सीट पर ही जीत मिल सकी। दावा किया जा रहा है कि सोमशेखर और हेब्बार कथित तौर पर पार्टी नेतृत्व से नाराज चल रहे थे। एसटी सोमशेखर कर्नाटक की यशवंतपुर सीट से भाजपा विधायक हैं। वहीं शिवराम हेब्बार येल्लापुर सीट से भाजपा विधायक हैं। हालांकि दोनों ने ही अपने जवाब में पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने से इनकार किया था।

वक्फ एक्ट-1995 के खिलाफ याचिकाओं पर केंद्र को नोटिस

सुप्रीम कोर्ट ने पूछा-2025 में क्यों चुनौती दे रहे, हम देरी के आधार पर इसे खारिज कर देंगे

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को वक्फ एक्ट, 1995 के प्रावधानों को चुनौती देने वाली एक याचिका पर केंद्र और राज्य सरकारों को नोटिस जारी किया। कोर्ट ने याचिकाकर्ता से भी सवाल किए और पूछा कि 1995 एक्ट को 2025 में क्यों चुनौती दे रहे हैं। क्या इसे सुना जाना चाहिए। सीजेआई बीआर गवई और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच सुनवाई कर रही थी। याचिकाकर्ता की तरफ से कहा गया कि कोर्ट में 2013 के वक्फ संशोधन एक्ट को भी चुनौती दी गई है। इस पर सीजेआई ने कहा कि वह भी 12 साल देरी हो रही है। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट 1991 को लेकर भी अब सुनवाई कर रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने याचिका को 1995 के एक्ट को चुनौती देने वाली एक पुरानी याचिका के साथ जोड़ दिया। यह याचिका लॉ स्टूडेंट निखिल उपाध्याय की तरफ से दायर की गई है। उनकी याचिका को पारूल खेडा और हरिशंकर जैन की याचिका के साथ जोड़ा गया है। निखिल उपाध्याय ने अपनी याचिका में वक्फ एक्ट, 1995 के विभिन्न प्रावधानों को असंवैधानिक बताते हुए उनको रद्द करने की मांग की है। उनकी याचिका में कहा गया है कि केवल मुसलमानों के पास ही उनकी दान वाली संपत्तियों के प्रशासन से संबंधित कानून है। अन्य धर्मों के पास ऐसा कोई कानून नहीं है। इसलिए वक्फ एक्ट, 1995 भेदभावपूर्ण है। याचिका में यह भी कहा गया है कि संशोधन के बावजूद कानून के विभिन्न प्रावधान आर्टिकल 14 और 15 का उल्लंघन करने वाले हैं, जो कि मुस्लिम समुदाय को सरकारी और गैर मुस्लिमों की संपत्ति को हथियाने का अधिकार देते हैं। केंद्र का पक्ष रख रहे एडिशनल सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने बेंच को बताया कि कोर्ट ने 1995 के एक्ट को चुनौती देने वाली याचिकाओं को 2025 के संशोधन को चुनौती देने वाली याचिकाओं के साथ सुनवाई की अनुमति नहीं दी है।

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने दिया राष्ट्रीय सुरक्षा पर जोर

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने राष्ट्रीय सुरक्षा पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हमें एकजुट होने की जरूरत है। साथ ही राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए स्वदेशी ताकत भी जरूरी है। उन्होंने एक बार फिर ऑपरेशन सिंदूर की तारीफ की।

उपराष्ट्रपति एन्क्लेव में राज्यसभा इंटर्नशिप कार्यक्रम-चरण 7 के उद्घाटन सत्र में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने हमारी मानसिकता को बड़े पैमाने पर बदल दिया है। हम पहले से कहीं अधिक राष्ट्रवादी हैं। यह हमारे शांति के संदेश और आतंकवाद के प्रति हमारी पूर्ण असहिष्णुता को बढ़ावा देने के लिए विदेश गए प्रतिनिधिमंडलों में सभी राजनीतिक परिदृश्यों की भागीदारी में परिलक्षित होता है। उन्होंने कहा कह हाल की घटनाओं को देखते हुए हमारे पास एकजुट रहने और मजबूत होने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए हमें स्वदेशी ताकत की आवश्यकता है। युद्ध को ताकत की स्थिति में टाला जाना चाहिए। शांति तब सुरक्षित होती है जब आप युद्ध के लिए हमेशा तैयार रहते हैं और इसलिए ताकत तकनीकी कौशल, पारंपरिक हथियारों के अलावा लोगों से भी आती है। उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने मंगलवार को नेत्र रोग विशेषज्ञ एम एल राजा को एक साल के लिए डॉ.एस राधाकृष्णन चेयर के लिए नामित किया। डॉ.एस राधाकृष्णन चेयर की स्थापना 2009 में राज्य सभा द्वारा भारत में संसदीय लोकतंत्र के विभिन्न पहलुओं पर अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए हुई थी। इस चेयर की शुरूआत प्रथम उपराष्ट्रपति के नाम पर हुई। जो बाद में राष्ट्रपति बने। धनखड़ के कार्यकाल के दौरान इसे क्रियाशील बनाया गया था। उपराष्ट्रपति ने कहा कि राजा एक नेत्र रोग विशेषज्ञ, पुरालेख विशेषज्ञ, पुरातत्वविद् और इतिहासकार के रूप में असाधारण बहु-विषयक विशेषज्ञता लेकर आए हैं।

टीएमसी सांसदों ने की संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग

> पीएम को लिखा पत्र > कहा- ऑपरेशन सिंदूर पर हो चर्चा

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस (टीमएसी) के सांसदों ने संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग की। सांसदों ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर कहा है कि विशेष सत्र में पहलगाम हमले और ऑपरेशन सिंदूर को लेकर चर्चा कराई जाए।

लोकसभा और राज्यसभा के तृणमूल कांग्रेस सदस्यों की पुराने संसद भवन संविधान सदन के केंद्रीय कक्ष में हुई बैठक के बाद राज्यसभा में पार्टी की उपनेता सागरिका घोष ने कहा कि हम सभी ने प्रधानमंत्री को लिखे एक पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं। हमने कहा है कि सांसदों के प्रतिनिधिमंडल के पांच जून को यात्रा से लौटने के बाद संसद का एक विशेष सत्र आयोजित किया जाए। उन्होंने कहा कि तृणमूल कांग्रेस ने आतंकवाद के खिलाफ भारत का संदेश देने के लिए विदेश भेजे गए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों का समर्थन किया है, लेकिन देश के लोग भी सरकार के कदमों के बारे में जानना चाहते हैं। तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष और बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा है कि हमने विदेश में प्रतिनिधिमंडल में प्रतिभागियों को भेजने में भारत सरकार के साथ पूरा सहयोग किया है।

उन्होंने कहा कि अब संसद का विशेष सत्र बुलाने का समय आ गया है, क्योंकि भारत के नागरिकों को भी पाकिस्तान आधारित आतंकवाद से निपटने में सरकार के कदमों के बारे में जानने की जरूरत है। सांसदों ने पहलगाम हमले और उसके बाद की कार्रवाई में जान गंवाने वालों के सम्मान में आयोजित बैठक में एक मिनट का मौन भी रखा।

केटीआर ने एसीबी नोटिस को बताया राजनीतिक बदला

तेलंगाना फॉर्मूला ई केस : विदेश से लौटते ही जांच में सहयोग करूंगा

हैदराबाद, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव (केटीआर) ने मंगलवार को कहा कि उन्हें फॉर्मूला ई मामले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की तरफ से नोटिस मिला है। उन्होंने इसे 'राजनीतिक उत्पीड़न' बताया और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पर बदले की राजनीति करने का आरोप लगाया।

जांच एजेंसियों का सहयोग करूंगा :

केटीआर ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में खुलासा किया कि एसीबी ने उन्हें कल पूछताछ के लिए बुलाया है। हालांकि, उन्होंने कहा कि वह पहले से ही ब्रिटेन और अमेरिका के दौरे पर जा रहे हैं और वापस लौटते ही एसीबी के सामने पेश होंगे। उन्होंने लिखा, मैं कानून का पालन करने वाला नागरिक हूं और एजेंसियों के साथ पूरा सहयोग करूंगा, भले ही यह मामला केवल राजनीतिक उत्पीड़न हो। मैंने अपनी विदेश यात्रा की जानकारी पहले ही एसीबी को लिखित में दे दी है। केटीआर ने मुख्यमंत्री रेड्डी पर निशाना साधते हुए कहा कि नोटिस भेजने का समय जानबूझकर चुना गया है। उन्होंने तंज कसा, रेवंत रेड्डी बिना किसी सिद्धांत के किसी भी दिशा में झूलते हुए बदले की राजनीति में माहिर हो गए हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि रेवंत रेड्डी का नाम हाल ही में नेशनल हेराल्ड

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी के आरोपपत्र में आया है, लेकिन भाजपा के किसी नेता ने उनके खिलाफ एक भी शब्द नहीं कहा। केटीआर ने कहा, 48 घंटे पहले उनका नाम ईडी के आरोपपत्र में आया और 24 घंटे बाद वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित भाजपा के बड़े नेताओं के साथ नजर आते हैं। किसी भी भाजपा नेता ने उनके खिलाफ कुछ नहीं कहा।

मुख्यमंत्री को बीआरएस से डर लगता है

एसीबी के नोटिस पर केटीआर ने कहा, आज मुझे एसीबी का नोटिस मिलता है। वह (रेवंत रेड्डी) एक प्रशासक, नेता और इंसान के रूप में भले ही नाकाम हों, लेकिन सस्ती बदले की राजनीति में जरूर सफल हैं। उन्हें बीआरएस से डर लगता है, इसलिए कोशिश करते रहो। जय तेलंगाना।

हरीश राव ने किया केटीआर का समर्थन :

वहीं, बीआरएस के वरिष्ठ नेता हरीश राव ने भी केटीआर का समर्थन करते हुए कहा, रेवंत रेड्डी की बदले की राजनीति उनकी असुरक्षा का प्रमाण है। झूठे मामले अदालतों में नहीं टिकेंगे और वह जनता का भरोसा नहीं जीत सकते। हम केटीआर के साथ हैं। सच की जीत होगी। सत्यमेव जयते।

जांच एजेंसियों के सामने पेश हों केटीआर :

एसीबी की ओर से नोटिस मिलने पर केटीआर की प्रतिक्रिया को लेकर कांग्रेस ने उन पर निशाना साधा। कांग्रेस ने कहा है कि केटीआर को सोशल मीडिया पर पोस्ट करने के बजाय जांच एजेंसियों के सामने जाकर अपनी बेगुनाही साबित करनी चाहिए।

कांग्रेस नेता रोहिन रेड्डी ने कहा, जब एजेंसियों की तरफ से नोटिस मिला है तो केटीआर को सामने आकर सफाई देनी चाहिए। एक्स पर पोस्ट करने की बजाय उन्हें जांच एजेंसियों के सामने पेश होना चाहिए। उन्होंने आगे कहा, यह तीसरी बार है जब केटीआर को नोटिस मिला है। इससे पहले दो बार ईडी ने उन्हें नोटिस भेजा था। यह कोई राजनीतिक बदला नहीं है। अगर कल हमें भी कोई नोटिस मिले तो हम भी उसका सामना करेंगे।

मणिपुर में आतंकवाद को बढ़ावा देने के लिए जुटाया धन : एनआईए

अवैध हथियारों के लिए डीलरशिप का इस्तेमाल

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने पूर्वोत्तर राज्य मिजोरम में उग्रवादियों को अवैध हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक की तस्करी और आपूर्ति से संबंधित एक मामले में तीन और आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया है।

आरोपियों ने मणिपुर में आतंकवाद को बढ़ावा देने के लिए धन जुटाया। वे यह जानते थे कि इन हथियारों का इस्तेमाल, मणिपुर में आतंकी गतिविधियों और जातीय हिंसा में होना था। अवैध हथियार खरीदने के लिए डीलरशिप का दुरूपयोग किया गया। तीनों आरोपियों की पहचान वनलालदैलोवा, लालमुआनपुइया और लालरिंचुंगा उर्फ अल्बर्ट के रूप में हुई है। ये तीनों आरोपी मिजोरम के रहने वाले हैं। राष्ट्रीय जांच एजेंसी द्वारा उनके आवासों पर तलाशी के दौरान हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक सामग्री जब्त किए जाने के बाद 6 दिसंबर 2024 को उन्हें गिरफ्तार किया गया था। जांच से पता चला है कि तीनों आरोपियों ने उग्रवादी समूहों को हथियार वितरित करके मणिपुर में आतंकवादी गतिविधियों का समर्थन करने और जातीय हिंसा को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंने यह जानते हुए भी धन जुटाया था कि आय का उपयोग आतंकवादी गतिविधियों के लिए हथियार खरीदने में किया जाएगा, जिससे सार्वजनिक व्यवस्था और राष्ट्रीय अखंडता को खतरा होगा।

लाइसेंस प्राप्त हथियार और गोला-बारूद डीलर (मेसर्स इजराइल आर्म्स एंड एम्युनिशन, सेरछिप) वनलालडेलोवा ने मिजोरम के दो अन्य सह-आरोपियों लालंगईहावमा और लालमुआनावमा के साथ मिलकर सीमा पार और मणिपुर में आतंकवादी गतिविधियों में इस्तेमाल के लिए अवैध रूप से हथियार खरीदने और आपूर्ति करने की साजिश रची थी।

'किस मौलिक अधिकार का उल्लंघन हुआ'

> कोर्ट ने खारिज की सावरकर का नाम 1950 के कानून में जोड़ने की याचिका

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को उस याचिका खारिज कर दिया, जिसमें केंद्र सरकार को विनायक दामोदर सावरकर का नाम 'प्रतीक और नाम (अनुचित उपयोग की रोकथाम) अधिनियम, 1950' की अनुसूची में शामिल करने का निर्देश देने की मांग की गई थी। यह कानून पेशेवर और व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए कुछ खास प्रतीकों और नामों के अनुचित उपयोग को रोकने के लिए बनाया गया है। चीफ जस्टिस (सीजेआई) बी.आर. गवई और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच ने कहा कि याचिकाकर्ता के किसी मौलिक अधिकार का उल्लंघन नहीं हुआ है।

खुद पेश हुए याचिकाकर्ता ने कहा कि वह पिछले 30 वर्षों से सावरकर पर शोध कर रहे हैं और उनकी ऐतिहासिक भूमिका को कानूनी रूप से स्थापित करने का अवसर चाहते हैं। उन्होंने शीर्ष कोर्ट से आग्रह किया था कि केंद्र सरकार और गृह मंत्रालय को निर्देश दिए जाएं कि सावरकर का नाम अधिनियम की अनुसूची में जोड़ा जाए। इस पर सीजेआई ने पूछा, आपके किस मौलिक अधिकार का उल्लंघन हुआ है? याचिकाकर्ता ने अनुच्छेद 51ए का हवाला दिया और कहा कि राहुल गांधी जैसे नेता उनके कर्तव्यों को बाधित नहीं कर सकते। अनुच्छेद 51ए नागरिकों के मौलिक कर्तव्यों से जुड़ा है। सीजेआई ने स्पष्ट किया कि अनुच्छेद 32 के तहत वही याचिकाएं स्वीकार होती हैं, जिनमें मौलिक अधिकारों का उल्लंघन हुआ हो।

बेंच ने कहा, अगर आप चाहते हैं कि कुछ पाठ्यक्रम में शामिल हो, तो केंद्र सरकार को आवेदन दें। याचिकाकर्ता ने बताया कि उन्होंने पहले ही सरकार को प्रार्थना पत्र भेजा है। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने याचिका खारिज कर दी। सुप्रीम कोर्ट ने सावरकर का नाम 1950 के कानून में जोड़ने की याचिका खारिज की।

इससे पहले 25 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र में सावरकर पर दिए गए 'गैर-जिम्मेदाराना' बयान को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी को फटकार लगाई थी, लेकिन यूपी में दर्ज आपराधिक मामले में कार्यवाही पर रोक लगा दी थी।

मौसम विभाग ने जारी किया मानसून का नया अनुमान

जून से सितंबर तक 106 प्रतिशत बारिश संभव एमपी-छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र में ज्यादा असर रहेगा

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)। देश में इस बार मानसून सीजन (जून से सितंबर) में सामान्य से ज्यादा बारिश होने का अनुमान है। मौसम विभाग ने कहा ये 106 प्रतिशत रह सकती है। पिछले महीने इसे 105 प्रतिशत बताया गया था। वहीं, जून महीने में भी बारिश सामान्य से ज्यादा होगी। मौसम विभाग (आईएमडी) ने मंगलवार को बताया, देश में जून के महीने में सामान्य से ज्यादा बारिश होने की संभावना है, जो 108 प्रतिशत हो सकती है। यानी इस दौरान 87 सेमी से ज्यादा बारिश का अनुमान है। इसे लॉन्ग पीरियड एवरेज यानी एलपीए कहा जाता है।

मौसम विभाग के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने बताया कि मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, ओडिशा और आस-पास के क्षेत्रों में इस बार सामान्य से ज्यादा बारिश हो सकती है। वहीं, पंजाब, हरियाणा, केरल और तमिलनाडु के कुछ इलाकों में सामान्य से कम बारिश होने का अनुमान है। मध्य और दक्षिण भारत में सामान्य से ज्यादा बारिश होने की उम्मीद है। उत्तर-पश्चिम भारत में सामान्य, जबकि पूर्वोत्तर में सामान्य से कम बारिश हो सकती है। मानसून के कोर जोन में मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, ओडिशा और आसपास के क्षेत्र शामिल हैं। इनमें अधिकांश बारिश साउथ वेस्ट मानसून के दौरान होती है और यह रीजन खेती के लिए मानसूनी बारिश पर बहुत ज्यादा निर्भर करता है। इसका मतलब है कि मौसम विभाग ने 1971-2020 की अवधि के आधार पर दक्षिण-पश्चिम मानसून के लिए लॉन्ग पीरियड एवरेज (एलपीए) को 87 सेमी (870 मिमी) निर्धारित किया है।

'मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए नेहरू की आलोचना निंदनीय प्रयास' : पीएम पर कांग्रेस हमलावर

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि 'मास्टर डिस्टोरियन' (तथ्यों को तोड़ने मरोड़ने के महारथी) करार दिया है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में लिखा- आज पंडित नेहरू की पुण्यतिथि है, और आज के दिन भी देश का स्वयंभू सर्वोच्च नेता और इतिहास को तोड़ने-मरोड़ने वाला मास्टर डिस्टोरियन नेहरू-विरोध में सक्रिय है। यह बेहद दुखद और निंदनीय प्रयास है-उन गंभीर सवालों से ध्यान भटकाने का, जिनका जवाब उन्हें देना चाहिए।

अमेरिका के राष्ट्रपति के बयान पर चुप्पी क्यों :

इस दौरान जयराम रमेश ने पूछा कि प्रधानमंत्री मोदी अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उन बयानों पर चुप क्यों हैं, जो उन्होंने पिछले 11 दिनों में 8 बार भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर को लेकर दिए हैं। उनका कहना है कि इन बयानों की वजह से भारत की सैन्य कार्रवाई ऑपरेशन सिंदूर को रोका गया, लेकिन पीएम मोदी इस पर कुछ नहीं बोल रहे।

रमेश ने हाल ही में हुए पहलगाम आतंकी हमले को लेकर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि इस हमले में शामिल आतंकी पहले भी पूंछ (दिसंबर 2023), गगनगीर (अक्टूबर 2024) और गुलमर्ग (अक्टूबर 2024) में हमले कर चुके हैं। फिर भी वे अब तक खुले घूम रहे हैं।

चीन-पाकिस्तान के रिश्ते और भारत की नीति पर सवाल :

कांग्रेस नेता ने मोदी सरकार पर चीन और पाकिस्तान के बढ़ते सैन्य संबंधों को नजरअंदाज करने का आरोप भी लगाया। उन्होंने याद दिलाया कि 2020 में प्रधानमंत्री ने चीन को 'क्लीन चिट' दी थी, और अब उसी चीन से भारत का व्यापार घाटा लगातार बढ़ता जा रहा है। प्रधानमंत्री उस चीन पर चुप क्यों हैं, जिसके साथ पाकिस्तान की सैन्य साझेदारी अब खुलकर सामने आ चुकी है?

'यह नया मनुवाद है'

राहुल गांधी का दावा- दिल्ली विश्वविद्यालय में 60 फीसदी आरक्षित पद खाली

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को केंद्र की मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला और आरोप लगाया कि इस सरकार में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग से व्यवस्थागत भेदभाव किया जा रहा है। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि योग्य उम्मीदवारों को नॉट फाउंड सुटेबल बताकर खारिज किया जा रहा है और यह एक नए तरीके का मनुवाद है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि ''नॉट फाउंड सुटेबल' अब नया मनुवाद है। दलित और पिछड़े वर्ग के योग्य उम्मीदवारों को जानबूझकर अयोग्य ठहराया जा रहा है ताकि वे शिक्षा और नेतृत्व से दूर रहें। बाबा साहेब ने कहा था शिक्षा बराबरी के लिए सबसे बड़ा हथियार है, लेकिन मोदी सरकार उस हथियार को कुंद करने में जुटी है।' राहुल गांधी ने दावा किया कि 'दिल्ली यूनिवर्सिटी में 60 प्रतिशत से ज्यादा प्रोफेसर और 30 प्रतिशत से ज्यादा एसोसिएट प्रोफेसर के आरक्षित पदों को एनएफएस (अयोग्य उम्मीदवार) बताकर खाली रखा गया है। यह कोई अपवाद नहीं है। आईआईटी, केंद्रीय विश्वविद्यालयों, सभी जगह ये साजिश चल रही है। एनएफएस संविधान पर हमला है और सामाजिक न्याय से धोखा है।

दिल्ली में अगले 3 दिन सताएगी गर्मी

इस दिन से शुरू होगा बारिश का दौर

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)। दिल्ली के मौसम में लुकाछिपी का पिछले कुछ दिनों से जारी है। बारिश की वजह से दो दिनों तक मौसम सुहाना रहने के बाद आज से दिल्लीवालों को गर्मी फिर सताएगी। राष्ट्रीय राजधानी में अगले तीन दिन तक मौसम शुष्क रहेगा। लोगों को उमस वाली गर्मी परेशान करेगी। मौसम विभाग के मुताबिक तीन दिनों तक भीषण गर्मी के बाद फिर मौसम का रुख बदलेगा। 30 मई से एक बार फिर दिल्ली और आसपास के शहरों में आंधी और बारिश का दौर शुरू होगा।

यह दौर भी मौसम के लिहाज से अच्छा रह सकता है। 28 और 29 मई को उमस वाली गर्मी बेहद परेशान करने वाली साबित हो सकती है। आईएमडी के अनुसार दिल्ली में इस महीने के अंतिम सप्ताह में आसमान में बादल छाये रहने, आंधी-तूफान और बारिश होने का अनुमान है। यह महीना अब तक का सबसे अधिक बारिश वाला मई माना जा रहा है। इसके साथ ही 30-50 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से तेज हवाएं चलने का भी अनुमान है, जो 60 किलोमीटर प्रति घंटे तक भी पहुंच सकती हैं। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार न्यूनतम तापमान 26 से 27 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। जबकि अधिकतम तापमान 36 से 38 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है।

मई 1901 के बाद से सबसे अधिक बारिश वाला महीना

दरअसल, 24 मई को मौसम में अचानक बदलाव के कारण कुछ ही घंटे में 81.4 मिलीमीटर बारिश हुई, जिससे दिल्ली में 1901 के बाद से सबसे अधिक बारिश वाला मई महीना दर्ज किया गया। इस महीने की कुल वर्षा 186.4 मिलीमीटर तक पहुंच गई है, जो मई 2008 में 165 मिलीमीटर के पिछले रिकॉर्ड को पार कर गई है। दिल्ली में रविवार को हुई बारिश मई में शहर में किसी एक दिन दर्ज की गई दूसरी सबसे अधिक बारिश थी। इससे पहले 20 मई, 2021 को 119.3 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई थी। इससे पहले दिल्ली में 2 मई को भी 77 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई थी। बता दें कि वर्ष 2024 में दिल्ली में लंबे समय तक भीषण गर्मी के बाद जून के अंत में अत्यधिक वर्षा देखी गई।

शिलांग के डबलडेकर रुट की खाई में हो रही इंदौर के दंपति की खोज

शिलांग, 27 मई (एजेंसियां)। इंदौर में शादी के बाद हनीमून मनाने शिलांग गए इंदौर के दंपति का चार दिन बाद भी पता नहीं चला। उनका किराए पर लिया गया स्कूटर पहाड़ी क्षेत्र में मिला है। उनकी खोजबीन शिलांग से 50 किलोमीटर दूर डबल डेकर रुट की खाई के आसपास हो रही है। इस रुट पर पेड़ों की जड़ों से बना एक प्राकृतिक ब्रिज है। जिसे देखने पर्यटक जाते है। संभवतः राजा रघुवंशी और उनकी पत्नी सोनम भी वहां गए होंगे। दोनो की 11 मई को शादी हुई है। पुलिस को उनकी अंतिम लोकेशन भी इस क्षेत्र के आसपास ही मिली थी, हालांकि मंगलवार को भी उनका पता नहीं चला। जिस हिस्से में दोनों को सर्चिंग की जा रही है। वहां 29 मार्च को एक पर्यटक लापता हुआ था। वह नोंग्रियाट गांव होते हुए डबल डेकर रुट पर गया था। तीन दिन बाद उसका क्षत-विक्षत शव पुलिस को जंगल में मिला था। पुलिस ने उस घटना को लेकर संदेह जताया था कि गिरने से उसकी मौत हुई है। शिलांग में जाने के बाद जब राजा और सोनम डबल डेकर रुट की तरफ जा रहे थे तो सोनम ने अपनी मां से दोपहर डेढ़ बजे बात की थी। उसके बाद से उनका कॉल नहीं लगा। राजा के रिश्तेदारों ने बताया कि मंगलवार को खाई वाले हिस्से में दोनों को खोजने का काम जारी था, लेकिन पता नहीं चला। मोबाइल लोकेशन के आधार पर उन्हें खोजा जा रहा है। पहाड़ी क्षेत्र में किराए पर लिया गया उनका स्कूटर तो मिल गया, लेकिन दोनों के मोबाइल फोन नहीं मिले है। शिलांग पुलिस ने दोनों की तलाशी के लिए अलग-अलग टीमें बनाई है।

कर्नाटक में मुस्लिम आईएएस अधिकारी को बीजेपी नेता ने बताया पाकिस्तानी, अब हो गया मामला दर्ज

बेंगलूरू, 27 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक में बीजेपी नेता रवि कुमार के विवादित बयान को लेकर सियासी घमासान मचा हुआ है। मंगलवार को रवि कुमार के खिलाफ उनके विवादित बयान को लेकर मामला भी दर्ज कर लिया गया है। दरअसल रवि कुमार ने कलबुर्गी की आईएएस अधिकारी फौजिया तरन्नुम को लेकर विवादित टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा था कि ऐसा लगता है कि वह पाकिस्तान से आई हो। ऑपरेशन सिंदूर के बाद यह पहली बार नहीं हुआ है जब किसी बीजेपी नेता ने देश की सेवा करने वाले किसी अधिकारी को लेकर टिप्पणी की हो। इसके पहले मध्य प्रदेश के वन मंत्री विजय शाह भी विवादित बयान दे चुके हैं।

क्या है पूरा मामला?

कर्नाटक में भारतीय जनता पार्टी ने

'कलबुर्गी चलो कैंपेन' के तहत 24 मई को एक रैली आयोजित की गई थी। जहां बीजेपी नेता रवि कुमार ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि यहां का जिला प्रशासन कांग्रेस के दबाव पर काम करता था।

इसी को लेकर उन्होंने जिला कलेक्टर के कार्यों की नीतियों पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि कलबुर्गी जिला कलेक्टर दफ्तर ने भी अपनी आजादी खो दी है। जिला कलेक्टर मैडम भी इस समय कांग्रेस की ही सुन रही हैं। मुझे नहीं पता कि जिला कलेक्टर पाकिस्तान से आईं हैं या यहां की आईएएस अधिकारी हैं।

आईएएस अधिकारी संघ ने बीजेपी नेता रवि कुमार के बयान की निंदा करते हुए कहा कि इस प्रकार की गैर जिम्मेदाराना टिप्पणियों को किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किया जाएगा। संघ ने कहा कि कुमार को अपनी टिप्पणी पर बिना किसी शर्त के माफी मागं लेनी चाहिए। संघ ने आईएएस फौजिया तरन्नुम के कामों की तारीफ करते हुए कहा कि फौजिया तरन्नुम पर एक साफ सुधरी छवि वाली अधिकारी हैं। इसका एक ट्रैक रिकॉर्ड भी रहा है। और वे सार्वजनिक सेवा और राज्य के प्रति गहरी समर्पण की अधिकारी हैं। उनके खिलाफ रवि कुमार द्वारा की गई टिप्पणी निराधार, अनुचित और पूरी तरह से तर्कहीन है। संघ की तरफ से कहा गया कि रवि कुमार ने जो बयान दिया इस तरह के भड़काऊ और झूठे बयान न केवल प्रतिबद्ध सिविल सेवकों की गरिमा को ठेस पहुंचाते हैं, बल्कि गंभीर मानसिक आघात भी पहुंचाते हैं और कर्तव्य की पंक्ति में उत्पीड़न के समान हैं। इसके साथ ही संघ ने इस तरह की टिप्पणियों पर भी चिंता जाहिर की है। संघ ने साफ किया कि वे आगे आने वाली किसी भी स्थिति में अपने अधिकारी के साथ खड़े हैं।

कलेक्टर का अवैध खनन पर एक्शन, 10 करोड़ से अधिक का जुर्माना लगाया

मऊगंज, 27 मई (एजेंसियां)। मऊगंज जिले में अवैध खनन पर जिला प्रशासन ने अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई करते हुए खनन माफियाओं के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। कलेक्टर संजय कुमार जैन के नेतृत्व में हुई इस कार्रवाई के तहत एक क्रेशर संचालक पर 10 करोड़ 8 लाख एक हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया है। यह जुर्माना मऊगंज तहसील के हर्हा क्षेत्र में तय सीमा से बाहर खनन करने और बांध क्षेत्र के नजदीक अवैध गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने पर लगाया गया है। जानकारी के अनुसार, सीधी जिले के नेबुहा गांव निवासी कृष्ण कुमार सिंह द्वारा संचालित क्रेशर यूनिट पर आरोप था कि उसने खसरा नंबर 7/1 के उस हिस्से में खनन किया जो स्वीकृत लीज क्षेत्र से बाहर आता है। यही नहीं, खनन स्थल बांध के नजदीक होने से जल संरचना और पर्यावरणीय संतुलन को गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया था।

'राजा बाबू ऑपरेशन वोट बैंक के तहत पूरे देश का दौरा करने में जुट गए हैं'

संजय सिंह का पीएम मोदी पर तंज

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गुजरात में किए गए रोड शो को लेकर आम आदमी पार्टी के नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने तीखा हमला बोला है।

उन्होंने पीएम मोदी के रोड शो पर तंज कसते हुए पहलगाम हमले के आतंकवादियों का जिक्र किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर लिखा, अभी तक पहलगाम हमले के खूंखार आतंकवादी मारे नहीं गए। जिन बहनों के माथे का सिंदूर उजड़ा, मोदी जी को उनसे मिलने की फुर्सत नहीं मिली। लेकिन, 'राजा बाबू' कपड़े बदल-बदल कर 'ऑपरेशन वोट बैंक' के तहत पूरे देश का दौरा करने में जुट गए हैं। संजय सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) को गंवाने का आरोप लगाते हुए भी हमला बोला है। उन्होंने कहा, हमारे सशस्त्र बलों ने ऑपरेशन सिंदूर में बहादुरी दिखाई और 9 आतंकवादी ठिकानों को नष्ट कर दिया। बलूचिस्तान को पाकिस्तान के नक्शे से मिटा दिया जा सकता था, लेकिन पीओके को वापस लिया जा सकता था। अगर भारत इन सुनहरे अवसरों से चूक गया, तो यह पीएम मोदी की वजह से हुआ। बता दें कि पीएम मोदी इस समय गुजरात के दो दिवसीय दौरे पर हैं। 26 मई को अहमदाबाद में रोड शो के बाद उन्होंने जनसभा को संबोधित करते हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता का जिक्र किया। उन्होंने पाकिस्तान को कड़ा संदेश देते हुए कहा कि आतंकवाद से छुटकारा पाने के लिए पाकिस्तान की जनता को खुद आगे आना होगा। पीएम मोदी का यह बयान राष्ट्रीय सुरक्षा और आतंकवाद के मुद्दे पर उनकी सरकार की सख्त नीति को दर्शाता है। प्रधानमंत्री का यह दौरा यहीं नहीं रुकता। गुजरात के बाद वह बिहार के दो दिवसीय दौरे पर जाएंगे। इस दौरान पटना में रोड शो होगा और 30 मई को रोहतास जिले में उनकी एक जनसभा प्रस्तावित है।

चलती बस में महिला के बैग से निकाल लिया मोबाइल, सीसीटीवी में कैद हुई चोरी की पूरी घटना

बालेश्वर, 27 मई (एजेंसियां)। ओडिशा के बालेश्वर जिले से एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक चलती बस के अंदर महिला के बैग से मोबाइल चोरी करने का मामला सामने आया है। वहीं बस में मोबाइल चोरी की पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, जिसमें महिला को बैग से मोबाइल चोरी करते हुए देखा जा सकता है। ये वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। पूरी घटना खंतापड़ा थाना क्षेत्र की बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, एक महिला बस में सफर कर रही थी। तभी एक दूसरी महिला ने बड़ी चालाकी से उसके बैग से मोबाइल चोरी कर लिया। बस के अंदर लगे सीसीटीवी कैमरे में चोरी की घटना रिकॉर्ड हो गई। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि किस तरह शातिर महिला ने बैग से मोबाइल निकाल कर अपने पास छिपा लिया। हालांकि पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए महिला को हिरासत में ले लिया है। पकड़ी गई महिला ओडिशा की नहीं है और वह कोई अन्य भाषा बोलती है। इसके साथ ही यह भी सामने आया है कि इस महिला के साथ पांच से अधिक नाबालिग लड़के और लड़कियां भी मौजूद थे। इससे शक और भी गहरा हो गया है कि यह कोई संगठित गिरोह हो सकता है।

बताया जा रहा है कि इन महिलाओं का गिरोह खास तौर पर भीड़-भाड़ वाली जगहों जैसे कि बसे स्टेशन और बाजार में सक्रिय रहता है। विशेष रूप से बहरागोड़ा, सोरो, नीलगिरी, शेरगढ़ और बालेश्वर जैसे इलाकों में ये गिरोह यात्रियों के बैग से चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रहा है।

धर्म को वापस लाना है तो युद्ध भी लड़ना होगा

प्रियंका चतुर्वेदी ने पेरिस में क्यों कहा भारत गांधी-बुद्ध ही नहीं कृष्ण की भी धरती, पाकिस्तान को दिया मैसेज

मुंबई, 27 मई (एजेंसियां)। फ्रांस के पेरिस में भारतीय प्रवासियों के साथ बातचीत के दौरान ऑल पार्टी डेलीगेशन में शामिल शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने आतंकवाद के खिलाफ भारत के गुस्से को जाहिर किया। उन्होंने कहा कि आज मैं विपक्ष के सदस्य के रूप में अपने देश के 1.4 बिलियन लोगों के साथ अपनी एकजुटता दुनिया के सामने जाहिर करने आई हूं। उन्होंने कहा कि भारत के सभी लोग एक समान रूप से आतंकवाद और आतंकी गतिविधियों को लेकर आक्रोश में हैं। उन्होंने कहा कि मैं महाराष्ट्र राज्य से आती हूं और मैं मुंबई से हूं। मुंबई में सबसे खतरनाक आतंकवादी हमला हुआ था। इस हमले में 160 से ज्यादा लोग मारे गए थे। उन्होंने सवाल पूछा और कहा कि यह आतंकवाद कहां से आ रहा है? मुझे आपको यह सब बताने की जरूरत नहीं है। प्रियंका बीजेपी सांसद रविशंकर प्रसाद के नेतृत्व में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा हैं। प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि आतंकवाद की सभी जड़ें पाकिस्तान से आती हैं। उन्होंने कहा कि हम न केवल अपना गुस्सा जाहिर करने आए हैं, बल्कि अपना भरोसा भी जाहिर करने भी आए हैं। उन्होंने कहा कि आप सभी उन्हीं चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, जिनका सामना हम अपने देश में कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हां, मैं उसी मिट्टी से आती हूं, जहां से महात्मा गांधी आते हैं। हम सभी बुद्ध की भूमि से आते हैं, लेकिन हम कृष्ण की भूमि से भी आते हैं। महाभारत के समय भगवान कृष्ण ने अर्जुन से कहा था कि यदि धर्म को वापस लाना है, तो युद्ध भी लड़ना होगा। प्रियंका ने कहा कि फोक्स बिल्कुल ही क्लियर है। भारत की तरह फ्रांस भी पाकिस्तान से निकलने वाले आतंकवाद से पीड़ित है। फ्रांस में नागरिक क्षेत्रों और सार्वजनिक स्थानों को निशाना बनाने वाले आतंकवादियों को पाकिस्तान की ओर से सहायता, ट्रेनिंग और आर्थिक तौर से सहयोग और यहां तक कि आश्रय भी दिया जा रहा है। हम दोनों का ही दुश्मन आतंकवाद है और हम दुनिया को बता रहे हैं कि इसका कितना हिस्सा पाकिस्तान से जुड़ा है। चाहे वह अल-कायदा हो, अमेरिका में 9/11 का हमला हो, यूरोपीय देशों में आतंकवाद हो या भारत में हमले हों, इसका सुराग हमेशा पाकिस्तान की ओर जाता है। सुरक्षित दुनिया के लिए अब समय आ गया है कि हम उन्हें जवाबदेह ठहराएं।

सीमा पार कर पाकिस्तान पहुंचने वाली महिला सुनीता को हिरासत में लेगी नागपुर पुलिस

नागपुर, 27 मई (एजेंसियां)। सीमा पार कर करगिल से पाकिस्तान जाने वाली महाराष्ट्र के नागपुर की एक महिला को हिरासत में लेने के लिए शहर की पुलिस का एक दल अमृतसर भेजा गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने यह बताया कि 'पाकिस्तान रेंजर्स' ने शनिवार को 43 साल की महिला सुनीता जामगडे को सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को सौंप दिया गया है। जोन-5 के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) निकेतन कदम ने यह बताया कि महिला चार मई को अपने 13 साल के बेटे के साथ नागपुर से निकली और करगिल पहुंची थी, जहां से 14 मई को सीमा पार कर वह पाकिस्तान चली गई। उन्होंने बताया कि महिला को बाद में पाकिस्तानी प्राधिकारियों ने पकड़ लिया। सुनीता को लेने के लिए नागपुर पुलिस की एक टीम अमृतसर रवाना हो चुकी है। क्षेत्रीय डीसीपी निकेतन कदम ने यह बताया कि सुनीता के खिलाफ आगे कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। अधिकारी ने यह बताया कि सुनीता अभी अमृतसर पुलिस की हिरासत में है, जिसे वापस लाने के लिए एक अधिकारी और दो महिला कांस्टेबल की टीम वहां भेजी गई है। निकेतन कदम ने यह कहा, ''हिरासत में लेने के बाद हम उससे पूछताछ करेंगे। हम जांच करेंगे कि क्या वह जासूसी या किसी और गैरकानूनी गतिविधि में शामिल तो नहीं थी।''अधिकारी ने यह कहा कि अमृतसर पुलिस ने 'जीरो एफआईआर' दर्ज कर ली है, जिसे नागपुर के कपिल नगर थाने में स्थानांतरित कर दिया जाएगा।

आप ऑफिस मामले को लेकर दिल्ली एचसी ने जारी किया नोटिस

केंद्र सरकार-स्टेट डायरेक्टरेट से मांगा जवाब

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट ने आम आदमी पार्टी की याचिका पर पार्टी ऑफिस के आवंटन को रद्द करने के स्टेट डायरेक्टरेट के आदेश के खिलाफ नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। दिल्ली हाईकोर्ट में जस्टिस सचिन दत्ता की बेंच ने केंद्र सरकार और स्टेट डायरेक्टरेट को नोटिस जारी कर इस मामले में डिटेल एफिडेविट करने का आदेश जारी किया है। दिल्ली हाईकोर्ट, आम आदमी पार्टी की याचिका पर 12 अगस्त को सुनवाई करेगा। आम आदमी पार्टी ने ऑफिस पर कब्जा करने के लिए और मार्केट रेट पर किराया वसूलने के फैसले को भी दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी है। आम आदमी पार्टी ने अपनी याचिका में कहा कि आवंटन रद्द करने की वजह पार्टी को बताएं बिना संबंधित डिपार्टमेंट ने ऐसा किया है। 'आप' ने स्टेट डायरेक्टरेट की तरफ से 14 सितंबर को जारी आदेश को चुनौती दी है। इसमें ऑफिस के लिए उसके पक्ष में किए गए आवंटन को रद्द कर दिया गया था। दिल्ली हाईकोर्ट में दाखिल याचिका में कहा गया है कि आवंटन रद्द करने का स्टेट डायरेक्टरेट का आदेश गलत है। क्योंकि, आवंटन को रद्द करने से पहले याचिकाकर्ता को कोई कारण नोटिस विभाग की तरफ से जारी नही किया गया और न ही आप को उचित समय दिया गया। आप की तरफ से दिल्ली हाईकोर्ट में दलील देते हुए यह कहा गया कि संबंधित विभाग का आवंटन रद्द करने का आदेश न्याय के मूल सिद्धांतों का उल्लंघन है। आप ने आरोप लगाया था कि केंद्र सरकार उसके साथ अन्य पार्टियों जैसा समान व्यवहार नहीं कर रही है। दूसरी ओर, केंद्र ने सफाई दी कि सेंट्रल दिल्ली में पार्टी दफ्तर के लिए कोई जगह खाली नहीं है। इसी मामले में जस्टिस सचिन दत्ता ने कार्यालय रद्द करने के फैसले और जुर्माने पर रोक लगाने संबंधी याचिका पर नोटिस जारी किया है।

बंगाल के कालीगंज सीट पर 19 जून को होगा उपचुनाव

टीएमसी ने अलीफा अहमद को बनाया अपना उम्मीदवार

कोलकाता, 27 मई (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल के नादिया जिले में 19 जून को होने वाले कालीगंज विधानसभा उपचुनाव के लिए अलीफा अहमद को अपना उम्मीदवार घोषित किया। अलीफा अहमद तृणमूल कांग्रेस के दिवंगत विधायक नसीरुद्दीन अहमद की बेटी हैं। पार्टी ने एक्स पर पोस्ट किया, टीएमसी अध्यक्ष ममता बनर्जी की प्रेरणा और मार्गदर्शन में, एआईटीसी को आगामी 19 जून, 2025 को होने वाले पश्चिम बंगाल विधानसभा उपचुनाव के लिए उम्मीदवार की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। कालीगंज की उम्मीदवार अलीफा अहमद हैं। पश्चिम बंगाल में कालीगंज विधानसभा सीट पर उपचुनाव मौजूदा विधानसभा सदस्य नसीरुद्दीन अहमद के निधन के कारण जरूरी हो गया है। अहमद, जिन्हें 'लाल दा' के नाम से जाना जाता था, 70 वर्ष के थे और वह एक अनुभवी नेता थे। अहमद ने पश्चिम बंगाल विधानसभा में कई बार कालीगंज का प्रतिनिधित्व किया था। साल 2011 और 2021 में उन्होंने इस सीट पर जीत हासिल की। हालांकि साल 2016 में एक बार अंतराल देखने को मिला। बता दें कि इस सीट का राजनीतिक महत्व टीएमसी के लिए काफी ज्यादा है। इसलिए सत्तारूढ़ पार्टी ने इस सीट से नसीरुद्दीन अहमद की बेटी को अपना उम्मीदवार चुना है। बता दें कि हाल ही में मतदाता सूची में हुए संशोधन के मुताबिक, कालीगंज विधानसभा सीट पर लगभग 2.5 लाख मतदाता पंजीकृत हैं। बता दें कि चुनाव आयोग ने रविवार को घोषणा की कि पश्चिम बंगाल के नादिया जिले में कालीगंज विधानसभा क्षेत्र के लिए उपचुनाव 19 जून को होगा।

अगर बालासाहेब होते तो पश्चाताप करते कि ऐसे लोगों को क्यों बचाया : संजय राउत

मुंबई, 27 मई (एजेंसियां)। शिवसेना (यूबीटी) के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के बयान पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि अगर बालासाहेब (बाल ठाकरे) होते तो उन्हें पश्चाताप होता कि ऐसे लोगों को क्यों बचाया? चाहे तड़ीपार से, चाहे मुख्यमंत्री से। उद्धव ठाकरे गुट के नेता संजय राउत ने मंगलवार को कहा, "हम पहलगाम और ऑपरेशन सिंदूर पर 2 दिन का स्पेशल सेशन मांग रहे हैं, तो उन्होंने ऑल पार्टी डेलीगेशन भेज दिया। पीएम मोदी और अमित शाह भाषण से डरते हैं और मंच से भाषण देकर निकल जाते हैं।" संजय राउत ने कहा, "ऑपरेशन सिंदूर एक फेलयर ऑपरेशन है। ऑपरेशन सिंदूर करने की जरूरत क्यों पड़ी है क्योंकि पहलगाम में मां-बहन का सिंदूर उजाड दिया गया था। इसके जिम्मेदार अमित शाह हैं। अमित शाह को इस्तीफा देना चाहिए। कहां है आतंकवादी, क्या आपने आतंकवादियों को गुजरात में छिपाया है। जिम्मेदार आप हैं, आपकी वजह से मां-बहनों का सिंदूर उजड़ गया।"

अमित शाह ने क्या कहा था?

दरअसल इससे पहले सोमवार को अमित शाह ने महाराष्ट्र के नांदेड़ में एक कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री और शिवसेना (यूबीटी) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे पर निशाना साधते हुए कहा था कि अगर शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे जीवित होते, तो 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता के लिए वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को गले लगाते। अमित शाह ने कहा, "शिवसेना यूबीटी ने आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने के भारत का संदेश पहुंचाने के लिए साझेदार देशों का दौरा करने वाले सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों को बारात कहकर मजाक उड़ाया।" उन्होंने कहा, ''मुझे नहीं पता कि 'उद्धव सेना' को क्या हो गया है। वे प्रतिनिधिमंडल को बारात कह रहे हैं, जबकि उनके अपने सदस्य इसका हिस्सा हैं।'' मोदी सरकार ने केंद्र ने पाकिस्तान की साजिशों और आतंकवाद के प्रति भारत की प्रतिक्रिया के बारे में अंतरराष्ट्रीय समुदाय तक संदेश पहुंचाने के लिए सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भेजे हैं।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सु वि चा र

अगर आपके जीवन में संतोष है तो आप हर चीज पर विजय प्राप्त कर सकते है ।

सभी निर्वाचन क्षेत्रों में राजीव युवा विकासम के स्वीकृति पत्र वितरित करें : भट्टी

हैदराबाद, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने अधिकारियों को 2 जून को तेलंगाना राज्य स्थापना दिवस पर राजीव युवा विकासम योजना के लाभार्थियों को स्वीकृति पत्रों के वितरण का सावधानीपूर्वक आयोजन करने का निर्देश दिया है। उपमुख्यमंत्री ने मंगलवार को सचिवालय में राजीव युवा विकासम योजना के कार्यान्वयन की प्रगति की समीक्षा की और अधिकारियों को कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बेरोजगार युवाओं की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और पूरे मंत्रिमंडल के नेतृत्व में राजीव युवा विकासम योजना एक प्रतिष्ठित पहल के रूप में शुरू की गई थी।

उन्होंने निर्देश दिया कि 2 से 9 जून तक तेलंगाना के सभी विधानसभा क्षेत्रों में योजना के चयनित लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र वितरित किए जाएं। 10 से 15 जून तक जिला एवं विधानसभा स्तर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए जाएं। 15 जून के बाद ग्राउंडिंग प्रक्रिया (स्वीकृत सहायता का क्रियान्वयन) को संगठित तरीके से चलाया जाए। इसका उद्देश्य 2 जून को राजीव युवा विकासम योजना की शुरूआत करना और 2 अक्टूबर को गांधी जयंती तक 5 लाख युवाओं को स्वरोजगार से सशक्त बनाना है।

उन्होंने निर्देश दिया कि कार्यक्रम हर महीने आयोजित किया जाना चाहिए और चरणों में पूरा किया जाना चाहिए। एससी, एसटी, बीसी और अल्पसंख्यक कल्याण विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों को जिला प्रभारी मंत्रियों और कलेक्टरों के साथ समन्वय करना चाहिए। भट्टी ने कहा कि गिग वर्कर बनने के इच्छुक शहरी युवाओं को राजीव युवा विकासम योजना के तहत दोपहिया वाहन खरीदने का अवसर दिया जाना चाहिए। उपमुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिया कि कल्याण निगमों के अध्यक्ष इस योजना के तहत आवेदन प्राप्त करें और सभी समीक्षा किए गए आवेदनों को संबंधित जिला कलेक्टरों को तुरंत भेजें। उन्होंने कहा कि यह देश के इतिहास में एक रिकॉर्ड है- किसी अन्य राज्य ने युवाओं के स्वरोजगार के लिए एक साल में 8,000 करोड़ रुपये खर्च नहीं किए हैं।

भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि इस तरह की महत्वपूर्ण पहल इंदिराम्मा राज्यम में रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में ही संभव हो पाई है। उच्च स्तरीय समिति की बैठक में मुख्य सचिव रामकृष्ण राव, प्रमुख सचिव संदीप कुमार सुल्तानिया (वित्त), प्रमुख सचिव श्रीधर (एससी निगम), बीसी कल्याण आयुक्त बाला मायादेवी, अल्पसंख्यक कल्याण आयुक्त यास्मीन बाशा और उपमुख्यमंत्री के विशेष सचिव कृष्ण भास्कर समेत अन्य लोग मौजूद थे।

अधिकारियों ने कर्मचारियों के मुद्दों पर उपमुख्यमंत्री को जानकारी दी

हैदराबाद, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार के कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए तेलंगाना सरकार ने हाल ही में एक उच्चस्तरीय समिति का गठन किया है। इस समिति में सीसीएलए सचिव नवीन मित्तल, पंचायत राज सचिव लोकेश कुमार और ट्रांसको के सीएमडी कृष्ण भास्कर शामिल हैं। समिति ने हाल ही में कर्मचारी यूनियनों के नेताओं के साथ चर्चा की और उनकी चिंताओं के बारे में ज्ञापन एकत्र किए। मंगलवार को प्रजा भवन में समिति ने उपमुख्यमंत्री और कर्मचारी मुद्दों के लिए उपसमिति के अध्यक्ष मल्लु भट्टी विक्रमार्क को कर्मचारी यूनियनों द्वारा उठाई गई समस्याओं से संबंधित जानकारी दी। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि इस महीने की 29 तारीख को उपसमिति की बैठक होगी। उन्होंने अधिकारियों की समिति को उस बैठक के दौरान कर्मचारी यूनियनों द्वारा उठाए गए मुद्दों और प्रस्तावित समाधानों का विवरण प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।

आरटीसी कर्मचारियों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध : वीसी सज्जनार

राज्य सरकार के सहयोग से लंबित मुद्दों का समाधान

हैदराबाद, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कंपनी के प्रबंध निदेशक वीसी सज्जनार ने स्पष्ट किया कि प्रबंधन टीजीएसआरटीसी कर्मचारियों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है और राज्य सरकार के सहयोग से लंबित मुद्दों को चरणबद्ध तरीके से हल करेगा। प्रबंधन ने मंगलवार को हैदराबाद के बागलिंगमपल्ली स्थित टीजीएसआरटीसी कला भवन में राज्य स्तरीय कर्मचारी कल्याण बोर्ड के सदस्यों के साथ बैठक की।

कंपनी के एमडी वीसी सज्जनार बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने कल्याण बोर्ड के सदस्यों तथा आरटीसी के वरिष्ठ अधिकारियों से सुझाव एवं सलाह प्राप्त की। उन्होंने क्षेत्रीय स्तर पर समस्याओं के बारे में जानकारी ली। इस अवसर पर बोलते हुए कुलपति सज्जनार ने कहा कि प्रबंधन आरटीसी कर्मचारियों के कल्याण को प्राथमिकता दे रहा है जो समर्पण के साथ काम कर रहे हैं और यात्रियों को सुरक्षित रूप से उनके गंतव्य तक पहुंचा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हर महीने की पहली तारीख को वेतन का भुगतान किया जा रहा है, 2017 पीआरसी और 2013 आरपीएस बांड 21 प्रतिशत फिटमेंट के साथ जारी कर दिए गए हैं तथा लंबित महंगाई भत्ते स्वीकृत कर दिए गए हैं। बताया गया कि कर्तव्य निर्वहन के दौरान शहीद हुए 2350 कार्मिकों के परिवार के सदस्यों को अनुकंपा नियुक्ति के माध्यम से नौकरी प्रदान की गई है। यह बात सामने आई कि 537 अन्य ऐसे लोगों को भी नौकरी दे दी गई जो चिकित्सकीय रूप से अयोग्य थे। उन्होंने याद दिलाया कि कर्मचारियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए ग्रैंड हेल्थ चैलेंज कार्यक्रम के माध्यम से प्रत्येक कर्मचारी का स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया और इसके परिणामस्वरूप कंपनी ने 726 कर्मचारियों और 184 कर्मचारियों के जीवनसाथियों की जान बचाई। उन्होंने कहा कि महालक्ष्मी योजना के क्रियान्वयन के कारण कर्मचारियों पर बढ़े कार्यभार को कम करने के लिए ड्राइवर व कंडक्टर के पदों पर अस्थायी नियुक्तियां की जा रही हैं, लेकिन कुछ लोग जानबूझकर गलत प्रचार कर रहे हैं। बताया गया कि सरकार ने आरटीसी में 3036 नियमित पदों को भरने की अनुमति दे दी है, लेकिन तकनीकी कारणों से भर्ती प्रक्रिया में देरी हो रही है। उन्होंने कहा कि उन नियमों को निश्चित रूप से लागू किया जाएगा और इसमें किसी भी प्रकार की शंका की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि पिछले पांच-छह महीनों से कुछ लोग अपने अस्तित्व की रक्षा के लिए भड़काऊ बातें कर रहे हैं, इसके बावजूद कर्मचारी समय के बहुत पाबंद हैं।

उन्होंने केंद्र सरकार से अनुरोध किया है कि वह राज्य सरकार के सहयोग से आरटीसी को इलेक्ट्रिक बसें खरीदने का अवसर प्रदान करे। उन्होंने कहा कि प्रबंधन द्वारा लिए गए निर्णय कर्मचारियों और संगठन के हितों पर आधारित होते हैं, किसी के व्यक्तिगत हितों पर नहीं। उन्होंने बताया कि प्रत्येक निर्णय बहुत पारदर्शी तरीके से तथा कंपनी के नियमों एवं विनियमों के अनुसार लिया जाएगा। यह सुझाव दिया गया कि कल्याण बोर्ड के सदस्यों को प्रबंधन और कर्मचारियों के बीच संपर्क सूत्र के रूप में कार्य करना चाहिए।

वारंगल में अवैध रूप से रखी गई पशु चिकित्सा दवाइयां जब्त की गईं

हैदराबाद, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। दवाओं की अवैध बिक्री के बारे में गुप्त सूचना मिलने पर औषधि नियंत्रण प्रशासन के अधिकारियों ने सोमवार को गिरमाजीपेट, वारंगल के डी. नं. 16-7-61, ओल्ड ग्रेन मार्केट एरिया, शटर नं. 1 और 3 पर स्थित साईकिरन पोल्ट्री एंड वेट मेडिकल्स नामक एक मेडिकल शॉप पर छापा मारा। ड्रग्स नियमों के अनुसार, यदि एक से अधिक स्थानों पर दवाओं की बिक्री या बिक्री के लिए स्टॉक किया जाता है, तो प्रत्येक ऐसे स्थान के लिए अलग से लाइसेंस प्राप्त किया जाना चाहिए। हालांकि, साईकिरन पोल्ट्री एंड वेट मेडिकल्स उक्त परिसर में अवैध रूप से बिना किसी ड्रग लाइसेंस के मेडिकल शॉप चला रहा था। छापे के दौरान, डीसीए अधिकारियों ने बिक्री के लिए बड़ी मात्रा में पशु चिकित्सा दवाओं का अनधिकृत स्टॉक पाया। परिसर में कुल 26 प्रकार की पशु चिकित्सा दवाइयां पाई गईं, तथा छापेमारी के दौरान 2.5 लाख रुपए मूल्य की दवाइयां जब्त की गईं। वारंगल के औषधि निरीक्षक जे. किरण कुमार ने सहायक निदेशक, वारंगल डॉ.जी. राज्यलक्ष्मी की देखरेख में छापेमारी की। डीसीए अधिकारियों ने विश्लेषण के लिए नमूने उठाए। थोक विक्रेता/डीलर, जो बिना लाइसेंस वाली दुकानों को दवाइयां सप्लाई करते हैं, जो बिना ड्रग लाइसेंस के दवाइयां स्टॉक करके बेच रहे हैं, वे भी औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम के तहत दंडनीय हैं, तथा ऐसे थोक विक्रेताओं/डीलरों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। थोक विक्रेताओं/डीलरों को अनिवार्य रूप से यह सुनिश्चित करना होगा कि उन्हें दवाइयां सप्लाई करने से पहले प्राप्तकर्ता संस्थाओं के पास वैध ड्रग लाइसेंस हो।

सरकार से सवाल करने वालों के खिलाफ झूठे मामले : निरंजन रेड्डी

हैदराबाद, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री सिंगीरेड्डी निरंजन रेड्डी ने कहा है कि राज्य सरकार पर सवाल उठाने वालों के खिलाफ मामले दर्ज करना राज्य सरकार की आदत बन गई है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर राज्य सरकार की कार्रवाई इसी तरह जारी रही, तो लोग उसके खिलाफ हो जाएंगे। निरंजन रेड्डी ने तेलंगाना भवन में मीडिया से बात की। उन्होंने कहा कि पूर्व सीएम केसीआर ने मुख्यमंत्री रहते हुए कई बार राष्ट्रीय मुद्दों पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, केसीआर ही एकमात्र व्यक्ति थे, जिन्होंने दिल्ली विरोध प्रदर्शन में मारे गए उत्तर भारतीय किसानों के परिवारों का समर्थन किया था। शासकों को ऐसे कदम उठाने चाहिए, जिससे इस पीढ़ी के साथ-साथ आने वाली पीढ़ियों को भी मौजूदा परिस्थितियों से बेहतर जीवन मिल सके।

अन्यथा, इतिहास में उनके लिए कोई जगह नहीं होगी। रेड्डी ने आरोप लगाया कि अनाज खरीद के मामले में सरकार की विफलताएं सभी मीडिया आउटलेट्स की खबरों में स्पष्ट हो गई हैं और उन्होंने कहा कि किसानों की समस्याओं को देखने के बाद भी सरकार में कोई हलचल नहीं हुई। रबी की फ़सल कटने और मानसून आने के बाद भी महीनों तक ख़रीद प्रक्रिया जारी रहती है। अनाज की ख़रीद में की जा रही बेतरतीब कटौती के बावजूद किसानों की आपत्तियों पर कोई ध्यान नहीं दे रहा है। अगर आप मिल मालिकों से सवाल करते हैं, तो वे किसानों को धमका रहे हैं। वे सीएम के आदेशों पर भी ध्यान नहीं दे रहे हैं। उनसे सवाल करने वालों पर दबाव बनाया जा रहा है। झूठे मामले दर्ज करके उन्हें परेशान किया जा रहा है। अगर सरकार की रोक इसी तरह जारी रही, तो लोग इसके खिलाफ़ हो जाएंगे।

बीआईएस हैदराबाद ने डोर स्टील बट हिंज फैक्ट्री पर छापा मारा

हैदराबाद, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), हैदराबाद शाखा कार्यालय ने सोमवार को बीआईएस अधिनियम, 2016 के उल्लंघन के लिए संगारेड्डी जिले के टीएसआईआईसी पशमीलाराम में स्थित एक विनिर्माण इकाई में तलाशी और जब्ती अभियान चलाया।

छापे के दौरान, बीआईएस अधिकारियों ने नकली आईएसआई मार्क वाले डोर स्टील बट हिंज का पर्याप्त स्टॉक जब्त किया, जिनमें से सभी बीआईएस से वैध लाइसेंस के बिना निर्मित पाए गए। यह बीआईएस अधिनियम, 2016 की धारा 17(3) का स्पष्ट उल्लंघन है, जो किसी भी व्यक्ति या संस्था को ब्यूरो से वैध लाइसेंस के बिना उत्पादों पर बीआईएस मानक चिह्न (या उसकी किसी भी नकल) का उपयोग करने या लगाने से रोकता है। यह अभियान बीआईएस हैदराबाद शाखा कार्यालय के निदेशक और प्रमुख पी.वी. श्रीकांत के निर्देशन में चलाया गया और इसका नेतृत्व निदेशक तम्मादी सुजाता और संयुक्त निदेशक राकेश तन्नेरू ने किया।

इसके अलावा, जनता को यह भी सूचित किया जाता है कि हाल ही में भारत सरकार द्वारा जारी गुणवत्ता नियंत्रण आदेश (क्यूसीओ) के माध्यम से विभिन्न प्रकार के टिका को अनिवार्य बीआईएस प्रमाणन के तहत लाया गया है। इस आदेश के अनुसार, आईएसआई मार्क और वैध बीआईएस लाइसेंस के बिना टिका का निर्माण, भंडारण, बिक्री या वितरण सख्त वर्जित है। बीआईएस इस बात पर जोर देता है कि आईएसआई मार्क का अनधिकृत उपयोग या वैध बीआईएस प्रमाणन के बिना अधिसूचित उत्पादों का निर्माण या बिक्री बीआईएस अधिनियम 2016 का उल्लंघन है और इसके लिए दो साल तक की कैद या पहली बार अपराध करने पर कम से कम 2 लाख रुपये का जुर्माना हो सकता है। बार-बार अपराध करने पर 5 लाख या उससे अधिक का जुर्माना लगाया जा सकता है, और अपराध संज्ञेय प्रकृति का है और उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उपभोक्ताओं, व्यापारियों और निर्माताओं से दृढ़तापूर्वक आग्रह किया जाता है कि वे एंड्रॉइड और आईओएस दोनों प्लेटफ़ॉर्म पर उपलब्ध बीआईएस केयर ऐप का उपयोग करके आईएसआई-चिह्नित उत्पादों की प्रामाणिकता को सत्यापित करें। लोगों को ऐप के माध्यम से या बीआईएस हैदराबाद शाखा कार्यालय से संपर्क करके आईएसआई चिह्न या अप्रमाणित उत्पादों के किसी भी संदिग्ध दुरुपयोग की रिपोर्ट करने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है।

टीजीआईसीसीसी में सक्षम अधिकारियों का नामांकन किया जाए : निदेशक

मानसून की तैयारियों की बैठक आयोजित

हैदराबाद, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के बंजारा हिल्स स्थित वॉर रूम में तेलंगाना एकीकृत कमान और नियंत्रण केंद्र (टीजीआईसीसीसी) के निदेशक द्वारा मानसून की तैयारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में हैदराबाद कलेक्ट्रेट, जीएचएमसी, अग्निशमन सेवा, हाइड्रा, टीजीएसपीडीसीएल, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, आईएमडी, एसडीआरएफ, हैदराबाद एचएमडब्ल्यूएसएंडएसबी और साइबराबाद एवं राचकोंडा के पुलिस आयुक्तालयों के प्रमुख अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में आगामी मानसून सीजन के लिए तैयारियों का आकलन करने और उसे बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसमें जीएचएमसी सीमा के भीतर 141 चिन्हित जलभराव वाले हॉटस्पॉट पर बाढ़ की निगरानी और यातायात प्रबंधन पर विशेष जोर दिया गया। बैठक में भारी वर्षा के दौरान बिजली की बहाली, बाढ़ के पानी को निर्दिष्ट नालों में मोड़ना, मौसमी बीमारियों का शमन, जीर्ण-शीर्ण संरचनाओं की पहचान और उन पर आवश्यक कार्रवाई, आपातकालीन सहायता के लिए आपदा मित्र स्वयंसेवकों और गैर सरकारी संगठनों की तैनाती, सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सचेत मोबाइल एप्लीकेशन और अन्य सरकारी सेवाओं का प्रचार और उपयोग पर कार्य योजना पर विस्तृत चर्चा की गई। निदेशक, टीजीआईसीसीसी वी.बी. कमलासन रेड्डी ने सत्र की शुरुआत की और हितधारकों को संबोधित करते हुए उनके सहयोग और टीजीआईसीसीसी में सक्षम अधिकारियों के नामांकन के लिए अनुरोध किया ताकि एक समर्पित संयुक्त कार्रवाई दल (जेएटी) का गठन किया जा सके और मानसून के मौसम के दौरान टीजीआईसीसीसी सेवाओं का शीघ्र उपयोग करने की अपील की। सी.वी. आनंद, महानिदेशक और पुलिस आयुक्त, हैदराबाद सिटी ने सभी हितधारकों से चुनौतियों का पहले से अनुमान लगाने और जीएचएमसी, ट्रैफिक पुलिस, एचएमडब्ल्यूएस एंड एसबी, टीजीएसपीडीसीएल, हाइड्रा, स्वयंसेवकों आदि के फील्ड टीमों द्वारा संवेदनशील जलभराव और महत्वपूर्ण बिंदुओं पर टीमों को पहले से तैनात करने की अपील की। उन्होंने आपदा और आपातकालीन स्थितियों के दौरान वास्तविक समय के समन्वय के लिए टीजीआईसीसीसी की उन्नत सुविधाओं और संचार प्रणाली के इष्टतम उपयोग की भी अपील की। अग्निशमन सेवा विभाग का प्रतिनिधित्व करने वाले वाई. नागी रेड्डी ने मानसून के दौरान आग से संबंधित घटनाओं से कुशलतापूर्वक निपटने के लिए चिकित्सा और स्वास्थ्य सहित विभिन्न विभागों की भूमिकाओं और जिम्मेदारियों को परिभाषित करने वाले एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) का मसौदा तैयार करने के लिए कमांड कंट्रोल सेंटर की आवश्यकता पर बल दिया। उच्च स्तरीय अधिकारी ए.वी. रंगनाथ हाइड्रा से, मुकुंद राव बैठक में पुलिस आयुक्त, साइबराबाद तथा अन्य अधिकारी शामिल हुए। बैठक का समापन मानसून के मौसम में नागरिकों की सुरक्षा और कल्याण के लिए सभी विभागों द्वारा मिलकर काम करने की सामूहिक प्रतिबद्धता के साथ हुआ।

ओआरआर से कोंडापुर फ्लाईओवर का उद्घाटन जल्द ही होगा

हैदराबाद, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आउटर रिंग रोड को कोंडापुर (शिल्पा लेआउट फेज-2) से जोड़ने वाला लंबे समय से प्रतीक्षित फ्लाईओवर जल्द ही खुलने वाला है। चालू होने के बाद, यह फ्लाईओवर हैदराबाद के निवासियों, खासकर आईटी कॉरिडोर से आने-जाने वालों के लिए काफी मददगार साबित होगा। आधुनिक मल्टी-लेवल फ्लाईओवर का निर्माण पूरा होने वाला है और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी द्वारा जून के पहले सप्ताह में इसका उद्घाटन किए जाने की उम्मीद है। इसके शुरू होने से, गच्चीबोवली जंक्शन पर यात्रा की भीड़भाड़ काफी कम हो जाएगी, जिससे यात्रा का समय कम हो जाएगा। रणनीतिक सड़क विकास कार्यक्रम (एसआरडीपी) के तहत 178 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित इस फ्लाईओवर की लंबाई 1.2 किमी और चौड़ाई 24 मीटर है, जिसमें छह लेन हैं। इसकी खासियत यह है कि यह दो मौजूदा फ्लाईओवर के ऊपर बनी तीसरी मंजिल की संरचना है। गाच्चीबावली जंक्शन फ्लाईओवर नीचे स्थित है, जबकि शिल्पा लेआउट फेज 1 फ्लाईओवर इसके ऊपर है और हाल ही में बना फेज 2 फ्लाईओवर इसके ऊपर बना है। इस नए फ्लाईओवर से गच्चीबावली जंक्शन पर गंभीर यातायात की भीड़भाड़ को काफी हद तक कम करने की उम्मीद है। यह आउटर रिंग रोड (ओआरआर) से कोंडापुर और हाफिजपेट तक जाने वाले वाहनों के लिए बेहतर पहुंच प्रदान करता है। इसके अलावा, यह हाई-टेक सिटी और वित्तीय जिले से कनेक्टिविटी में सुधार करता है, जिससे यात्री अपने गंतव्य तक अधिक तेज़ी से और कुशलता से पहुंच सकते हैं, जिससे ट्रैफ़िक में लगने वाला समय कम हो जाता है। इस बीच, जीएचएमसी के अधिकारियों ने फ्लाईओवर के निर्माण में तेज़ी ला दी है। हालांकि पहले विभिन्न कारणों से देरी हुई थी, लेकिन अब यह परियोजना पूरी होने के करीब है। इस महीने के अंत तक काम पूरा करने की योजना है, और फ्लाईओवर का उद्घाटन जल्द ही मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी द्वारा किया जाएगा। जीएचएमसी आयुक्त आर.वी. कर्णन ने फ्लाईओवर को पूरा करने के लिए कई बार साइट का दौरा किया और परियोजना इंजीनियरों को इसे जल्द से जल्द पूरा करने का निर्देश दिया। एसआरडीपी द्वारा किए गए कुल 42 कार्यों में से, इस फ्लाईओवर के साथ 37 कार्य पूरे हो चुके हैं। आयुक्त ने रेलवे अधिकारियों को फलकनुमा रेलवे ओवर ब्रिज और शास्त्रीपुरम आरओबी कार्यों के रेलवे हिस्से को दो से तीन महीने के भीतर पूरा करने के लिए भी कहा। उन्होंने फलकनुमा आरओबी कार्यों को जुलाई के अंत तक और शास्त्रीपुरम आरओबी कार्यों को अगस्त के अंत तक पूरा करने का लक्ष्य रखा है। यदि ये दोनों आरओबी पूरे हो जाते हैं, तो एसआरडीपी कार्यों के पूरा होने का आंकड़ा 39 तक पहुंच जाएगा। वाहन चालक बिना यातायात व्यवधान के इस क्षेत्र में यात्रा कर सकते हैं।

हाइड्रा प्रमुख ने फतेहनगर पुल की सीढ़ियों का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हाइड्रा आयुक्त एवी रंगनाथ ने आज फतेहनगर पुल की सीढ़ियों का निरीक्षण किया। ज्ञात हो कि जर्जर पुल की सीढ़ियों से उतरते समय दो व्यक्ति टूटकर गिर गए थे, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आई थीं। सोमवार को हुई इस घटना के मद्देनजर आयुक्त ने मंगलवार को सीढ़ियों का निरीक्षण किया। कई लोगों ने आयुक्त को बताया कि सनतनगर में हर रविवार को मेला लगता है और इस दौरान सैकड़ों लोग सीढ़ियों का इस्तेमाल करते हैं। आयुक्त ने निष्कर्ष निकाला कि जर्जर अवस्था में पहुंच चुकी सीढ़ियों पर घूमना उचित नहीं है। उन्होंने हाइड्रा अधिकारियों को पुल के बगल में लगी सीढ़ियों को पूरी तरह हटाने का आदेश दिया। आयुक्त ने अधिकारियों को यह भी सलाह दी कि वे शहर में जर्जर संरचनाओं का सिविल इंजीनियरिंग विभाग के विशेषज्ञों से निरीक्षण करवाएं और खतरनाक होने से पहले उन्हें हटा दें। आयुक्त के आदेश पर हाइड्रा आपदा कर्मचारियों ने फतेहनगर पुल के बगल में बनी सीढ़ियों की सीढ़ियों को जेसीबी से हटा दिया। इस अवसर पर फतेह नगर पार्षद सतीश गौड़ ने कहा कि नई सीढ़ियां बनाने की व्यवस्था की जाएगी।

बीआरएस रजत जयंती समारोह होगा भव्य : महेश बिगाला

हैदराबाद, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस एनआरआई ग्लोबल सेल पार्टी की रजत जयंती और तेलंगाना राज्य स्थापना दिवस को मनाने के लिए 1 जून को डलास में भव्य समारोह आयोजित करने की पूरी कोशिश कर रहा है। डीआर पेपर एरिना में आयोजित होने वाला यह कार्यक्रम न केवल एक सांस्कृतिक तमाशा होगा, बल्कि पार्टी की विदेश में भागीदारी के लिए एक रणनीतिक मंच भी होगा। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामा राव इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि होंगे, जिसमें कई पूर्व मंत्री, मौजूदा और पूर्व विधायक, एमएलसी और अन्य प्रमुख पार्टी पदाधिकारी भी भाग लेंगे। बीआरएस एनआरआई के वैश्विक समन्वयक महेश बिगाला ने कहा कि डलास बैठक, भारत के बाहर बीआरएस का पहला बड़े पैमाने का आयोजन है, जो वैश्विक तेलंगाना प्रवासी समुदाय के साथ पार्टी के संबंधों को मजबूत करने में मील का पत्थर साबित होने की उम्मीद है।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, DASARI NAGA SARALA , W/O: 17006309L NK ERRAM SURESH , R/O. 1-85, MAIN ROAD, PEDDAKOPPERLA, KOILAKUNTTA, PEDDA KOPPERLA, KURNOOL, ANDHRA PRADESH - 518134 have changed my name from DASARI NAGA SARALA to ERRAM NAGA SARALA vide Affidavit dt.22-05-2025 AT Hyderabad

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

पूर्व तट रेलवे

ई-निविदा सूचना सं. VSKP-EL-C-T-192E
दिनांक : 22.05.2025

कार्य का नाम : "पूर्व तट रेलवे के वाल्टियर मण्डल में विशाखापट्टनम क्षेत्र (विशाखापट्टनम-गोपालपट्टनम, OEC-उत्तर सिम्हाचलम, उत्तर सिम्हाचलम-दुव्वाडा, कोत्तवलसा-विजयनगरम, वाडलापुडी-गेट जंक्शन एवं पेन्दुर्ति-उत्तर सिम्हाचलम फ्लाई ओवर) में विभिन्न नई तीसरी एवं चौथी लाइन, दोहरीकरण लाइन एवं फ्लाई ओवर कार्य आदि से संबंधित विविध जनरल सर्विस कार्य के साथ 33KV एवं 11KV उपयोगी वस्तुओं (Utilities) का स्थानान्तरण"।

कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 267.57 लाख, **EMD :** ₹ 2,83,800/-, **कार्य पूरा होने की अवधि:** 24 (चौबीस) महीने।

निविदा बंद होने की तिथि एवं समय : दिनांक 12.06.2025 को 1500 बजे।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही वह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होगी।

दृष्टव्य : पूर्वापशित निविदाकारों की यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन / शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की कम से कम 15 (पंद्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुनः अवलोकन करें। निविदाकारों/बोलीदाताओं के पास अवश्य क्लास-III डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र होना चाहिए और वे IREPS पोर्टल में अवश्य पंजीकृत होना चाहिए। केवल पंजीकृत निविदाकार/बोलीदाता ई-टेंडरिंग में शामिल हो सकते हैं।

निविदाकारों को निविदाकारों के लिए उद्दिष्ट सभी निर्देशों को सावधानी पूर्वक पढ़ना चाहिए एवं चार्टर्ड एकाउंटेंट द्वारा विधिवत सत्यापित और हस्ताक्षरित अनुलग्नक-B जमा करने साथ, निविदा दस्तावेज के चैप्टर 2 के अनुलग्नक-I, निविदा फॉर्म (द्वितीय शीट) की जाँच सूची, पैरा 3.1 (अतिरिक्त जाँच सूची) सहित सभी निर्देशावली का अनुपालन करना चाहिए।

उप मुख्य विद्युत अभियन्ता (निर्माण)/
PR-36/CI/25-26 विशाखापट्टनम

बाल श्रम की चुनौतियों से निपटने को तैयार योगी सरकार

> प्रदेश भर में जिला टास्क फोर्स का होगा गठन

लखनऊ, 27 मई (एजेंसियां)। नवाचारपूर्ण कदम उठाए हैं, जो उत्तर प्रदेश को एक सशक्त और समृद्ध समाज की ओर ले जा रहे हैं। बाल श्रम उन्मूलन की सबसे बड़ी चुनौती विश्वसनीय डाटा की अनुपलब्धता रही है, क्योंकि 2011 की जनगणना के बाद से इस संबंध में कोई व्यापक आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं। इस समस्या से निपटने के लिए पंचायती राज विभाग को ग्राम स्तर पर कामकाजी बच्चों और बाल श्रमिकों का डाटा एकत्र करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह डाटा श्रम और शिक्षा विभाग के साथ साझा किया जाएगा, जिससे बाल श्रम उन्मूलन कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से लागू किया जा सके। सभी जनपदों में शीघ्र ही जिला टास्क फोर्स का गठन किया जाएगा, जो पंचायतों के सहयोग से डाटा संकलन को गति देगा।

इसके अतिरिक्त, यूनिसेफ के सहयोग से विभिन्न विभागों की योजनाओं को एक बुकलेट में संकलित किया जाएगा, जिसमें बाल श्रमिकों और उनके परिवारों को लाभान्वित करने वाली योजनाओं की जानकारी होगी। यह पहल सुनिश्चित करेगी कि हर जरूरतमंद बच्चे और उनके परिवार तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचे। एक अन्य प्रमुख चुनौती है उन बच्चों का स्कूलों में ठहराव, जो नामांकन के बावजूद नियमित रूप से स्कूल नहीं आते और संभावित बाल श्रम की श्रेणी में आते हैं। इस समस्या से निपटने के लिए महिला कल्याण विभाग की बाल सेवा योजना, स्पॉन्सरशिप योजना, और चाइल्ड हेल्पलाइन को सक्रिय रूप से लागू किया जा रहा है। इन योजनाओं के माध्यम से बच्चों को शिक्षा और पुनर्वास के अवसर प्रदान किए जा रहे हैं।

सामूहिक विवाह योजना में अब कन्याओं को सिंदूर भी किया जाएगा दान

लखनऊ, 27 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद एक बड़ा फैसला लिया है। अब सामूहिक विवाह योजना के तहत मिलने वाले उपहारों में कन्या को सिंधौरा (सिंदूरदान) भी दिया जाएगा। इतना ही नहीं लाभ लेने के लिए कन्या पक्ष की अधिकतम आय सीमा भी दो लाख रुपये से बढ़ाकर तीन लाख रुपये कर दी गई है। प्रति जोड़ा खर्च 51 हजार रुपये से बढ़ाकर एक लाख रुपये किए जाने का शासनादेश भी जारी किया गया है।

शासनादेश के अनुसार, कन्या के अभिभावक का यूपी का मूल निवासी होना चाहिए। विवाह योग्य आयु की पुष्टि के लिए स्कूल का रिकॉर्ड, जन्म प्रमाणपत्र, मतदाता पहचान पत्र, मनरेगा जॉब कार्ड और आधार कार्ड मान्य होंगे। योजना में निराश्रित कन्या, विधवा महिला की पुत्री, दिव्यांग अभिभावक की पुत्री व दिव्यांग बेटी को प्राथमिकता दी जाएगी।

एमपी-एमएलए कोर्ट से कांग्रेस विधायक अजित शर्मा को राहत

भागलपुर, 27 मई (एजेंसियां)। भागलपुर सदर से कांग्रेस विधायक अजीत शर्मा को एमपी-एमएलए कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। साक्ष्य के अभाव में कोर्ट ने सरकारी काम में बाधा डालने के मामले में बरी कर दिया है। 2020 विधानसभा चुनाव दौरान मजिस्ट्रेट के बयान पर इशाक चक थाने में 6 लोगों के खिलाफ केस दर्ज हुआ था। विशेष अदालत में एडीजे-3 दीपक कुमार ने इस मामले की सुनवाई की। सुनवाई के दौरान जज ने कहा, 'विधायक अजीत शर्मा समेत छह अन्य आरोपियों के खिलाफ कोई ठोस साक्ष्य पेश नहीं किया गया। इसलिए सभी को रिहा किया जाता है।'

आईएएस अफसर को चारपाई पर लादकर जंगल से निकाला

मधुमक्खियों के हमले में बेहोश हुए, गनर ने लिपटकर बचाई जान

ललितपुर, 27 मई (एजेंसियां)। ललितपुर में मधुमक्खियों ने आईएएस कमलाकांत पांडेय को इस कदर डंक मारे कि वह बेहोश होकर जंगल में गिर पड़े। उनकी ऐसी हालत देखकर गनर चंद्रपाल सिंह उनसे लिपट गया। फिर मधुमक्खियां गनर पर टूट पड़ीं, जिससे वह भी बेहोश हो गया। थोड़ी देर बाद एडीएम (राजस्व) अंकुर श्रीवास्तव ग्रामीणों के साथ कंबल ओढ़कर उन्हें ढूंढते हुए पहुंचे। देखा तो सीडीओ कमलाकांत पांडेय और गनर जमीन पर पड़े थे। सीडीओ का मुंह मिट्टी में धंसा था। उन्हें कंबल ओढ़ाकर तुरंत चारपाई पर लादा, फिर एक किमी पैदल चलकर जंगल से बाहर निकाला। उन्हें ट्रैक्टर से एंबुलेंस तक पहुंचाया गया, जहां से उन्हें अस्पताल भेजा गया। इसका एक वीडियो भी सामने आया है। 25 मई को मधुमक्खियों के हमले में नोडल अधिकारी (रेशम), एडीएम (नमामि गंगे) राजेश श्रीवास्तव और 3 कर्मचारी भी गंभीर रूप से घायल हो गए थे। डॉक्टरों ने राजेश श्रीवास्तव के चेहरे से 500 डंक निकाले हैं। उनके कान से 4 मधुमक्खियां भी निकाली गई हैं। उनका इलाज झांसी मेडिकल कॉलेज में चल रहा है। इधर, वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि मधुमक्खियां इत्र की खुशबू की वजह से आकर्षित होकर आ गई होंगी।

लालू यादव के नवजात पोते को ममता बनर्जी ने आशीर्वाद दिया

कोलकाता, 27 मई (एजेंसियां)। कोलकाता में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी लालू परिवार से मुलाकात करने अस्पताल पहुंची। उन्होंने पहले लालू प्रसाद से मुलाकात की। उनका हाल चाल पूछा। इस दौरान पूर्व सीएम राबड़ी देवी व सांसद मीसा भारती भी वहां मौजूद थीं। इसके बाद सभी लोग राजश्री यादव से मिलने उनके वार्ड में पहुंचे। यहां उन्होंने तेजस्वी यादव और राजश्री को शुभकामनाएं दीं। सीएम ममता ने सोशल मीडिया पर इस मुलाकात की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा कि तेजस्वी यादव और राजश्री यादव के साथ खुशी का साझा करना बहुत आनंददायक है। उन्होंने एक सुंदर बेटे का स्वागत किया है।

सीएम ममता ने कहा-मैंने वादा किया था

सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि लालू जी और तेजस्वी समेत पूरे परिवार को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं। मैं नए मेहमान को खूब आशीर्वाद देती हूं। आज उनसे मिलकर बहुत खुशी हुई। मां और बच्चे को अच्छे स्वास्थ्य में देखकर मन में अपार खुशी हुई।

उन्होंने कहा कि मुझे कुछ समय से पता था कि राजश्री कोलकाता में थीं, और तेजस्वी ने मुझे कल रात बच्चे के आगमन की खबर दी थी। मैंने वादा किया था कि मैं उन्हें देखने आऊँगा, और आज मैं प्यार और आशीर्वाद के साथ गया। यह छोटा बच्चा परिवार के लिए अच्छे भाग्य और आशा का प्रतीक बने।

रोहिणी आचार्य ने सोशल मीडिया पर शेयर किया वीडियो

इधर, सीएम ममता और लालू परिवार के मुलाकात का वीडियो लालू प्रसाद की बेटी रोहिणी आचार्य ने सोशल मीडिया पर शेयर किया। उन्होंने लिखा कि आज के दौर में जैसी आत्मीयता, जैसा परस्पर सम्मान पापा (लालू प्रसाद) को प्राप्त है, वैसा बिरलों को ही नसीब होता है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री आदरणीया ममता बनर्जी हम सबों की अभिभावक हैं और पापा और उनके बीच भाई-बहन का अटूट रिश्ता पूरी दुनिया के लिए एक मिसाल है। सीएम ममता ने लालू प्रसाद और उनकी पार्टी को आगामी चुनाव के लिए भी शुभकामनाएं दी।

नवादा में साइबर ठगी के आरोप में 5 आरोपी गिरफ्तार

इस्लामिक फाइनेंस बैंक के नाम पर लोन देकर करते थे धोखाधड़ी, 2 मोबाइल और कस्टमर डेटा बरामद

नवादा, 27 मई (एजेंसियां)। नवादा में साइबर अपराधियों के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है।

जहां पुलिस अधीक्षक अभिनव धीमान के निर्देश पर वारिसलीगंज थाना प्रभारी रुपेश कुमार सिन्हा के नेतृत्व में टीम ने 5 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। आज पीसी में बातचीत करते हुए डीएसपी महेश चौधरी ने बताया कि 26 मई को पुलिस अधिकारियों, सशस्त्र बल और चौकीदार की एक टीम का गठन किया गया। गुप्त सूचना के आधार पर टीम ने ग्राम पैगरी में फनेला पेड़ के पास छापेमारी की। इस दौरान 5 आरोपियों को पकड़ा गया।

पास से 2 एंड्रॉयड मोबाइल और कस्टमर डेटा की कॉपी बरामद हुई। पूछताछ में पता चला कि आरोपी इस्लामिक फाइनेंस बैंक के नाम पर लोन देने का झांसा देते थे। वे कस्टमर डेटा से प्राप्त मोबाइल नंबरों पर संपर्क कर लोगों से ठगी करते थे। पकड़े गए आरोपियों में दीपक कुमार (22), रंजय सिंह (30), नीतीश कुमार (25), पप्पू सिंह (42) और रवि कुमार (26) शामिल हैं। सभी आरोपी पैगरी, वारिसलीगंज के रहने वाले हैं। पुलिस अभी भी मौके से भागे अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है।

'क्या तेजप्रताप रेपिस्ट हैं जो उन्हें पार्टी से निकाला'

पटना, 27 मई (एजेंसियां)। तेजप्रताप यादव की अनुष्का यादव के साथ फोटो-वीडियो वायरल होने के बाद पहली बार अनुष्का के भाई आकाश यादव मीडिया के सामने आए। सोमवार को उन्होंने पत्रकारों से कहा कि, तेजप्रताप और अनुष्का दोनों एडल्ट हैं। यदि इस मैटर में लड़का और लड़की सीधे बातचीत करेंगे तो ठीक होगा। ये उनका पर्सनल मैटर है। अनुष्का हमारी छोटी बहन है। उनका जो भी निर्णय होगा, एक बड़े भाई के नाते हम उनके बेहतर भविष्य के लिए उनके साथ खड़े होंगे।

शादी कब हुई, कब नहीं हुई, शादी हुई भी या नहीं, ये तमाम चीजें लड़का-लड़की खुद बताएंगे तो ठीक होगा। जो भी घटना है, वो हमें भी सोशल मीडिया से ही पता चल रही है। हमारे पास क्या जानकारी है, क्या जानकारी नहीं है, ये निजी बातें हैं। तेजप्रताप को पार्टी से निकाला गया है, हम इसकी कड़ी निंदा करते हैं। क्या उन्होंने बलात्कार किया। क्या वो रेपिस्ट हैं। क्या उन्होंने लालू के परिवार पर कोई दाग लगाया। यहां हर कोई समाज का ठेकेदार बन रहा है, तो वो गलत है। जो हमारी बहन के चरित्र पर सवाल उठा रहे हैं, उन्हें समय जवाब देगा।

आकाश ने कहा कि ये लड़ाई अगर नहीं रुकी तो दूर तक जाएगी। दो परिवार की इज्जत नीलाम नहीं होनी चाहिए। इन बातों को इतना तूल देकर तेजप्रताप को पार्टी से नहीं निकालना चाहिए था। बात कर के इसका हल निकालना था। ये कोई मुगले आजम की फिल्म नहीं चल रही है। ये मामला एक गरीब घर की बच्ची का है। मेरे ऊपर कई आरोप लगे। करोड़ों कमाने के आरोप लगाए। ट्रांसफर-पोस्टिंग के आरोप लगे। ये भी आरोप लगा कि मैंने डायवोर्स करवाया। उनसे पूछिएगा डायवोर्स वाले दिन मैं उनके घर गया था या नहीं।

प्रभारी मंत्री बोले : कूड़े से सोना बनाने वाली मशीन लगाएंगे

अखिलेश का पलटवार-भाजपा में दूर से फेंकने का!

मेरठ, 27 मई (एजेंसियां)। मेरठ जिले के प्रभारी मंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा कि मेरठ में ऐसी मशीन लगेगी, जिससे कूड़े से सोना बनेगा। ये मशीन जल्द तैयार हो जाएगी। मशीन तैयार होने पर मेरठ में कूड़े से सोना बनेगा। वहीं उनके इस बयान पर सियासत गर्म हो गई। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पलटवार करते हुए उन्हें कई काम याद दिला दिए तो वहीं भाजपा पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि नालों से गंदगी निकाली जाए और गीला कूड़ा भी उठाकर निस्तारण करें। सभी विभाग तीन माह की कार्ययोजना बनाकर काम करें। जल जीवन मिशन के तहत गांव में शत-प्रतिशत पानी की सप्लाई की जाए।

प्रभारी मंत्री ने सोमवार को विकास भवन में स्वच्छ पेयजल, दुग्ध विकास, राशन वितरण, स्वच्छता, पेंशन, विवाह अनुदान, विद्युत आपूर्ति, संक्रामक रोग नियंत्रण, गोसंरक्षण, हरा चारा भूसा, पेयजल आदि की व्यवस्था के संबंध में बैठक ली। उन्होंने कहा कि पानी का दुरुपयोग नहीं होना चाहिए। बरसात से पहले नालों की सफाई की जाए। आंधी के कारण टूटे बिजली तार, खंभों और ट्रांसफार्मरों को युद्ध

स्तर पर ठीक करके बिजली आपूर्ति चालू की जाए। बरसात के कारण क्षतिग्रस्त सड़कों को ठीक कराया जाए। संक्रामक रोगों को रोकने के लिए टीकाकरण, एंटी लार्वा स्प्रे, फॉगिंग आदि किया जाए। गोशालाओं में भूसा, चारा पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराया जाए।

बैठक में सांसद लक्ष्मीकांत वाजपेयी, कैंट विधायक अमित अग्रवाल, हरिकांत अहलूवालिया, एमएलसी अश्विनी त्यागी, गुलाम मोहम्मद, एसएसपी विपिन ताडा, सीडीओ नूपुर गोयल, जिला सूचना अधिकारी सुमित कुमार, जिला प्रोबेशन अधिकारी अतुल सोनी आदि मौजूद रहे। कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा, मैं गरीब किसान परिवार में पैदा हुआ हूं। खुद हल चलाया है। इसलिए कूड़ा, गन्ना व चीनी में अंतर जानता हूं। मेरठ में कूड़े से ऊर्जा व खाद बनाने के लिए एनटीपीसी तीन करोड़ रुपये का प्रोजेक्ट लगा रही है। मेरा कूड़े से सोना पैदा होने की बात कहने के पीछे का उद्देश्य यह था कि जब कूड़े से कम्पोस्ट खाद बनेगी, तो वही खाद जब खेतों में जाएगी तो उत्पादन बढ़ेगा। विपक्षी मेरे बयान का गलत अर्थ लगा रहे हैं।

कूड़े वाले बयान पर अखिलेश यादव ने भी किया वार

प्रभारी मंत्री धर्मपाल सिंह के कूड़े से सोना बनाने के बयान पर सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी टिप्पणी की है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडिल पर लिखा कि उत्तर प्रदेश के दुग्ध मंत्री से आग्रह है कि वो पहले कन्नौज में बने-बनाए काउ मिल्क प्लांट को ही चलाकर दुग्ध किसानों के लिए कुछ आमदनी की व्यवस्था करा दें, फिर कूड़े से सोना बनाने की मशीन की बात करें। भाजपा में दूर से फेंकने का कम्पटीशन चल रहा है।

जो मेरा विरोध करेगा, भगवान उसे दंड देंगे

बृजभूषण बोले-सच सामने आया; यौन शोषण में बरी होने पर किए हनुमानगढ़ी के दर्शन

अयोध्या/गोंडा, 27 मई (एजेंसियां)। नाबालिग पहलवान से यौन शोषण मामले में बरी होने के बाद बृजभूषण सिंह पहली बार अयोध्या पहुंचे। एयरपोर्ट पर 1000 से ज्यादा कार्यकर्ताओं ने ढोल-नगाड़ों के साथ

उनका स्वागत किया। इसके बाद वे हनुमानगढ़ी पहुंचे और हनुमान जी के दर्शन-पूजन किए। बृजभूषण बोले- मैंने कहा था कि अगर मेरे ऊपर लगे आरोप साबित हो जाते हैं, तो मैं खुद फांसी पर लटक जाऊंगा। कोर्ट के फैसले ने मेरी उस बात को सही साबित कर दिया। भूपेंद्र हुड्डा 11 बजे तक मुख्यमंत्री बनने वाले थे, लेकिन संत्री भी नहीं बन पाए। आम आदमी पार्टी का तो सत्यानाश हो गया। मेरा जो भी विरोध करेगा, भगवान उसे दंड देंगे, क्योंकि मैं हनुमान जी का भक्त हूं। जो लोग मुझ पर आरोप लगा रहे थे, वही कभी मुझे 'कुश्ती का भगवान' कहते थे। एक गीत मैं उन्हीं लोगों के लिए कहना चाहता हूं- 'कभी पास आके वो इतना बता दें, मुझे सता कर क्या मिला?' अयोध्या में दर्शन-पूजन करने के बाद बृजभूषण गोंडा लौट गए। उनके साथ गाड़ियों का काफिला भी था। गोंडा में वह सबसे पहले नंदिनी नगर स्थित नंदिनी माता मंदिर पहुंचे। माता नंदिनी के दर्शन कर आशीर्वाद लिया।

नेपाल सीमा के रास्ते संदिग्ध पाकिस्तानियों के घुसपैठ की सूचना

एसएसबी जवानों ने इलाके में बढ़ाई गश्ती

मोतिहारी, 27 मई (एजेंसियां)। भारत-पाकिस्तान के बीच जारी तनाव के बीच खुफिया एजेंसियों को नेपाल सीमा के रास्ते संदिग्ध पाकिस्तानी आतंकवादियों की घुसपैठ की सूचना मिली है।

इस इनपुट के बाद रक्सौल, महुआवा, घोड़ासहन सहित मोतिहारी जिले के विभिन्न सीमाई इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। इंडो-नेपाल बॉर्डर पर तैनात सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के जवान नियमित रूप से तलाशी और चेकिंग अभियान चला रहे हैं। डॉग स्क्वॉड की मदद से संवेदनशील क्षेत्रों में भी गहन जांच की जा रही है। एसएसबी की टीम सभी छोटे-बड़े बॉर्डरों पर 24 घंटे लगातार पेट्रोलिंग कर रही है। इस अभियान में नेपाल की सशस्त्र पुलिस बल भी सहयोग कर रही है। दोनों देशों की सुरक्षा एजेंसियों के बीच समन्वय बनाते हुए संयुक्त तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। जॉइंट पेट्रोलिंग के माध्यम से बॉर्डर क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। बॉर्डर के नो-मैन्स लैंड, घने झाड़ियों वाले कंटीले रास्ते और सीमावर्ती ग्रामीण रास्तों जहां आमजन की आवाजाही कम होती है, वहां भी विशेष निगरानी रखी जा रही है। इन इलाकों में दोनों देशों के सुरक्षाबलों द्वारा संयुक्त मुहिम तेज की गई है।

मुख्य रूप से रक्सौल, मूर्तियां, हरपुर, महुआवा, बड़हरवा, जमुनिया, अठमोहान, कोरगवा, बरहड़वा, कोरैया, खरसलवा जैसे बॉर्डर प्वाइंट्स इस सघन जांच अभियान के तहत शामिल हैं। बता दें कि भारत और नेपाल के बीच मोतिहारी जिले से सटी करीब 60 किलोमीटर लंबी सीमा है। यहीं से संदिग्ध आतंकियों के प्रवेश की आशंका जताई गई है, जिसके बाद से जांच अभियान को तेज़ कर दिया गया है।

'एनडीए से नीतीश कुमार होंगे मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार'

मोतिहारी, 27 मई (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर जदयू ने अपना पत्ता खोल दिया है। जदयू एमएलसी खालिद अनवर ने कहा कि नीतीश कुमार ही एनडीए की ओर से मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार होंगे।

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंच से इसकी घोषणा कर चुके हैं। खालिद अनवर ने कहा कि जदयू इस बार भी ड्राइविंग सीट पर रहेगा। पार्टी 115 सीटों पर चुनाव लड़ना चाहती है। पूर्वी चंपारण जिले की 12 विधानसभा सीटों में से 5 सीटों पर जदयू का दावा है। एमएलसी ने दावा किया कि अगर एनडीए के सभी दल मिलकर चुनाव लड़ें तो 220 सीटें जीत सकते हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि पिछली बार की तरह भीतरघात हुआ तो नतीजे प्रभावित होंगे।

तस्करों के पेट से निकाले गए 27 कैप्सूल में 1.052 किलो सोना

मुरादाबाद, 27 मई (एजेंसियां)। मुरादाबाद में सोने की तस्करी करने वाले अंतरराष्ट्रीय गिरोह का पुलिस ने पर्दाफाश किया है। इस गिरोह के चार तस्करों के पेट से सोने के 27 कैप्सूल (वजन 1.052 किग्रा.) निकाले गए हैं। तस्कर यह सोना दुबई से पेट में छिपाकर लाए थे। पुलिस ने मूंढापांडे थाने में केस दर्ज कर चारों तस्करों को गिरफ्तार किया। इस मुकदमे में नौ फाइनेंसरों और चिकित्सकों को भी आरोपी बनाया गया है। चारों तस्करों को सोमवार को कोर्ट में पेश किया, जहां से तीन को जेल भेज दिया गया, जबकि एक के पेट में सोने के कैप्सूल होने के कारण पुलिस ने उसे रिमांड पर लिया है।

दुबई और सऊदी अरब से लौट रहे तस्करों का अपहरण

एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि शुक्रवार दोपहर करीब दो बजे दिल्ली-लखनऊ हाईवे पर पुराने टोल प्लाजा के पास दुबई और सऊदी अरब से लौट रहे तस्करों की कार को बदमाशों ने रुकवा ली थी। बदमाशों ने खुद को पुलिसकर्मी बताकर कार की जांच शुरू कर दी। इस दौरान बदमाश ने कार सवारों को हथियारों के बल पर अगवा कर लिया और मूंढापांडे क्षेत्र में ले गए। यहां बदमाशों ने उनको धमकाया और कहा कि तुम्हारे पेट में सोना है। सोना निकालने के लिए बदमाशों ने सभी का पेट

चीरने की तैयारी शुरू कर दी। इसी दौरान जुल्फेकार कूद कर भाग गया था। उसकी सूचना पर पुलिस ने घेराबंदी कर उसके अन्य छह साथियों को छुड़ा लिया था। चालक को छोड़कर बाकी सभी छह आरोपियों का अल्ट्रासाउंड कराया गया, जिसमें से चार के पेट में सोना होने की पुष्टि हुई।

चारों तस्करों के पेट से 27 कैप्सूल निकाले

शनिवार शाम सभी को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों की टीम ने चारों तस्करों के पेट से 27 कैप्सूल निकाले हैं। एसपी सिटी ने बताया कि चारों अंतरराष्ट्रीय सोना तस्कर गिरोह के सदस्य हैं। इन गिरोह को फाइनेंसर चला रहे हैं। जिसमें ट्रैवल एजेंट, डॉक्टर और अन्य शामिल हैं। मूंढापांडे में सभी के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। पुलिस ने तस्करों से फर्जी आधार कार्ड और पासपोर्ट भी बरामद किए हैं। डॉक्टरों की टीम के काफी प्रयास के बाद भी एक तस्कर के पेट से सोने के दो कैप्सूल नहीं निकल पाए। पुलिस ने उसे कोर्ट में पेश किया और रिमांड मांगी। कोर्ट से तस्कर की पुलिस रिमांड मंजूर होने के बाद उसे दोबारा जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रामपुर के टांडा थाना क्षेत्र के यूसुफ चौक निवासी मुत्तलीब के पेट से आठ कैप्सूल निकल चुके हैं, लेकिन दो कैप्सूल उसके गेट में ही फंसे हैं।

सांबा में पोस्ट का नाम 'सिंदूर' रखने का प्रस्ताव; आतंकी लॉन्च पैड उड़ाने का नया वीडियो जारी

जम्मू, 27 मई (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर पर बीएसएफ के आईजी जम्मू शशांक आनंद ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान बीएसएफ की महिला कर्मियों ने अग्रिम ड्यूटी चौकियों पर लड़ाई लड़ी। हमारी बहादुर महिला कर्मियों, सहायक कमांडेंट नेहा भंडारी ने एक अग्रिम चौकी की कमान संभाली, कांस्टेबल मंजीत कौर, कांस्टेबल मलकीत कौर, कांस्टेबल ज्योति, कांस्टेबल सम्पा और कांस्टेबल स्वप्ना और अन्य ने इस ऑपरेशन के दौरान पाकिस्तान के खिलाफ अग्रिम चौकियों पर लड़ाई लड़ी।

पाकिस्तान की ओर से बीएसएफ चौकियों पर ड्रोन हमले और गोलाबारी में हमने बीएसएफ के सब-इंस्पेक्टर मोहम्मद इम्तियाज, कांस्टेबल दीपक कुमार और भारतीय सेना के नायक सुनील कुमार को खो दिया। हम अपनी दो पोस्ट का नाम अपने खोए हुए कर्मियों के नाम पर रखने का प्रस्ताव भेज रहे हैं और एक पोस्ट का नाम 'सिंदूर' रखने का प्रस्ताव भेज रहे हैं। बीएसएफ के आईजी जम्मू शशांक आनंद ने कहा कि आतंकियों को आगे करके पाकिस्तानी सेना घुसपैठ कराना चाहती थी। 40 से 50 आतंकी घुसपैठ की कोशिश में थे। उन्होंने बताया कि फॉरवर्ड पोस्ट को नुकसान पहुंचाने की साजिश थी। बीएसएफ की फॉरवर्ड पोस्ट पर फायरिंग का माकूल जवाब दिया गया। ऑपरेशन सिंदूर का प्रहार पाकिस्तान भूल नहीं पाएगा। बीएसएफ के आईजी ने कहा कि आतंकियों के ठिकानों को तबाह किया गया। बीएसएफ ने ऑपरेशन सिंदूर की कार्रवाई का नया वीडियो जारी किया है।

लॉन्चपैड्स और शिविरों में लौटने लगे आतंकी

बीएसएफ आईजी जम्मू शशांक आनंद ने कहा, हमें आतंकवादियों के अपने लॉन्चपैड्स और शिविरों में लौटने और एलओसी और आईबी पर संभावित घुसपैठ के बारे में कई इनपुट मिल रहे हैं। सुरक्षा बलों को सतर्क रहना होगा।

सीमा पर लगातार निगरानी

सीमावर्ती गांवों में विश्वास बहाली के उपायों पर बीएसएफ आईजी जम्मू शशांक आनंद कहते हैं, हम सीमा पर लगातार निगरानी कर रहे हैं।

हम सीमावर्ती गांवों में रहने वाले किसानों को अपनी फसल काटने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। हमारे किसान कड़ी सुरक्षा के बीच अपनी कृषि गतिविधि करते हैं। हम यह भी देख सकते हैं कि पाकिस्तानी किसान भी अब कृषि गतिविधि कर रहे हैं। हम देख रहे हैं कि सामान्य स्थिति वापस आ रही है।

सीमा सुरक्षा बल के जवान सीमावर्ती गांवों का दौरा कर रहे हैं और बैठकें, चिकित्सा शिविर और नागरिक कार्रवाई कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं।

ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान के आतंकी लॉन्च पैड पर बीएसएफ की कार्रवाई पर आरएस पुरा सेक्टर के बीएसएफ डीआईजी चित्तर पाल ने बताया कि 9 मई को पाकिस्तान ने हमारी कई चौकियों को निशाना बनाया था। सबसे पहले उन्होंने फ्लैट ट्रैजेक्टरी हथियार और मोर्टार से हमारी चौकियों को निशाना बनाना शुरू किया। उन्होंने हमारे एक गांव अब्दुलियान को भी निशाना बनाया।

'बीएसएफ ने पाकिस्तान के लूनी आतंकी लॉन्च पैड को उड़ाया'

बीएसएफ के डीआईजी एसएस मंड ने बताया कि 8 मई 2025 को निगरानी के दौरान सीमा की ओर आ रहे 40-50 लोगों की हरकतों का पता चला। हमने एहतियातन हमला किया। इसके तुरंत बाद, पाकिस्तान ने बीएसएफ की सीमा चौकियों पर गोलीबारी शुरू कर दी, जिसका हमने भी मुंहतोड़ जवाब दिया। इनपुट्स से पता चलता है कि हमारे हमले में कई आतंकवादी, उनके समर्थक, रेंजर्स और अधिकारी घायल हुए हैं।

एलेप्पी एक्सप्रेस पर पथराव, तीन आरोपियों को पुलिस ने पकड़ा

संबलपुर, 27 मई (एजेंसियां)। ओडिशा के संबलपुर जिले में एक बार फिर ट्रेन पर पथराव का मामला सामने आया है। यहां खेतराजपुर के तालभटापड़ा इलाके में एलेप्पी एक्सप्रेस ट्रेन पर पथराव की घटना सामने आई है। यह घटना रात करीब 11:30 बजे की बताई जा रही है। खेतराजपुर और तालभटापड़ा के बीच ट्रेन कुछ देर के लिए रुकी हुई थी। ग्रीन सिग्नल नहीं मिलने के कारण ट्रेन को रोका गया था। इसी बीच मौके का फायदा उठाकर तीन युवकों ने ट्रेन की एक जनरल बोगी पर पत्थर बरसाए। हालांकि, इस घटना में किसी भी यात्री के घायल होने की सूचना नहीं है, लेकिन यात्रियों में दहशत का माहौल जरूर बन गया। ट्रेन के रुकते ही अचानक हुए पथराव से अफरा-तफरी मच गई। गनीमत रही कि पत्थर किसी यात्री को नहीं लगे और बड़ी अनहोनी टल गई। वहीं घटना की जानकारी मिलते ही रेलवे सुरक्षा बल ने तुरंत कार्रवाई करते हुए एक मामला दर्ज किया। इसके बाद आरोपियों की तलाश शुरू की गई। आरपीएफ की जांच में यह सामने आया कि तीन युवक इस घटना में शामिल थे। सभी को पहचान कर गिरफ्तार कर लिया गया है। गिरफ्तार युवकों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जा रही है। इस तरह की घटनाएं रेल यात्रियों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा हैं और किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जा सकती। बता दें कि कुछ दिन पहले भी संबलपुर के लपंगा स्टेशन के पास तपस्विनी एक्सप्रेस पर इसी तरह पथराव किया गया था। लगातार हो रही इन घटनाओं से यह स्पष्ट है कि रेलवे को सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी करनी होगी, खासकर उन स्थानों पर जहां ट्रेनें रुकती हैं

फारूक की पर्यटकों से अपील, यहां भोलेनाथ आपका इंतजार कर रहे हैं

जम्मू, 27 मई (एजेंसियां)। कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के नेता फारूक अब्दुल्ला ने पर्यटकों से वादी घूमने की अपील की है। उन्होंने अमरनाथ यात्रा का जिक्र करते हुए कहा कि यहां भोलेनाथ आपका इंतजार कर रहे हैं। साथ ही अब्दुल्ला ने कहा, "टूरिज्म पर ही हमें निर्भर नहीं रहना चाहिए, इस रियासत को आगे अगर चलना है तो हमें उस इंडस्ट्री के तरफ चलना चाहिए जो हमें सस्टेन कर सके। टूरिज्म में मुसीबत ये है कि अगर एक गोली कहीं चल जाए तो लोग भागते हैं। मैंने करगिल में देखा, लोग भाग गए। हमारी सरकार थी। लोगों ने सामान गिरवी रखकर, बैंक लोन लेकर अपने होटलों को ठीक किया, टैक्सी वालों ने टैक्सी खरीदे। हर एक ने अपने आप को आगे बढ़ाने के लिए कदम उठाए।" उन्होंने कहा, "इस साल ये उम्मीद थी की करोड़ों में लोग आएंगे और हमारे पास उन लोगों को रखने के लिए जगह नहीं है। उन दरिंदों को ये दिखा नहीं, जिन्होंने ये कत्ल किया। उन्हें दिखा नहीं कि इन मासूमों का क्या होगा? इनके पास अल्लाह के सिवा कुछ नहीं है, ये खूबसूरती (वादी) ही उन्हें मिली है, इसी से वो रोजी रोटी कमाते हैं।" फारूक अब्दुल्ला ने पहलगाम हमले का जिक्र करते हुए कहा, "हमें पूरा अफसोस है जो हुआ, लेकिन हमने नहीं किया। मैं पूरे वतन के लोगों से कहना चाहता हूं कि आप वापस आइए, हम आपका इंतजार कर रहे हैं। हम ही नहीं, यहां भोलेनाथ भी आपका इंतजार कर रहे हैं। अमरनाथ की यात्रा होने वाली है, ज्यादा से ज्यादा आइए, हर तरफ से आइए, अपने घर जाएंगे तो बताएंगे कि आपने कितनी खूबसूरती देखी है और किस तरह लोग यहां इंतजार कर रहे हैं।" उन्होंने सरकार की तरफ से पाकिस्तान को एक्सपोज करने के लिए भेजे गए प्रतिनिधिमंडल पर कहा, "प्रधानमंत्री ने जो प्रतिनिधिमंडल भेजे हैं, अल्लाह करे कि ये वो मैसेज भी ले जाएं कि हमलोग अमन चाहते हैं। हम लड़ाई नहीं चाहते हैं। मगर अल्लाह के वास्ते बेगुनाहों को मारना बंद करो।"

हैवानियत की हदें पार! आदिवासी महिला से गैंगरेप की घटना ने इलाके को झकझोर दिया है

खंडवा, 27 मई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के खंडवा जिले में एक आदिवासी महिला के साथ हुई गैंगरेप की दिल दहला देने वाली घटना ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। पुलिस के अनुसार, वारदात के बाद एक आरोपी ने महिला के शरीर में हाथ डाल दिया, जिससे उसकी आंत बाहर आ गई और अत्यधिक खून बहने से उसकी मौत हो गई। यह घटना शुक्रवार (23 मई) रात को जिले से 90 किलोमीटर दूर रोशनी पुलिस चौकी क्षेत्र में हुई। शनिवार (24 मई) दोपहर करीब 2.30 बजे महिला की मौत हो गई। पुलिस उपमहानिरीक्षक (आईजी) सिद्धार्थ बहुगुणा और जांच अधिकारी एवं कलवा थाने के प्रभारी निरीक्षक जगदीश सिंधिया ने बताया कि दो आरोपियों हरि (40) और सुनील (35) को गिरफ्तार कर लिया गया है। जगदीश सिंधिया के अनुसार, यौन उत्पीड़न के बाद हरि ने महिला के शरीर में हाथ डाल दिया, जिससे उसकी आंत बाहर आ गई। आरोपी ने आंत को वापस डालने की कोशिश की, लेकिन विफल रहा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि महिला के गर्भाशय को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। फिलहाल पोस्टमार्टम की प्रारंभिक रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। पुलिस ने घटनास्थल से लोहे या लकड़ी की कोई छड़ बरामद नहीं की है, हालांकि, घटनास्थल से चारपाई से खून से सना हुआ 'बेड रोल' जब्त करने के लिए पुलिस आरोपी की रिमांड की तैयारी कर रही है। इस मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 66 (मौत का कारण बनना), 70(1) (सामूहिक बलात्कार) और 103(1) (हत्या की सजा) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

मजीठा रोड बाईपास पर बम प्लांट कर रहे आतंकी की मौत, पुलिस बोली-बब्बर खालसा का सदस्य होगा

अमृतसर, 27 मई (एजेंसियां)। अमृतसर के मजीठा रोड बाईपास पर मंगलवार सुबह करीब 9:30 बजे एक जबरदस्त धमाका हुआ। इस धमाके में एक व्यक्ति बुरी तरह से जख्मी हो गया और बाद में उसकी मौत हो गई। डीआईजी बॉर्डर रेंज सतिंदर सिंह ने बताया कि जो व्यक्ति जख्मी हुआ था, उसकी मौत हो गई है। ये व्यक्ति आतंकवादी संगठन का ही सदस्य है। यह विस्फोटक सामग्री को लेने आया था। हमने पुराने जितने भी ब्लास्ट से संबंधित मामलों की जांच की है, उनमें यही बात सामने आती थी कि ये लोग विस्फोटक सामग्री किसी खाली जगह रख देते थे और कोई दूसरे व्यक्ति उसे वहां से उठा लेता था और आगे किसी घटना को अंजाम देता था।।। ये व्यक्ति संभवत बब्बर खालसा का सक्रिय सदस्य होगा। बाकी जांच की जा रही है। धमाके में जख्मी हुए व्यक्ति के हाथ-पांव उखड़ गए और वह सड़क के एक किनारे जा गिरा था। धमाके की आवाज इतनी ज्यादा थी कि आसपास इलाके के लोगों में दहशत फैल गई। सूचना मिलते ही थाना सदर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। मजीठा रोड बाईपास के आसपास के लोगों का कहना है कि सुबह लोग अपने-अपने काम पर जा रहे थे कि अचानक डीसेंट एवेन्यू के बाहर जबरदस्त धमाके की आवाज सुनाई दी। धमाका होते ही लोग मौके पर पहुंचे तो देखा कि एक व्यक्ति बुरी तरह से जख्मी हुआ पड़ा था और उसके हाथ उखड़ गए थे। वह दर्द से चिल्ला रहा था। लोगों ने तुरंत एंबुलेंस और पुलिस को सूचित किया। थाना सदर पुलिस मौके पर पहुंची और जख्मी व्यक्ति को हॉस्पिटल लेकर गई जहां उसकी मौत हो गई।

मणिपुर में राष्ट्रपति शासन फेल

कांग्रेस ने क्यों कहा केंद्र राज्यपाल को वापस बुलाए?

इंफाल, 27 मई (एजेंसियां)। मणिपुर में सरकारी बसों से राज्य का नाम हटाने को लेकर हो रहे प्रदर्शनों के बीच कांग्रेस ने बड़ा दावा किया है, जिसमें राज्य में लगे राष्ट्रपति शासन पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। मणिपुर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशम मेघचंद्र ने कहा है कि राज्य में राष्ट्रपति शासन पूरी तरह फेल हो गया है। उन्होंने केन्द्र से राज्यपाल अजय कुमार भल्ला को तुरंत वापस बुलाने की मांग की है। मणिपुर में मई 2023 से कुकी और मैतेई समुदायों के बीच हो रही जातीय हिंसा के चलते अब तक 260 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है और हजारों लोग पलायन कर चुके हैं। इसके चलते मुख्यमंत्री एन। बीरेन सिंह ने 9 फरवरी 2025 को इस्तीफा दे दिया था, जिसके बाद 13 फरवरी 2025 से मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू है। दरअसल हुआ ये कि 20 मई को एक सरकारी बस पत्रकारों को लेकर शिरुई लिली महोत्सव जा रही थी। इंफाल के पास ग्वालटाबी चेक पोस्ट पर सुरक्षा बलों ने बस को रोक दिया और बस की विंडशील्ड पर लिखे मणिपुर शब्द को ढ़कने की बात की। इसके बाद लोगों का गुस्सा फूट पड़ा और लोग विरोध पर उतर आए। छात्र और महिला संगठनों ने 6 किलोमीटर लंबी मानव चेन बनाकर अपना विरोध जताया। सोमवार को प्रदर्शन के चलते राज्यपाल को सड़क के बजाय सेना के हेलीकॉप्टर से राजभवन पहुंचाया गया। लोगों की मांग है कि राज्यपाल इस घटना के लिए माफी मांगे। इस घटना के बाद से ही कांग्रेस हमलावर बनी हुई है। मणिपुर कांग्रेस अध्यक्ष केशम मेघचंद्र ने कहा है कि आखिर राज्यपाल को किसने कहा कि सरकारी बसों से 'मणिपुर' शब्द हटाया जाए। उन्होंने इस घटना को राज्य की अस्मिता पर चोट बताया। उन्होंने कहा कि इस तरह की बातें लोगों की भावनाओं को भड़कानें का काम करती हैं।

पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने नवजात बच्ची का नाम विंग कमांडर व्योमिका सिंह के नाम पर रखा

भोपाल, 27 मई (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने कमलनाथ सरकार में मंत्री रहे पीसी शर्मा की पोती का नाम विंग कमांडर व्योमिका सिंह के नाम पर व्योमिका रखा है। गौरतलब है कि जहां ऑपरेशन सिंदूर के लिए दुनियाभर में भारतीय सेना के शौर्य साहस और पराक्रम की प्रशंसा की जा रही है और जगह-जगह सिंदूर यात्राएं निकाली जा रही हैं, वहीं ऑपरेशन सिंदूर की आइकन बन चुकीं कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह के नाम पर लोग अपने बेटियों के नाम रखने की शुरुआत कर चुके हैं।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चर्चा में आईं विंग कमांडर व्योमिका सिंह

पहलगाम में हुए कायराना हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर के जरिए पाकिस्तान को घुटने पर ला देने वाली सेना के बहादुरी भरे कारनामों की पल-पल की जानकारी देने वाली महिला अफसर व्योमिका सिंह की ख्याति तेज दुनिया में फैल चुकी है।

क्या था कार्यक्रम?

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने कमलनाथ सरकार में मंत्री रहे पीसी शर्मा की पोती का नाम विंग कमांडर व्योमिका सिंह के नाम पर व्योमिका रखा। कोंग्रेस के दिग्गज नेता पीसी शर्मा ने सोशल मीडिया एक्स के जरिये ये जानकारी दी है। पीसी शर्मा ने एक्स पर लिखा मेरे सुपुत्र श्री शिवी शर्मा एवं वधू श्रीमती रूपाली शिवी शर्मा को अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर कन्यारत्न की प्राप्ति हुई। यह हमारे परिवार के लिए अत्यंत हर्ष व सौभाग्य का विषय है। गत दिवस हमारे निवास पर पूर्व मुख्यमंत्री एवं वर्तमान सांसद माननीय श्री दिग्विजय सिंह जी एवं रानी साहिबा श्रीमती अमृता राय जी का आगमन हुआ। उन्होंने हमारी नवजात पौत्री को अपने स्नेहिल आशीर्वाद से अभिषिक्त किया। साथ ही वायुसेना की विंग कमांडर वीरांगना व्योमिका सिंह जी के नाम पर मेरी पौत्री का नामकरण किया गया। इस शुभ अवसर पर हमने पुष्पगुच्छ भेंट कर माननीय अतिथियों का आत्मीय स्वागत किया। हम उनके स्नेह, आशीर्वाद और उपस्थिति के लिए हृदय से आभारी हैं।'

पहले बागेश्वर धाम में सुनी कथा, फिर लौटते समय पूरे परिवार ने खा लिया जहर

पंचकूला, 27 मई (एजेंसियां)। हरियाणा के पंचकूला से दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। कर्ज के बोझ में दबे एक ही परिवार के 7 सदस्यों ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली। सभी के शव कार में मिलने के बाद इलाके और पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया। अब मामले में नया खुलासा हुआ है कि परिवार देहरादून का रहने वाला था और पंचकूला में बागेश्वर धाम में हनुमंत कथा सुनने आया था। कथा सुनने के बाद परिवार कार से लौट रहा था, तभी सभी ने रास्ते में जहर खाकर आत्महत्या कर ली। शुरुआती जांच में पता चला है कि मृतकों की पहचान प्रवीन मित्तल, उनके पिता देशराज मित्तल, पत्नी, मां, दो बेटियां और एक बेटे के रूप में हुई है। रात करीब 11:00 बजे पुलिस को सूचना मिली कि सेक्टर-27 में मकान नंबर 1204 के बाहर खड़ी गाड़ी में कुछ लोग गंभीर हालत में हैं। पुलिस की ईआरवी पहुंची तो गाड़ी में छह लोग तड़प रहे थे। उन्हें तुरंत सेक्टर-26 स्थित ओजस अस्पताल ले जाया गया। कुछ ही देर बाद घर के बाहर एक और व्यक्ति तड़पता हुआ मिला, जिसे सेक्टर-6 के नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया गया। उपचार के दौरान सभी सातों की मौत हो गई। पुलिस सूत्रों के अनुसार, परिवार के करीबी लोगों ने बताया कि परिवार पर भारी कर्ज था। प्रवीन मित्तल ने हाल ही में देहरादून में टूर एंड ट्रैवल्स का व्यवसाय शुरू किया था, जिसमें उन्हें भारी घाटा हुआ। आर्थिक तंगी के कारण परिवार ने यह दुखद कदम उठाया। पुलिस ने बताया कि उसे मौके पर सुसाइड नोट भी मिली है। एक चश्मदीद ने बताया कि वह कार से पास से गुजर रहा था तो एक व्यक्ति संदिग्ध हालत में मिला। यह शख्स प्रवीण मित्तल थे। प्रवीण ने बताया कि उनके परिवार के लोग कार में सो रहे हैं। चश्मदीद को आशंका हुई तो उसने कार का दरवाजा खोल कर देखा, तो सभी के मुंह से झाग आ रहे थे।

जम्मू में स्कॉलरशिप स्कीम में तगड़ा घोटाला, फर्जी दाखिले के नाम पर करोड़ों रुपये की हेराफेरी; 7 कॉलेजों पर केस दर्ज

जम्मू, 27 मई (एजेंसियां)। अनुसूचित जनजाति (एसटी) के छात्रों के लिए शुरू की गई पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना में बड़ा घोटाला सामने आया है। एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) जम्मू ने छात्रवृत्ति योजना में करोड़ों रुपये की हेराफेरी के आरोप में बड़ी कार्रवाई करते हुए जनजातीय कार्य विभाग के पूर्व निदेशक और सात निजी संस्थानों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

यह कार्रवाई एक शिकायत के बाद जांच के आधार पर की गई है। एसीबी के अधिकारियों का कहना है कि फर्जी दाखिले, फर्जी दस्तावेज और छात्रों के फर्जी नाम पर बैंक खाते खोले गए थे। अभी मामले की जांच जारी है और भविष्य में और भी गिरफ्तारियां संभव हैं। एसीबी प्रवक्ता के अनुसार, भारत सरकार की ओर से शुरू की गई इस छात्रवृत्ति योजना का उद्देश्य छात्रों को 18,000 ट्यूशन फीस व 2,300 मेंटेनेंस भत्ता प्रदान कर शिक्षा में सहायता देना था। जांच में सामने आया है कि वर्ष 2014 से 2018 के दौरान जम्मू जिले के कई निजी संस्थानों ने दूरदराज के क्षेत्रों के एसटी छात्रों के दस्तावेज एकत्र किए और उन्हें जनजातीय कार्य निदेशालय में प्रस्तुत किया।

फर्जी दाखिले के नाम पर बैंक खाते खोले गए

विभाग के अधिकारियों ने संस्थानों की मान्यता, कोर्स कंटेंट, बुनियादी ढांचे या छात्रों की उपस्थिति की जांच किए बिना करोड़ों की छात्रवृत्ति राशि सीधे संस्थानों के खातों में ट्रांसफर कर दी। जांच में सामने आया कि कुछ छात्रों ने तो इन संस्थानों में दाखिला तक नहीं लिया, कुछ ने आंशिक रूप से कोर्स अटेंड किया, जबकि कई संस्थानों ने फर्जी तरीके से छात्रों के नाम पर बैंक खाते खोले और बिना उनकी जानकारी के फार्म भरे थे। इस साजिश में विभागीय अधिकारियों व संस्थानों की मिलीभगत से सरकारी खजाने को करोड़ों का नुकसान हुआ। यह मामला भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की विभिन्न धाराओं के अलावा साजिश के आरोप में दर्ज किया गया है।

पूर्व तहसीलदार के पास 200 फीसद से ज्यादा संपत्ति

सीबीआई ने बाहू क्षेत्र के तत्कालीन तहसीलदार रोहित शर्मा पर आय के ज्ञात स्रोतों से 200 प्रतिशत अधिक संपत्ति अर्जित करने का केस दर्ज किया है। रोहित को 14 नवंबर 2022 को एंटी करप्शन ब्यूरो ने रिश्वत लेते रंगे हाथ भी पकड़ा था। आरोपित मूल रूप से अखनूर का रहने वाला है। सीबीआई ने जांच में पाया कि आरोपित ने वर्ष 2020 से 2022 के बीच खुद के अलावा पत्नी व अन्य परिजनों के नाम करोड़ों की संपत्ति बनाई। अरोपित वर्ष 2010 में नायब तहसीलदार नियुक्त हुआ था और 2020 तक कई जगह तैनात रहा। 20 मार्च 2020 को आरोपित जम्मू की बाहू तहसील का तहसीलदार नियुक्त हुआ। वर्ष 2020 में आरोपित की संपत्ति 14 लाख, 35 हजार थी, जबकि 2022 तक उसके पास एक करोड़, 33 लाख की अतिरिक्त संपत्ति थी।

पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर पति को उतारा मौत के घाट, दोनों गिरफ्तार

मंबई, 27 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मुंबई में एक सनसनीखेज घटना सामने आई है, जहां एक महिला ने प्रेमी के साथ मिलकर पति को मौत के घाट उतार दिया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। मामला मुंबई के वडाला इलाके का है। मृतक की पहचान 36 साल के इस्माइल अली जमाल अली शेख के रूप में हुई है। मुंबई के एंटॉप हिल के बंगाली पुरा इलाके में 36 साल के व्यक्ति की बेरहमी से हत्या कर दी गई। कथित तौर पर शेख की पत्नी और उसके प्रेमी ने मिलकर उस पर चाकू से कई बार हमला किया। एंटॉप हिल पुलिस ने हत्या के मामले में उसकी 26 साल की पत्नी सुमाया शेख और उसके प्रेमी जब्बार शेख को गिरफ्तार किया है। एंटॉप हिल पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, इस्माइल को अपनी पत्नी और जब्बार के बीच संबंध का पता चल गया था,

पंजाब में एसएचओ ने महिला को छेड़ा

फिर की कमरे में ले जाने की कोशिश, पीड़िता ने चौकी प्रभारी को जड़ा थप्पड़; सस्पेंड

फिल्लौर, 27 मई (एजेंसियां)। स्थानीय रेलवे चौकी प्रभारी ने ड्यूटी के दौरान शराब के नशे में धुत होकर रेलवे क्वार्टरों के आगे से जा रही महिला को पकड़ जबरन अपने सरकारी क्वार्टर के अंदर ले जाने की कोशिश की। महिला के चिल्लाने पर लोग मौके पर पहुंचे गए। उन्होंने महिला को चौकी प्रभारी से छुड़ाया। उच्च अधिकारियों की मौजूदगी में महिला ने चौकी प्रभारी के थप्पड़ जड़ दिए। इस घटना के बाद अधिकारियों ने प्रभारी को सस्पेंड कर लाइन हाजिर करने के आदेश दिए हैं। घटना सोमवार शाम करीब छह बजे की है। जानकारी मुताबिक स्थानीय रेलवे पुलिस चौकी के प्रभारी दीदार सिंह ने ड्यूटी के दौरान ही शराब पी रखी थी। वह क्वार्टर में अपनी वर्दी बदलकर बाहर रेलवे रोड पर आ गया। उस समय वहां से महिला गुजर रही थी। वह अपनी बेटी को ट्यूशन से लेने जा रही थी। चौकी प्रभारी ने महिला को रोका और खींचकर सरकारी क्वार्टर में ले जाने की कोशिश करने लगा। वह शराब के नशे में वहां पहुंचे लोगों पर भी धौंस जमाने लगा। फिल्लौर रेलवे पुलिस चौकी लुधियाना के तहत आती है। वहां के डीएसपी और इंस्पेक्टर पलविंदर सिंह को घटना की सूचना दी गई। चौकी प्रभारी दीदार सिंह को अपनी गलती का एहसास करवाना चाहा तो वह शराब के नशे में महिला से जैसे ही गलत बोला तो महिला ने गुस्से में आकर पुलिस उच्च अधिकारियों और लोगों की मौजूदगी में थप्पड़ जड़ दिए। चौकी प्रभारी ने गलती के लिए मांगी माफी चौकी प्रभारी ने महिला से गलती के लिए माफी मांगी है। इंस्पेक्टर पलविंदर सिंह ने बताया कि उक्त अधिकारी फिल्लौर से पहले थानों में एसएचओ के पद पर रह चुका है। तीन महीने से यह छुट्टी पर था। एक दिन पहले ही उसने कार्यभार संभाला है। उच्च अधिकारियों ने उसे सस्पेंड कर लाइन हाजिर करने के आदेश दिए हैं। इसके बाद भी अगर महिला शिकायत दर्ज करवाती है तो आगे की कार्रवाई भी की जाएगी।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 28 मई - 2025

भारतीय अर्थव्यवस्था भरने लगी उड़ान

अशोक भाटिया

भारत अब चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और यह मोदी सरकार और देश के 1.4 अरब भारतीयों के लिए गर्व की बात है। भारत को पहले हाथियों और सांपों की भूमि के रूप में जाना जाता था। अब वह विकसित नहीं बल्कि विकास के पथ पर चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन रही है। नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रमण्यन ने हाल ही में कहा था कि यह हम सभी के लिए खुशी और गर्व की बात है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि अमेरिका और जर्मनी तीन ऐसे देश हैं और यह जानकारी सिर्फ भारत ने ही नहीं बल्कि आईएमएफ ने भी दी है, जो भारत विरोधी है। इसलिए ये आंकड़े विश्वसनीय हैं क्योंकि यहां मोदी के भक्त नहीं हैं, बल्कि मोदी के भक्त हैं, बल्कि भारत से नफरत करने वाले भी हैं. निस्संदेह यह गर्व की बात है कि भारत अब जापान को पछाड़कर चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। इसका श्रेय मोदी और 140 करोड़ भारतीयों को जाता है। यह इस देश के प्रत्येक नागरिक का है। भारत अब दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और इसका कारण भारत में भू-राजनीतिक स्थिति और बहुत अनुकूल आर्थिक वातावरण है। भारत आज 4 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था है और यह परिवर्तन जबरदस्त है, और यह देश की कहानी कहता है। आईएमएफ के आंकड़ों के मुताबिक भारत आज जापान से बड़ा है और आज भारत से आगे सिर्फ जर्मनी है। संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन हैं। लेकिन भारत को यह सफलता आसानी से हासिल नहीं हुई है। अर्थव्यवस्था का आकार जीडीपी द्वारा मापा जाता है, और यह जापान की तुलना में कुछ अधिक है। आईएमएफ की रिपोर्ट में कहा गया है कि 2025 में विकास दृष्टिकोण 6.2 प्रतिशत था, जो विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में अच्छी मांग के कारण, निजी भागीदारी और खपत के साथ-साथ भारत की बाजार क्षमता और व्यापक आर्थिक क्षेत्र, वैश्विक व्यापार और निवेश प्रवाह की भागीदारी में वृद्धि के कारण समर्थित था। नीति आयोग के अनुसार, यदि भारत प्रति व्यक्ति आय में प्रगति कर रहा है और यह अगले कुछ वर्षों में आशाजनक है, तो यह कुछ हद तक आशावादी है। विश्व बैंक और आईएमएफ ने भविष्यवाणी की है कि भारत अगले दो वर्षों के लिए दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था बना रहेगा। सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में वृद्धि होने की उम्मीद है। स्वास्थ्य, शिक्षा और बुनियादी ढांचा क्षेत्रों के नियोजित विकास को रणनीतिक प्राथमिकता दी जानी चाहिए। भारत विनिर्माण क्षेत्र में एक वैकल्पिक देश बन रहा है, लेकिन इसे अपने बाजार को मजबूत करना चाहिए और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में अपनी स्थिति बढ़ाने के लिए इसका उपयोग करना चाहिए। भारत रूस-यूक्रेन युद्ध से उत्पन्न चुनौतियों का सामना करने और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा लगाए गए आयात शुल्क की बाधाओं को दूर करने में सक्षम रहा है, लेकिन उत्पादकता बढ़ाने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी नई तकनीकों को अपनाने के लिए श्रमिकों के लिए नौकरियां पैदा करने की भी आवश्यकता है। वैश्विक अर्थव्यवस्था में मंदी ने बाहर मांग को धीमा कर दिया है। घरेलू मांग भी पूरी तरह पटरी पर नहीं लौटी है। यह बाधा अर्थव्यवस्था के तेजी से विकास के लिए एक बाधा बनी हुई है। यदि ऐसे झटके नहीं आते हैं, तो भारतीय अर्थव्यवस्था में बचत और निवेश के स्तर के संदर्भ में अगले कुछ वर्षों में वृद्धि करने की क्षमता है। हालांकि, इसके लिए अधिक संरचनात्मक परिवर्तनों की आवश्यकता है। प्रधानमंत्री मोदी ने 2014 में सत्ता संभाली थी। तब से लेकर अब तक भाजपा सत्ता में है और देश की प्रगति निरंतर और निरंतर होती रही है। कांग्रेस शासन के दौरान, निवेशकों ने भारतीय अर्थव्यवस्था में विश्वास खो दिया और भ्रष्टाचार के कई मामलों ने निवेशकों के विश्वास को कमजोर कर दिया था। लेकिन जब मोदी सत्ता में आए तो उन्होंने कहा 'ना खाने दूंगा न खाऊंगा...' घोषणा की गई थी और तदनुसार भ्रष्टाचार की एक भी शिकायत दर्ज नहीं की गई है। वरना कांग्रेस के शासनकाल में भ्रष्टाचार के कई मामले खबरों में थे और अखबारों में रोज नए-नए मसाले पहुंचाए जा रहे थे। लेकिन आज ऐसा नहीं है। मोदी के आने के बाद से यह गुणात्मक बदलाव आया है। इससे निवेशकों का विश्वास बहाल हुआ है और भारत आज चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। लेकिन यह एक आसान काम नहीं था। मोदी का असाधारण दृढ़ संकल्प और दृढ़ संकल्प के साथ-साथ मोदी को सभी भारतीयों का समर्थन इसकी वजह थी। अगर आर्थिक विकास के आंकड़ों को केवल ध्यान में रखा जाए, तो भी मोदी सरकार का प्रदर्शन इन 10 वर्षों में प्रभावशाली रहा है। बेशक, यह स्वीकार करना होगा कि मोदी का प्रदर्शन, असामान्य होने के बावजूद, प्रशंसा के लिए पर्याप्त नहीं है। भले ही मोदी सरकार का आर्थिक प्रदर्शन जबरदस्त है, लेकिन लाखों भारतीय गरीब बने हुए हैं। और नौकरियों की गंभीर वास्तविकता है। इसलिए, हम यह नहीं कहते कि भारत तब तक खुश है जब तक युवाओं को रोजगार का लाभ नहीं मिलता। यद्यपि अर्थव्यवस्था संतोषजनक है, फिर भी कुछ अड़चनें हैं, सबसे पहले, गरीबी। गरीबी और असमानता की असली तस्वीर सामने नहीं आ रही है। मोदी ने सड़कों और बुनियादी ढाँचे के निर्माण पर ज़ोर दिया है, और इसलिए आज देश में कई जगहों पर अच्छी सड़कें और पुल और पुल बनते हुए हम देखते हैं, लेकिन साथ ही डिजिटल सिस्टम का इस्तेमाल उस हद तक नहीं बढ़ा है, जितना होना चाहिए। मोदी को इस बारे में सोचना चाहिए क्योंकि चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था कहना ठीक नहीं है और उसी तरह व्यापार करना जारी रखना अच्छा नहीं है। यह किसी भी देश के लिए अच्छा नहीं है। मोदी शौचालय बनाने की योजनाएं लेकर आए और देश को खुले में शौच से मुक्त बनाया। लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में कुछ स्थानों पर अभी भी यही स्थिति है और अंत में, जैसा कि अमर्त्य सेन ने कहा, उस विकास का फल तब तक अंतिम तक पहुंचा हुआ कहा जा सकता है जब तक कि अंतिम पायदान पर खड़े लोगों को विकास का फल नहीं मिलता। नहीं। मोदी को इस संबंध में अभी बहुत काम करना है। लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं है कि मोदी यह काम करेंगे। भारत के विकास ने एक छलांग लगाई है लेकिन महामारी और इसके दौरान खाद्य वितरण तेजी से हुआ है। यह निस्संदेह सराहनीय था, लेकिन इसी अवधि में, सरकार के भोजन बिल में पांच गुना वृद्धि हुई।

यह सरकार की जिम्मेदारी है कि वह देश भर में सभी में सकारात्मक विचार पैदा करे कि ट्रम्प की बाधाओं ने भारत जैसे देशों के लिए आत्मनिर्भरता का अवसर पैदा किया है और आर्थिक विकास का मार्ग प्रशस्त किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कहना है कि घरेलू आर्थिक सुधारों और अन्य देशों द्वारा भारत को दिए गए झुकाव उपायों ने अर्थव्यवस्था को मजबूत किया है। यदि विकास की यही गति जारी रहती है, तो हम अगले ढाई से तीन वर्षों में जर्मनी को पछाड़कर तीसरे नंबर पर आ सकते हैं। यह भी कहा जाता है कि इस तरह की भविष्यवाणियों का उपयोग देशवासियों के मन में उत्साह पैदा करने के लिए किया जाता है। बेशक, जर्मनी में सक्षम, प्रशिक्षित और युवा लोगों की भारी कमी है। इससे अर्थव्यवस्था कुछ हद तक प्रभावित हो रही है। इसके विपरीत, भारत को युवाओं की सबसे बड़ी संख्या होने से लाभ होगा। ऐसे अन्य कई क्षेत्र हैं जिन्होंने मोदी की सफलता में योगदान दिया है। जहां तक उन क्षेत्रों का सवाल है, मोदी के काम से बिजली की मात्रा और इसके बढ़ते उपयोग के साथ-साथ डीबीटी के जरिए गरीबों को नकदी का हस्तांतरण भी कम हुआ है।

मोदी सरकार ने भारत की अर्थव्यवस्था को चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना दिया है। लेकिन तथ्य यह है कि भारत का अकुशल और गरीब वर्ग अभी भी काफी हद तक बेरोजगार है और मोदी सरकार उनके लिए नौकरी प्रदान करने में सक्षम नहीं है। भारत की अधिकांश आबादी अभी भी कृषि पर निर्भर है। ये चुनौतियां हैं, लेकिन मोदी की सफलता निश्चित रूप से अभूतपूर्व है।

आखिर क्यों हार रही जिंदगी?

पंचकूला में एक ही परिवार के सात लोगों ने जिंदगी से हार कर मौत को गले लगा लिया। इस सामूहिक आत्महत्या ने एक बार फिर कई सवाल खडे कर दिए हैं, जिनका जवाब अब तक लोगों को नहीं मिल सका है। सवाल है कि परिवार पर कर्ज का बोझ, क्या इस कदर था कि सात लोगों की जिंदगियों की बलि देना पडा। इस मामले के सामने आने के बाद एक बार फिर बुराड़ी का वो भयावह मंजर याद आ गया, जहां एक ही घर में ग्यारह लाशें मिली थीं। उक्त मंजर का रहस्य आज भी अनसुलझा है। पुलिस के अनुसार पंचकूला में खड़ी कार के अंदर एक ही परिवार के साथ सदस्यों के मृत पाए जाने वाले देहरादून के रहने वाले थे। कार पंचकूला के सेक्टर-27 में एक रिहायशी इलाके में खड़ी थी। सूचना मिलने पर जब पुलिस मौके पर पहुंची तो उसे कार के अंदर एक दंपति, तीन बच्चों और दो बुजुर्गों के शव मिले। प्रवीण मित्तल पंचकूला में पांच दिवसीय हनुमंत कथा सुनने के लिए परिवार के साथ आए थे। परिवार में उनके पिता देशराज मित्तल, मां, पत्नी समेत तीन बच्चे थे। कार्यक्रम खत्म होने के बाद परिवार हंसी-खुशी देहरादून के लिए निकले थे, उसके बाद क्या हुआ जो यह घटना घटी। यह घटना अब भी अनसुलझी पहेली बनी हुई है। बताया जा रहा है कि मृत मित्तल परिवार आर्थिक तंगी और कर्ज से जूझ रहा था। एक चश्मदीद ने बताया कि प्रवीण मित्तल को यह कहते सुना था कि मैंने जहर खाया है, हम लोग बहुत कर्ज में डूबे हैं। उस समय तो सुनने वाले ने इसे हल्के में लिया था, लेकिन जब उसने घटना के बारे में सुना तो दंग रह गया। अब तो उससे कुछ कहते भी नहीं बन रहा। देखा जाए तो बीते कुछ सालों में भारत में सामूहिक आत्महत्या की कई ऐसी घटनाएं सामने आई हैं, जिनके कारणों का आज तक खुलासा नहीं हो सका है। पिछले वर्ष दिल्ली के वसंतकुंज के रंगपुरी गांव में एक व्यक्ति ने अपनी चार बेटियों के साथ जहरीला पदार्थ खाकर जीवन लीला समाप्त कर ली थी। आर्थिक तंगी को ही इस दुखद अंत का कारण बताया गया था। मौके पर पहुंची पुलिस जब मौके पर पहुंची थी तो घर का दरवाजा अंदर से बंद था। पुलिसकर्मियों ने अंदर से बंद घर का दरवाजा तोड़ा तो पांच शवों को बाहर निकाला था। सभी शव अलग-अलग कमरे में पाए गए थे। इसी तरह की एक भयावह घटना मध्य प्रदेश के अलीराजपुर जिले में भी हुई थी, जहां एक ही परिवार के पांच सदस्यों ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। पति-पत्नी और उनके तीन बच्चों के शव फांसी के फंदे पर लटके पाए गए थे। मृतक राकेश पेशे से किसान था। परिवार के मुखिया या किसी सदस्य ने कभी भी किसी परेशानी का जिक्र नहीं किया था। साल 2023 में गुजरात के सूरत शहर में भी एक सामूहिक आत्महत्या का मामला सामने आया था, जिसमें आठ वर्ष से कम उम्र के तीन बच्चों सहित एक ही परिवार के सात सदस्यों की जान चली गई थी। सुसाइड नोट से पता चला था कि परिवार के एक सदस्य ने पहले अपनी पत्नी, बच्चों और माता-पिता को जहर दिया और फिर स्वयं फांसी लगा ली थी। बुराड़ी का मामला, जिसमें एक ही परिवार के ग्यारह सदस्यों की मौत हुई, आज भी लोगों के मन में सिहरन पैदा करता है। तीन साल तक चली पुलिस जांच के बावजूद, इस घटना का कोई कारण सामने नहीं आ सका और अंततः पुलिस ने क्लोजर रिपोर्ट दाखिल कर दी। इस तरह की घटनाओं के पीछ जहां धार्मिक अंधविश्वास को एक कारण माना जा रहा है तो वहीं मनोवैज्ञानिक समस्याओं तक की कई अटकलें लगाई गईं, लेकिन सच्चाई यह है कि इस तरह की सामूहिक मौते आज भी एक रहस्य हैं। अब समय आ गया है कि इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो तो इस पर कोई ठोस पहल किए जाने की जरूरत महसूस की जाने लगी है।

लगातार मौतें न्याय मांगती हैं, चुप्पी नहीं

कुमार कृष्णन

जब सरकार यह दावा करती है कि भारत में मैनुअल स्कैवेंजिंग का उन्मूलन हो चुका है, उस समय देशभर में सीवर और सेप्टिक टैंकों की सफाई के दौरान हो रही रोकी जा सकने वाली मौतें एक भयावह सच्चाई को उजागर करती हैं — एक ऐसी सच्चाई जो दंडहीनता, प्रणालीगत जातीय हिंसा और संस्थागत उपेक्षा से भरी है। मैनुअल स्कैवेंजिंग का अर्थ है अस्वास्थ्यकर शौचालयों, नालियों या खुले गड्ढों से मानव मल को बिना किसी सुरक्षा उपकरण के हाथ से साफ करने, ले जाने या हटाने की प्रथा। 2 फरवरी 2025 को, दो सफाई कर्मियों की मौत हो गई और एक गंभीर रूप से घायल हो गया जब वे नरेला, बाहरी दिल्ली के मनसा देवी अपार्टमेंट्स के पास एक सीवर की सफाई कर रहे थे। निजी ठेकेदार द्वारा नियुक्त इन लोगों को किसी भी सुरक्षा उपकरण के बिना जहरीले गड्ढे में उतारा गया था। कुछ दिन बाद, उसी सुबह कोलकाता लेदर कॉम्प्लेक्स के बंटाला क्षेत्र में नाले की सफाई करते समय फर्ज़ेम शेख, हाशी शेख और सुमन सरदार — सभी मुर्शिदाबाद, पश्चिम बंगाल के निवासी — की मौत हो गई। कोलकाता महानगर विकास प्राधिकरण द्वारा नियोजित इन मजदूरों को एक पाइप फटने के कारण मैनहोल में बहा दिया गया। उनके शव कई घंटे बाद पुलिस, अग्निशमन और आपदा प्रतिक्रिया दलों द्वारा बरामद किए गए। कोलकाता के मेयर फिरहाद हकीम ने औद्योगिक अपशिष्ट से उत्पन्न विषैली गैस को घटना का कारण बताया और जांच की घोषणा की लेकिन ऐसी जांचें शायद ही कभी दोषियों को सजा या सुधार की ओर ले जाती हैं। ये मौतें 29 जनवरी 2025 को सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए आदेश के केवल चार दिन बाद हुईं जिसमें भारत के प्रमुख महानगरों (दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, बेंगलुरु, हैदराबाद) में मैनुअल स्कैवेंजिंग और खतरनाक सीवर सफाई को स्पष्ट रूप से प्रतिबंधित किया गया था। यह फैसला जस्टिस सुधांशु धूलिया और अरविंद कुमार की अध्यक्षता वाली पीठ ने डॉ. बलराम सिंह द्वारा दायर याचिका पर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने दोहराया कि मैनुअल स्कैवेंजिंग को पूरी तरह खत्म किया जाना चाहिए। इसके अलावा अदालत ने मेट्रो शहरों के अधिकारियों को निर्देश दिया कि पिछले तीन महीनों में मैनुअल स्कैवेंजिंग के कारण हुई मौतों के परिजन को चार हफ्तों के अंदर 30 लाख का मुआवजा दिया जाए। जस्टिस सुधांशु धूलिया और जस्टिस अरविंद कुमार की बेंच मैनुअल स्कैवेंजिंग और खतरनाक सफाई कार्यों पर बैन की मांग वाली जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही है।कोर्ट ने दिल्ली, कोलकाता, हैदराबाद और बेंगलुरु के अधिकारियों को मैनुअल स्कैवेंजिंग और सीवर सफाई पर दिए गए असंतोषजनक हलफनामों को लेकर तलब किया था। अदालत ने अब पाया कि नए हलफनामे भी चालाकी से शब्दों को घुमा-फिराकर पेश किए गए हैं। अदालत ने कहा कि सभी अधिकारियों को प्रोहिबिशन ऑफ इंप्लायमेंट एस मैन्युअल स्कैविंजर एंड देयर रिहेबिलेशन एक्ट 2013 के तहत आज से चार हफ्तों के भीतर उन सभी मौतों के लिए 30 लाख का मुआवजा देना होगा। सुनवाई के दौरान दिल्ली जल बोर्ड के वकील ने तर्क दिया कि जिस सीवर में मौतें हुईं, वह उनके अधिकार क्षेत्र में नहीं आता लेकिन जब जस्टिस धूलिया ने दिल्ली जल बोर्ड निदेशक पंकज कुमार अत्रे से सीधा सवाल किया तो उन्होंने स्वीकार किया कि यह इलाका दिल्ली जल बोर्ड के अंतर्गत आता है हालांकि, दिल्ली जल बोर्ड ने दावा किया कि यह एक अनधिकृत निजी प्रवेश था और उनके कर्मचारी वहां मौजूद नहीं थे। इस पर जस्टिस कुमार ने चेतावनी दी कि यदि संतोषजनक जवाब नहीं आया, तो अवमानना कार्यवाही शुरू की जाएगी। अदालत ने दिल्ली जल बोर्ड को एक विस्तृत हलफनामा दाखिल करने और यह स्पष्ट करने का आदेश दिया कि मैनुअल स्कैवेंजिंग को कब और कैसे रोका गया। बीबीएमपी ने दावा किया कि 2013 से मैनुअल स्कैवेंजिंग बंद है और 2017 के बाद कोई मौत नहीं हुई लेकिन कोर्ट ने सरकारी आंकड़ों के आधार पर साफ किया कि 2024 में 4 और 2023 में 3 मौतें हुई हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यदि अगली सुनवाई में हलफनामा संतोषजनक नहीं हुआ, तो प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। हैदराबाद जल एवं सीवरेज बोर्ड ने तर्क दिया कि मौतें मैनुअल स्कैवेंजिंग के कारण नहीं बल्कि पुरानी पाइपलाइन मरम्मत के दौरान हुईं। जस्टिस धूलिया ने कहा कि सीवर लाइन की सफाई और मरम्मत के दौरान मजदूरों की मौत को अलग नहीं किया जा सकता हालांकि, अत्याधुनिक सफाई मशीनों की उपलब्धता के लिए कोर्ट ने हैदराबाद की सराहना की। वहीं, पश्चिम बंगाल सरकार ने बताया कि कोलकाता में 3 मौतों पर प्राथमिकी दर्ज की गई है और ठेकेदार ने 10 लाख मुआवजा दिया है लेकिन कोर्ट ने 30 लाख मुआवजा देने का आदेश दिया और कहा कि यह मैनुअल स्कैवेंजिंग का मामला ही माना जाएगा। हाथ से मैले की सफाई यानी मैन्युअल स्कैवेंजिंग को रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने पहले से कई निर्देश जारी कर रखे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इसके लिए 2014 में गाइडलाइंस भी जारी की थीं। कोर्ट ने केंद्र सरकार से फरवरी 2023 में कहा था कि वह बताए कि इस मामले में बने 2013 के कानून को लागू करने के लिए क्या कदम उठाए हैं। कोर्ट ने कहा था कि केंद्र बताए कि 2014 के सुप्रीम कोर्ट के फैसले के तहत जारी गाइडलाइंस को लागू करने के लिए क्या कदम उठाए हैं। मामले की सुनवाई अभी भी जारी है. सुप्रीम कोर्ट ने अधिकारियों को चेताया है कि अगर संतोषजनक जवाब और कदम नहीं उठाए गए तो प्राथमिकी भी दर्ज की जाएगी। सुप्रीम कोर्ट इस मामले में बेहद सख्त है अब देखना है कि इस पर किस हद तक लगाम लग पाता है। सुप्रीम कोर्ट ने 2014 में एक ऐतिहासिक फैसले में हाथ से कचरे और गंदगी की सफाई रोकने के लिए तमाम निर्देश जारी किए थे। साथ ही कहा था कि सीवर की खतरनाक सफाई के लिए किसी मजदूर को न लगाया जाए। - बिना सेफ्टी के सीवर लाइन में मजदूर को न उतारा जाए। कानून का उल्लंघन करने वालों को सख्त सजा का भी प्रावधान किया गया था।- देश भर के तमाम राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिया था कि वह 2013 के उस कानून को लागू करे जिसमें हाथ से कचरा उठाने की प्रथा को खत्म करने के लिए कानूनी प्रावधान किया गया और पीड़ितों के पुनर्वास के लिए प्रावधान किया गया था। - सुप्रीम कोर्ट में केस पेंडिंग रहने के दौरान ही केंद्र सरकार ने एक्ट (प्रोहिबिशन ऑफ इंप्लायमेंट एस मैन्युअल स्कैविंजर एंड देयर रिहेबिलेशन एक्ट 2013) बनाया था। याचिका में कहा गया था कि उनके जीवन के अधिकार और समानता के अधिकार की रक्षा की जाए। इसके बावजूद मौतों का सिलसिला थमा नहीं है। भारत में मौत और चुप्पी का सिलसिला तिरुप्पुर, तमिलनाडु (19 मई 2025): तीन दलित मजदूर — सरवनन (30), वेणुगोपाल (30), और हरि कृष्णन (27) — अलाया डाइंग मिल्स में सीवेज टैंक की सफाई करते समय जहरीली गैस से मारे गए।

नौतपा काल का अमृत - छाछ

हरीश शिवनानी

भारत में शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति होगा जिसने कभी छाछ न पिया हो या छाछ का नाम न सुना हो। छाछ भारतीय जीवन पद्धति का एक अभिन्न पेय रहा है। विशेषकर ग्रीष्म ऋतु में तो इसे अमृत तुल्य माना जाता है। ग्रीष्मकाल मे ही एक दौर ऐसा आता है जब सूर्य अपने प्रचंडतम रूप में तपता है। इसे नौतपा काल कहते हैं। यह नौतपा 9 दिनों की वह अवधि होती है जब सूरज की भीषण गर्मी सबसे ज्यादा चुभती होती है और तापमान कई जगहों पर रिकॉर्ड तोड़ देता है। इस साल नौतपा 25 मई से शुरू हो गया है और 8 जून तक चलेगा। हालांकि पूरे 15 दिन गर्मी तीव्र होती है, लेकिन शुरुआती 9 दिन विशेष रूप से अधिक तपन वाले होते हैं। ऐसे में स्वास्थ्य को लेकर काफी सावधानी बरतनी ज़रूरी होती है और इस कालखंड में स्वास्थ्य के लिए अमृत है - छाछ। ग्रीष्मकाल में छाछ के महत्व को लेकर हमारे आयुर्वेदिक और आध्यात्मिक ग्रंथों में बहुत लिखा गया है। जो छाछ पीता है, वह देवताओं से भी श्रेष्ठ)। और भोजन के बाद छाछ, दिन के अंत में दूध, और रात के अंत में पानी पीने से शरीर में कोई दोष नहीं होता। छाछ में दूध व दही की अपेक्षा फैट व कैलोरी, दोनों कम होते हैं। नमकीन व खट्टी छाछ को मट्ठा भी कहा जाता है। इसकी तासीर ठंडी होने और खनिज और विटामिन से युक्त होने के कारण यह पाचन तंत्र के लिए बेहद फायदेमंद होता है, इसलिए इसे भोजन के बाद पिया जाता है। छाछ में उच्च मात्रा में पोटेशियम, विटामिन B12, कैल्शियम, राइबोफ्लेविन मौजूद होता है इसके अलावा फास्फोरस का भी बढ़िया स्रोत है। छाछ का उपयोग पीने के अलावा सब्ज़ी बनाने में किया जाता है।

छाछ में बायो एक्टिव प्रोटीन होता है, जो ब्लड प्रेशर को घटाने का काम करता है और हृदय संबंधी दिक्कत नहीं होती है। छाछ कोलेस्ट्रॉल को घटाने में एक प्राकृतिक औषधि का कार्य करता है। इसका नियमित सेवन करने से कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल में रहता है। छाछ पीने से शरीर में पानी की कमी दूर होती है। यह एसिडिटी और पेट की जलन को दूर करता है। पेशाब में दर्द हो तो छाछ पीने से आराम मिलता है। इससे डायरिया का खतरा टलता है। छाछ में नमक और एक चम्मच पिसी हुई अजवाइन मिलाकर पीने से बवासीर में आराम मिलता है। छाछ में सोंठ, काली मिर्च, पिप्पली और यवक्षार का मिश्रण मिलाकर सेवन करने से कफ से होने वाले रोग दूर होते हैं। अगर छाछ में शहद मिलाकर दिन में तीन बार पीया जाए दस्त बंद हो जाते हैं। मीठे छाछ में शक्कर मिलाकर पीने से पित्त भी दूर होता है। यह अल्सर जैसी बीमारी में असरकारक है। छाछ में कैल्शियम बहुत मात्रा में होता है इसलिए यह ऑस्टियोपोरोसिस में मदद करता है।

छाछ त्वचा के लिए भी काफी गुणकारी होती है, मसलन, छाछ में ब्लीचिंग इंग्रेडिएंट्स होते हैं। इससे दाग-धब्बे और टैनिंग को हटाया जा सकता है। छाछ में प्रोबायोटिक लैक्टिक एसिड होता है जो फेशियल मास्क के रूप में प्रयोग होता है। इसे चेहरे पर लगाने से झुर्रियां कम होती हैं। गुलाब की जड़ को छाछ में पीसकर चेहरे पर लगाने से मुंहासे खत्म हो जाते हैं। स्किन को एक्सफोलिएट करने के लिए आप छाछ का इस्तेमाल कर सकते हैं। छाछ का उपयोग बालों की समस्या से छुटकारा पाने केलिए भी किया जा सकता है। बाल झड़ने की समस्या हो तो छाछ लगाएं। इसके लिए बासी छाछ से सप्ताह में दो दिन बालों को धोना फ़ायदेमंद होता है।छाछ में नींबू का रस मिलाकर सिर में 15 मिनट तक मालिश करें और फिर गुनगुने पानी से बालों को धो लें। इससे सिर की खुजली और डैंड्रफ दूर होता है। डैंड्रफ के लिए आप सिरका और नींबू के रस का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। छाछ लगाने से बाल जड़ से काले हो जाते हैं। इसके लिए करी पत्ते को पीस लें और छाछ में मिलाकर बालों की जड़ों में लगाएं। ऐसा हफ़्ते में 2-3 बार नियमित रूप से करें। बाल सफ़ेद होना बंद हो जाएंगे। छाछ नेचुरल हेयर स्ट्रेटनर का भी काम करती है। इसे नारियल के दूध के साथ मिलाकर लगाने पर बाल नैचुरली सीधे हो जाते हैं। बालों को मज़बूत बनाना हो तो छाछ फ़ायदेमंद होता है।

हर खान-पान के लाभ का साथ साथ कुछ हानि भी होती है यदि उसका समुचित और उचित मात्रा में उपयोग न किया जाए। छाछ भी इससे अछूती नहीं है। आयुर्वेद ग्रंथों में अनेक स्थितियों में छाछ से परहेज करने की बात कही गई है। उदाहरण के लिए, बुखार होने पर ठंडी तासीर वाली और खट्टी चीजें नहीं खानी-पीनी चाहिए। इसलिए बुखार होने पर छाछ या दही का सेवन नहीं करना चाहिए। ऐसे लोग जो गठिया, जोड़ों में दर्द, मांसपेशियों में दर्द की समस्या से जूझ रहे हैं उन्हें छाछ भूलकर भी नहीं पीनी चाहिए। अगर आप इन समस्याओं में छाछ पीते हैं तो आपको जोड़ों में अकड़न और दर्द की समस्या ज्यादा हो सकती है।

डिजिटल अश्लीलता का बढ़ता आतंक और समाज की गिरती संवेदनशीलता

प्रियंका सौरभ

जब सोशल मीडिया हमारे जीवन में आया, तो उम्मीद थी कि यह विचारों को जोड़ने, संवाद को मज़बूत करने और जन-जागरूकता फैलाने का एक सशक्त माध्यम बनेगा। लेकिन आज, 2025 में, विशेषकर फेसबुक जैसे मंच पर जिस तरह से अश्लीलता और फूहड़ता का आतंक फैलता जा रहा है, वह न केवल चिंताजनक है, बल्कि सभ्यता की चादर में लिपटे हमारे समाज की मानसिक पतनशीलता को भी उजागर करता है। अश्लील वीडियो की वायरल संस्कृतिः मनोरंजन या मानसिक विकृति? आज फेसबुक पर एक महिला या किसी व्यक्ति की निजता से खिलवाड़ करती हुई अश्लील वीडियो अगर गलती से अपलोड हो जाती है, तो उसके रिपोर्ट और हटने से पहले ही लाखों लोग उसे डाउनलोड, साझा और एक-दूसरे से माँग लेते हैं। यह सिलसिला इतना भयावह और संगठित रूप में होता है कि लगता है जैसे सभ्य समाज नहीं, किसी डिजिटल भेड़िया झुंड में रह रहे हों। सबसे अधिक विचलित करने वाली बात यह है कि यह सब पढ़े-लिखे, संस्कारी दिखने वाले, प्रोफ़ाइल पर तिरंगा, ॐ या गीता का श्लोक डालने वाले लोग ही सबसे ज़्यादा करते हैं। तो फिर सवाल उठता है — क्या यही हमारी वास्तविक मानसिकता है? क्या हम दोहरे चरित्र वाले समाज के प्रतिनिधि हैं जो मंच पर नैतिकता की बात करता है और अकेले में अश्लीलता का उपभोग करता है? समाज की चुप्पीः एक और अपराध इन वीडियो को रिपोर्ट करना, विरोध करना और हटवाना तो दूर की बात, लोग इन्हें चुपचाप देखते हैं, सहेजते हैं, और निजी संदेशों में साझा करते हैं। जो कृत्य समाज में निंदा के योग्य होना चाहिए, वह मनोरंजन और मोबाइल संदेशों का हिस्सा बन जाता है। ऐसे में समाज केवल अपराधी का साथ नहीं देता, बल्कि वह खुद अपराध का भागीदार बन जाता है। पीड़िता नहीं, समाज शर्मसार हो हर बार जब कोई महिला किसी वीडियो में जबरन या धोखे से दिखा दी जाती है, तो समाज उसे कोसने लगता है — जबकि असली दोषी वह नहीं, वह व्यक्ति होता है जिसने उसका वीडियो बनाया, और वे लोग होते हैं जो उसे साझा करते हैं। वास्तव में शर्म तो उस समाज को आनी चाहिए जो दूसरों की पीड़ा को 'क्लिकबेट' और मज़ा' समझता है। फेसबुक की असफलताः सामुदायिक मानक या बिके हुए नियम? फेसबुक दावा करता है कि उसके पास सामुदायिक मानक हैं — जो नफ़रत फैलाने, अश्लीलता परोसने और हिंसा भड़काने वाले सामग्री को रोकते हैं। लेकिन हकीकत इसके ठीक उलट है। अगर कोई उपयोगकर्ता कोई राजनीतिक सच्चाई या तीखी भाषा लिख दे, तो उसकी पहचान कुछ मिनट में अवरुद्ध हो जाती है। लेकिन वही मंच घंटों तक अश्लील वीडियो वायरल होते देखने देता है, बिना किसी हस्तक्षेप के। क्या यह मान लिया जाए कि फेसबुक की नीति यह है — अगर आप सत्य बोलेंगे तो आप खतरनाक हैं, और अगर आप अश्लीलता फैलाएंगे तो आप व्यस्त और उपयोगी उपयोगकर्ता हैं! तकनीक के साथ जिम्मेदारी कहाँ? हमें यह समझना होगा कि सोशल मीडिया केवल एक तकनीकी मंच नहीं है, यह अब जनमानस को प्रभावित करने वाला एक सामाजिक ढाँचा बन चुका है। और हर ढाँचे की कुछ जिम्मेदारियाँ होती हैं।

क्लिक करो, आह भरो

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

गाँव के चौराहे पर डिजिटल इंडिया का रंगीन होर्डिंग लगा था – हर हाथ में मोबाइल, हर जेब में इंटरनेट। बगल में खड़ा रामलाल, जो अब तक मोबाइल को टार्च और गाना सुनने की मशीन समझता था, ठिठक गया। उसे लगा जैसे कोई अलौकिक बात कह दी गई हो। उसके मन में सवाल उमड़ पड़ा – ये इंटरनेट का कीड़ा कहाँ से पकड़ते हैं, मास्टरजी? मास्टरजी मुस्कराए और बोले, अब सबकुछ ऑनलाइन है, रामलाल। खेत, खलिहान, राशन, विवाह, मृत्यु प्रमाण पत्र... सब मोबाइल में समा गया है। रामलाल ने अपने पुराने कीपैड वाले मोबाइल को देखा और बोला, हमारे मोबाइल में तो बस सिग्नल ही नहीं आता, इंटरनेट कहाँ से आएगा? चौराहे की चाय की दुकान पर बैठे लोग हँस पड़े। रामलाल ने निर्णय लिया – अब उसका बेटा डिजिटल बनेगा। उसे शहर भेजा कि कुछ सीखे, कुछ कमाए। बेटे ने एक साल में कंप्यूटर सीखा, ऑनलाइन फॉर्म भरना सीखा, 'माउस' को हाथी का बच्चा समझना छोड़ दिया। गाँव लौटा तो साथ में था एक लैपटॉप, जो खुद ही चार्ज माँगता रहता था। गाँव में न बिजली, न नेट। जैसे ही खेत में बैठकर उसने किसान योजना का ऑनलाइन फॉर्म भरा, वेबसाइट ने लिखा – सर्वर डाउन है। कृपया पुनः प्रयास करें। रामलाल बोला, बेटा, ये सर्वर कौन सी फसल है जो हर बार सूखा मारता है? बेटे ने सिर पकड़ लिया। गाँव में पहली बार डिजिटल शब्द को लोग अपशब्द की तरह लेने लगे। गाँव में एक दिन सरकारी जीप आई, डेक से बजता था – डिजिटल साक्षरता अभियान में भाग लें। सबको लगा कि अब सचमुच जादू होगा। सचिव जी बोले, अब जमीन के काग़ज़ भी मोबाइल में होंगे। रामलाल बोला, जब जमीन में पानी नहीं, तो मोबाइल में काग़ज़ रखके क्या हल जोतूंगा? अधिकारी बोला, अब ऑनलाइन आवेदन करना होगा। एक बुजुर्ग बोले, बेटा, पहले ये बता दो कि आवेदन की बोरी कहाँ मिलती है? अधिकारी मुस्करा कर बोला, बोरी नहीं, वेबसाइट होती है। भीड़ में खुसर-पुसर शुरू हुई – लगता है अब खेती भी बिना हल के होगी, सब मोबाइल से। डिजिटल इंडिया गाँव में आ गया था, पर गाँव डिजिटल नहीं हो पाया। रामलाल के मोबाइल पर एक दिन संदेश आया – आपके खाते में 6000 की सब्सिडी जमा हुई है। खुशी के मारे बैंक भागा। बैंक ने कहा – आपका खाता आधार से लिंक नहीं है। रामलाल ने पूछा – आधार कौन सी गाय है जो बैंक में दूध नहीं देती? उसे आधार कार्ड बनवाने भेजा गया, पर केंद्र की मशीनें 'नेटवर्क इश्यू' में थी। तीन दिन की भागदौड़ के बाद भी आधार नहीं बना।

मरने के बाद वैतरणी नदी को पार करना आत्मा के लिए क्यों है चुनौती?

गरुड़ पुराण में हैं ये जिक्र

हिंदू धार्मिक ग्रंथ व्यक्ति की मृत्यु के बाद उसकी आत्मा के जीवन के बारे में जानकारी प्रदान करते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, मृत्यु के बाद हमारे शरीर का अंतिम संस्कार कर दिया जाता है, लेकिन आत्मा की एक नई यात्रा शुरू हो जाती है। धार्मिक ग्रंथों में कर्म का वर्णन किया गया है। ऐसा कहा जाता है कि आपके जीवन में किये गए कर्म ही यह निर्धारित करते हैं कि मृत्यु के बाद आपका जीवन कैसा होगा। इस धरती पर जन्म लेने वाले प्रत्येक मनुष्य की एक दिन मृत्यु निश्चित है। लेकिन यह यात्रा मृत्यु के बाद समाप्त नहीं होती। इसके बाद आत्मा को उसके कर्मानुसार नरक, स्वर्ग या मोक्ष मिलता है। गरुड़ पुराण में भी नरक की यातनाओं का वर्णन मिलता है। इसमें बताया गया है कि कौन से कर्मों के कारण प्राणी को नरक में कष्ट भोगना पड़ता है तथा किस प्रकार कर्मों के कारण कुछ प्राणी वैतरणी नदी में गिर जाते हैं।

यमलोक के रास्ते में वैतरणी नदी आती है, जिसका शास्त्रों में बहुत भयानक और कष्टकारी वर्णन किया गया है। इस वैतरणी में पापियों को उनके बुरे कर्मों की सजा मिलती है और उन्हें कई प्रकार की यातनाएं सहनी पड़ती हैं। आज हम गरुड़ पुराण में वर्णित इस नदी के बारे में जानते हैं कि किन कर्मों के कारण मृत्यु के बाद आत्मा को वैतरणी नदी में धकेल दिया जाता है।

गरुड़ पुराण में हैं ये जिक्र

एक बार गरुड़जी ने भगवान से उन पापों के बारे में पूछा जिनके कारण मनुष्य वैतरणी नदी में गिरते हैं। तब भगवान ने समझाया कि जो लोग अच्छे कर्मों से दूर रहते हैं और हमेशा पाप कर्मों में लिप्त रहते हैं, उन्हें एक नरक से दूसरे नरक में जाना पड़ता है, एक के बाद एक दुख भोगना पड़ता है, और एक के बाद एक भय सहना पड़ता है। पापी आत्माओं को दक्षिणी द्वार से ले जाया जाता है। इस मार्ग के मध्य में वैतरणी नदी आती है, जहां पापी आत्माएं जाती हैं। जो लोग पृथ्वी पर ब्राह्मणों की हत्या करते हैं, शराब पीते हैं, बच्चों की हत्या करते हैं, गौहत्या करते हैं, स्त्रियों की हत्या करते हैं, गर्भपात करते हैं, गुरुओं से धन हड़पते हैं और ब्राह्मणों से धन हड़पते हैं, वे वैतरणी नदी में गिरते हैं।

जो लोग उधार लेते हैं और चुकाते नहीं, जो विश्वासघात करते हैं, जो किसी को विष देते हैं, जो पुण्यात्माओं से ईर्ष्या करते हैं और उनके गुणों की प्रशंसा नहीं करते, जो लोगों को अपने से हीन समझते हैं और उनका सम्मान नहीं करते, जो अच्छी संगति से दूर रहते हैं, जो तीर्थस्थानों, संतों, गुरुओं और देवताओं का अपमान करते हैं, जो पुराणों, वेदों, न्याय और वेदान्त का अपमान करते हैं, जो किसी दुखी व्यक्ति को देखकर प्रसन्न होते हैं, जो दूसरों को पीड़ा पहुँचाते हैं और जो दूसरों की बुराई करते हैं, वे भी वैतरणी नदी में गिरते हैं। ये सभी अधर्मी प्राणी दिन-रात शोक करते रहते हैं और यम के मार्ग पर चलते रहते हैं। वहां इन जानवरों को राक्षसों के हमले सहने पड़ते हैं। इसके बाद यमदूत आत्माओं को पीटते हैं और उन्हें वैतरणी नदी में फेंक देते हैं।

जो लोग अपने माता, पिता, गुरु तथा अन्य पूजनीय व्यक्तियों का अपमान करते हैं, जो लोग ब्राह्मणों को वचन देकर सच्चे मन से दान नहीं देते, जो लोग दूसरों को दान देने से रोकते हैं, जो कथा में बाधा डालते हैं, जो अपने लाभ के लिए प्राणियों को हानि पहुंचाते हैं, मांसाहारी, जो लोग शास्त्रों को नहीं मानते, जो स्त्रियों का अपहरण करते हैं तथा जो लड़कियों के साथ यौन संबंध बनाना चाहते हैं, वे वैतरणी में गिरते हैं। रास्ते में तमाम यातनाएं सहने के बाद वे यम के महल में पहुंचते हैं और यम के आदेश पर दूत वहां पहुंचकर पापियों को एक बार फिर वैतरणी में धकेल देते हैं।

भगवान बताते हैं कि वैतरणी नदी सभी महान दुखद नरकों में सबसे दर्दनाक है। इसी कारण यम के दूत पापियों को इस नदी में फेंक देते हैं। धार्मिक ग्रंथों और गरुड़ पुराण के अनुसार धार्मिक लोग वैतरणी नदी के जल को अमृत मानते हैं, जबकि पापी लोग इस नदी को रक्त से भरा हुआ मानते हैं। ऐसा माना जाता है कि वैतरणी नदी सौ योजन तक फैली हुई है और यह बड़ी संख्या में गिद्धों और मछलियों का घर है। इस नदी का पानी उबलता है और इसमें गंदगी, बदबू, मांस और कई प्रकार के जीव-जंतु हैं। रसातल में गिरे पापी लोग भयानक प्राणियों और उबलते पानी की यातनाओं के कारण लगातार रोते रहते हैं। पापियों के लिए इस नदी को पार करना बहुत कठिन है। इस कष्ट से बचने के लिए कुछ उपाय भी पुराणों में बताए गए हैं।

मृत्यु के समय गाय का दान

पौराणिक कथाओं के अनुसार, यदि कोई व्यक्ति मृत्यु के समय गाय दान करता है, तो इससे उसे वैतरणी नदी पार करने में मदद मिल सकती है। कहा जाता है कि जब आप इस नदी के किनारे पहुंचते हैं तो एक गाय आती है और पूछती है, "कोई अच्छा काम हो तो बताओ।" जिन लोगों ने गाय दान की है, उन्हें गाय की पूंछ पकड़कर खतरनाक वैतरणी नदी को कुशलता से पार कर लेते हैं।

आपका मुख्य द्वार है आपके भाग्य की कुंजी

घर का एंट्रेंस तय करता है दिन की दिशा

जब भी हम अपने घर से बाहर निकलते हैं या अंदर आते हैं, तो एक चीज़ हम अक्सर नज़रअंदाज़ कर देते हैं वो है हमारा घर का मुख्य द्वार। यह सिर्फ एक दरवाज़ा नहीं होता, बल्कि एक रास्ता होता है, जो ऊर्जा को आपके जीवन में आने या उससे बाहर जाने का मौका देता है। कई बार आपने महसूस किया होगा कि कुछ घरों में घुसते ही मन हल्का और शांत हो जाता है, जबकि कुछ जगहें आपको अनचाही थकान दे देती हैं। इसका सबसे बड़ा कारण होता है उस घर का प्रवेश द्वार यानी एंट्रेंस हमारे घर की पहली झलक होती है। यह न केवल आने-जाने का रास्ता है, बल्कि यही वह जगह है जो बाहरी दुनिया की सारी ऊर्जा को अपने साथ लाती है। जब हम घर से बाहर निकलते हैं, तो हमारे साथ दिनभर की परेशानियां, खुशियां, गुस्सा या तनाव सब होते हैं। और जब हम वापस लौटते हैं, तो यही सब कुछ साथ लेकर घर के अंदर भी आता है। इसलिए ज़रूरी है कि आपका एंट्रेंस साफ़-सुथरा और सलीके से सजा हो। कई लोग बाहर डस्टबिन रख देते हैं, चप्पलें बिखरी होती हैं, या शो रैक गंदे पड़े होते हैं। यह सब चीजें नकारात्मकता को बुलावा देती हैं।

वहीं अगर आप एंट्रेंस पर साफ-सुथरा पौधा रखें, सुंदर दीया जलाएं, या एक आकर्षक वेलकम बोर्ड लगाएं, तो इससे माहौल खुद-ब-खुद बदलने लगता है। रोशनी का भी एंट्रेंस पर बड़ा असर होता है। एक हल्की, गरम रोशनी न सिर्फ वातावरण को सुखद बनाती है, बल्कि सकारात्मक सोच को भी बढ़ावा देती है। कोशिश करें कि एंट्रेंस पर अंधेरा न हो, और अगर संभव हो तो वहां एक हल्का सा म्यूजिक या घंटी की आवाज हो तो अच्छा रहेगा। घर के अंदर घुसते ही जो दृश्य सामने आता है, वो भी बहुत मायने रखता है, अगर सामने दीवार पर कुछ ऐसा दिखे जो आपको सुकून दे जैसे परिवार की हँसती मुस्कुराती तस्वीरें, या कोई पेंटिंग जो शांति का संदेश दे तो वो पूरे दिन की थकान को कुछ पल में ही दूर कर सकता है। एंट्रेंस को लेकर एक बात हमेशा याद रखें यह सिर्फ एक वास्तुशिल्प का हिस्सा नहीं है, यह आपके जीवन का "पहला पड़ाव" है, जहाँ से हर दिन की शुरुआत होती है। यदि आप इसे सही तरीके से सजा पाते हैं, तो नकारात्मकता खुद ही दूर रहने लगती है।

कैसे पता करें कौन हैं आपके कुलदेवी-देवता

इन कामों से हो सकते हैं नाराज

हिंदू धर्म में अपनी-अपनी मान्यताओं के अनुसार, बच्चे के जन्म के बाद मुंडन कराना या विवाह होने के बाद नव दंपती को सबसे पहले कुलदेवी-देवता का आशीर्वाद दिलाया जाता है। यह भी कहा जाता है कि अगर आपके कुलदेवी या देवता आपसे नाराज हो जाएं, तो इससे आपको जीवन में कई तरह के कष्ट झेलने पड़ सकते हैं।

इन तरह लगाएं पता

कुलदेवी-देवता ज्ञान न होने पर आप अपने गोत्र से भी इस विषय में जान सकते हैं। प्रत्येक गोत्र का अपना एक अलग देवी या देवता होते हैं। इसके लिए आप किसी विद्वान ज्योतिष से सलाह ले सकते हैं। इसके साथ ही आप अपने बड़े-बुजुर्गों से भी अपने कुलदेवी या कुलदेवता का पता लगा सकते हैं। इसके साथ ही अगर आपके घर में कोई बड़ा-बुजुर्ग नहीं है, तो ऐसे में आपको यह पता करना चाहिए कि आपके परिवार या कुल की प्रमुख पूजाएं किस स्थान पर की जाती हैं। इससे आपको अपने कुल देवी-देवता के बारे में जानने में सहायता मिल सकती है।

अगर किसी व्यक्ति को अपनी कुलदेवी या देवता के बारे में कुछ भी नहीं पता है, तो कुलदेवी-देवता को स्मरण करते हुए आप अपने आराध्य देव की पूजा-अर्चना कर सकते हैं और उनके सुख-शांति की प्रार्थना कर सकते हैं। साथ ही कुलदेवी-देवता से भी जीवन में सुख-समृद्धि बनाए रखने की प्रार्थना करें और अपनी गलतियों के लिए क्षमा याचना करें।

न करें ये गलती

कभी भी अपने कुल देवता या देवी की पूजा-अर्चना नहीं छोड़नी चाहिए और उन्हें भूलना नहीं चाहिए। ऐसा करने से कुल देवी-देवता की कृपा आपसे हट जाती है, जिसे जीवन में कई तरह की परेशानियां आ सकती हैं। पूजा के दौरान अपने कुलदेवी-देवता को भी जरूर स्मरण करें।

यदि आपको उनका नाम याद नहीं है, तो आप उस जगह का भी नाम ले सकते हैं, जहां आपको कुलदेवी या कुलदेवता स्थित हैं। इसके साथ ही अगर आपके कुलदेवी-देवता कहीं और स्थित हैं, तो ऐसी स्थिति में समय निकालकर आपको उनके दर्शन और आशीर्वाद लेने के लिए जाते रहना चाहिए।

नंदी के कान में इस विधि से कहें अपनी इच्छा

जल्द पूरी होगी हर मनोकामना

नंदी जी शिव की सवारी होने के साथ-साथ भगवान शिव के प्रिय गणों में से भी एक हैं। महादेव के मंदिर में नंदी जी की मूर्ति जरूर पाई जाती है। धार्मिक मान्याता है कि भगवान शिव तपस्या में ही लीन रहते हैं, ऐसे में उन तक भक्तों की इच्छा पहुचाने का काम नंदी महाराज ही करते हैं।

क्या है मान्यता

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, भगवान शिव ने नंदी जी को यह वरदान दिया था, कि जो भी भक्त नंदी जी के कान में आकर अपनी इच्छा कहेगा, वह जल्द पूरी होगी। इसलिए शिव मंदिर जाकर नंदी जी के कान में मनोकामना कहने की परम्परा चली आ रही है।

इच्छा बोलने से पहले करें ये काम

शिव मंदिर जाकर मौन धारण करना चाहिए और शिव जी की विधि-विधान से पूजा-अर्चना करें और इसके बाद नंदी महाराज की पूजा-अर्चना करें। इसके बाद ही नंदी जी के कान में अपनी इच्छा कहनी चाहिए। ऐसा करने से आपकी मनोकामना जल्द पूरी होती है।

इस तरह बोलें मनोकामना

नंदी महाराज के कान में अपनी मनोकामना बोलने से पहले ओम नमः शिवाय बोलें। नंदी जी के बाए कान में इच्छा कहते समय उनका दायां कान अपने एक हाथ से बंद कर दें। इसी के साथ मनोकामना कहते समय अपना मुंह ढक लेना चाहिए। अपनी मनोकामना कहने के बाद आपको नंदी जी को कुछ भेंट भी अर्पित करनी चाहिए जैसे - फल, प्रसाद या धन आदि।

रखें इन बातों का ध्यान

नंदी जी के कान में अपनी मनोकामना कहते समय इस बात का ध्यान रखें, कि आपकी बात कोई और न सुन रहा हो। इसलिए मनोकामना कहते समय मुंह ढका जाता है। मनोकामना कहने के बाद नंदी जी से अंत में कहें कि 'नंदी महाराज हमारी मनोकामना जल्द पूरी कीजिए'।

किस तरह की मनोकामना कहनी चाहिए

नंदी जी के कान में ऐसा कोई मनोकामना न कहें, जो पूरी न हो सके या फिर कभी भी किसी दूसरे व्यक्ति के अहित से जुड़ी कामना भी नंदी जी के कान में नहीं कहनी चाहिए।

क्योंकि इस तरह की मनोकामना कभी पूरी नहीं होती।

सपने में लड्डू गोपाल ने दिए हैं दर्शन

तो समझिए शुरू होने वाले हैं अच्छे दिन

स्वप्न शास्त्र में सभी सपनों से मिलने वाले संकेतों के बारे में विस्तार से बताया गया है। सपने लोगों के जीवन से जुड़े हुए होते हैं, जो भविष्य में कई तरह के संकेत देते हैं। इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे कि सपने में लड्डू गोपाल के दर्शन करने से कौन-से संकेत मिलते हैं। अगर आपको अपने में लड्डू गोपाल ने क्रोध में दर्शन दिए हैं, तो इस सपने को अशुभ माना जाता है। स्वप्न शास्त्र के अनुसार, इस सपने को देखने से इस बात के संकेत मिलते हैं कि लड्डू गोपाल की पूजा में कोई कमी रह गई है। इसलिए आपको इस तरह के सपने आ रहे हैं।

जीवन में मिलेंगे शुभ संकेत

स्वप्न शास्त्र के अनुसार, सपने में लड्डू गोपाल को देखने से घर में सुख-समृद्धि आगमन होता है। व्यक्ति को जीवन में शुभ संकेत मिलते हैं। साथ ही घर में किसी नन्हे मेहमान का आगमन हो सकता है।

किसी विशेष व्यक्ति से हो सकती है मुलाकात

अगर आप सपने में लड्डू गोपाल से बात कर रहे हैं, तो इस सपने को भी शुभ माना जाता है। इस सपने से जीवन में कोई नया बदलाव आने के संकेत मिलते हैं। साथ ही आपकी किसी विशेष व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है।

इस सपने को माना जाता है अशुभ

अगर सपने में आपके लड्डू गोपाल कहीं खो गए हैं, तो इस सपने को अशुभ माना जाता है। स्वप्न शास्त्र के अनुसार, इस सपने को देखने से जीवन में कोई मार्ग भटक रहे हैं, तो ऐसे में आपको धार्मिक कार्यों में हिस्सा लेना चाहिए। पूजा-पाठ करें।

मेहनत होगी सफल

स्वप्न शास्त्र की मानें, तो सपने में लड्डू गोपाल को झूले में झूलते हुए देखना अच्छा माना जाता है। इस सपने का अर्थ है कि आपकी कोई मेहनत सफल होने वाली है, जिससे आपका मन खुश होगा।

परेशानियों से मिलेगी मुक्ति

अगर आपने सपने में लड्डू गोपाल के हंसते हुए दर्शन किए हैं, तो इस सपने को बेहद शुभ माना जाता है। इस सपने को देखने से व्यक्ति की जीवन में खुशियों के आगमन के संकेत मिलते हैं। साथ ही परेशानियों से छुटकारा मिल सकता है।

विंध्यक्षेत्र का इतिहास बताना क्यों नामुमकिन? गंगा नदी के बीच में शिवलिंग का क्या है रहस्य

विंध्य पर्वत पर विराजमान आदिशक्ति मां विन्ध्यवासिनी को विन्दुवासिनी कहा जाता है। मां के धाम के महात्म्य और मां की नगरी की स्थापना को लेकर कोई प्रमाण नहीं है। मां के धाम का जिक्र हर युग में हुआ है। सतयुग में ताड़कासुर, त्रेता युग में भगवान राम व द्वापर युग में ऋषि गर्ग के आगमन का प्रमाण मिलता है। हर युग में मां की नगरी से जुड़ी पौराणिक कथाएं धार्मिक ग्रंथों में मौजूद है। विंध्याचल के विद्यवान पं। त्रियोगी नारायण महराज ने लोकल 18 से बताया कि विंध्यक्षेत्र का इतिहास बताना नामुकिन है। इस धाम का जिक्र हर युग में हुआ है। सतयुग में ताड़कासुर राक्षस हुआ करता था। बरियाघाट में गंगा के तट पर ताड़केश्वर महादेव का मंदिर विशेष है। ऋषि पुलस्त्य के कहने पर ताड़कासुर राक्षस विंध्यक्षेत्र में आकर शिव और शक्ति की उपासना की। उपासना से प्रसन्न होकर स्वयं शिव प्रकट हुए और कहा कि जिस शिवलिंग को स्थापित करके पूजन कर रहे हो। उसे आपके नाम से जाना जाएगा।

त्रेता युग से जुड़े मिलेंगे साक्ष्य

पं। त्रियोगी नारायण महराज ने बताया कि अघ्जला और गंगा के संगम पर स्नान भगवान वामन के दर्शन होंगे। भगवान वामन का जिक्र पुराणों में है। ऐसी मान्यता है कि अघ्जला नदी के संगम पर स्नान करने से एक अश्वमेध यज्ञ के फल की प्राप्ति होती है। त्रेता युग में प्रभु राम के आगमन का साक्ष्य है। प्रभु राम का आगमन विंध्यधाम में हुआ था। गंगा के तट रामगया घाट पर उन्होंने पितृ संस्कार किया था और शिवलिंग की स्थापना की थी।

द्वापर युग में गर्ग गुरु ने स्थापित की शिवलिंग

त्रियोगी नारायण उर्फ मिट्ठू महराज ने बताया कि यहां पर द्वापर युग से जुड़ी हुई पौराणिक कथा है। गुरु गर्ग के द्वारा यहां पर शिवलिंग स्थापित की गई है। जिसे गर्गेश्वर या गंगेश्वर के नाम से जाना जाता है। यह शिवलिंग गंगा नदी के बीच मौजूद है। छह महीने पानी के अंदर और छह महीने शिवलिंग पानी के बाहर रहता है। विंध्यधाम का जिक्र हर युग में है। इसलिए इतिहास के बारे में कुछ भी बता पाना नामुनकिन है।

रवीना टंडन की बेटी को नहीं पहचान सके संजय दत्त राशा का नाम सुनकर पूछा- कौन ?

संजय दत्त हाल ही में मुंबई के इजूमी रेस्टोरेंट के बाहर स्पॉट हुए थे। हल्की बारिश के बीच उन्हें पैपराजी ने घेर लिया। इस समय जब एक फैन एक्टर के साथ तस्वीर क्लिक करवाने पहुंचा तो संजय दत्त ने उसे सिर पर हल्का सा मार दिया। इसके बाद जब संजय दत्त से राशा के बारे में बात की तो वो रवीना टंडन की बेटी को पहचान ही नहीं सके।

सामने आए वीडियो में देखा जा सकता है कि रेस्टोरेंट से निकले संजय दत्त पैपराजी से कहते हैं कि बारिश हो रही है तुम लोग घर जाओ। इस समय उनके पास एक फैन सेल्फी लेने पहुंचा था। संजय दत्त फोटो क्लिक करवाने के लिए रुके जरूर, लेकिन जब फैन फोन ओपन करने में स्ट्रगल करने लगा तो संजय दत्त ने उसके सिर पर मारते हुए कहा, खोल ना।

जब संजय दत्त थोड़ा आगे बढ़े तो उन्होंने फिर पैपराजी से कहा, जाओ, घर जाओ, बारिश हो रही है। इस समय एक पैपराजी ने उनसे किसी फोटोग्राफर का जिक्र कर कहा, वो जो लड़की आई है न उसका भी फोटो मांग रहे हैं। संजय दत्त ने तुरंत पलटकर कहा, कौन लड़की। जब पैपराजी ने कहा- राशा, एक्टर ने फिर पूछा- कौन? इस पर पैपराजी ने कहा- रवीना जी की बेटी। इस पर संजय दत्त ने कहा- मुक्का मारना जाकर। ये कहते ही वो कार में बैठकर निकल गए।

बताते चलें कि संजय दत्त और रवीना टंडन करीबी दोस्त हैं। दोनों कई फिल्मों में साथ काम कर चुके हैं।

साल 2024 में ही दोनों एक साथ फिल्म घुड़चढ़ी में नजर आए थे। इसके अलावा वो केजीएफ 2, आतिश, विजेता, जंग, जमाने से क्या डरना जैसी कई फिल्मों में साथ नजर आ चुके हैं।

असली सोने के धागे और मोती जड़े परिधान पहनेंगी फाइनलिस्ट, भारत की नंदिनी गुप्ता भी टॉप-8 में शामिल

मिस वर्ल्ड 2025 का फिनाले 31 मई को हैदराबाद में होगा। भारत में होने वाले फिनाले में सभी कंटेस्टेंट्स तेलंगाना की पारंपरिक बुनाई वाले परिधान पहनने वाली हैं, जिन्हें 723 खास कारीगरों ने मिलकर तैयार किया है। इन परिधानों की खास बात ये है कि इन्हें असली सोने के तारों से बनाया गया है, जिनमें असली मोती जड़े होंगे।

मिस वर्ल्ड की ऑफिशियल डिजाइनर अर्चना कोचर ने सभी कंटेस्टेंट्स की फिनाले ड्रेस तैयार की हैं। उन्होंने दैनिक भास्कर से बातचीत में बताया है कि इन परिधानों को भारत के शाही पहनावे की तरह बनाया गया है। ग्रैंड फिनाले में 108 कंटेस्टेंट्स मौजूद होंगी, जो कुल 242 ड्रेस पहनेंगी। इनमें भारतीय सांस्कृतिक विरासत, नारी शक्ति की झलक रहेगी। ये सिर्फ ड्रेस नहीं होंगी, बल्कि एक सांस्कृतिक दस्तावेज

के स्वरूप में होंगी। यह भारत की विरासत को दुनिया के सामने पेश करने का प्रयास है। हालांकि फिनाले टॉप-40 प्रतिभागियों में ही होगा। इनमें भारत की नंदिनी गुप्ता भी शामिल हैं।

723 कारीगरों ने महीनेभर में तैयार किए परिधान

सभी परिधानों को 723 कारीगरों ने अपने हाथों से एक महीने में तैयार किया है। तेंलगाना पैटर्न की साड़ियों का इस्तेमाल किया गया है। 2024 मिस वर्ल्ड इवेंट के मुंबई में हुए फिनाले के कपड़े इंडियन-वेस्टर्न मिक्स थे, जिसे झारखंड की अहिंसा रेशम से बनाया था, लेकिन इस बार परिधानों को तेलंगाना और भारत के बाकी हैंडवर्क को जोड़कर तैयार किया गया है। इन्हें क्षेत्रीय बुनाई और कलाकारी पर केंद्रित किया है। अर्चना के मुताबिक सभी ड्रेस ईको फ्रेंडली हैं। इन्हें नैचुरल डाई, स्थानीय फैब्रिक, जीरो वेस्ट पैटर्न ड्राफ्टिंग, इनोवेटिव ड्रेपिंग स्टाइल और हैंडलूम तकनीक से तैयार किया है।

नंदिनी पहनेंगी काउचर ड्रेस, जिसमें भारतीय परंपरा दिखेगी

अर्चना ने बताया कि फिनाले इवेंट भारत को रीप्रेजेंट कर रहीं नंदिनी गुप्ता काउचर ड्रेस पहनेंगी। इसे शक्ति, गरिमा और परंपरा को ध्यान में रखकर तैयार किया है। अर्चना के मुताबिक इस इवेंट के बाद सभी परिधानों को जुहू स्टोर और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर प्रदर्शित किया जाएगा। इससे हुई कमाई का इस्तेमाल तेलंगाना और भारत के बुनकरों व महिला कारीगरों की मदद पर करेंगे।

बिग बॉस 19 में यूट्यूबर्स-इंफ्लुएंसर की एंट्री पर बैन : शो के फॉर्मेट में बड़े बदलाव

टीवी और फिल्मों से जुड़े कंटेस्टेंट आएंगे नजर

टीवी इंडस्ट्री के चर्चित रियलिटी शो 'बिग बॉस' के फॉर्मेट में बड़ा बदलाव किया जा रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक बिग बॉस सीजन 19 में सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर या यूट्यूबर नहीं नजर आएंगे। शो में सिर्फ टेलीविजन और फिल्मों से जुड़े कंटेस्टेंट नजर आएंगे।

बीते कई सीजन्स से यूट्यूबर्स और सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर्स को इतना बड़ा प्लेटफॉर्म देने की आलोचना होती रही है। 'टेली रिपोर्टर' के मुताबिक इस बार शो के मेकर्स ने यूट्यूबर्स और सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर्स से संपर्क न करने का फैसला किया है। मेकर्स का इस बार पूरा फोकस टीवी और फिल्मों के लोकप्रिय सितारों पर होगा।

पिछले कुछ सीजन्स में एल्विश यादव, अभिषेक मल्हान (फुकरा इंसान), मनीषा रानी और रजत दलाल जैसे डिजिटल क्रिएटर्स ने बिग बॉस के घर के अंदर खूब धमाल मचाया। सोशल मीडिया सेलेब्स की वजह से शो की लोकप्रियता बढ़ी, लेकिन उससे ज्यादा शो की आलोचना भी खूब हुई। साथ ही इन कंटेस्टेंट्स की लोकप्रियता के कारण दूसरे कंटेस्टेंट्स को मिलने वाले वोट्स पर बुरा असर पड़ा।

जिसकी वजह से शो पुराने फैंस इससे नाराज भी दिखे। इस वजह से शो के मेकर्स ने इस बार टीवी और फिल्म के चर्चित सितारों को ही शो में कंटेस्टेंट के तौर पर शामिल करने का फैसला किया है। बताया जाता है कि कंटेस्टेंट्स की कास्टिंग पर जोर शोर से काम शुरू हो गया है, लेकिन शो के मेकर्स की तरफ से इस बारे में कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। मिली जानकारी के मुताबिक 'बिग बॉस 19' का प्रीमियर इस बार 19 जुलाई, 2025 से होने की उम्मीद है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस बार भी सलमान खान ही शो को होस्ट करेंगे। खबर है कि सलमान खान जून 2025 के अंत तक 'बिग बॉस 19' के लिए प्रोमो शूट कर लेंगे। इस बार यह शो 3 महीने के बजाय 5.5 महीने तक चलेगा। इसके अलावा यह भी खबर है कि अब बिग बॉस का OTT वर्जन बंद कर दिया गया है।

सोनू सूद के खिलाफ लिया जा सकता है लीगल एक्शन

बिना शर्ट और हेलमेट पहने तेज रफ्तार में बाइक चलाते हुए वीडियो वायरल

सोनू निगम एक वीडियो वायरल होने से विवादों में फंसते नजर आए हैं। हिमाचल प्रदेश पुलिस ने वीडियो को संज्ञान में लेते हुआ कहा है कि अगर जांच में पाया जाता है कि एक्टर ने नियम तोड़े हैं तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

दरअसल, कुछ दिनों से सोनू सूद का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वो शर्टलेस तेज रफ्तार में बाइक चलाते नजर आए हैं। इस दौरान कई बाइकर्स उनके पीछे आ रहे हैं। वीडियो में सभी बाइकर्स ने हेलमेट लगाया है, हालांकि सोनू ने हेलमेट नहीं पहना है। कई लोगों ने भड़कते हुए एक्टर के वीडियो में हिमाचल प्रदेश पुलिस को टैग करना शुरू कर दिया था, जिसके बाद हिमाचल प्रदेश पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

अब हिमाचल प्रदेश पुलिस के आधिकारिक अकाउंट से सूचना दी गई है कि पुलिस ने वीडियो की जांच शुरू कर दी है। टीम की तरफ से पोस्ट कर लिखा गया है, कथित तौर

पर बॉलीवुड एक्टर का ट्रेफिक नियमों का उल्लंघन करते हुए लाहौल स्पिति से वीडियो सामने आया है, जिसकी जांच जारी है। शुरुआती जानकारी के अनुसार, ये वीडियो 2023 का है। कैलांग द्वारा इसका वैरिफिकेशन जारी है। अगर वो नियम तोड़ते पाए गए तो उनके खिलाफ डिस्ट्रिक्ट पुलिस लीगल एक्शन लेगी।

सोनू सूद के सपोर्ट में उतरे फैंस

एक यूजर ने सोशल मीडिया पर सोनू सूद का वीडियो शेयर कर लिखा था, तो क्या हिमाचल पुलिस सोनू सूद के खिलाफ बिना कपड़ों और हेलमेट में गाड़ी चलाने पर कोई एक्शन नहीं लेगी। कोई प्रोटेक्टिव गियर्स नहीं, न कपड़े, पता नहीं ये क्या प्रमोट करने की कोशिश कर रहे हैं। क्या सेलिब्रिटीज कानून से ऊपर हैं।

इस पोस्ट पर कई फैंस सोनू के सपोर्ट में उतरे हैं। एक यूजर ने लिखा है, वो किसी को नुकसान नहीं पहुंचा रहे हैं। नफरत फैलाना बंद करो। अपनी जिंदगी जियो।

बताते चलें कि सोनू सूद की फिल्म फतेह इसी साल रिलीज हुई है। फिल्म में उनके साथ जैकलीन फर्नांडिस लीड रोल में थीं।

'हेरा फेरी 3' मामले पर पहली बार बोले अक्षय 'मेरे को-स्टार को बेवकूफ बोलना गलत'

हाउसफुल 5 के ट्रेलर लॉन्च इवेंट पर अक्षय कुमार ने पहली बार हेरा फेरी 3 कॉन्ट्रोवर्सी पर खुलकर बात की। परेश रावल के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, मेरे को-स्टार को बेवकूफ बोलना गलत है। मैं उनके साथ 32 साल से काम कर रहा हूं। वो बहुत ही कमाल के एक्टर हैं। मैं उनसे काफी कुछ सीखता हूं।' अक्षय ने आगे कहा, 'जो भी कुछ हुआ ये जगह उस पर बात करने की नहीं है। ये बहुत ही सीरियस मैटर है, इसे कोर्ट में हैंडल किया जाएगा। मैं इस मंच पर इस बारे में बात नहीं करूंगा।' बताते चलें कि परेश रावल को सोशल मीडिया पर कई यूजर्स ने फिल्म छोड़ने के चलते बेवकूफ कहा था।

क्या है पूरा विवाद?

दरअसल अक्षय कुमार की पॉपुलर फ्रेंचाइजी में से एक हेरा फेरी की तीसरी फिल्म को लेकर ये पूरा विवाद खड़ा हुआ है। पूरा विवाद तब

शुरू हुआ जब अभिनेता परेश रावल ने फिल्म 'हेरा फेरी 3' से खुद को अलग कर लिया। एक्टर के वकील ने बताया कि अभिनेता ने काफी समय पहले ही फिल्म को करने के मना कर दिया था। उनका फिल्म की सक्रिप्ट को लेकर कोई मतभेद नहीं है। एक्टर के वकील ने ये भी बताया कि उन्होंने अक्षय के प्रोडक्शन हाउस की टीम को हमारा जवाब भेज दिया है।

अक्षय की टीम ने भेजा नोटिस

वहीं अक्षय कुमार के प्रोडक्शन हाउस की ओर से वकील ने कहा कि एक्टर के यूं अचानक शूटिंग शुरू करने के बाद छोड़कर जाना काफी नुकसानदायक रहा है। वकील ने बताया था कि उन्होंने परेश रावल को नोटिस भेज दिया है।

57 की उम्र में पिता बनने वाले हैं अरबाज खान ढीले कपड़ों में शूरा ने बेबी बंप छिपाया

बॉलीवुड एक्टर और प्रोड्यूसर अरबाज खान जल्द ही पिता बन सकते हैं। इन दिनों शूरा की प्रेग्नेंसी की खबरें सुर्खियां बटौर रही हैं। ये खबरें तब आईं, जब कुछ समय पहले कपल को एक क्लिनिक के बाहर स्पॉट किया गया था, वहीं हाल ही में सामने आए एक वीडियो से ये खबरें और तूल पकड़ने लगी हैं।

दरअसल, हाल ही में कपल का एक वीडियो अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट किया है। वीडियो में अरबाज खान सीढ़ियों से उतरते हुए पत्नी शूरा को संभालते हुए कार में बैठाते दिखे हैं। वहीं दूसरी तरफ वीडियो के कैप्शन में पैपराजी मानव मंगलानी ने लिखा है, अरबाज

खान मुंबई में लंच के बाद अपनी प्रेग्नेंट पत्नी को कार में बैठाते हुए।

वहीं दूसरी तरफ आमतौर पर फिटेड कपड़े पहनने वालीं शूरा खान भी ओवरसाइज्ड को-ऑर्ड सेट में दिख रही हैं, जिसे देखकर लोगों ने कयास लगाए हैं कि वो अपना बेबी बंप छिपाने की कोशिश कर रही हैं। बताते चलें कि रविवार को मुंबई में लंच रखा गया था, जिसमें अरबाज खान पत्नी शूरा के साथ, बॉबी देओल पत्नी तान्या के साथ और आमिर खान बेटे आजाद और गर्लफ्रेंड गौरी स्प्रैट के साथ पहुंचे थे।

क्लिनिक के बाहर स्पॉट हुए थे अरबाज-शूरा

कुछ समय पहले ही अरबाज खान पत्नी शूरा के साथ एक क्लिनिक के बाहर स्पॉट हुए थे। जैही कपल की नजरें पैपराजी की तरफ पड़ीं तो वो झिझक गए।शूरा बॉलीवुड की फेमस मेकअप आर्टिस्ट हैं और अरबाज खान से उनकी मुलाकात फिल्म पटना शुक्ला के सेट पर हुई थी। अरबाज और शूरा ने करीब एक साल तक एक दूसरे को डेट करने के बाद प्राइवेट सेरेमनी में परिवार और कुछ खास दोस्तों की मौजूदगी में शादी की थी।

संदीप रेड्डी वंगा ने दीपिका पर लगाए गंभीर आरोप क्या है दोनों के बीच तकरार की वजह ?

बॉलीवुड के डायरेक्टर और स्क्रिप्ट राइटर संदीप रेड्डी वंगा इन दिनों अपनी फिल्म 'स्पिरिट' को लेकर चर्चाओं में हैं। अक्सर अपने बयानों के चलते संदीप सुर्खियों में बने रहते हैं और इस बार भी तो उन्होंने सीधा ही इंडस्ट्री की टॉप एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण से पंगा ले लिया है। एक्ट्रेस ने हाल ही में डायरेक्टर की फिल्म से बैकआउट कर लिया, जिसके बाद दोनों के बीच विवाद गहराता जा रहा है। क्या है पूरा मामला, चलिए आपको बताते हैं।

संदीप रेड्डी वंगा के आरोप

दरअसल हाल ही में संदीप रेड्डी वंगा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए सीधे तौर पर तो नहीं लेकिन दीपिका पादुकोण पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि जब वो किसी कलाकार को कहानी सुनाते हैं, तो वे 100 फीसदी भरोसा करते हैं और उनके बीच एक अनकहा समझौता होता है।

डायरेक्टर का दावा है कि दीपिका ने कथित तौर पर इस समझौते का उल्लंघन किया और एक यंग कलाकार के प्रति अनुचित बर्ताव किया है। वंगा ने इसे 'फेमिनिज्म' के नाम पर एक नकारात्मक रवैया बताया और कहा कि उन्होंने इस फिल्म के लिए सालों मेहनत की है, लेकिन दीपिका इसे समझ नहीं पाईं। बता दें ये पोस्ट तब सामने आया है जब दीपिका ने पहले ही

उनकी फिल्म को छोड़ने का फैसला किया।

दीपिका पादुकोण ने छोड़ी फिल्म

'बॉलीवुड हंगामा' की रिपोर्ट के मुताबिक, दीपिका ने शूटिंग के दौरान कई बार 6 घंटे से ज्यादा काम करने से इनकार किया और अपने एग्रीमेंट में बदलाव की मांग की। सूत्रों ने बताया कि अगर शूटिंग 100 दिनों से ज्यादा हो जाती है तो उन्हें अतिरिक्त भुगतान किया जाए। इसके बाद निर्माता और निर्देशक के बीच विवाद बढ़ गया और आखिरकार दीपिका ने फिल्म छोड़ने का फैसला किया।

दीपिका पादुकोण को फैंस का सपोर्ट

दीपिका पादुकोण की इस मांग को लेकर कई तरह की प्रतिक्रियाएं आई हैं। यह ध्यान देने वाली बात है कि दीपिका हाल ही में मां बनी हैं और उन्होंने अपने काम और निजी जीवन में संतुलन बनाए रखने पर जोर दिया है। साथ ही वो मेंटल हेल्थ जागरूकता के लिए भी एक्टिव हैं। इस लिहाज से उनके कुछ रिक्वेस्ट जायज भी माने जा रहे हैं।

दीपिका के बाद तृप्ति को मिली फिल्म

दीपिका के फिल्म छोड़ने के बाद, 'स्पिरिट' की फीमेल लीड रोल में तृप्ति डिमरी का नाम सामने आया है। तृप्ति डिमरी पहले वंगा की फिल्म 'एनिमल' में नजर आ चुकी हैं और अब उन्हें इस बड़े प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने का मौका मिला है। उन्होंने सोशल मीडिया पर इस भूमिका को पाकर खुशी जताई और संदीप रेड्डी वंगा का धन्यवाद किया। डायरेक्टर ने भी अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर करके तृप्ति को फीमेल लीड के तौर पर ऑफिशियल बताया।

दीपिका ने अब तक नहीं दिया कोई रिएक्शन

फिल्म 'स्पिरिट' को टी-सीरीज के भूषण कुमार और भद्रकाली पिक्चर्स के प्रणय रेड्डी वंगा प्रोड्यूस कर रहे हैं। यह एक पुलिस एक्शन ड्रामा है, जिसमें तेलुगु सुपरस्टार प्रभास मुख्य भूमिका में हैं। दीपिका और प्रभास की जोड़ी के फिर से साथ आने की उम्मीद थी, जो अब संभव नहीं हो सकेगी।

जहां संदीप रेड्डी वंगा ने दीपिका के रवैये पर तीखा हमला किया है, वहीं दीपिका ने अब तक इस विवाद पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। फैंस और बॉलीवुड की निगाहें अब एक्ट्रेस पर टिकी हुई हैं कि वो क्या प्रतिक्रिया देती हैं।

धड़क 2 में चली सेंसर बोर्ड की कैंची 16 कट्स लगे, जातिसूचक डायलॉग्स हटाए गए

करण जौहर के प्रोडक्शन हाउस की फिल्म धड़क 2 को सेंसर बोर्ड से पास कर दिया गया है। हालांकि इससे पहले फिल्म में एक या दो नहीं बल्कि पूरे 16 कट लगाए गए हैं। सेंसर ने फिल्म में दिखाए गए कुछ हिंसक सीन और जातिसूचक डायलॉग्स पर आपत्ति जताई है।

सभी बदलावों के सुझाव के बाद सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन ने फिल्म को U/A सर्टिफिकेट दिया गया है। कट्स लगने के बाद फिल्म का रन टाइम 2 घंटे 26 मिनट होगा।

इन सीन में किए जाएंगे बदलाव-

जातिसूचक शब्दों वाले सीन को बदलना होगा या उस हिस्से को म्यूट करना होगा।

फिल्म के कुछ हिंसक सीन हटाए जाएंगे या उनमें बदलाव होगा।

पॉलिटिकल डायलॉग्स म्यूट होंगे या उन्हें हटाया जाएगा।

दो बार पोस्टपोन हो चुकी है धड़क 2

बताते चलें कि करण जौहर के प्रोडक्शन की फिल्म धड़क 2 शुरुआत में 22 नवंबर 2024 में रिलीज होने वाली थी। मेकर्स ने मई 2024 में इसका ऐलान किया था। हालांकि मेकर्स ने कारण बताए बिना ही फिल्म पोस्टपोन कर दी थी। इसके बाद फिल्म को फरवरी 2025 में रिलीज किया जाने वाला था, हालांकि ऐसा नहीं हुआ।

फिल्म धड़क 2, साल 2018 में रिलीज हुई फिल्म धड़क की सीक्वल है। धड़क से जान्हवी कपूर और ईशान खट्टर ने बॉलीवुड डेब्यू किया था। ये फिल्म 2016 की मराठी फिल्म सैराट की हिंदी रीमेक थी।

फिल्म ने 100 करोड़ से ज्यादा कलेक्शन किया था। अब सीक्वल फिल्म में तृप्ति डिमरी और गली बॉय फेम एक्टर सिद्धांत चतुर्वेदी लीड रोल में नजर आने वाले हैं।

इसका निर्देशन साजिया इकबाल ने किया है। ये फिल्म भी तमिल फिल्म परियेरुम पेरुमल की रीमेक होने वाली है। फिल्म 11 जुलाई को रिलीज हो सकती है।

क्या आपका बच्चा भी है लेफ्टी? कारण और परवरिश पर इसका असर

अक्सर आपने देखा होगा कि कुछ बच्चे लेफ्ट हैंडेड होते हैं, यानी वे सभी दैनिक काम बाएं हाथ से ही करना पसंद करते हैं। यह उनकी निजता का एक स्वाभाविक हिस्सा होता है और एक सामान्य प्रक्रिया भी। मगर कई माता-पिता को यह चिंता रहती है कि इससे बच्चे का विकास अवरुद्ध हो सकता है या समाज उसे स्वीकार नहीं करेगा। इस कारण वे बच्चों को दाहिने हाथ से खाने, चीजों को पकड़ने और लिखने पर जोर डालते हैं, जो कि गलत है।

लड़कियों की तुलना में लड़के ज्यादा

बच्चों के लेफ्ट हैंडेड होने के पीछे कुछ जेनेटिक कारण तो होते ही हैं, साथ में लो बर्थ वेट भी इसका एक बड़ा कारण है। 144 बच्चों पर किए गए मेटा एनालिसिस और ब्रेन लेट्रेलिटी स्टडी के अनुसार, लड़कियों की तुलना में लड़के अधिक लेफ्ट हैंडेड होते हैं। कई मामलों में बच्चे अपने माता-पिता या पसंद के किसी व्यक्ति को देखकर भी लेफ्ट हैंडेड हो जाते हैं। वहीं लर्निंग और सामाजिक माहौल भी लेफ्ट हैंडर होने में अहम भूमिका निभाता है, क्योंकि कुछ बच्चे सीखने की प्रक्रिया में ही किसी एक हाथ का इस्तेमाल ज्यादा करते हैं और राइट या लेफ्ट हैंडेड बन जाते हैं।

कितनी चिंता की बात

अगर बच्चा सारे काम बाएं हाथ से करता है तो यह सामान्य है और कोई चिंता की बात नहीं है। लेफ्टी होना सिर्फ एक व्यक्तिगत विशेषता है और अगर बच्चे का शारीरिक और मानसिक विकास सामान्य है तथा उसे कोई अन्य समस्या नहीं हो रही है तो आपको इसके बारे में ज्यादा चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। लेकिन अगर आपको बच्चे में ध्यान या अन्य विकासात्मक समस्याएं देखने को मिलती हैं तो आपको बच्चे के विकास की प्रक्रिया को लेकर विशेषज्ञ से परामर्श करना चाहिए।

कुशाग्र बुद्धि

माना जाता है कि लेफ्ट हैंडेड बच्चे बेहद कुशाग्र बुद्धि होते हैं। संगीत और गणित विषयों में काफी बुद्धिमान होते हैं। ऐसा इसलिए, क्योंकि ये मस्तिष्क के सीधे हेमिस्फीयर का इस्तेमाल करते हैं, जहां सभी क्रिएटिव सेंटर्स मौजूद होते हैं। साथ ही इनकी मेमोरी भी काफी अच्छी होती है, क्योंकि इनके दोनों हेमिस्फीयर अच्छी तरह कनेक्ट होते हैं।

खास परवरिश

चूंकि ऐसे बच्चे बहुत क्रिएटिव होते हैं, लिहाजा आप उनकी रुचियों को जानें और उन्हें प्रोत्साहित करें। आप उन्हें लेफ्ट की जगह राइट हैंड का इस्तेमाल करने के लिए जबरदस्ती न करें। इससे बच्चे का न्यूरल सरक्यूटरी प्रभावित हो सकता है और आगे चलकर वे दोनों हाथों में से किसी एक का भी ठीक से इस्तेमाल नहीं कर पाते हैं।

रचनात्मकता से भरपूर

दिल्ली के जग प्रवेश चंद्र अस्पताल के बाल रोग विभाग की सीनियर रेजिडेंट डॉ. नौशीन सिद्दीकी बताती हैं, 90 प्रतिशत आबादी राइट हैंडेड है और केवल 10 प्रतिशत लोग ही लेफ्ट हैंडेड हैं। राइट या लेफ्ट हैंडेड होना आनुवंशिकता पर निर्भर करता है, वहीं पर्यावरणीय कारण भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मस्तिष्क का बायां गोलार्ध वाणी और भाषा से संबंधित है और दाहिना गोलार्ध गैर-प्रमुख है। लेकिन बाएं हाथ वाले व्यक्तियों में यह उल्टा होता है (दाहिना गोलार्ध प्रमुख होता है), इसलिए वे रचनात्मक होते हैं। लेफ्ट हैंडेड बच्चों को सामाजिक स्वीकृति प्राप्त होती है, इसलिए माता-पिता को चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। लेकिन कई बार यह ऑटिज्म और अन्य व्यावहारिक तथा मनोवैज्ञानिक विकारों से संबंधित हो सकता है, जिसके लिए आपको बाल रोग विशेषज्ञ से परामर्श करना चाहिए।

घर से दूर रहकर होता है अकेलेपन का एहसास तो करें ये काम

परिवार और घर किसी भी व्यक्ति के जीवन में बेहद जरूरी होता है लेकिन पढ़ाई या नौकरी के कारण अक्सर लोग अपने घर परिवार से दूर रहने लगते हैं। इस दौरान उन्हें होम सिकनेस यानी घर की याद आती है। अकेले रहना आज के दौर में आम हो गया है, खासकर पढ़ाई, नौकरी या किसी और कारण से घर से दूर रहने वालों के लिए। हालांकि अकेले रहना आत्मनिर्भरता सिखाता है लेकिन कई बार अकेलापन मन पर हावी हो जाता है। अगर आप भी अकेलेपन से जूझ रहे हैं तो इन उपायों को अपनाकर खुद को सकारात्मक बनाए रख सकते हैं।

रूटीन को अपनाएं

दिनचर्या को संतुलित रखने से मन व्यस्त रहता है और बेवजह की सोच से बचा जा सकता है। इसलिए एक रूटीन बनाएं और इस रूटीन के मुताबिक खुद को व्यस्त रखें।

घर की सजावट

एक साफ-सुथरा और मनपसंद माहौल आपको मानसिक सुकून देता है। जिस स्थान पर आप रह रहे हैं, उसे व्यवस्थित रखें और इसकी सजावट उसी तरीके से करें जैसे घर को सजाया जाता है।

नई हॉबी अपनाएं

खुद को व्यस्त रखने और आत्मनिर्भर बनने के लिए नई हॉबी को अपनाएं। कुकिंग, पेंटिंग, म्यूजिक या कोई ऑनलाइन कोर्स जैसे कुछ नया सीखना आत्मविश्वास बढ़ाता है।

दोस्तों और परिवार से जुड़े रहें

हर दिन कुछ देर अपनों से फोन या वीडियो कॉल पर बात करें। ये आपके अकेलेपन को काफी हद तक कम कर सकता है।

योग करें

मानसिक शांति और ऊर्जा के लिए ध्यान और योग बेहद लाभदायक हैं। अकेलापन महसूस हो

लोगों से मेलजोल बढ़ाएं

पड़ोसी, ऑफिस या आस-पास के लोगों से मिलते रहें, यह सामाजिक जुड़ाव बनाए रखने में मदद करता है।

पेट्स अपनाएं

पालतू जानवर आपके अकेलेपन के साथी बन सकते हैं और घर को जीवंत बना देते हैं।

वॉक

खुले वातावरण में टहलना या पार्क में कुछ वक्त बिताना मूड को बेहतर बनाता है।

बच्चे की परवरिश करते हुए न करें माता पिता ये गलतियां

बच्चे के जन्म के साथ हर कपल की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। माता-पिता बनने वाला कपल अपने बच्चे को अच्छी परवरिश देना चाहता है। हर माता पिता चाहते हैं कि उनका बच्चा उच्च शिक्षा हासिल करें, सद्कर्म और व्यवहार कुशल हो। लेकिन बच्चे के व्यवहार और उसके जीवन पर माता-पिता की परवरिश का प्रभाव पड़ता है। जैसी परवरिश आप अपने बच्चे को देते हैं, बच्चा बड़ा होने पर वैसा ही मार्ग अपना सकता है। वैसे तो हर माता पिता अपने बच्चे को अच्छी परवरिश ही देना चाहते हैं लेकिन भूल वश या अनजाने में वह परवरिश के दौरान कुछ गलतियां कर जाते हैं। यही गलतियां बच्चे के भविष्य पर भारी पड़ सकती हैं। इसलिए हर माता पिता को बच्चे की परवरिश के दौरान कुछ गलतियों या त्रुटियों से बचना चाहिए । आइए जानते हैं बच्चे के पालन पोषण के दौरान माता-पिता को क्या काम नहीं

करना चाहिए।

तुलना करना

अक्सर माता-पिता अपने बच्चे की तुलना दूसरे बच्चों से करते हैं। जैसे, देखो वो कितना होशियार है। इससे बच्चे के आत्मविश्वास में कमी आती है और वह हीन भावना से ग्रसित हो सकता है।

ज्यादा डांटना या मारना

हर छोटी बात पर डांटना या मारपीट करना बच्चे को डरपोक या विद्रोही बना सकता है। डर के कारण बच्चा अपनी बात खुलकर नहीं कह पाता।

मोबाइल या टीवी का उपयोग

जब बच्चा रोता या जिद करता है या उसे व्यस्त रखना होता है तो माता पिता बच्चे को टीवी या मोबाइल का उपयोग करने देते हैं। बच्चे को शांत करने के लिए बार-बार मोबाइल देना उसके विकास में बाधक बन सकता है। इससे उसका ध्यान कम लगता है और बातचीत की क्षमता भी प्रभावित होती है।

भावनाओं को नजरअंदाज करना

जब बच्चा उदास या परेशान हो, तो उसकी भावना को हल्के में लेना या टालना उसे अंदर से अकेला कर देता है। बच्चे के मनोभावों का समझें, न कि उसकी बातों को इग्नोर करें।

'ना' कहना

हर बात पर मना करना बच्चे में जिद्दीपन और विद्रोह की भावना पैदा कर सकता है। जरूरी है कि माता-पिता समझदारी से 'हां' और 'ना' का संतुलन रखें।

ओवरप्रोटेक्टिव होना

बच्चे को हर समय रोकना-टोकना या उसकी हर चीज में दखल देना, उसकी आत्मनिर्भरता को रोकता है। उसे खुद से चीजें समझने और अनुभव लेने का मौका देना जरूरी है।

बच्चे के सामने झगड़ना

माता-पिता के बीच का झगड़ा अगर बच्चे के सामने होता है तो उसका गहरा असर उसके मन पर पड़ता है। वह असुरक्षित महसूस करता है और तनावग्रस्त हो सकता है।

सबसे पहले ये पांच बुरी आदतें सीखते हैं बच्चे, माता-पिता को शुरू से रखना चाहिए ध्यान

छोटे बच्चे जो देखते हैं वही सीखते हैं। बच्चों में समझ कम होती है, इसलिए अच्छे और बुरे की पहचान नहीं कर पाते और गलत आदतों को जल्दी अपना लेते हैं। उनकी गलत या बुरी आदतें कई बार माता पिता को दूसरों के सामने शर्मिंदा कर देती हैं। ऐसे में माता पिता को इस बात का पता होना चाहिए कि बच्चे सबसे पहले कौन सी बुरी आदतों को अपना सकते हैं, ताकि उन्हें पहले से ही इन आदतों से दूर रखा जा सके।

जल्दी अपनाई जाने वाली इन बुरी आदतों को पहचानकर सकारात्मक तरीके से बच्चों को समझाना चाहिए। उदाहरण के जरिए बच्चों को धैर्य पूरक अच्छी और बुरी आदतों के बारे में सिखाया जा सकता है, ताकि वह गंदी आदतों के शुरू से ही दूर रहें। इस लेख में जानिए उन बुरी आदतों के बारे में जो बच्चे सबसे पहले सीखते हैं।

नाक साफ करना

छोटे बच्चे अक्सर बिना सोचे समझे नाक या कान में

उंगली डालते हैं, जो गंदी आदत मानी जाती है। बच्चों को पहले से ये समझाएं या सिखाएं कि नाक में उंगली डालना अच्छी बात नहीं होती है। इससे वह इस गलत आदत से दूर रहेंगे।

गुस्सा करना या चिल्लाना

बच्चे बड़ों को देखकर ही गुस्सा करना या चिल्लाना सीखते हैं। उनकी बात न माने जाने पर वह जिद करते हैं और अपनी जिद को पूरा कराने के लिए गुस्सा करते हैं। इस गुस्से को निकालने के लिए वह जोर-जोर से चिल्लाते हैं। कई बार वह घर के बड़ों या अन्य सदस्यों पर चिल्लाते हैं जो गलत आदत है। इससे वह न बड़ों का अपमान करना भी सीखते हैं। बच्चे के सामने गुस्सा न करें और न ही आपस में चिल्ला कर बात करें। ताकि उसका व्यवहार भी शांत और शालीन हो।

चीजें फेंकना या तोड़ना

बच्चे जब गुस्सा होते हैं तो अक्सर अपनी चीजें फेंकना शुरू कर देते हैं या अपने खिलौने व घर के सामान को पटक देते हैं। उनका गुस्सा व्यक्त करने का यह तरीका बिल्कुल अच्छा नहीं होता है। छोटा बच्चा जब चीजें फेंके या तोड़े तभी उसे धैर्य पूर्वक यह समझा दें कि यह बुरी आदत है ताकि वह इस आदत को अपनाएं नहीं।

झूठ बोलना

बच्चा माता-पिता का अटेंशन पाने के लिए या अन्य कई मासूम कारणों से झूठ बोलने लगता है। शुरुआत में बच्चा जब बातें बनाता है या झूठ बोलता है तो माता-पिता को यह मासूमियत लगती है लेकिन बाद में यही आदत बन जाती है। इसलिए बच्चा जब झूठ बोले तो इस पर हंसने के बजाय समय रहते ही समझा दें कि झूठ बोलना गलत बात होती है।

मोबाइल या टीवी की लत

एकल परिवारों में माता पिता अपने दफ्तर या घरेलू कामकाज के कारण बच्चे को पूरा वक्त समय नहीं दे पाते हैं। वह बच्चे को व्यस्त रखने के लिए मोबाइल या टीवी का रिमोट थमा देते हैं। इससे बच्चे में मोबाइल या टीवी की लत लग जाती है। यह उनकी परवरिश के लिए अच्छा नहीं होता है। इसलिए बच्चे को टीवी या मोबाइल की आदत न पड़ने दें। यह सामाजिक व्यवहार, शारीरिक स्वास्थ्य दोनों के लिए अच्छा नहीं। साथ ही वह टीवी व मोबाइल से गलत बाते या अपशब्द भी सीख सकता है।

क्यों एकल परिवार में रहना पसंद करती हैं महिलाएं, इसके फायदे और नुकसान

हर साल 15 मई को अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का उद्देश्य परिवार के महत्व को समझाना है। इस युग में लोग अपने परिवार से दूर होते जा रहे हैं, जहां उनके पास एक दूसरे के लिए वक्त नहीं होता। ऐसे में उनके बीच का भावनात्मक लगाव कम होने लगता है और परिवार में विघटन होने लगता है।

परिवार के विघटन का सबसे पहला उदाहरण है संयुक्त परिवार का एकल परिवारों में परिवर्तित होना। एकल परिवार का एक प्रमुख कारण महिलाओं को माना जाता है कि इस दौर की अधिकतर महिलाएं एकल परिवार में रहना पसंद करती हैं। संयुक्त परिवार की परंपरा से निकलकर आज की महिलाएं स्वतंत्रता, निजता और करियर को प्राथमिकता दे रही हैं। प्रश्न है कि महिलाएं संयुक्त परिवार के सामने एकल परिवार में रहना ज्यादा क्यों पसंद करती हैं। एकल परिवार के फायदे और नुकसान क्या हो सकते हैं।

महिलाएं क्यों एकल परिवार में रहना पसंद करती हैं?

स्वतंत्रता और निजता

एकल परिवार में महिलाओं को अपने निर्णय खुद लेने की आजादी मिलती है। चाहे वह नौकरी हो, बच्चों की परवरिश या घर की सजावट हो। संयुक्त परिवार में किसी भी निर्णय के लिए

महिलाओं को घर के अन्य सदस्यों की राय और फैसलों को भी शामिल करना पड़ता है लेकिन एकल परिवार की महिला अपने फैसले स्वयं लेने के लिए स्वतंत्र होती है।

तनाव रहित माहौल

जब एक छत के नीचे अलग-अलग विचारों और रुचि रखने वाले लोग साथ रहते हैं तो विवाद की स्थिति बनना स्वाभाविक है। संयुक्त परिवारों में कई बार विचारों का टकराव, परंपराओं का दबाव और जिम्मेदारियों का बोझ महिलाओं को मानसिक रूप से थका देता है। एकल परिवार अपेक्षाकृत शांत और नियंत्रित होता है।

करियर और आत्मनिर्भरता

जो महिलाएं नौकरी पेशा या कामकाजी होती है, वह चाहती हैं कि घर और दफ्तर दोनों को बेहतर तरीके से संभाल सकें। चूंकि एकल परिवार का दायरा छोटा होता है, तो उनके लिए घर और दफ्तर दोनों संभालने में कम समस्या आती है।

बच्चों की परवरिश में आपकी सोच

कई महिलाएं चाहती हैं कि वे अपने बच्चों को अपने सिद्धांतों और आधुनिक दृष्टिकोण से पालें, जो संयुक्त परिवार में थोड़ा कठिन हो सकता है। बच्चे को कैसे विचार देने है, उसके भविष्य से जुड़े फैसले लेने के लिए एकल परिवार की मां अधिक स्वतंत्र होती है।

एकल परिवार के फायदे

मानसिक शांति और निजी स्पेस

जिन महिलाओं या कपल्स को मानसिक शांति और निजी स्पेस चाहिए होती है, उनके लिए एकल परिवार बेहतर है। क्योंकि एकल परिवार में आपके पास अपने पार्टनर और बच्चों के लिए अधिक वक्त रहता है। मानसिक शांति संयुक्त परिवार की तुलना में एकल परिवार में अधिक होती है।

कम घरेलू कलह

एकल परिवार में सदस्यों की संख्या कम होती है। संयुक्त परिवार में तीन पीढ़ियां, पिता के भाई और उनके परिवार के साथ रहते हैं। अधिक सदस्य होने से वैचारिक मतभेद भी अधिक होने की संभावना रहती है। एकल परिवार में तुलनात्मक कम घरेलू कलह की स्थिति बनती है।

निर्णय लेने की स्वतंत्रता

एकल परिवार में पति-पत्नी दोनों को अपने लिए और परिवार के लिए निर्णय लेने की अधिक स्वतंत्रता प्राप्त होती है। यहां उन्हें अधिक परिवार के सदस्यों से एकमत होने की जरूरत नहीं होती।

जीवनशैली में लचीलापन

संयुक्त परिवार में सभी सदस्यों की जीवनशैली एक दूसरे के समान होती है। अधिकतर घरों में लोगों को चाहते या ना चाहते हुए एक जैसी चीजों में रूचि, एक दूसरे के समय के अनुसार खुद को ढालना पड़ता है। जबकि एकल परिवार में जीवनशैली में लचीलापन होता है।

एकल परिवार के नुकसान

बच्चों को दादा-दादी, चाचा-चाची का स्नेह नहीं मिल पाता। एकल परिवार के बच्चे अकेलेपन में बड़े होते हैं।

एकल परिवार में आपात स्थिति में सहारा कम होता है। संयुक्त परिवार में अगर एक पर कोई समस्या आती है तो परिवार के अन्य सदस्यों की मदद व सहारा मिल जाता है। एकल परिवार में सदस्यों को बाहर से मदद मांगनी पड़ती है।

महिला पर घर-बाहर की दोहरी जिम्मेदारी आ जाती है। उन्हें जितना ध्यान अपने दफ्तर या बाहर के काम ले देना होता है, उतना ही ध्यान घर परिवार और बच्चों की परवरिश में भी देना पड़ता है जो कि संयुक्त परिवार में करने की इतनी आवश्यकता नहीं होती।

एकल परिवार में रहने वाले सदस्य कई बार अकेलापन महसूस करते हैं, जिससे डिप्रेशन का खतरा हो सकता है। तीज त्योहारों में यह अकेलापन अधिक स्पष्ट हो जाता है।

सामाजिकता और पारिवारिक मूल्य कमजोर हो सकते हैं।

कच्चे आम से तैयार करें ये स्वादिष्ट डिश, जो 15 दिन तक नहीं होगी खराब

गर्मियों के आते ही बाजार में आम मिलने लगते हैं। जिस तरह से बहुत से लोगों को पका आम खाना पसंद होता है, ठीक उसी तरह से भारतीय घरों में कच्चे आम से भी तमाम व्यंजन बनाए जाते हैं। जिन लोगों को चटकारे वाला खाना पसंद है, वो कच्चे आम से कई पकवान बनाते हैं। आम पना, कच्चे आम का अचार और अन्य चीजों को बनाने में भी इसका इस्तेमाल किया जाता है।

यदि आपको भी कच्चा आम खाना पसंद है, तो यहां हम आपको उससे बनने वाली एक ऐसी रेसिपी के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसे एक बार बनाकर आप 15 दिन तक स्टोर करके रख सकते हैं। हम यहां बात कर रहे हैं आम की लौंजी की, जिसे आप घर पर आसानी से तैयार कर सकते हैं। इसे आप दाल-चावल और पराठे के साथ खा सकते हैं।

आम की लौंजी बनाने का सामान

कच्चे आम – 2
सरसों का तेल – 2 टेबलस्पून
राई – टीस्पून
सौंफ – 1 टीस्पून
कलौंजी – टीस्पून
हल्दी पाउडर – टीस्पून
लाल मिर्च पाउडर – 1 टीस्पून
नमक – स्वादानुसार
गुड़ – 2-3 टेबलस्पून

आम की लौंजी बनाने की विधि

आम की लौंजी बनाने के लिए सबसे पहले आपको कच्चे आम की जरूरत पड़ेगी। इसके लिए एकदम कच्चे आम लेकर उसे धोलें और छील कर छोटे टुकड़ों में काट लें। जब आम कट जाए तो गैस पर कढ़ाई चढ़ाकर उसमें थोड़ा सा सरसों का तेल डालें। जब तेल गर्म हो जाए तो उसमें राई के दाने डालकर चटकाएं। इसके बाद अब उसमें कटे हुए आम डालें।

आम डालने के बाद इसमें हल्दी, नमक, कलौंजी और लाल मिर्च पाउडर डालकर अच्छी तरह मिलाएं। इसे तब तक मिक्स करें, जब तक आम के टुकड़ों में मसाले अच्छी तरह से मिल न जाए।

सभी चीजों को मिक्स करने के बाद कढ़ाई में आधा कप पानी डालकर ढक दें और मध्यम आंच पर 5-7 मिनट पकाएं। जब तक आम थोड़ा नरम न हो जाए। जब आम पकने लगे तो इसमें कद्दूकस किया हुआ गुड़ डालें और एक बार फिर से अच्छी तरह मिक्स करें।

अब गुड़ को पिघलने दें और 3-4 मिनट तक पकाएं जब तक लौंजी थोड़ी गाढ़ी न हो जाए। जब ये पक जाए और तेल ऊपर दिखने लगे तो गैस को बंद कर दें।

ठंडा होने के बाद इसे कांच के जार में बंद करके रख दें। इसे आप 15 दिन तक आसानी से स्टोर करके रख सकते हैं। ध्यान रखें कि इसे पकाना अच्छे से, यदि ये थोड़ी भी कच्ची रह गई तो जल्दी खराब हो जाएगी।

अब म्यूचुअल फंड भी बेचेंगे मुकेश अंबानी

अमेरिका की सबसे बड़ी कंपनी के साथ मिलाया हाथ

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)। मुकेश अंबानी की कंपनी जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड और ब्लैकरॉक के ज्वाइंट वेंचर – जियो ब्लैकरॉक एसेट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड को सेबी ने बड़ी खुशखबरी दे दी है। अब जियो ब्लैकरॉक को भारत में म्यूचुअल फंड बिजनेस के लिए सेबी की मंजूरी मिल गई है। इस मंजूरी के साथ ही कंपनी जल्द ही भारतीय म्यूचुअल फंड मार्केट में कदम रखने जा रही है। इस बीच, जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के शेयर को खरीदने की होड़ निवेशकों के बीच मच गई है। आज 3 बजे से आस-पास बीएसई पर कंपनी का शेयर 3.35% की तेजी के साथ 291.20 रुपए पर ट्रेड कर रहा है।

सिड स्वामीनाथन को सीईओ नियुक्त किया गया

बता दें, सिड स्वामीनाथन को जियो ब्लैकरॉक ने कंपनी का प्रबंध निदेशक और सीईओ नियुक्त किया है। लैकरॉक में इंटरनेशनल इंडेक्स इक्विटी के पूर्व प्रमुख रहे सिड स्वामीनाथन 1.25 ट्रिलियन डॉलर के एसेट मैनेज कर चुके हैं।इससे पहले,उन्होंने ब्लैकरॉक में यूरोप के लिए फिक्स्ड इनकम पोर्टफोलियो प्रबंधन के प्रमुख के रूप में काम किया."ब्लैकरॉक में अंतरराष्ट्रीय प्रमुख रेचल लॉर्ड ने कहा आज भारत में एसेट मैनेजमेंट में अवसर बेहद रोमांचक हैं। जियोब्लैकरॉक का डिजिटल-फर्स्ट ग्राहक प्रस्ताव, निवेशकों को सीधे कम लागत पर संस्थागत गुणवत्ता वाले प्रोडक्ट प्रदान करेगा। अपने भागीदार जेएफएसएल के साथ, हम देश के निरंतर विकास में योगदान देने के लिए तत्पर हैं।

117 करोड़ का निवेश

जनवरी में जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड ने बताया था कि उनके पार्टनर ब्लैकरॉक ने इस म्यूचुअल फंड कंपनी में 117 करोड़ रुपए का निवेश किया है। दोनों कंपनियों ने 50:50 पार्टनरशिप में काम किया है और हर एक ने 5.85 करोड़ के शेयर खरीदे हैं। इस शेयर की कीमत 10 रुपए थी। बता दें, दोनों कंपनियों ने बराबर निवेश किया है। 82.5 करोड़ की शुरुआती कैपिटल दोनों ने लगाई है। जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड ने पहले 29 अक्तूबर 2024 को ही ये जानकारी दी थी कि उन्होंने दो कंपनियां बनाई हैं। जिनका नाम जियो ब्लैकरॉक एसेट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड,जियो ब्लैकरॉक ट्रस्टी प्राइवेट लिमिटेड है।

ट्रंप के टैरिफ से मालामाल हो सकता है भारत

इन दिग्गजों ने की बड़ी भविष्यवाणी

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)। डिक्सन टेक्नोलॉजीज, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, ब्लू स्टार, हैवेल्स और अरविंद सहित प्रमुख घरेलू कंपनियों के सीईओ ने विश्लेषकों को बताया है कि भारतीय व्यवसाय अमेरिकी टैरिफ परिस्थितियों में काफी कांप्टीटिव है। तमाम कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों ने कहा कि वर्तमान में चर्चा में चल रहे भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) से व्यवसाय को प्रोत्साहन मिलेगा। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर देश की दिग्गज कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों ने इस बारे में क्या कहा है।

एक्सपोर्ट में हो सकता है इजाफा

डिक्सन के एमडी अतुल लाल ने पिछले सप्ताह आए तिमाही नतीजों में बताया कि कंपनी अपने बढ़े हुए ऑर्डर बुक को पूरा करने के लिए अपने प्रमुख ग्राहक के लिए क्षमता का 50% विस्तार कर रही है, इसका एक बड़ा हिस्सा उभरते भू-राजनीतिक परिदृश्य के मद्देनजर उत्तरी अमेरिका को निर्यात के लिए होगा। उन्होंने कहा कि अपने भागीदार कॉम्पल के माध्यम से एक बड़े अमेरिकी ब्रांड के लिए प्रोडक्शन वॉल्यूम "निर्यात के संभावित अवसरों के साथ" बढ़ेगा। लाल ने किसी भी ब्रांड का नाम नहीं बताया, लेकिन विश्लेषकों ने कहा कि इसका मुख्य ग्राहक मोटोरोला है, जो अमेरिका को हैंडसेट निर्यात करता है और अमेरिकी ब्रांड गूगल का पिक्सल है।

ईटी की रिपोर्ट में पिछले महीने कहा गया था कि गूगल भारत से हैंडसेट निर्यात करना चाहता है। जबकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एपल और सैमसंग जैसी मोबाइल फोन कंपनियों से भारत और अन्य स्थानों से सोर्सिंग करने के बजाय अमेरिका में स्थानीय रूप से उत्पादन करने के लिए कहा है, अन्यथा उन्हें 25 फीसदी टैरिफ का सामना करना पड़ेगा, विशेषज्ञों का मानना है कि अतिरिक्त टैरिफ के बावजूद कंपनियों के लिए भारत में उत्पादन करना और निर्यात करना सस्ता होगा।देश की बड़ी अपैरल कंपनी अरविंद के उपाध्यक्ष पुनीत लालभाई ने कहा कि अल्पावधि में उसके कुछ "रणनीतिक ग्राहकों" ने अपनी कॉस्ट स्ट्रक्चर में वृद्धि देखी है, जिसे कंपनी ने भी थोड़ा सा एब्जॉर्ब किया है और इससे पहली और दूसरी तिमाही में "थोड़ा सा मार्जिन दबाव" हो सकता है। हालांकि, उन्होंने कहा कि कंपनी अपने कई अमेरिकी ग्राहकों से वॉल्यूम ऑर्डर में उछाल देख रही है। लालभाई ने कहा कि मार्जिन जल्द ही सामान्य हो जाएगा और वित्तीय वर्ष की दूसरी छमाही में मजबूत मांग परिदृश्य के साथ लाभ मिलने लगेगा। उन्होंने कहा कि इस साल हमें टेक्सटाइल सेक्टर में पिछले साल की तुलना में महत्वपूर्ण अपैरल वॉल्यूम ग्रोथ जोड़नी चाहिए। हमारी कई क्षमताएं जिनमें हम निवेश कर रहे हैं, अब चालू हो रही हैं।टॉप सीईओ की ओर से यह आशावाद ऐसे समय में आया है जब अमेरिका ने चीन पर टैरिफ को 145% से घटाकर 30% कर दिया है, जबकि भारत ने 26% टैरिफ लगाया है, जो फिलहाल रोक दिया गया है।

उतार-चढ़ाव के बाद लाल निशान पर बंद हुआ बाजार

सेंसेक्स 625 अंक गिरा, निफ्टी 24850 से नीचे

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)। बैंकिंग, आईटी और ऑटो शेयरों में मुनाफावसूली के कारण मंगलवार को घरेलू शेयर बाजार के प्रमुख बेंचमार्क सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन सेंसेक्स में दो दिन की तेजी का सिलसिला थम गया और यह करीब 625 अंक नीचे फिसल गया। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स उतार-चढ़ाव भरे सत्र में 624.82 अंक या 0.76 प्रतिशत गिरकर 81,551.63 पर बंद हुआ। दिन के कारोबार के दौरान, यह 1,054.75 अंक या 1.28 प्रतिशत गिरकर 81,121.70 पर आ गया। सेंसेक्स के 25 शेयरों में गिरावट दर्ज की गई, जबकि पांच शेयरों में तेजी दर्ज की गई। 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 174.95 अंक या 0.70 प्रतिशत गिरकर 24,826.20 पर आ गया। पहली छमाही में सूचकांक में तेज उतार-चढ़ाव देखने दिखा और भारी भरकम शेयरों में लगातार मुनाफावसूली के कारण सूचकांक लाल निशान पर बंद हुआ। पिछले दो सत्रों में प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में लगभग 1.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। बजार से जुड़े जानकारों के अनुसार बुधवार को अप्रैल माह के औद्योगिक और विनिर्माण उत्पादन के आंकड़े जारी होने है। इस सप्ताह के अंत में पहली तिमाही के सकल घरेलू उत्पाद के आंकड़े भी आने हैं। इसे देखते हुए पहले निवेशक पहले से ही सतर्कता बरत रहे हैं। सेंसेक्स के 30 शेयरों की बात करें तो अल्ट्राटेक सीमेंट में सबसे अधिक 2.21 फीसदी की गिरावट आई, वहीं आईटीसी के शेयर 2.01 फीसदी तक फिसल गए। टाटा मोटर्स, एनटीपीसी, एक्सिस बैंक, एचसीएल टेक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और इटरनल के शेयर भी गिरावट के साथ बंद हुए। हालांकि, इंडसइंड बैंक, सन फार्मा, अदाणी पोर्ट्स, नेस्ले और एशियन पेंट्स के शेयर हरे निशान पर बंद होने में सफल रहे। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, घरेलू बाजार में उतार-चढ़ाव देखा गया और दो दिन की तेजी थम गई, क्योंकि निवेशकों ने मूल्यांकन संबंधी चिंताओं और एशियाई बाजारों में कमजोरी के कारण मुनाफावसूली का विकल्प चुना। नायर ने कहा कि चौथी तिमाही की आय अनुमान से बेहतर रहने तथा प्रीमियम मूल्यांकन में नरमी के कारण मिड-कैप और स्मॉल-कैप खंड अपेक्षाकृत लचीले बने रहे। बीएसई स्मॉलकैप सूचकांक में 0.19 प्रतिशत तथा मिडकैप सूचकांक में 0.18 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई।

अंबानी-अडानी के शेयरों पर भारी पड़ रही बिटकॉइन, एक साल में दिया धांसू रिटर्न

अनई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)। कई क्रिप्टोकरेंसी इस समय निवेशकों को काफी अच्छा रिटर्न दे रही हैं। इन्हीं में बिटकॉइन भी शामिल है। बिटकॉइन दुनिया की सबसे महंगी क्रिप्टोकरेंसी है। एक बिटकॉइन की कीमत अभी करीब 1.10 लाख डॉलर (करीब 94 लाख रुपये) है। पिछले एक साल में इसने रिटर्न के मामले में अंबानी और अडानी स्टॉक्स को भी पीछे छोड़ दिया है। यानी अंबानी और अडानी की कंपनियों के शेयर से ज्यादा कमाई बिटकॉइन ने कराई।इस समय बिटकॉइन की कीमत एक लाख डॉलर से ज्यादा है। पिछले एक महीने में बिटकॉइन ने 16 फीसदी से ज्यादा रिटर्न दिया है। बात अगर एक साल के रिटर्न की करें तो इसने निवेशकों की झोली भर दी है। एक साल में इसका रिटर्न 60 फीसदी से ज्यादा रहा है। अगर आपने एक साल पहले बिटकॉइन में एक लाख रुपये निवेश किए होते तो आपको 60 हजार रुपये का फायदा हो चुका होता।मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज का रिटर्न बिटकॉइन से काफी पीछे है। मंगलवार को इसमें गिरावट आई। पिछले एक महीने में इसमें करीब 4 फीसदी की तेजी आई है। हालांकि एक साल में इसने निवेशकों का नुकसान किया है। एक साल में इसका रिटर्न नेगेटिव करीब 3 फीसदी रहा है। यानी 100 रुपये के निवेश पर करीब 3 रुपये का नुकसान दिया है।अडानी इंटरप्राइजेज को अडानी ग्रुप की दुधारू गाय कहा जाता है। एक महीने में इसने 7 फीसदी रिटर्न दिया है। वहीं एक साल इसका रिटर्न नेगेटिव 23 फीसदी रहा है। इसी प्रकार अडानी पावर का भी एक साल का रिटर्न नेगेटिव रहा है। अडानी ग्रीन ने भी एक साल में निवेशकों को जबरदस्त नुकसान किया है। अडानी पोर्ट और अडानी टोटल गैस का भी एक साल का रिटर्न नेगेटिव में रहा है।

इन शुगर स्टॉक्स में निवेशकों ने खूब छापा पैसा, दिया 77% तक रिटर्न

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)। पिछले एक साल में चीनी का बिजनेस व्यापक बाजार से पीछे रहा है लेकिन 10 स्टॉक्स अभी भी निफ्टी के 9% रिटर्न से बेहतर परफॉर्म कर रहे हैं। चीनी प्रोडक्शन में कमी की उम्मीदों के कारण कीमतों में तेजी आई है। डेटा से पता चलता है कि इस क्षेत्र के सभी स्टॉक्स ने निवेशकों को मन लायक रिटर्न नहीं दिया है। 31 चीनी स्टॉक्स को देखकर पता चलता है कि पिछले 12 महीनों में केवल 13 स्टॉक्स ही पॉजिटिव परफॉर्म कर रहे हैं। जिसके कारण शुगर स्टॉक में भी निवेशक कड़वा और मीठा एक्सपीरियंस कर रहे हैं। इन 31 स्टॉक्स का औसत रिटर्न लगभग 3 प्रतिशत नेगेटिव है। इन शेयर की कीमत 20 रुपए या फिर उससे ज्यादा है और केसर एंटरप्राइजेज की मार्केट कैपिटलाइजेशन 73 करोड़ रुपए है। हालांकि दूसरे का मार्केट कैपिटलाइजेशन 100 करोड़ रुपए से ज्यादा है। बन्नारी अम्मान शुगर्स 77% रिटर्न के साथ चार्ट में सबसे ऊपर है और उसके बाद ईआईडी पैरी (इंडिया) और प्रूडेंशियल शुगर कॉर्पोरेशन हैं, जिन्होंने 1 साल में 54% और 49% रिटर्न दिया है। बलरामपुर चीनी मिल्स, इंडियन सुक्रोज, त्रिवेणी इंजीनियरिंग एंड इंडस्ट्रीज, डालमिया भारत शुगर एंड इंडस्ट्रीज, रावलगांव शुगर फार्म, मगध शुगर एंड एनर्जी और केसीपी शुगर एंड इंडस्ट्रीज कॉर्पोरेशन ने 47% से 10% के बीच रिटर्न दिया है।

इस बीच उत्तम शुगर मिल्स, मवाना शुगर्स और अवध शुगर एंड एनर्जी ने 5% तक सिंगल-डिजिट रिटर्न दिया है।

घर में बैठकर सीरियल नहीं देखूंगा : वॉरेन बफे ने बताया रिटायरमेंट के बाद का प्लान, कहा- जो पसंद होगा वही काम करुंगा

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)। दिग्गज निवेशक, कारोबारी और दुनिया के 6वें सबसे अमीर शख्स वॉरेन बफे ने अपने रिटायरमेंट के बाद के प्लान के बारे में बताया है। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा कि वह रिटायरमेंट के बाद भी रुकने वाले नहीं हैं। उन्होंने कहा कि वह घर में सीरियल नहीं देखेंगे। वे इस साल के अंत तक बर्कशायर हैथवे के सीईओ पद से हट जाएंगे। बफे ने हाल ही में द वॉल स्ट्रीट जर्नल को एक इंटरव्यू दिया था। इस इंटरव्यू में उन्होंने रिटायरमेंट के बाद के प्लान के बारे में खुलकर चर्चा की। उन्होंने कहा, 'मैं घर पर बैठकर सीरियल नहीं देखूंगा। मेरी रुचियां अभी भी वही हैं।' 94 साल की उम्र में भी बफे काम कर रहे हैं, सीख रहे हैं और टीम का नेतृत्व कर रहे हैं। बफे के लिए रिटायरमेंट का मतलब दूर हो जाना या दिमाग को आराम देना नहीं है। इसका मतलब

है उत्सुक रहना, सक्रिय रहना और पूरी तरह से जुड़े रहना। बफे अपने काम को 'काम' नहीं मानते। बल्कि, यह वह है जो उन्हें पसंद है। जैसे- निवेश करना, पढ़ना, बिजनेस के बारे में सोचना आदि। उनके लिए काम और खेल आपस में मिल जाते हैं। जब आप अपने काम के प्रति जुनूनी होते हैं, तो यह नौकरी जैसा नहीं लगता। बफे कहते हैं कि उनके लिए रिटायरमेंट एक अंत नहीं है। यह वह काम करते रहने का एक विकल्प है जो उन्हें ऊर्जावान और उत्साहित रखता है। उन्होंने इंटरव्यू में कहा कि वे अपने दिन का लगभग 80% हिस्सा पढ़ने और सोचने में बिताते हैं। यह उनके दिमाग को तेज और नजरिए को ताजा रखता है। सीखने और उत्सुक रहने की इसी भूख ने दशकों से उनकी सफलता को बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि रिटायरमेंट के बाद वह वही काम करेंगे जो उन्हें अच्छा लगेगा। उम्र के कुछ लक्षणों (कभी-कभी याददाश्त और संतुलन में कमी) को स्वीकार करने के बावजूद बफे का कहना है कि उनकी निवेश की समझ अभी भी पहले की तरह ही तेज है। अगर वह किसी चीज को संभालना जानते हैं तो वह है बाजार में मची अफरा-तफरी। उन्होंने समझाया कि अगर बाजार में डर का माहौल है तो मैं यहां उपयोगी रहूंगा। उन्होंने आगे कहा, 'क्योंकि जब चीजों की कीमत गिरती है या बाकी सब डर जाते हैं तो मैं नहीं डरता। और यह वास्तव में उम्र का काम नहीं है।'

सोना 146 सस्ता होकर 95,667 पर आया

चांदी का भाव 40 कम हुआ, 97357 प्रति किलो बिक रही

मुंबई, 27 मई (एजेंसियां)। आज यानी मंगलवार, 27 मई को सोने-चांदी के दाम में गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 146 रुपए घटकर 95,667 रुपए पर आ गया है। कल यह 95,813 रुपए प्रति 10 ग्राम था। वहीं, चांदी की कीमत भी आज 40 रुपए घटकर 97,357 रुपए पर आ गई है। कल चांदी 97397 रुपए किलो थी। इससे पहले सोने ने 21 अप्रैल को 99,100 और 28 मार्च को चांदी ने 1,00,934 का ऑल टाइम हाई बनाया था।

महानगरों में सोने की कीमत

दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 90,100 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 98,280 रुपए है।

मुंबई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 89,950 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 98,130 रुपए है।

कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 89,950 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 98,130 रुपए है।

चेन्नई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत

89,950 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 98,130 रुपए है।

हैदराबाद : सोने की दर 22 कैरट के लिए रुपए 89950 / 10 ग्राम और 24 कैरट के लिए रुपए 98130/10 ग्राम।

साल के आखिर तक 1.10 लाख तक जा सकता है सोना

अमेरिकी-चीन के बीच बढ़ते ट्रेड वॉर और मंदी की आशंकाओं के कारण इस साल सोना 3,700 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच सकता है। इंटरनेशनल रेट के हिसाब से कैलकुलेट करें तो भारत में 10 ग्राम सोने के दाम 1.10 लाख रुपए तक जा सकते हैं। विदेशी इन्वेस्टमेंट बैंक गोल्डमैन सैक्स ने ये अनुमान जारी किया है।

राकेश गंगवाल ने बेची इंडिगो की हिस्सेदारी

क्या विवाद के चलते लिया फैसला?

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)। इंटरग्लोब एविएशन के प्रवर्तक राकेश गंगवाल और उनके पारिवारिक ट्रस्ट ने विमानन कंपनी इंडिगो में 5.7 प्रतिशत हिस्सेदारी ब्लॉक डील के जरिये करीब 11,385 करोड़ रुपये में मंगलवार को बेच दी. सूत्रों ने बताया कि गंगवाल के अलावा, चिन्करपू फैमिली ट्रस्ट, (जिसके न्यासी शोभा गंगवाल तथा डेलावेयर की जेपी मॉर्गन ट्रस्ट कंपनी हैं) ने भी देश की सबसे बड़ी विमानन कंपनी इंडिगो में अपनी हिस्सेदारी बेचने के लेन-देन में हिस्सा लिया.उन्होंने बताया कि निवेश बैंकिंग कंपनी गोल्डमैन सैक्स (इंडिया) सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड, मॉर्गन स्टेनली इंडिया कंपनी और जे पी मॉर्गन इंडिया हिस्सेदारी बिक्री के लिए नियोजन एजेंट हैं. इस नवीनतम लेनदेन से पहले, गंगवाल और पारिवारिक ट्रस्ट के पास इंडिगो में करीब 13.5 प्रतिशत हिस्सेदारी थी. टर्म शीट के अनुसार, नवीनतम ब्लॉक डील के तहत 5,175 रुपये प्रति शेयर के न्यूनतम मूल्य पर 2.2 करोड़ शेयर बेचे गए. सूत्रों ने बताया कि 2.2 करोड़ शेयर के बराबर कंपनी में करीब 5.7 प्रतिशत हिस्सेदारी है और न्यूनतम मूल्य के आधार पर पेशकश का आकार करीब 1.33 अरब डॉलर या करीब 11,385 करोड़ रुपये है.

अप्रैल में औद्योगिक उत्पादन में दिखी सुस्ती

यूनियन बैंक की रिपोर्ट के अनुसार आईआईपी 1.2% रहने की आशंका

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)। भारत की औद्योगिक उत्पादन वृद्धि दर 3 प्रतिशत से घटकर 1.2 प्रतिशत पर आने की संभावना है। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया (यूबीआई) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, अप्रैल में भारत का औद्योगिक उत्पादन सूचकांक(आईआईपी) घटकर 1.2% पर आ सकता है। जबकि मार्च में यह वृद्धि दर 3 प्रतिशत दर्ज की गई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि यह गिरावट आर्थिक गतिविधियों में आई सुस्ती की वजह से हो सकती है। खास तौर पर खनन और मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्रों में गिरावट आई है। इसमें कहा गया कि आईआईपी अप्रैल 2024 के 5.2 प्रतिशत से काफी कम रहने की उम्मीद है। यह देश के अर्थव्यवस्था में आर्थिक गतिविधी में मंदी

का संकेत है। रिपोर्ट के अनुसार आईआईपी की मार्च 2025 की रिपोर्ट में अप्रैल में मंदी का संकेत दिया गया था। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की ओर से टैरिफ की घोषणा के बाद वैश्विक व्यापार अनिश्चितता बढ़ने से यह स्थिति पैदा हुई। आईआईपी में 30 से 35 प्रतिशत योगदान निर्यात का है, जिसके स्पष्टता आने तक दबाव में रहने की संभावना है।

व्यापार घाटा पिछले साल की तुलना में 7.2 अरब डॉलर अधिक

आरबीआई की नवीनतम बुलेटिन में बताया गया कि अप्रैल में ई-वे बील और टोल संग्रह में दोहरे अंकों की वृद्धि दर्ज की गई। वहीं ऑटोमोबाइल क्षेत्र में मंदी देखी गई। इसके अलावा, पेट्रोलियम की खपत में लगातार तीसरे महीने में गिरावट आई है। अप्रैल में व्यापार घाटा में बढ़त दर्ज की गई। अप्रैल में व्यापार घाटा 26.4 अरब डॉलर रहा, जो कि पिछले साल 19.2 अरब डॉलर था। निर्माण क्षेत्रों खासकर स्टील खपत और सीमेंट उत्पादन में अप्रैल 2025 में नरमी देखी गई। रिपोर्ट में कहा गाया कि आईआईपी में करीब 40 प्रतिशत योगदान देने वाले कोर सेक्टर की वृद्धि दर अप्रैल में घटकर आठ महीने के निचले स्तर 0.5 प्रतिशत पर आ गई।

दैनिक पंचांग

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947,सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 05-45 सूर्यास्त - 18-40
भोग्य कलि वर्ष-426874
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126
दिशाशूल - उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- द्वितीया 01-54 तक उपरान्त तृतीया
मास - ज्येष्ठ शुक्ल , बुधवार 28 May
नक्षत्र - मृगशिरा 00-29 तक उपरान्त आर्द्रा
योग - धृति 19-08 तक उप शूल
करण- बालव 15-25 तक उप कौलव
विशेष-
व्रत-त्योहार -

ग्रह स्थिति

सूर्य-	वृष	मे
चंद्र-	वृष	मे
मंगल	कर्क	मे
बुध-	वृष	मे
गुरु-	मिथुन	मे
शुक्र-	मीन	मे
शनि-	मीन	मे
राहु-	कुंभ	मे
केतु-	सिंह	मे

लग्नारंभ समय

वृष---	04-56 बजे
मिथुन...	06-56 बजे
कर्क---	09-09 बजे
सिंह---	11-20 बजे
कन्या...	13-27 बजे
तुला....	15-34 बजे
वृश्चिक..	17-42 बजे
धनु.....	19-56 बजे
मकर...	22-02 बजे
कुंभ...	23-53 बजे
मीन....	01-31 बजे
मेष.....	03-07 बजे

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 12:14 से 13:51 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	05:45 - 07:20 शुभ	उत्पात	18:40 - 20:07 अशुभ
अमृत	07:20 - 08:58 शुभ	शुभ	20:07 - 21:29 शुभ
काल	08:58 - 10:36 अशुभ	अमृत.	21:29 - 22:51 शुभ
शुभ	10:36 - 12:14 शुभ	चंचल	22:51 - 24:13 शुभ
रोग	12:14 - 13:51 अशुभ	रोग .	00:13 - 01:36 अशुभ
उत्पात	13:51 - 15:29 अशुभ	काल	01:36 - 02:58 अशुभ
चंचल	15:29 - 17:07 शुभ	लाभ	02:58 - 04:20 शुभ
लाभ	17:07 - 18:40 शुभ	उत्पात	04:20 - 05:45 अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

अगर आप बेरोजगार हैं, तो एक अवसर आज आपके दरवाजे पर अपनी दस्तक दे सकता है। दोनों हाथों से इसे ले । आपके पास खोने के लिए कुछ भी नहीं है। कृपया करके मुफ्त सलाह प्रदान करने वालो से दूर रहे । आप नौकरी पाने के पश्चात अपनी ईमानदारी और समर्पण दिखाए ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

कार्यस्थल पर आपका ध्यान भटक सकता है जो की आपकी उत्पादकता को कम कर सकता हैं। कार्यालय में प्रेम प्रसंग की एक संभावना आपको अपने कार्य से दूर ले जा सकती है हालांकि, आपको वापस अपनी एकाग्रता लाने की जरूरत है। ऐसी कोई भी कार्रवाई करने से बचें जो आपके सहयोगियों को परेशान या आक्रामक बनाये ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

आप आगे बढ़ रहे हैं , वहीं लोग आपको नीचे खींचने की और कोशिश कर सकते हैं। मौखिक विवाद में न फंसे । आप प्रयास करे की आपका कार्य बोले । आप एक ऐसी स्थिति में पहुंच जायेंगे जहा से आपको नीचे धकेलना मुश्किल होगा । अच्छा काम करते रहे । अपने सहयोगियों और अधीनस्थों के साथ सौहार्द बनाए एवं मधुर वाक्यों का प्रयोग करे।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

बेहतर संचार आप के लिए लाभ का मार्ग प्रशस्त करेगा और आपको इस मोड़ पर बुद्धिमानी से इस कौशल का उपयोग करना होगा । आपका व्यवसायिक विवेक आज शीर्ष स्तर पर रहेगा । आपको भविष्य में बिक्री और सहभागिता के आंकलन के लिए कहा जा सकता है। आपकी मजबूत ज्ञान युक्त व विवेकपूर्ण क्षमता इसमें आपकी मदद करेगी ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

आप एक आकर्षक आभा और मीठी वाणी के स्वामी है । इन अलंकारो की वजह से आप अपना रास्ता खुद बना सकते है । आपका बच्चों का सा रवैया हर जगह खुशी फैलाता है और सबके लिए बहुत आसान परिस्थितियों का निर्माण होता है , और आप अपने चुटकुलों और हास्य से सबके मनोविज्ञान को प्रभावित करते है , जो आपके मुख मंडल से अनायास ही निकल पड़ते है ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

एक मालिक के रूप में, अपने अधीनस्तों के लिए आपमें एक दिल है । उन्हें ज्यादा उत्साह के साथ प्रदर्शन करने के लिए आपकी प्रशंसा की जरूरत है। उनसे बात करें और उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए आप किसी पार्टी का आयोजन भी कर सकते है । वे इसके लिए आप का आदर करेंगे।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आज का दिन काफी मुश्किलो से भरा रह सकता है और आपको सख्त नियमो का पालन करते हुए काफी कठिनं परिश्रम करना पड़ेगा , लेकिन यह आपके भविष्य की योजनाओं के लिए एक ठोस आधार बनाने में मदद करेगा । आज का परिश्रम आपको भविष्य में फल देगा । हो सकता है की आप अपने सहयोगी की जिम्मेदारी भी ले ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

आज एक नई नौकरी की पेशकश आपके रास्ते में आने की संभावना है। सार्वजनिक क्षेत्र में काम करने वाले लोगों के लिए विशेष रूप से अच्छे अवसर है । आप अपनी नौकरी बदलने के बारे मैं नहीं सोच रहे है और हो सकता है की मौजूदा नौकरी में आप संतुष्ट हो , लेकिन नई नौकरी बेजोड़ अवसरों को अपने साथ लाएगी ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

आपके कार्यस्थल पर कोई अपने घमंड में अपनी उपलब्धियों को गिना सकता है , परन्तु आप बुरा न माने क्यों की वह आपको बुरा महसूस कराना चाहता है। आपने इस अनुपात में पहले ही इन उपलब्धियों को छुआ है । वित्तीय मोर्चे पर आप को पहले ही आपकी जरुरत या उससे ज्यादा ही मिला है जिसे आप संजोके रख सकते है ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

आज आपको विभिन्न भूमिकाओं का क्रियान्वन करना पड सकता है इसलिए दोस्तों से मदद लेने में संकोच न करे । वे सफलता के रास्ते पर आपको एक मजबूत समर्थन दे सकते हैं। छात्रों के लिए ये एक अच्छा दिन हो सकता है और उन्हें एक प्रतिष्ठित संस्थान से डिप्लोमा या डिग्री प्राप्त हो सकती है।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

आप एक महत्वाकांक्षी व्यक्ति हैं और अपने सपनों का पीछा करने के साथ , आप सुनियोजित तरीके से अपनी चीजो को रखते है । दूसरे इस तरह नहीं है लेकिन दूसरों को ये न बताये और समय पर सब छोड़ दे । इस भावना को त्याग दे अन्यथा लोगों को ये गलतफहमी होगी की आप उनके जीवन में हस्तक्षेप करने की कोशिश कर रहे है ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

आज आपको अपनी आय और व्यय का संतुलन करना मुश्किल होगा । आज अपनी आय की वृद्धि के लिए एक दूसरी नौकरी की तलाश शुरू करने के लिए भी ये सबसे अच्छा दिन है। आपको अपनी पसंद के हिसाब से कुछ कार्य मिल सकता है और यह अगले कुछ वर्षों में आपके प्राथमिक कार्य बनने की क्षमता रखता है ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

डीएमएफ घोटाला, 6 हजार पन्नों की चार्जशीट पेश

एसीबी-ईओडब्ल्यू ने रानू, सौम्या और सूर्यकांत समेत 9 लोगों को बनाया आरोपी, अफसर-नेताओं को 25-40% मिला कमीशन

रायपुर, 27 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ डीएमएफ घोटाला केस (डिस्ट्रिक्ट मिनरल फाउंडेशन) में एसीबी-ईओडब्ल्यू की टीम ने रायपुर की स्पेशल कोर्ट में 6000 पन्नों का चालान पेश किया। चार्जशीट में रानू साहू, सौम्या चौरसिया और सूर्यकांत तिवारी समेत 9 लोगों को आरोपी बनाया है। जांच रिपोर्ट में यह पाया गया है कि टेंडर की राशि का 40% सरकारी अफसर को कमीशन के रूप में इसके लिए दिया गया है। प्राइवेट कंपनियों के टेंडर पर 15 से 20% अलग-अलग कमीशन सरकारी अधिकारियों ने ली है।

अरेस्ट आरोपियों में कोरबा डीएमएफ के तत्कालीन नोडल अधिकारी भरोसा राम ठाकुर, तत्कालीन जनपद सीईओ भुनेश्वर सिंह राज, राधेश्याम मिश्रा और वीरेंद्र कुमार राठौर शामिल हैं। सभी 9 आरोपी न्यायिक रिमांड पर जेल में बंद हैं। अगली सुनवाई की तारीख अभी तय नहीं हुई है। दरअसल, 3 मार्च को कोल घोटाले में रानू साहू, सौम्या चौरसिया, सूर्यकांत तिवारी समेत 12 लोगों को सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम जमानत दी थी, लेकिन जमानत मिलने से पहले ही ईओडब्ल्यू ने डीएमएफ मामले में प्रोडक्शन वारंट लेकर तीनों को गिरफ्तार कर लिया था। बाद में एक आरोपी मनोज द्विवेदी की गिरफ्तारी भी हुई थी।

प्रदेश सरकार की ओर से जारी की गई जानकारी के मुताबिक ईडी की रिपोर्ट के आधार पर ईओडब्ल्यू ने धारा 120 बी 420 के तहत केस दर्ज किया है। इस केस में यह तथ्य निकल कर सामने आया है कि डिस्ट्रिक्ट माइनिंग फंड कोरबा के फंड से अलग-अलग टेंडर आवंटन में बड़े पैमाने पर आर्थिक अनियमितताएं की गईं है। टेंडर भरने वालों को अवैध लाभ पहुंचाया गया।

ईडी के तथ्यों के मुताबिक टेंडर करने वाले संजय शिंदे, अशोक कुमार अग्रवाल, मुकेश कुमार अग्रवाल, ऋषभ सोनी और बिचौलिए मनोज कुमार द्विवेदी, रवि शर्मा, पियूष सोनी, पियूष साहू, अब्दुल और शेखर नाम के लोगों के साथ मिलकर पैसे कमाए गए।

ईडी की जांच से पता चला कि ठेकेदारों ने अधिकारियों और राजनीतिक नेताओं को भारी मात्रा में कमीशन का भुगतान किया है, जो कि कांट्रैक्ट का 25% से 40% तक था। रिश्वत के लिए दी गई रकम की एंट्री विक्रेताओं ने आवासीय (अकोमोडेशन) के रूप में की थी।

एंट्री करने वाले और उनके संरक्षकों की तलाशी में कई आपत्तिजनक विवरण, कई फर्जी स्वामित्व इकाई और भारी मात्रा में कैश बरामद हुआ है। तलाशी अभियान के दौरान 76.50 लाख कैश बरामद किया गया। वहीं 8 बैंक खाते सीज किए। इनमें 35 लाख रुपए हैं। इसके अलावा फर्जी डमी फर्मों से संबंधित विभिन्न स्टाम्प, अन्य आपत्तिजनक दस्तावेज और डिजिटल डिवाइस भी जब्त किए गए हैं।

मनी लॉन्ड्रिंग की बात सामने आने के बाद ईडी जांच कर रही है। डीएमएफ वित्त पोषित एक ट्रस्ट है, जिसे छत्तीसगढ़ के सभी जिलों में खनन से संबंधित परियोजनाओं और गतिविधियों से प्रभावित लोगों के लाभ के लिए काम करने के उद्देश्य से स्थापित किया गया है।

जेएसी 10वीं बोर्ड का रिजल्ट जारी, 91.71% छात्र पास

98 .60% मार्क्स के साथ गीतांजलि बनी टॉपर, टॉप-5 में 14 छात्र जिनमें 12 लड़कियां

रांची, 27 मई (एजेंसियां)। झारखंड एकेडमिक काउंसिल ने 10वीं बोर्ड का रिजल्ट जारी कर दिया है। शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन ने मंगलवार को रिजल्ट जारी किया।

2025 मैट्रिक एग्जाम में 91.71 प्रतिशत छात्र सफल रहे हैं। 98.60% मार्क्स के साथ हजारीबाग इंदिरा गांधी बालिका हाईस्कूल की छात्रा गीतांजलि टॉपर बनी हैं। टॉप-5 में 14 छात्र हैं, जिनमें 12 लड़कियां हैं। इन 12 लड़कियों में भी 11 हजारीबाग इंदिरा गांधी बालिका हाईस्कूल की छात्राएं हैं।

शिक्षा मंत्री बोले-इस बार रिजल्ट लेट हुआ

मौके पर शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन ने कहा- 'इस साल परिणाम आने में थोड़ी देर हुई है। अब ऐसा नहीं होगा। हमने इसे सुधारने की तैयारी कर ली है। हमारा प्रयास होगा कि यह और बेहतर हो। हम पूरे सिस्टम को दुरुस्त कर रहे हैं। इसकी मॉनिटरिंग भी होगी।'

उन्होंने सफल छात्रों को बधाई देते हुए कहा- 'यह स्टूडेंट्स की मेहनत का फल है। अभिभावक भी धन्यवाद के पात्र हैं। उन्होंने बच्चों की पढ़ाई पर ध्यान दिया।

यह परिणाम कलेक्टिव मेहनत का परिणाम है।'

स्टूडेंट्स अपना रिजल्ट वेबसाइट जेएसीरिजल्ट.काम और रिजल्ट.डिजिलाकर.गवर्न.इन पर देख सकते हैं।

झारखंड बोर्ड 10वीं का रिजल्ट डिजि लॉकर पर भी देखा जा सकता है।

इसके लिए पहले ही रजिस्ट्रेशन करना होगा। छात्र अपने रोल नंबर और नाम की डिटेल्स से रिजल्ट के लिए रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं।

मैट्रिक में कुल 4 लाख 33 हजार स्टूडेंट थे शामिल

झारखंड एकेडमिक काउंसिल की ओर से ली गई मैट्रिक की परीक्षा में कुल 4 लाख 33 हजार स्टूडेंट थे। 1297 केंद्रों पर परीक्षा हुई थी। पहली पाली में 9:45 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक मैट्रिक की परीक्षा हुई थी।

पिछले साल झारखंड बोर्ड की 10वीं की परीक्षा में कुल 3 लाख 78 हजार 398 छात्र शामिल हुए थे। जिनमें से 90.39 फीसदी छात्र सफल हुए थे।

झारखंड बोर्ड 10वीं की परीक्षा 11 फरवरी से 9 मार्च के बीच हुई थी, जिसमें 4 मार्च से 20 मार्च तक प्रैक्टिकल एग्जाम हुए थे।

रिजल्ट डिक्लेयर होने के बाद मार्कशीट स्कूलों को भेज दी जाएगी। स्कूल से स्टूडेंट्स अपनी ओरिजिनल मार्कशीट कलेक्ट कर सकेंगे।

मार्कशीट में स्टूडेंट की पर्सनल डिटेल्स के साथ हर सब्जेक्ट में स्कोर किए मार्क्स और टोटल स्कोर देख सकेंगे। टोटल 500 मार्क्स में से 300 स्कोर करने वाले स्टूडेंट्स को फर्स्ट डिवीजन में पास माना जाएगा।

क्लास 10 के स्टूडेंट्स को झारखंड बोर्ड परीक्षा 2025 में पास होने के लिए हर सब्जेक्ट में कम से कम 33% मार्क्स हासिल करना कम्पल्सरी है। ऑफिशियल रिजल्ट अनाउंस होने के बाद, जो स्टूडेंट्स किसी भी सब्जेक्ट में अपने स्कोर से नाखुश हैं, वो रि चेक के लिए फाइल या स्क्रूटनी के लिए अप्लाय कर सकते हैं। अगर स्टूडेंट क्लास 10 के मेन एग्जाम में एक या दो सब्जेक्ट में फेल हो जाते हैं, तो वे जेएसी मैट्रिक सप्लिमेंटरी एग्जाम के लिए अप्लाय कर सकते हैं।

बसवा राजू समेत 8 नक्सलियों का नारायणपुर में अंतिम संस्कार

पुलिस बोली- डेडबॉडी सड़ रही थी, मजिस्ट्रेट के आदेश के बाद जलाया

जगदलपुर, 27 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर में सोमवार शाम टॉप नक्सल लीडर बसवा राजू का अंतिम संस्कार कर दिया गया। बसवा के साथ ही पुलिस ने 8 नक्सलियों का अंतिम संस्कार किया है। पुलिस का कहना है कि, डेडबॉडी सड़ रही थी इसलिए मजिस्ट्रेट के आदेश के बाद जलाया गया है।

बता दें कि, बस्तर के अबूझमाड़ में 21 मई को मुठभेड़ हुई थी। इसमें 10 करोड़ रुपए के इनामी नक्सली बसवा राजू समेत 27 नक्सली मारे गए थे। 8 नक्सलियों के शवों का पुलिस ने अंतिम संस्कार कर दिया है। जबकि, 20 नक्सलियों के शवों को परिजनों को सौंप दिया गया है। नारायणपुर एसपी प्रभात कुमार ने इसकी पुष्टि की है।

कुडमेल-कलहाजा-जाटलूर मुठभेड़ में मारे गए 27 नक्सलियों में से 20 के शव दावे के सत्यापन के बाद उनके परिजनों को सौंप दिए गए हैं। माओवादी कैडर कोसी उर्फ हुंगी के परिजन 26 मई को शव लेने नारायणपुर पहुंचे थे, शव के कारण संक्रामक रोग फैलने की आशंका को देखते हुए, अंतिम संस्कार नारायणपुर मुख्यालय में ही करवाने का अनुरोध किया। वहीं बाकी 7 नक्सलियों के शवों के लिए कोई स्पष्ट कानूनी दावा नहीं आया। इनमें सीपीआई (माओवादी) के महासचिव बसवा राजू का शव भी शामिल था। इन 7 शवों का अंतिम संस्कार कार्यपालक मजिस्ट्रेट के आदेशानुसार नारायणपुर में किया गया। वहीं, कोसी हुंगी का अंतिम संस्कार नारायणपुर में ही परिजनों द्वारा किया गया।

ये हथियार हुए थे बरामद

एके 47 राइफल- 3 नग
एसएलआर- 4 नग
इंसास राइफल- 6 नग
कार्बाइन- 01 नग
.303 राइफल- 06 नग
बीजीएल लॉन्चर- 01 नग
सुरका (रॉकेट लॉन्चर)- 2 नग
12 बोर बंदूक- 02 नग
पिस्तौल- 01 नग
भरमार- 2 नग

12 घंटे से पुलिस-माओवादियों के बीच मुठभेड़

नक्सली कमांडर तुलसी भुइयां हुआ ढेर, 1 एसएलआर राइफल बरामद, सर्च अभियान जारी

पलामू, 27 मई (एजेंसियां)। झारखंड के पलामू में सोमवार की शाम से पुलिस और नक्सलियों के बीच चल रहा मुठभेड़ अब भी जारी है। 12 घंटे से अधिक समय से चल रहे इस मुठभेड़ में पुलिस ने टॉप नक्सली कमांडर तुलसी भुइयां को मार गिराया है। वहीं एक एसएलआर राइफल बरामद किया गया है। मौके पर एसपी रिष्मा रमेशन भी पहुंची हुई हैं। इलाके में सर्च अभियान भी साथ-साथ चलाया जा रहा है। यह मुठभेड़ हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के महुदंड पंचायत स्थित नईया जंगल में चल रहा है। मिली जानकारी के अनुसार पुलिस को खुफिया सूचना मिली थी कि 15 लाख रुपए का इनामी माओवादी नीतेश यादव का दस्ता महुदंड पिकेट के पास जंगली क्षेत्र में मौजूद है। इस दस्ते में करीब 6 माओवादी सदस्य हैं।

जानकारी मिलते ही अभियान एसपी राकेश कुमार के नेतृत्व में सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। इस अभियान में हुसैनाबाद एसडीपीओ, जगुआर और पुलिस की टीम शामिल है।

माओवादियों को पुलिस के पहुंचने की भनक मिली तो उन्होंने फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की।

पति ने की पत्नी, दो बच्चों की हत्या

देर रात सभी का सिर सिलबट्टे से कूचा ससुराल में रहता था, सास ने भागते देखा

रांची, 27 मई (एजेंसियां)। रांची में एक महिला और उसके दो बच्चों की हत्या का मामला सामने आया है। हत्या का आरोप पति पर है। बताया जा रहा है कि सोमवार देर रात करीब एक बजे आरोपी पति ने सिलबट्टे से कूचकर पत्नी और दो छोटे बच्चों की हत्या कर दी।

बताया जा रहा है कि आरोपी राज मिस्त्री का काम करता है और वो अपने परिवार के साथ ससुराल में रहता था। मामला मैकलुस्कीगंज थाना क्षेत्र के ढुब बस्ती का है। ट्रिपल मर्डर की खबर फैलते ही आसपास के क्षेत्रों में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही मैकलुस्कीगंज थाना प्रभारी धनंजय बैठा, खलारी डीएससी रामनारायण चौधरी घटना स्थल पर पहुंचे। तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए रिम्स रांची भेज दिया गया है। पुलिस ने घटनास्थल से खून से सने सिलबट्टे को बरामद कर लिया है। साथ ही फरार अपराधी को धमधमिया के पास से ही गिरफ्तार कर लिया गया है।

आरोपित रवि लोहरा (पिता लुई लोहरा) खलारी का रहने वाला है। आरोप है कि उसने पत्नी रेणु देवी उर्फ पारो देवी(28), बेटा आरुष कुमार (7), बेटी आरोही कुमारी (4) को सिलबट्टे से सिर कूचकर मार डाला।

घटना का पता पता तब चला जब आरोपी की सास मंजरी देवी रात में शौच के लिए उठी। बेटी के घर का दरवाजा खुला देखा और अपने दामाद रवि को घर से निकलते देखा तो घर के अंदर जाकर देखा। घर में उसकी बेटी, और नाती-नातिन खून से लथपथ बिस्तर पर पड़े थे। जिसके बाद मंजरी देवी ने शोर मचाया। उनकी आवाज सुनकर रवि का साला भी उठा और अपने बहन के रुम की ओर भागा, जहां तीनों को मृत पाया। जिसके बाद परिजनों ने पुलिस को खबर की।

घटना को लेकर मृतका के भाई चंदन लोहरा ने मैकलुस्कीगंज थाने में लिखित मामला दर्ज कराया है। चंदन लोहरा ने बताया कि- उसका जीजा रवि लोहरा अपनी पत्नी और बच्चों के साथ डेढ़ साल अपने ससुराल ढुब में रह रहा था। वह राज मिस्त्री का काम करता था और अपने परिवार का पालन पोषण कर रहा था। लगभग 20 दिन पहले आरोपी काम के सिलसिले में गढवा के नगर उटारी गया था। 23 मई को वो रांची लौटा था।

दो दिन रांची में बिताने के बाद 25 मई को अपने घर गया था। दिन में सबकुछ सामान्य था। रवि लोहरा अपने बच्चों को बाल कटवाने ले गया था, रात में घर में मुर्गा भात बना था।

8 साल कैद में रहे 4 तेंदुए, एक की मौत

नंदनवन में पर्यटकों से दूर सीक्रेट-पिंजरे में रखा, खुलासे के बाद जंगल-सफारी में शिफ्टिंग

रायपुर, 27 मई (एजेंसियां)। रायपुर के नंदनवन चिड़ियाघर में 8 साल से नजरबंद कर रखे गए 3 तेंदुए और एक लकड़बग्घे को जंगल सफारी शिफ्ट किया गया है। एक तेंदुए की कुछ दिनों पहले मौत हो चुकी है। खुलासे के बाद वन विभाग ने इनकी शिफ्टिंग के लिए 2 हफ्ते की डेडलाइन तय की थी।

4 हफ्ते बाद, 26 मई को जंगल सफारी की टीम नंदनवन पहुंची। शिफ्टिंग की प्रक्रिया शुरू होने ही वाली थी कि नंदनवन के ग्रामीणों ने टीम को घेर लिया। कैज को रोककर हंगामा शुरू कर दिया। इनका तर्क था कि नंदनवन से एक-एक कर सभी

वन्यजीव जंगल सफारी ले जाए जा रहे हैं, यहां क्या बचेगा?

पर्यटकों को यहां क्या दिखाएंगे? पर्यटक वैसे ही कम हैं और कम हो जाएंगे। डेढ़-2 घंटे जमकर हंगामा चला। घटना की जानकारी रायपुर ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू तक पहुंची। उन्होंने ग्रामीणों को समझाया। इसके बाद ग्रामीण राजी हुए। अब 8 साल से कैद वन्यजीवों की शिफ्टिंग की गई। दरअसल, वन विभाग की लापरवाही, अधिकारियों के गैर जिम्मेदाराना रवैये की वजह से 8 साल से बेजुबान सीमेंट से बने 10x10 के पक्के पिंजरे में कैद थे। सलाखें थी, जहां से ये बाहर देख पाते थे। यहीं बैठे रहते थे।

खुलासा हुआ था कि वन विभाग ने अटारी नंदनवन में इन्हें पर्यटकों से दूर, छिपाकर रखा था। वह भी 1, 2 महीने या साल, दो साल से नहीं बल्कि पूरे 8 सालों से।

इनके ऊपर अत्याचार की इंतहा यह थी कि ये पिंजरे से एक दिन भी इन्हें बाहर नहीं निकाला गया। जिस जगह इन्हें रखा गया था, वह प्रतिबंधित क्षेत्र था। कभी-कभार अफसर जाते हैं, या फिर जांच के लिए डॉक्टर।

लाखों की ज्वेलरी ले उड़े चोर

गिरिडीह, 27 मई (एजेंसियां)। गिरिडीह नगर थाना क्षेत्र के करबला रोड स्थित जेपी नगर में चोरों ने एक बंद घर को निशाना बनाते हुए करीब 5 लाख रुपए से अधिक की संपत्ति पर हाथ साफ कर दिया। घटना की जानकारी मंगलवार सुबह को हुई। घर मालिक अमित कुमार शनिवार को अपनी बहन के घर कोडरमा गए थे। मंगलवार सुबह लौटे तो उनके होश उड़ गए। उन्होंने देखा कि घर का मुख्य गेट और खिड़की का ताला टूटा हुआ है। अंदर घुसे तो पूरा सामान बिखरा पड़ा था। गोदरेज की अलमारी टूटी थी। उसमें रखे करीब 50 से 60 हजार रुपए नकद और सोने-चांदी के जेवरात गायब थे। चोर किचन का कीमती सामान भी उठा ले गए।

गौरेला में अजीत जोगी की मूर्ति हटाने पर बवाल

बीजेपी बोली- डॉ मुखर्जी की प्रतिमा लगेगी, अमित बोले-पिता की मूर्ति लगेगी या मेरी अर्थी उठेगी

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, 27 मई (एजेंसियां)। गौरेला में छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी की मूर्ति हटाए जाने का विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। प्रशासन ने जोगी समर्थकों को प्रतिमा फिर से स्थापित करने से मना कर दिया है। एसडीएम ऋचा चंद्राकर सहित पुलिस प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची।

अमित जोगी ने कहा कि या तो यहां दिवंगत अजीत जोगी की मूर्ति लगेगी या यहां से मेरी अर्थी उठेगी। उन्होंने ये भी कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और उपमुख्यमंत्री अरुण साव से बात हुई थी, उन्होंने मूर्ति लगाने का आश्वासन दिया था।

वहीं इस पर सीएम साय ने कहा कि, प्रशासन से जानकारी मंगाई गई है। उस आधार पर कार्रवाई होगी।

इधर, अफसरों ने अनुमति के बाद नियम से मूर्ति लगाने की बात कही है।

इस पर जोगी समर्थकों और अधिकारियों के बीच बहस देखने को मिली। जोगी समर्थकों ने मूर्ति स्थापित करने की अनुमति नहीं देने पर बड़े आंदोलन की चेतावनी दी है। बता दें कि अजीत जोगी के बेटे अमित जोगी समर्थकों के साथ मंगलवार रात से धरने पर बैठे हैं।

बता दें कि ज्योतिपुर चौक में मूर्ति को लेकर हुए विवाद के संबंध में भाजपा नेताओं ने एसडीएम को एक ज्ञापन सौंपा है। उन्होंने बताया कि नगर पालिका परिषद की सामान्य सभा में पारित प्रस्ताव में डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा लगाना प्रस्तावित है। लेकिन ठेकेदार ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जगह अजीत जोगी की मूर्ति लगा दी है।

बीजेपी जिला अध्यक्ष लालजी यादव ने कहा कि 22 मई 2025 को मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने पत्र जारी कर किसी अन्य की मूर्ति को हटाने का निर्देश जारी किया गया है।

बिना अनुमति के अजित जोगी की प्रतिमा लगाई गई। मूर्ति लगाने वाले के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। भाजपा नेताओं के इस ज्ञापन के बाद एसडीएम ऋचा चंद्राकर ने अमित जोगी और अन्य जेसीसी के नेताओं को सुबह तक यथास्थिति बनाए रखने का निर्देश दिए थे।

गौमांस खिलाया, कलमा पढ़ाया, पूजा करना बंद कराया

युवती बोली- धर्म परिवर्तन नहीं करने पर पीटा, अबॉर्शन कराया, सोशल मीडिया पर अश्लील फोटो डाली

भिलाई, 27 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में धर्म परिवर्तन के लिए युवती को प्रताड़ित करने का मामला सामने आया है। युवती ने कहा कि उसे गौ-मांस खिलाकर धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर किया गया, ऐसा नहीं करने पर मारपीट की गई। उसका 2 बार अबॉर्शन कराया। इसके बाद जब बच्चा हुआ तो उसकी मर्जी के बिना 5 साल के मासूम का खतना किया गया।

लड़की की शिकायत पर भिलाई नगर थाने में आरोपी बादशाह खान के खिलाफ रेप और मारपीट का मामला दर्ज किया गया है। पीड़िता ने डिजिटल से अपनी आपबीती बताई है। युवती (26) ने बताया कि कोर्ट में उसका केस चल रहा है। वह दूसरे जिले की रहने वाली है। साल 2016 में उसकी मुलाकात भिलाई हॉस्पिटल सेक्टर सड़क नंबर 9 निवासी बादशाह खान (28) से हुई थी। दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ी और बादशाह खान ने उसे झूठे प्यार का वादा किया। वह उस समय वह 17 साल की थी, इसके बाद भी वो उसे अपने घर ले गया और शादी का वादा करके उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। यह सिलसिला कई साल तक चला। इस दौरान लड़की 2 बार गर्भवती हुई तो बादशाह ने उसका अबॉर्शन करा दिया। तीसरी बार फिर से लड़की गर्भवती हुई तो उसने फिर से उसे बच्चा गिराने की दवा खिलाना चाहा, लेकिन लड़की जिद पर अड़ गई। इसके बाद बादशाह ने एक उर्दू में लिखे पेपर पर साइन करके उसे बोला कि वो दोनों आज से पति-पत्नी हैं। आधिकारिक तौर पर दोनों ने शादी या निकाह नहीं किया है। लड़की ने बताया कि वो अपना धर्म नहीं छोड़ना चाहती थी। बादशाह ने उसे कहा कि उसे उसके धर्म से कोई तकलीफ नहीं है। वो उसके साथ शादी के बाद भी अपने हिंदू धर्म में रह सकती है। लेकिन जैसे ही युवती ससुराल गई, ससुराल वालों ने उसे मुस्लिम धर्म अपनाने का दबाव बनाना शुरू कर दिया।

गांजा सप्लाई का बड़ा नेटवर्क बेनकाब

पाकुड़, 27 मई (एजेंसियां)। पाकुड़ नगर थाना क्षेत्र के बड़ी अलीगंज में पुलिस ने गांजा स्मॉगलिंग नसीम आलम को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। उसके घर से 3 किलो 373 ग्राम गांजा बरामद किया गया है, जिसकी बाजार में कीमत करीब दो लाख रुपए आंकी गई है। नसीम पर आरोप है कि वह शहर के अलग-अलग इलाकों में छोटे विक्रेताओं को गांजा की सप्लाई करता था। एसडीपीओ डीएन आजाद ने बताया कि एसपी को इलाके में गांजा की अवैध बिक्री की सूचना मिली थी। एक विशेष टीम का गठन किया गया, जिसमें प्रखंड विकास पदाधिकारी समीर अल्फ्रेड मुर्मू, नगर थाना प्रभारी प्रयाग दास समेत कई पुलिसकर्मी शामिल थे।

इंजीनियर ने टीचर पत्नी को बोलेरो से कुचलकर मार-डाला

गाड़ी से उतरा, सांसें चलने पर रॉड से मारा, बालोद में साथी संग रेकी के बाद मर्डर

बालोद, 27 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में पति ने अपनी टीचर पत्नी को बोलेरो से कुचला, फिर रॉड से पीट-पीटकर मार डाला। मर्डर के बाद पत्नी की मौत को हादसा दिखाने की भी कोशिश की थी, लेकिन सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पकड़ा गया। मामला दल्लीराजहरा थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के मुताबिक मृतिका का नाम बरखा वासनिक (35) है। वह डौंडी विकासखंड में शेरपार हायर सेकेंडरी स्कूल में शिक्षिका के पद पर पदस्थ थीं। आरोपी पति का नाम शिशपाल वासनिक है। वह बिजली विभाग में इंजीनियर के पद पर पदस्थ है।

दरअसल, 22 मार्च 2025 को

स्कूल से छुट्टी के बाद बरखा वासनिक स्कूल के प्यून के साथ स्कूटी से दुर्ग लौट रही थीं। वह हितेकसा गांव के मंदिर के पास पहुंचे थे, तभी उन्हें बोलेरो ने टक्कर मार दी। बरखा और प्यून गंभीर रूप से घायल हो गए।

इस दौरान बरखा की सांसें चल रही थीं। इसके बाद शिशपाल बोलेरो से नीचे उतरा। लोहे के रॉड से उस पर कई वार किए, जिसके उसकी मौके पर मौत हो गई। पहली नजर में यह महज एक सड़क हादसा लगा, लेकिन बरखा के परिजनों को इस पर शक हुआ।

उन्होंने हत्या की आशंका जताई। परिजनों ने थाने से लेकर एसपी के कार्यालय के चक्कर काटे। सीसीटीवी फुटेज, बोलेरो नम्बर और स्कूल के बच्चों के दिए जा रहे बयान के बाद पुलिस को मामले की दोबारा जांच शुरू करनी पड़ी।

जांच में पता चला कि पति-पत्नी के बीच अनबन थी। दोनों के बीच रिश्ते अच्छे नहीं थे। पत्नी बच्चों को लेकर दुर्ग में अलग रह रही थी। इस बात से इंजीनियर नाराज था। शिशपाल ने पत्नी को मारने की साजिश रची। बरखा के आने-जाने की टाइमिंग, रास्ता और रोजमर्रा की आदतों की रेकी कर हत्या की।

दल्लीराजहरा पुलिस ने पति शिशपाल और उसके सहयोगी को पकड़ा है। बालोद पुलिस आज इस मामले का खुलासा करेगी। एएसपी मोनिका ठाकुर ने कहा कि मामले की जांच जारी है। कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

पाकिस्तान बोला- पीएम मोदी का बयान नफरत फैलाने वाला

मोदी ने कल कहा था- अपनी रोटी खाओ, वरना मेरी गोली तो है ही

इस्लामाबाद, 27 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हालिया बयान पर एतराज जताया है। पाक विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि पीएम मोदी ने जिस तरह से हिंसा की बात की, वह एक न्यूक्लियर ताकत रखने वाले देश के नेता को शोभा नहीं देता।

दरअसल पीएम मोदी ने सोमवार को गुजरात में सभा के दौरान कहा था कि भारत पर आंख उठाने वाले को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने पाकिस्तान को चेतावनी दी कि सुख-चैन से जियो, अपने हिस्से की रोटी खाओ, नहीं तो मेरी गोली तो है ही।

इस पर पाकिस्तान ने कहा, मोदी का बयान सिर्फ नफरत फैलाने वाला नहीं है, बल्कि इससे क्षेत्रीय शांति को खतरा भी है। हम शांति चाहते हैं, लेकिन अगर हमें खतरा हुआ तो उसका जवाब देंगे।

पाकिस्तान ने आरोप लगाया कि भारत सरकार इस तरह के बयानों से जम्मू-कश्मीर में हो रहे मानवाधिकार उल्लंघनों से ध्यान हटाना चाहती है। उसने खुद को शांति का समर्थक बताते हुए कहा कि वह यूएन मिशन में सबसे आगे रहा है और आतंकवाद के

खिलाफ वैश्विक लड़ाई में उसने अहम भूमिका निभाई है।

पाकिस्तान ने कहा कि भारत को सच में उग्रवाद की चिंता है, तो उसे अपने देश में बढ़ते बहुसंख्यकवाद, धार्मिक असहिष्णुता और अल्पसंख्यकों के साथ हो रहे अन्याय की तरफ ध्यान देना चाहिए।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने सोमवार को कश्मीर और जल सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भारत के साथ बातचीत की इच्छा जताई। शरीफ ईरान दौरे पर हैं। यहां ईरानी राष्ट्रपति मसूद पजशकियान के साथ राजधानी तेहरान में जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने यह बात कही।

शरीफ ने भारत के साथ सैन्य संघर्ष के दौरान ईरान के समर्थन के लिए पजशकियान का आभार जताया। उन्होंने जोर देकर कहा कि दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक और ऐतिहासिक रिश्ते हैं।

पाकिस्तानी पीएम 25 मई से 30 मई तक तुर्किये, ईरान, अजरबैजान और ताजिकिस्तान देशों के दौरे पर हैं। यहां पर भारत के साथ हुए तनाव को लेकर पाकिस्तान के पक्ष रखेंगे।

शरीफ 29-30 मई को ताजिकिस्तान की राजधानी दुशान्बे में ग्लेशियर्स पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भी भाग लेंगे।

पहलगाम हमले के बाद भारत ने रोका था सिंधु जल समझौता

22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगाम में 5 आतंकियों ने 26 टूरिस्ट्स की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इसके अगले दिन पीएम नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई बैठक में पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए भारत ने 5 बड़े फैसले लिए थे।

इसमें 65 साल पुरानी सिंधु जल संधि को रोका गया था। अटारी चेक पोस्ट बंद कर दिया गया था। वीजा बंद कर दिया गया और उच्चायुक्तों को हटा दिया था।

इसके बाद 7 मई को भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान में मौजूद कई आतंकी ठिकानों को एयर स्ट्राइक करके तबाह कर दिया था। दोनों देशों में 4 दिन तक संघर्ष चला था, जिसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने 10 मई को सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए सीजफायर की जानकारी दी थी।

भारत-पाकिस्तान के बीच का सिंधु जल समझौता क्या है?

सिंधु नदी प्रणाली में कुल 6 नदियां हैं- सिंधु, झेलम, चिनाब, रावी, ब्यास और सतलुज। इनके किनारे का इलाका करीब 11.2 लाख वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है। इसमें 47% जमीन पाकिस्तान, 39% जमीन भारत, 8% जमीन चीन और 6% जमीन अफगानिस्तान में है। इन सभी देशों के करीब 30 करोड़ लोग इन इलाकों में रहते हैं।

1947 में भारत और पाकिस्तान के बंटवारे के पहले से ही भारत के पंजाब और पाकिस्तान के सिंध प्रांत के बीच नदियों के पानी के बंटवारे का झगड़ा शुरू हो गया था। 1947 में भारत और पाक के इंजीनियरों के बीच 'स्टैंडस्टिल समझौता' हुआ। इसके तहत दो मुख्य नहरों से पाकिस्तान को पानी मिलता रहा। ये समझौता 31 मार्च 1948 तक चला।

चीन के शानदोंग प्रांत में केमिकल प्लांट में जोरदार धमाका

राहत और बचाव कार्य जारी, कोई हताहत नहीं

बीजिंग, 27 मई (एजेंसियां)। चीन के पूर्वी शानदोंग प्रांत में स्थित एक रासायनिक संयंत्र (केमिकल प्लांट) की वर्कशॉप में मंगलवार को जोरदार धमाका हुआ। आधिकारिक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, अभी तक किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं मिली है। राज्य-नियंत्रित शिन्हुआ न्यूज एजेंसी ने बताया कि धमाके के बाद आपातकालीन टीमें तुरंत शानदोंग प्रांत के गाओमी शहर में स्थित फैक्टरी पहुंचीं। चीन के आपातकालीन प्रबंधन मंत्रालय ने भी हादसे की जानकारी मिलते ही एक विशेष टीम को घटनास्थल के लिए रवाना किया, जिसमें दमकल कर्मी, चिकित्सा विशेषज्ञ और कार्यस्थल सुरक्षा विशेषज्ञ शामिल हैं। अब तक कुल 232 स्थानीय दमकलकर्मियों को राहत और बचाव कार्य के लिए मौके पर भेजा गया है। हालात पर नजर रखी जा रही है। विस्तृत जानकारी का इंतजार है।

ट्रम्प के परिवार को 13 हजार करोड़ का गिफ्ट

वियतनाम ने गोल्फ रिसोर्ट दिया, अमेरिका से दोस्ती बढ़ाने की कोशिश कर रहे देश

वाशिंगटन, 27 मई (एजेंसियां)। डोनाल्ड ट्रम्प की सत्ता में वापसी के बाद से उनके परिवार की कारोबारी गतिविधियों में नई हलचल दिख रही है। वियतनाम और इंडोनेशिया जैसे एशियाई देश अब ट्रम्प कुनबे को अरबों डॉलर के प्रोजेक्ट्स देकर अमेरिका से रिश्ते बेहतर करने की होड़ में लग चुके हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि इन सौदों में कई देश कानूनी प्रक्रियाओं को नजरअंदाज कर कानूनी रियायतें दें रहे हैं। वियतनाम के विन फुक प्रांत में 13 हजार करोड़ का 'ट्रम्प इंटरनेशनल गोल्फ रिसोर्ट' प्रोजेक्ट ऐसा ही मामला है। इसे वियतनाम की सरकार ने राष्ट्रीय प्राथमिकता बताकर मंजूरी दे दी।

इसमें भूमि अधिग्रहण और वित्तीय जांच जैसी प्रक्रियाओं को दरकिनार कर दिया गया है। सूत्रों के मुताबिक यह परियोजना ट्रम्प के कुनबे से जुड़ी है, इसलिए इसे कानूनी प्रक्रिया का पालन किए बिना मंजूरी दी गई।

वहीं, इंडोनेशिया के बाली और वेस्ट जावा में भी ट्रम्प कुनबे को होटल और गोल्फ कोर्स जैसे प्रोजेकट ऑफर किए गए हैं। इनमें भी कानूनी प्रक्रियाओं को

नजरअंदाज किया गया है।

वियतनाम और इंडोनेशिया के अलावा ट्रम्प कुनबे को तुर्किये व अजरबैजान जैसे देश भी साधने में लगे हैं।

तुर्किये के इस्तांबुल में ट्रम्प टावर्स रेसिडेंशियल और ऑफिस कॉम्प्लेक्स जैसे प्रोजेक्ट ट्रम्प के परिवार को ऑफर किए गए हैं। इन प्रोजेक्ट्स में डोगान होल्डिंग से साझेदारी हुई है। वह तुर्किये के राष्ट्रपति रेचेप तैयब एर्दोगान की पार्टी एकेपी के करीबी माने जाते हैं।

अजरबैजान का ट्रम्प इंटरनेशनल होटल। यह प्रोजेक्ट बिजनेसमैन मम्मदोव के साथ मिलकर किया जा रहा है। यहां वित्तीय लेन-देन की पारदर्शिता पर सवाल उठे हैं।

फिलीपींस भी ट्रम्प कुनबे को प्रोजेक्ट देने पर विचार कर रहा है। सूत्रों के अनुसार, यहां ट्रम्प को प्रोजेक्ट ऑफर करने के लिए परदे के पीछे लॉबिंग की जा रही है।

पाकिस्तान की शहबाज सरकार ने ट्रम्प की साझेदारी वाले एआई प्रोजेक्ट के लिए दो हजार मेगावाट बिजली आवंटित की है। इस बिजली का इस्तेमाल कर बिटकॉइन माइनिंग की जाएगी। साथ ही एआई डेटा सेंटर्स में भी इस बिजली का इस्तेमाल होगा।

एर्दोगन ने पाकिस्तान के फील्ड मार्शल मुनीर को दी बधाई

फिर दिखी दोनों देशों की नापाक दोस्ती

अंकारा, 27 मई (एजेंसियां)। तुर्किये और पाकिस्तान का नापाक गठजोड़ लगातार मजबूत हो रहा है। यही वजह है कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख आसिम मुनीर समेत कई नेताओं का प्रतिनिधिमंडल अपनी चार देशों की यात्रा के पहले पड़ाव पर तुर्किये ही पहुंचा है। तुर्किये पहुंचने पर पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल का जोरदार स्वागत किया गया। इस दौरान तुर्किये के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन ने पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर को उनके प्रमोशन की बधाई भी दी।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने रविवार रात इस्तांबुल में तुर्किये के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन से मुलाकात की। इस मुलाकात में शहबाज शरीफ ने एर्दोगन को भारत के खिलाफ समर्थन देने के लिए शुक्रिया अदा किया। उल्लेखनीय है कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद जब भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर था तो तुर्किये ने ही खुलकर पाकिस्तान का समर्थन किया था। पाकिस्तान ने जिन ड्रोन्स से भारत पर हमला किया, वे ड्रोन्स तुर्किये ने ही पाकिस्तान को दिए थे।

बांग्लादेश आर्मी बोली- तख्तापलट की अटकलें गलत

ऐसा इरादा नहीं, आर्मी चीफ ने कहा था- यूनुस सरकार सीमा मसले पर फैसला नहीं ले सकती

ढाका, 27 मई (एजेंसियां)। बांग्लादेश की सेना ने देश में अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस के तख्तापलट की अटकलों को अफवाह बताया है। बांग्लादेशी अखबार डेली स्टार के मुताबिक सेना मुख्यालय के सीनियर अधिकारियों ने सोमवार को ढाका कैंट में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि ऐसी कोई चर्चा नहीं हुई है और हमारा ऐसा कोई इरादा नहीं है।

दूसरी तरफ सेना ने रखाइन कॉरिडोर को संवेदनशील मुद्दा बताते हुए समझौता नहीं करने की बात कही। पत्रकारों के एक सवाल के जवाब में सेना ने कहा, कॉरिडोर एक संवेदनशील मुद्दा है। बांग्लादेश की सेना कभी भी ऐसी किसी कार्रवाई में शामिल नहीं होगी जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता हो।

बांग्लादेश में पिछले हफ्ते अंतरिम सरकार और सेना के बीच टकराव खुलकर सामने आया था। आर्मी चीफ जनरल वकार-उज-जमा ने 22 मई को सैन्य मुख्यालय में अपने अधिकारियों को संबोधित करते हुए स्पष्ट कहा कि आम चुनाव इस साल दिसंबर से आगे नहीं टलने चाहिए।

आर्मी चीफ ने चेतावनी दी कि यूनुस की अगुवाई वाली अंतरिम सरकार के पास संवेदनशील राष्ट्रीय मुद्दों पर निर्णय लेने का कोई नैतिक या संवैधानिक अधिकार नहीं है। रखाइन कॉरिडोर के मुद्दे पर सेना मार्च से ही कह रही है कि हमारी सहमति के बिना इसे बनाना अवैध है।

म्यांमार सीमा पर गलियारा बनाने को लेकर सरकार-सेना में टकराव

दरअसल, बांग्लादेश में म्यांमार सीमा पर रखाइन जिले में मानवीय गलियारा बनाने की कथित योजना को लेकर सेना और सरकार आमने-सामने है। बांग्लादेश के विदेश सलाहकार तौहीद हुसैन ने घोषणा की थी कि अंतरिम सरकार ने अमेरिका की तरफ से प्रस्तावित रखाइन कॉरिडोर पर सहमति व्यक्त कर दी है। जब यह बात सेना को पता चली तो उनकी तरफ से नाराजगी जताई गई। आर्मी चीफ वकार ने 21 मई को इसे खूनी कॉरिडोर बताया और अंतरिम सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि बांग्लादेश की सेना कभी भी किसी ऐसी गतिविधि में शामिल नहीं होगी जो संप्रभुता के लिए हानिकारक हो। न ही किसी को ऐसा करने की इजाजत दी जाएगी।

इसके बाद यूनुस सरकार ने यू-टर्न लेते हुए कहा कि उन्होंने किसी भी देश के साथ म्यांमार सीमा पर रखाइन कॉरिडोर को लेकर समझौता नहीं किया है।

यूनुस बांग्लादेश सरकार के मुख्य सलाहकार बने रहेंगे

बांग्लादेश में जारी राजनीतिक उथल पुथल के बीच सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस अपने पद पर बने रहेंगे। इससे पहले माना जा रहा था कि वो राजनीतिक और सैन्य दबाव के चलते इस्तीफा दे सकते हैं।

मोहम्मद यूनुस ने शनिवार को सलाहकार परिषद की एक बैठक बुलाई थी। इस बैठक के बाद प्लानिंग एडवाइजर वाहिदुद्दीन महमूद ने कहा- मोहम्मद यूनुस हमारे साथ बने रहेंगे। उन्होंने कहा कि हम लोगों को भी नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। सलाहकार परिषद की एक बैठक के बाद जल्द मंत्रियों के साथ बैठक होगी।

वहीं, सेना प्रमुख वकार-उज-जमां ने स्पष्ट रूप से दिसंबर तक चुनाव कराने का अल्टीमेटम दिया है। दूसरी ओर, विपक्षी दल बीएनपी और जमात-ए-इस्लामी के बीच चुनाव को लेकर चर्चा और सड़कों पर संघर्ष की रणनीतियां बन रही हैं।

पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने भी यूनुस पर दबाव बढ़ाते हुए दिसंबर में चुनाव कराने की मांग दोहराई है।

पार्टी ने चेतावनी दी है कि अगर सरकार जल्द चुनावी रोडमैप तैयार कर इसकी सार्वजनिक घोषणा नहीं करती, तो उनका सरकार के साथ सहयोग जारी रखना मुश्किल हो जाएगा।

मस्क दूसरे ग्रहों पर इंसानी बस्ती बसाने का प्लान बताएंगे

कहा-मानवता को बचाने के लिए जरूरी, दुनिया का सबसे ताकतवर रॉकेट लॉन्च करेंगे

वॉशिंगटन, 27 मई (एजेंसियां)। स्पेसएक्स के सीईओ इलॉन मस्क आज रात इंसानों को मंगल जैसे दूसरे ग्रहों पर बसाने की योजना के बारे में बताएंगे। वे सोशल मीडिया X पर रात 10:25 बजे लाइव आएंगे। इस कार्यक्रम का नाम 'रोड टु मेकिंग लाइफ मल्टीप्लैनेरी' है। मस्क का मानना है कि अगर भविष्य में पृथ्वी पर कोई बहुत बड़ा हादसा हो जाए, तो मंगल ग्रह मानवता को बचाने का एक तरीका बन सकता है। वे कह चुके हैं कि इंसानों को केवल एक ग्रह पर सीमित नहीं रहना चाहिए। अगर हम कई ग्रहों पर बस जाएं, तो मानव सभ्यता का लंबे समय तक टिके रहना ज्यादा संभव हो जाएगा।

मस्क के मल्टीप्लैनेरी प्रोग्राम के कुछ ही घंटे बाद स्पेसएक्स 28 मई को स्टारशिप की फ्लाइट टेस्ट करेगा। यह टेक्सास के स्टारबेस नाम की जगह से लॉन्च होगा। स्टारशिप को दुनिया का सबसे ताकतवर रॉकेट कहा जाता है।

मस्क ने सोमवार को कहा था कि स्टारशिप मंगल ग्रह की यात्रा 6 महीने में कर सकता है, जबकि पहले यह सोचा जा रहा था कि इसमें 10 साल लगेंगे। मस्क ने बताया कि जब पृथ्वी और मंगल एक सीधी लाइन में आ जाते हैं, तब दोनों ग्रहों के बीच की दूरी बहुत कम हो जाती है।

यह स्थिति हर 26 महीने (करीब 2.2 साल) में आती है। इसे वैज्ञानिक भाषा में 'अपोजिशन' कहते हैं। इस समय पर रॉकेट को मंगल भेजना सबसे आसान और तेज होता है। आम दिनों में मंगल और पृथ्वी के बीच की दूरी करीब 24 करोड़ 90 लाख किलोमीटर होती है, लेकिन अपोजिशन के वक्त यह घटकर सिर्फ 7 करोड़ किलोमीटर रह जाती है।

भारत के दुश्मन की मदद क्यों करने जा रहा दोस्त रूस

पाकिस्तान पर पुतिन की मेहरबानी से बढ़ेगी टेंशन

मॉस्को, 27 मई (एजेंसियां)। भारत के दोस्त देश रूस ने पाकिस्तान के साथ एक आधुनिक स्टील प्लांट के निर्माण के लिए समझौते को अंतिम रूप दिया है। यह समझौता 2015 में बंद पड़े सोवियत निर्मित स्टील प्लांट को फिर से जीवित करेगा। पाकिस्तानी अधिकारियों और रूसी प्रतिनिधि डेनिस नजरूफ ने इस समझौते की पुष्टि की है। इस परियोजना का उद्देश्य पाकिस्तान के वार्षिक स्टील आयात को 30% तक कम करना है, जिससे 11.2 मिलियन मीट्रिक टन खपत अंतर से जुड़े 2.6 बिलियन डॉलर के आयात बिल में कमी आएगी।

नई मिल मूल 19,000 एकड़ के पाकिस्तान स्टील मिल्स (पीएसएम) साइट के 700 एकड़ पर कब्जा करेगी, जो 1.4 बिलियन टन अनुमानित घरेलू लौह अयस्क भंडार को संसाधित करने के लिए मौजूदा बंदरगाह बुनियादी ढांचे का लाभ उठाएगी। सोवियत तकनीकी सहायता से 1973 में स्थापित पीएसएम ने कभी 1.1 मिलियन टन सालाना उत्पादन किया था, लेकिन कुप्रबंधन और पुरानी मशीनरी के कारण 2.14 बिलियन डॉलर के घाटे में चली गई।

इस पुनरुद्धार योजना में उन्नत इस्पात निर्माण प्रौद्योगिकी में रूसी विशेषज्ञता शामिल है, जिससे आयातित स्क्रैप और अर्ध-तैयार उत्पादों पर निर्भरता कम होगी, जिसकी लागत अकेले मार्च 2025 में पाकिस्तान को 324 मिलियन डॉलर थी। एक संयुक्त कार्य समूह वित्तपोषण की देखरेख करेगा, जिसमें पाकिस्तान अपनी 1.1 बिलियन डॉलर की देनदारियों की भरपाई के लिए पीएसएम की 11 बिलियन डॉलर की संपत्ति से संपत्ति बेचने पर विचार कर रहा है।

पाकिस्तान और रूस पिछले कई वर्षों से एक दूसरे के नजदीक आ रहे हैं। दोनों देशों के बीच एक गैस पाइपलाइन बनाने का काम भी तेजी से चल रहा है। इसके अलावा दोनों देशों ने 2023 में कच्चे तेल को लेकर एक समझौता भी किया था। इस समझौते के तहत पाकिस्तान को सस्ते दाम पर तेल की सप्लाई की जानी है।

नेपाली शेरपा ने रिकॉर्ड 31वीं बार एवरेस्ट फतह किया

अपना ही रिकॉर्ड तोड़ा

काठमांडू, 27 मई (एजेंसियां)। नेपाल के अनुभवी पर्वतारोही कामी रीता शेरपा ने मंगलवार को दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट पर रिकॉर्ड 31वीं बार सफलतापूर्वक चढ़ाई की। उन्होंने अपना ही रिकॉर्ड तोड़ा है। 54 साल के कामी को एवरेस्ट मैन के नाम से भी जाना जाता है। उन्होंने पहली बार 1994 में एवरेस्ट पर चढ़ाई की थी। इसके बाद से वे लगभग हर साल यहां जाते हैं। वे 31 साल में 31 बार दुनिया की सर्वश्रेष्ठ चोटी पर चढ़ाई कर चुके हैं। इस सीज़न नेपाल सरकार ने पर्वतारोहियों को कुल 1,100 से अधिक परमिट जारी किए, जिनमें 458 परमिट सिर्फ एवरेस्ट के लिए थे।

हमास इजराइल के साथ सीजफायर के लिए तैयार

10 बंधक की रिहाई और 70 दिन युद्ध बंद रखने पर सहमत, अमेरिका ने दिया था प्रस्ताव

गाजा, 27 मई (एजेंसियां)। फिलिस्तीन के उग्रवादी संगठन हमास ने अमेरिका की तरफ से गाजा में युद्धविराम के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है। यह प्रस्ताव ट्रम्प के विशेष प्रतिनिधि स्टीव विटकॉफ ने दिया था। इस नए प्रस्ताव में 10 इजराइली बंधकों की रिहाई और 70 दिन का युद्धविराम शामिल है।

रॉयटर्स के मुताबिक इस प्रस्ताव में इजराइल की तरफ से कई फिलिस्तीनी कैदियों की रिहाई का मुद्दा भी शामिल है, जिनमें लंबी सजा काट रहे सैकड़ों कैदी शामिल हैं। अभी तक इजराइल ने इस प्रस्ताव पर कोई बयान नहीं दिया है। इससे पहले इजराइल और हमास के बीच 19 जनवरी को सीजफायर

हुआ था। हालांकि दो महीने बाद यानी 18 मार्च को इजराइल ने गाजा में कई जगह पर मिसाइल अटैक करके इसे तोड़ दिया था।

इजराइल ने गाजा पट्टी के 77% हिस्से पर कंट्रोल हासिल कर लिया है। अलजजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक यह दावा गाजा के सरकारी मीडिया ऑफिस ने रविवार को किया।

उन्होंने इजराइल पर नरसंहार का आरोप लगाते हुए संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से तुरंत हस्तक्षेप की मांग की है। बयान में कहा गया है कि इजराइली सेना ने बफर जोन, सुरक्षा कॉरिडोर और भारी गोलाबारी के जरिए गाजा के उत्तरी और दक्षिणी हिस्सों को अपने कब्जे में लिया है। इजराइल ने गाजा पट्टी में हमास के खिलाफ अपने सैन्य अभियान को और तेज कर दिया है, जिससे मानवीय संकट भयावह हो गया है। शनिवार और रविवार (24-25 मई 2025) को इजराइली हवाई हमलों में कम से कम 182 फिलिस्तीनी मारे गए, जिनमें बच्चे और महिलाएं शामिल हैं।

चीन के पीएल-15 मिसाइल को भूल जाइए

ड्रैगन ने बनाई पीएल-21, पाकिस्तानी जे-35ए स्टील्थ फाइटर जेट को करेगा लैस?

बीजिंग, 27 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान चीन से जे-35ए स्टील्थ फाइटर जेट खरीद रहा है। कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि इसी साल चीन, पाकिस्तान को पांचवीं पीढ़ी का एयरक्राफ्ट सौंप देगा। लेकिन अब सामने आई कुछ तस्वीरों ने डिफेंस एक्सपर्ट्स को चौंका दिया है। तस्वीरों से पता चला है कि चीन ने अपने एक और पांचवीं पीढ़ी के फाइटर जेट जे-20 को पीएल-21 मिसाइल से इंटीग्रेट कर रखा है। पीएल-21 अल्ट्रा-लॉन्ग-रेंज एयर-टू-एयर मिसाइल है, जिसकी क्षमता पीएल-15 के मुकाबले कहीं ज्यादा है। हालांकि तस्वीरों की अभी तक

आधिकारिक पुष्टि नहीं हो पाई है, लेकिन डिफेंस एक्सपर्ट्स इस बात पर आशंका जता रहे हैं कि चीन अत्यधिक गोपनीयता के साथ एडवांस टेस्ट्स कर रहा है। पीएल-21 चीन की अगली पीढ़ी की वेरी लॉन्ग रेंज एयर टू एयर मिसाइल (वीएलआरएएएम) है, जिसे अमेरिकी एआईएम-260 जेएटीएम और रशियन आर-37एम जैसी मिसाइलों को टक्कर देने के लिए बनाया गया है।

तस्वीरों के सामने आने के बाद पाकिस्तान के डिफेंस एक्सपर्ट्स काफी उत्सुक हैं और दावा कर रहे हैं कि चीन निश्चित ही पाकिस्तानी एयरफोर्स के विमानों को भी इस मिसाइल से लैस करेगा।

पाकिस्तानी एक्सपर्ट्स चर्चा कर रहे हैं कि पाकिस्तान, जो जे-35ए लड़ाकू विमान खरीदने वाला है, उसे निकट भविष्य में पीएल-21 मिसाइल से लैस किया जा सकता है। पाकिस्तानी ऑब्जर्वर्स अनुमान लगा रहे हैं कि चीन ने पाकिस्तान के जे-10सी फ्लीट को पीएल-15 मिसाइलों से लैस किया था, लिहाजा जे-35ए को निश्चित तौर पर चीन पीएल-21 मिसाइलों से लैस करेगा।

धरती उगल रही सोना, कोर से पिघलकर ऊपर आ रही बेशकीमती धातु

वॉशिंगटन, 27 मई (एजेंसियां)। वैज्ञानिकों ने एक चौंकाने वाले अध्ययन में पाया है कि धरती अपनी कोर से सोना और दूसरी कीमती धातुओं को बाहर उगल रही है। साइंस अलर्ट की रिपोर्ट में यह अनुमान लगाया है कि पृथ्वी का 99.99 प्रतिशत से अधिक सोना और कीमती धातुएं 3000 किमी की ठोस चट्टान के नीचे दबी हुई है। ये बेशकीमती संसाधन 4.5 अरब साल पहले हमारी पृथ्वी के निर्माण के बाद से ही इसके अंदर बंद पड़े हैं। हाल ही में जर्मनी की गॉटिंगन यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों के दल को अमेरिका के द्वीपीय राज्य हवाई की ज्वालामुखीय चट्टानों के अध्ययन के दौरान ये

जानकारी मिली है। इस अध्ययन को नेचर पत्रिका में प्रकाशित किया गया है। अध्ययन के दौरान वैज्ञानिकों की टीम ने ट्रस तत्वों का पता लगाने के लिए उन्नत तकनीकों का इस्तेमाल किया। इस दौरान वैज्ञानिकों का बेशकीमती धातु रूथेनियम आइसोटोप का असामान्य रूप से उच्च स्तर पाया, जो पृथ्वी के मेंटल की तुलना में इसके कोर में अधिक प्रचलित है। इससे पता चलता है कि बाहर ज्वालामुखी का जो लावा निकला है वह पृथ्वी के भीतर कोर में बना है। गॉटिंगेन विश्वविद्यालय में भू-रसायन विशेषज्ञ निल्स मेसलिंग ने बताया कि पहले नतीजे आने के बाद उन्हें अहसास हुआ कि उन्होंने सचमुच सोना खोज लिया है। उन्होंने कहा, 'हमारे डेटा ने पुष्टि की कि कोर से जो सामग्री पृथ्वी के ऊपरी मेंटल में लीक हो रही है, उसमें सोना और अन्य कीमती धातुएं शामिल हैं।'

अध्ययन में वैज्ञानिकों ने पाया है कि पृथ्वी का कोर पहले की तुलना में अब कम अलग-थलग है। ज्वालामुखी विस्फोट के दौरान कोर सामग्री सतह पर पहुंच रही है। इसने भविष्य में वैज्ञानिक शोधों के लिए नए अवसरों की संभावना बढ़ाई है।

शोधकर्ताओं का मानना है कि रूथेनियम आइसोटोप्स कोर-मेंटल संपर्क का अध्ययन करने के लिए एक नए ट्रेसर के रूप में काम कर सकते हैं।

ब्राजील में बोले केंद्रीय मंत्री शेखावत
'भारत ने विकास के साथ संस्कृति को भी प्राथमिकता दी'

जयपुर, 27 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि भारत ने विकास और संस्कृति दोनों को साथ लेकर चलने का रास्ता चुना है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत इस बात पर जोर देता है कि आर्थिक तरक्की के साथ-साथ सांस्कृतिक विरासत की भी रक्षा होनी चाहिए।

शेखावत ब्राजील में आयोजित ब्रिक्स देशों के संस्कृति मंत्रियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत सभी ब्रिक्स देशों (ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका) के साथ मिलकर काम करने को पूरी तरह तैयार है।

क्या कहा शेखावत ने?

केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि भारत ने यह दिखाया है कि संस्कृति को भी सतत विकास के केंद्र में रखा जा सकता है। भारत सिर्फ आर्थिक नहीं, नैतिक एआई, डिजिटल सुरक्षा और पारंपरिक ज्ञान के जरिए पर्यावरण की रक्षा जैसे मुद्दों पर भी काम कर रहा है। सांस्कृतिक धरोहर की चोरी और अवैध ऑनलाइन व्यापार पर भी चिंता जताई। उन्होंने ब्राजील द्वारा इसे रोकने की कोशिशों की सराहना की।

सांस्कृतिक वस्तुएं वापस लाने में भारत आगे

शेखावत ने बताया कि वर्ष 2014 से अब तक भारत ने 642 सांस्कृतिक धरोहर वस्तुएं वापस मंगवाई हैं, जो देश की स्मृति, सम्मान और विश्वसनीयता की बहाली का काम करती हैं। ये सिर्फ वस्तुएं नहीं हैं, ये हमारे इतिहास और संस्कृति का अहम हिस्सा हैं।

ब्रिक्स को सिर्फ राजनीति नहीं, संस्कृति में भी नेतृत्व करना चाहिए

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ब्रिक्स देशों को केवल राजनीति तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उन्हें सभ्यताओं और संस्कृति के स्तर पर भी वैश्विक नेतृत्व करना चाहिए। उन्होंने एक ऐसे सांस्कृतिक वातावरण की बात की जो विविधता का सम्मान करे, मानवता को मजबूत बनाए और साझा मूल्यों को बढ़ावा दे।

सोना निकालने के लिए मजदूरों को सेप्टिक टैंक में उतारा
जहरीली गैस से दम घुटा, चार की मौत

जयपुर, 27 मई (एजेंसियां)। जयपुर स्थित सीतापुरा जेम्स एंड ज्वेलरी सेज में सोने के कण निकालने के लिए सेप्टिक टैंक में उतरे 8 मजदूरों में से चार की मौत हो गई। चारों उत्तरप्रदेश के रहने वाले थे। जानकारी के अनुसार सेप्टिक टैंक में जहरीली गैस थी, जिससे इन चारों का दम घुट गया और इनकी मौत हो गई। दो अन्य भी बेहोश हो गए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। मरने वालों के नाम संजीव पाल, हिमांशु सिंह, रोहित पाल और अर्पित यादव हैं।

मामला अचल ज्वेलर्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी का है। यहां 10 फीट का सेप्टिक टैंक है, जिसकी सफाई के लिए ज्वेलर ने अपने यहां काम करने वाले मजदूरों को उसमें उतार दिया। मजदूरों की मौत की सूचना मिलने पर सांगानेर थाने से पुलिस मौके पर पहुंची और चारों के शवों को महात्मा गांधी अस्पताल में रखवाया। वहीं दो अन्य अजय चौहान और राजपाल को आरयूएचएस अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। घटना की जांच के लिए एफएसएल की टीम मौके पर पहुंची।

जानकारी के अनुसार जवाहरात की इस फैक्ट्री में सोने-चांदी के जेवर बनाते समय सोने-चांदी के टुकड़े पानी के साथ टैंक में चले जाते थे। इन्हें छानने के लिए सैप्टिक टैंक की सफाई करवाई जाती थी। हालांकि इसके लिए मशीनों का इस्तेमाल होता है लेकिन इस बार फैक्ट्री संचालक ने 8 मजदूरों को उनके मना करने के बाद भी टैंक में उतार दिया। टैंक में एसिड से काफी जहरीली गैस बन चुकी थी, जिससे उसमें उतरने वालों का दम घुट गया।

सबसे पहले टैंक में अमित और रोहित उतरे। जब गैस के असर से बेहोश होने लगे तो वे चिल्लाए। उन्हें बचाने के लिए मुकेश और संजीव सहित 8 मजदूर और टैंक में उतर गए। ये सभी टैंक की गैस के प्रभाव से बेहोश हो गए। आनन-फानन में उन्हें बाहर निकालकर महात्मा गांधी अस्पताल ले जाया गया, जहां चार लोगों को मृत घोषित कर दिया गया।

10 दिन में 11 सफाई कर्मियों की मौत, अशोक गहलोत के तेवर तीखे, बोले- आखिर कब टूटेगी सरकार की नींद?

जयपुर, 27 मई (एजेंसियां)। राजस्थान में सफाई कर्मचारियों की मौत को लेकर अशोक गहलोत के तेवर तीखे हैं। प्रदेश में सफाई कर्मचारियों मौतों का सिलसिला थम नहीं रहा है। इस मामले को लेकर अशोक गहलोत राजस्थान की भजनलाल सरकार पर निशाना साधा है। अशोक गहलोत ने अपने सोशल मीडिया अंकाउट एक्स पर लिखा कि आखिर सरकार की नींद कब टूटेगी?

पर अभी तक वह घोषणा कागजों में है

अशोक गहलोत ने लिखा कि पिछले 10 दिन में ही डीग, बीकानेर और अब जयपुर में सेप्टिक टैंक एवं गटर की सफाई करते हुए 11 लोगों की मृत्यु हो चुकी है। ऐसा लगता है कि राज्य सरकार का सफाई कर्मचारियों की ओर ध्यान नहीं है। बजट में राज्य सरकार मशीनें खरीदने की घोषणा कर चुकी है पर अभी तक वह घोषणा कागजों में है। आखिर सरकार की नींद कब टूटेगी?

हादसे की जांच और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई हो – डोटासरा

गोविन्द सिंह डोटासरा ने कहा कि बीकानेर के बाद जयपुर के सीतापुरा औद्योगिक क्षेत्र में सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान 4 सफाईकर्मियों की दम घुटने से दर्दनाक मृत्यु की खबर अत्यंत दुःखद है। यह भाजपा सरकार की घोर लापरवाही एवं सफाईकर्मियों की सुरक्षा के लिए बने नियमों के प्रति सरकार की उदासीनता है। बार-बार ऐसे हादसे हो रहे हैं लेकिन सरकार कोई परवाह नहीं है। मेरी सरकार से मांग है कि हादसे की जांच हो एवं दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए।

जयपुर के सीतापुरा औद्योगिक क्षेत्र स्थित ज्वैलरी जोन में अचल ज्वैलर्स प्राइवेट लिमिटेड में करीब 10 फीट गहरे सेप्टिक टैंक में मिट्टी से सोना निकालने उतरे चार मजदूरों की जहरीली गैस से मौत हो गई। चार अन्य मजदूर बेहोश हो गए, जिन्हें निजी हॉस्पिटल में पहुंचाया गया। बेहोश होने वाले दो मजदूरों की हालत गंभीर होने पर भर्ती कर लिया, जबकि दो मजदूरों को होश आने पर प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी।

एसआई भर्ती मामला: *सांसद हनुमान बेनीवाल ने फिर से दी चेतावनी*
डोटासरा ने 'दिल्ली' का क्यों किया जिक्र?

जयपुर, 27 मई (एजेंसियां)। राजस्थान में 2021 की एसआई भर्ती परीक्षा पेपर लीक प्रकरण पर सियासी घमासान मचा हुआ है। एक ओर जहां कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने भजनलाल सरकार पर करारा हमला बोला है, वहीं नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने भर्ती को रद्द न किए जाने पर प्रदेशव्यापी आंदोलन की चेतावनी दी है।

बाड़मेर में मीडिया से बातचीत में डोटासरा ने कहा कि मुख्यमंत्री का चयन भी दिल्ली से पर्ची पर हुआ, तो फिर SI भर्ती का निर्णय वे अपने विवेक से कैसे लेंगे? डोटासरा ने आगे कहा कि डेढ़ साल से अभ्यर्थी अनिश्चितता के दौर से गुजर रहे हैं, और उन्हें यह नहीं पता कि उनकी नौकरी बचेगी या नहीं।

उन्होंने सरकार पर कोर्ट में गलत तथ्य पेश करने और बहाने बनाने का भी आरोप लगाया। साथ ही, उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि मुख्यमंत्री को भ्रमण के अलावा किसी अन्य मुद्दे पर ध्यान नहीं है।

बेनीवाल ने दी आंदोलन की चेतावनी

शहीद स्मारक पर पिछले एक महीने से धरने पर बैठे आरएलपी प्रमुख हनुमान बेनीवाल ने कहा कि अगर सरकार भर्ती रद्द नहीं करती तो वे पूरे प्रदेश में युवा आंदोलन शुरू करेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में पेपर माफिया हावी है और आरपीएससी भ्रष्टाचार का अड्डा बन चुका है। उन्होंने कहा कि चुनाव से पहले बीजेपी ने सीबीआई जांच और आरपीएससी के पुनर्गठन का वादा किया था, लेकिन सत्ता में आने के बाद सब भुला दिया गया।

बताते चलें कि सासंद हनुमान बेनीवाल भी इस मामले को कई दिनों से आंदोलनरत है। फिलहाल राजधानी जयपुर में सड़कों पर धरना प्रदर्शन के जरिए इस मामले को लेकर सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है। बेनीवाल की मांग है कि इस भर्ती को तत्काल रद्द किया जाए। रविवार को हनुमान बेनीवाल ने एसआई भर्ती रद्द करने एवं राजस्थान लोकसेवा आयोग के पुनर्गठन की मांग को लेकर एक जयपुर के मानसरोवर में बड़ी रैली की थी।

सरकार ने हाईकोर्ट से मांगा समय

हाईकोर्ट में हुई सुनवाई के दौरान राज्य सरकार ने भर्ती पर निर्णय लेने के लिए 1 जुलाई तक का समय मांगा है। सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता विज्ञान शाह ने बताया कि नीति आयोग की बैठक और कैबिनेट सब-कमेटी की मीटिंग न हो पाने के कारण निर्णय में देरी हुई है। कोर्ट ने सरकार की मांग पर अगली सुनवाई की तारीख तय कर दी है।

गौरतलब है कि एसआई भर्ती परीक्षा 2021 में चयनित हुए अभ्यर्थियों और तैयारी कर रहे युवाओं के लिए यह मामला असमंजस का कारण बना हुआ है। न तो नियुक्तियां हो रही हैं, न ही नई भर्तियों का रास्ता साफ हो रहा है। अब देखना होगा कि सरकार अगले महीने क्या निर्णय लेती है और कोर्ट की अगली सुनवाई में क्या रुख सामने आता है।

155 बांग्लादेशियों का तीसरा दल जोधपुर से रवाना
अवैध नागरिकों को डिपोर्ट करने का सिलसिला जारी

जोधपुर, 27 मई (एजेंसियां)। राजस्थान में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशियों को डिपोर्ट करने का सिलसिला जारी है। आज जोधपुर से बांग्लादेशियों का तीसरा दल डिपोर्ट किया गया। इन सभी को अल सुबह एयर फोर्स स्टेशन लाया गया और उसके बाद यहां से बांग्लादेश की सीमा के लिए रवाना कर दिया गया।

अब तक कुल 1008 बांग्लादेशियों को पकड़ा जा चुका है और अब इन्हें डिपोर्ट किया जा रहा है। सबसे पहले 148 बांग्लादेशियों को डिपोर्ट किया गया उसके बाद 153 बांग्लादेशों का दूसरा दल भेजा गया और आज 155 बांग्लादेशों का तीसरा दल जोधपुर एयर फोर्स स्टेशन से वापस उनके देश भेजा गया।

सरकार की ओर से यह सख्त संदेश दिया गया है कि नया भारत अब अवैध प्रवास को बर्दाश्त नहीं करेगा। देश में अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों के खिलाफ लगातार सख्त कदम उठाए जा रहे हैं। यह कार्रवाई भी उसी नीति का हिस्सा है।

राजस्थान पुलिस ने हाल ही में एक विशेष अभियान के तहत प्रदेशभर में अवैध प्रवासियों की पहचान की थी। इस दौरान कुल 1008 बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा गया। इनमें से अकेले जयपुर रेंज से 761 और सीकर से 394 अवैध नागरिक चिन्हित किए गए थे।

सरकार को खुफिया एजेंसियों से लगातार इनपुट मिल रहे थे कि राजस्थान में बड़ी संख्या में बांग्लादेशी नागरिक अवैध रूप से रह रहे हैं। इसके बाद ही यह व्यापक अभियान चलाया गया और विभिन्न जिलों से इन नागरिकों को पकड़ा गया।

सरकार ने नगर पालिका अध्यक्ष को किया निलंबित

पाली, 27 मई (एजेंसियां)। पाली जिले की जैतारण नगर पालिका अध्यक्ष रामस्वरूप भाटी को निलंबित कर दिया गया है। स्वायत्त शासन विभाग ने आदेश किए है। बताया जा रहा है कि मास्टर प्लान के विपरीत ले-आउट प्लान अनुमोदन की शिकायत के आधार पर नियम विरुद्ध 90A पर कार्रवाई की गई है। शिकायत पर स्थानीय उपनिदेशक से जांच कराई गई थी।

सरकार ने प्रारंभिक जांच में शिकायत को सही माना है। विभाग ने न्यायिक जांच का फैसला लिया है। वहीं, सरकार ने न्यायिक जांच प्रभावित नहीं हो, इसके चलते रामस्वरूप भाटी को निलंबित किया गया है।

बीजेपी को मिला था पूर्ण बहुमत

जैतारण नगरपालिका अध्यक्ष पद के लिए भाजपा से रामस्वरूप भाटी व कांग्रेस से निर्दलीय सिकन्दर खान ने नामांकन पत्र दाखिल किया था। यहां भाजपा को स्पष्ट बहुमत मिला। जबकि कांग्रेस ने निर्दलियों को पक्ष में करने के लिए निर्दलीय सिकन्दर खान को नामांकन पत्र भरवाया था। जैतारण में 25 वार्डों में भाजपा के 14, कांग्रेस के 6 व निर्दलीय 5 पार्षद जीते।

बहाने से ले गए, शराब पिलाई फिर पानी में डुबोकर डॉक्टर की ले ली जान

बारां, 27 मई (एजेंसियां)। कोयला के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर नियुक्त डॉ. वैभव चावला की संदिग्ध अवस्था में मृत्यु के मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनसे पूछताछ जारी है।

एसपी राजकुमार चौधरी ने बताया कि 18 मई को कोटड़ी सूण्डा गांव के समीप पार्वती नदी से कोयला सीएचसी प्रभारी डॉ. वैभव चावला निवासी इटावा (कोटा) का शव मिला था। इस पर पहले मृग व बाद में पिता की रिपोर्ट पर 22 मई को चार जनों के खिलाफ थाना सदर थाने पर मुकदमा दर्ज किया गया। उपाधीक्षक ओमेन्द्र डूूषसह शेखावत ने सभी पहलुओं पर जांच के बाद वारदात का खुलासा कर दो नामजद आरोपियों को गिरफ्तार किया।

पुलिस ने बताया कि कोयला अस्पताल में पदस्थ नर्सिंग ऑफिसर अशोक कुमार वर्मा (33) निवासी लोढाखेड़ा थाना बकानी जिला झालावाड़ ड्यूटी से अनुपस्थित हो जाता था। इससे सीएचसी प्रभारी अधिकारी डॉ. वैभव चावला उसकी गैर हाजिरी अंकित कर देते थे। बाद में अशोक उसको काटकर अपने हस्ताक्षर कर देता था। इस तरह की गलतियों के संबंध में प्रभारी अधिकारी डॉ. वैभव ने पिछले माह अशोक को 4-5 नोटिस दिए थे। इससे वह डॉ. वैभव से रंजिश रखता था। यह बात अशोक ने उसके साथी सेक्टर हेल्थ सुपरवाइजर शंकरलाल बैरवा निवासी ढाणी राजपुरा थाना बगरू जिला जयपुर ग्रामीण को बताई। तभी से दोनों डॉ. वैभव से रंजिश रखने लगे थे।

योजना के तहत 17 मई को अस्पताल ड्यूटी के बाद अशोक ने डॉ. वैभव को ठण्डा पिलाने के बहाने रोक लिया तथा शंकर से ठण्डा मंगवाया। तीनों ने ठण्डा पीकर गला तर किया। इसके बाद दोनों डॉ. वैभव को बाइक से नहाने के लिए कोटडी सूण्डा ले गए। ठेके से अशोक ने 5 केन बीयर व पानी की बोतलें ली तथा किराने की दुकान से सिगरेट खरीदी। वहां डॉ. वैभव को अधिक शराब पिलाई और बाद में योजना के तहत पानी में डुबो कर डॉ. वैभव की हत्या कर दी। फिर दोनों पैदल शाम 7 बजे वापस कोयला आ गए। अगले दिन डॉ. वैभव के पिता उसे तलाश करने अस्पताल पहुंचे तो दोनों उन्हें सच नहीं बताकर गुमराह करते रहे।

उल्लेखनीय है कि राजस्थान पत्रिका ने 19 मई को 'पार्वती में मिला चिकित्सक का शव' शीर्षक से खबर प्रकाशित की थी। इसमें मौके पर बाइक, मोबाइल व जूते मिलने की बात बता दी थी। हत्या की आशंका के संकेत दे दिए गए थे। पुलिस के खुलासे में यह सामने आ गया। 22 मई के अंक में 'दो लोगों से जुड़ रहे चिकित्सक वैभव की मृत्यु के तार, जांच जारी' शीर्षक से खबर प्रकाशित की गई। पुलिस की अब तक की जांच यह भी सच साबित हुई।

नदी में नहाने गए दो सगे भाइयों की डूबने से मौत

बूंदी, 27 मई (एजेंसियां)। लबान. देईखेड़ा थाना क्षेत्र के डडवाडा गांव में दर्दनाक हादसे में दो सगे भाइयों की नदी में डूबने से मौत हो गई। दोनों बालक नहाने के लिए खेतों के पास बह रही मेज नदी में उतरे थे, लेकिन वापस नहीं लौटे।

थानाधिकारी चन्द्रभान डूूषसह ने बताया कि मृतक बच्चों के चाचा नरोत्तम के अनुसार बच्चों के माता-पिता इलाज के लिए कोटा गए हुए थे। पीछे से इशांत (11 वर्ष) और रितिक (9 वर्ष) खेतों की ओर गए, जहां से वे मेज नदी में नहाने उतर गए। दोपहर में गांव के एक चरवाहे ने नदी किनारे काफी समय से पड़े बच्चों के कपड़े और चप्पल देखे तो गांव में सूचना दी।

ग्रामीणों ने तत्काल नदी में खोजबीन शुरू की, जिसमें एक बालक मृत अवस्था में मिला। पुलिस को सूचना देने के बाद शाम करीब पांच बजे दूसरे बालक का शव भी नदी से बरामद किया गया। दोनों को देईखेड़ा अस्पताल ले जाया गया

परिजनों ने बताया कि दोनों के अलावा परिवार में दो बड़ी बहनें भी हैं। दोनों बच्चे बेहद हँसमुख और चंचल स्वभाव के थे।

ग्रामीणों की तत्परता से मिले शव

गांव के सरपंच बद्रीलाल ने बताया कि जैसे ही खबर फैली, ग्रामीणों ने बिना देरी किए नदी में उतरकर बच्चों को तलाशना शुरू किया। यदि समय पर यह प्रयास नहीं होता तो शव बहाव में दूर चले जाते और तलाशी में दिक्कत आती। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए हैं। गांव में शोक का माहौल है।

गमी से लौटते समय रास्ते में कार ने बाइक को मारी टक्कर
पिता-पुत्र जख्मी, विवाहिता की मौत

अजमेर, 27 मई (एजेंसियां)। जयपुर रोड परिवहन कार्यालय के सामने तेज रफ्तार कार के चालक ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। दुर्घटना में जख्मी हुए बाइक सवार दम्पती व ग्यारह वर्षीय पुत्र को जवाहरलाल नेहरू अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सक ने विवाहिता को मृत घोषित कर दिया जबकि घायल पिता-पुत्र को उपचार के बाद छुट्टी मिल गई। सिविल लाइंस थाना पुलिस ने कार के चालक के खिलाफ दुर्घटना का मुकदमा दर्ज किया है।

पुलिस के अनुसार रामगंज, यूआईटी कॉलोनी, हरिजन बस्ती निवासी चरणदास(30) पुत्र बुद्धाराम मोटरसाइकिल पर अपनी पत्नी सोनू (28) और बेटे दीपांशु(11) के साथ किशनगढ़ से अजमेर लौट रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक जयपुर रोड परिवहन कार्यालय के सामने तेज रफ्तार कार ने चरणदास की बाइक के पीछे से टक्कर मार दी। दुर्घटना में चरणदास, सोनू व दीपांशु जख्मी हो गए। राहगीर ने उनको जवाहरलाल नेहरू अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने सोनू को मृत घोषित कर दिया। इधर सूचना पर पहुंची पुलिस ने सोनू के शव को मोर्चरी में रखाया है। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त कार व बाइक जब्त कर ली है। पुलिस ने कार चालक के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाकर दुर्घटनाकारित करने का मुकदमा दर्ज करके अनुसंधान शुरू कर दिया।

पड़ताल में सामने आया कि चरणदास और सोनू किशनगढ़ में अपने रिश्तेदार के यहां पर गमी (मृत्यु) के कार्यक्रम में शामिल होकर लौट रहे थे। जयपुर रोड आरटीओ कार्यालय के सामने सड़क दुर्घटना पेश आई। इससे पहले भी आरटीओ कार्यालय के सामने दोनों तरफ बीते एक माह में आधा दर्जन से ज्यादा हादसे पेश आ चुके है।

पति सौतन ले आया, पत्नी ने विरोध किया तो दोनों ने मिलकर हाथ तोड़ दिए

जयपुर, 27 मई (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर के विद्याधर नगर थाना इलाके में रहने वाली एक महिला ने अपने पति और उसकी लिवइन पार्टनर के खिलाफ गंभीर धाराओं में केस दर्ज कराया है। पुलिस ने नामजद आरोपियों पर केस दर्ज करने के साथ ही जांच पड़ताल शुरू कर दी है। मामला बेहद ही हैरान करने वाला है।

दर्ज रिपोर्ट के आधार पर जानकारी मिली कि इलाके में रहने वाली रीना नाम की एक महिला के साथ यह घटना घटित हुई। रीना ने पुलिस को बताया कि पति कुछ दिन से एक दूसरी महिला के साथ रह रहा है। इस बारे में घर में भी बवाल हुआ, लेकिन पति नहीं माना। रीना ने विरोध किया तो पति ने उससे मारपीट की और कुछ दिन पहले सिर फोड़ दिया। सिर में गंभीर चोटें आई।

उसके बाद भी जब रीना ने शिकायत की एवं पति के साथ रह रही दूसरी महिला के खिलाफ कुछ बोला तो इस बार दोनों ने मिलकर रीना पर हमला कर दिया। उसका हाथ तोड़ दिया और फर्श पर गिराकर बुरी तरह से पीट दिया। मामला अब पुलिस तक पहुंचा है। पुलिस ने रीना का मेडिकल कराया है और उसकी शिकायत के आधार पर मारपीट समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज कर लिया है।

नकली हार देकर 2 लाख की ठगी करने के आरोप में दो गिरफ्तार

जालौर, 27 मई (एजेंसियां)। जिले की भीनमाल पुलिस ने एक वृद्ध व्यक्ति को नकली पीली धातु का हार दिखाकर उससे दो लाख रुपये ठगने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी ठगी के मामले में वांछित थे और पुलिस ने उन्हें तकनीकी निगरानी और मुखबिर की सूचना के आधार पर पकड़ा। एसपी ज्ञानचंद यादव के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मोटाराम गोदारा और वृत्ताधिकारी अन्नराज सिंह के निकटतम सुपरविजन में, थानाधिकारी रामेश्वर भाटी के नेतृत्व में गठित टीम ने यह कार्रवाई की। पुलिस ने प्रकरण में वांछित अभियुक्त हरिराम व सुरेश कुमार को गिरफ्तार किया। पीड़ित पीरसिंह निवासी लाखावास ने 25 मई को रिपोर्ट दी थी कि वह 22 मई को नाहर हॉस्पिटल से लौटते समय एक व्यक्ति से मिला, जिसने पत्नी की बीमारी का हवाला देकर 2 लाख रुपये की मदद मांगी और बदले में सोने का हार देने की बात कही। 23 मई को आरोपी ने नकली पीली धातु का हार देकर पीड़ित से रुपये ले लिए लेकिन बाद में जब हार की जांच करवाई गई तो वह पूरी तरह नकली निकला।

कोत्तागुडेम निर्वाचन क्षेत्र में एकीकृत बाजार का काम ठप

कोत्तागुडेम, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बढ़ते शहरीकरण के अनुरूप, व्यापारियों और लोगों को असुविधा से बचाने के लिए पिछली बीआरएस सरकार ने एकीकृत सब्जी और मांस बाजार परिसरों का निर्माण शुरू किया था। छोटे व्यापारी सड़कों के किनारे व्यापार करते हैं, इसलिए एकीकृत बाजारों का उद्देश्य सभी व्यापारियों को एक ही स्थान पर लाकर यातायात की समस्याओं को समाप्त करना है।

सरकार ने पटना प्रगति कार्यक्रम के तहत धन आवंटित किया है। टेंडर फाइनल हो चुके हैं और कोत्तागुडेम, पलोंचा, येलंदु और मनुगुर नगरपालिकाओं में निर्माण कार्य शुरू हो चुका है।

वन महोत्सव को सामाजिक आंदोलन के रूप में लें : कोंडा सुरेखा

हैदराबाद, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। वन एवं पर्यावरण मंत्री कोंडा सुरेखा ने अधिकारियों को सलाह दी है कि वन महोत्सव 2025 कार्यक्रम को सामाजिक आंदोलन के रूप में लिया जाना चाहिए। राज्य की हरियाली बढ़ाने के लिए सरकार वन महोत्सव के बैनर तले वार्षिक वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित करती है। मंगलवार को मंत्री सुरेखा ने इस वर्ष के आयोजन की तैयारियों पर चर्चा करने के लिए सचिवालय में समीक्षा बैठक बुलाई। उन्होंने अधिकारियों से पिछले वर्ष के अनुभवों को आगे बढ़ाने का आग्रह किया और उन्हें पूरे तेलंगाना में वन क्षेत्रों का विस्तार करने के लिए एक कार्य योजना विकसित करने का निर्देश दिया। मंत्री ने राज्य के सभी जिलों, मंडलों, गांवों और नगर पालिकाओं में बड़े पैमाने पर पौधे

लगाने की तैयारी करने की आवश्यकता पर जोर दिया। अधिकारियों को जून, जुलाई और अगस्त के महीनों के दौरान पौधे लगाने की रणनीति को लागू करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। इस वर्ष, हमारा लक्ष्य 100 प्रतिशत लक्ष्य हासिल करना है। पौधों की खेती के लिए प्रत्येक गांव में नर्सरी का आयोजन करना आवश्यक है, जिन्हें फिर उनके संबंधित गांवों में लगाया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी प्रस्ताव रखा कि हर घर में पौधे वितरित किए जाएं, ताकि उन्हें इन पेड़ों को लगाने के लिए प्रेरित किया जा सके। मंत्री ने समुदाय से पौधे लगाने के अनुरोधों को पूरा करने के लिए अधिकारियों के तत्पर रहने के महत्व पर प्रकाश डाला। सुरेखा ने अधिकारियों को व्यापक पौधारोपण प्रयासों में शामिल व्यक्तियों को मान्यता देने और पुरस्कृत करने की सलाह दी। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि वनजीवी रामैया जैसे उल्लेखनीय व्यक्तियों के परिवारों को उनके योगदान के लिए सम्मानित किया जाना चाहिए। बैठक में वन विभाग के प्रमुख सचिव अहमद नदीम, पीसीसीएफ डॉ. सुवर्णा, एमएयूडी सचिव टी.के. श्रीदेवी और अन्य अधिकारियों ने भाग लिया।

टीडीपी ने कई फैसलों में निभाई महत्वपूर्ण भूमिका : चंद्रबाबू नायडू

कडप्पा, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। टीडीपी सुप्रीमो एन चंद्रबाबू नायडू ने मंगलवार को कहा कि पार्टी ने केंद्र में विभिन्न सरकारों द्वारा लिए गए कई निर्णयों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और पार्टी कल्याण, सुधार और विकास के लिए एक ट्रेंडसेटर है। अपनी पार्टी के सम्मेलन- टीडीपी महानाडु को संबोधित करते हुए आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले 43 सालों में टीडीपी ने कई चुनौतियों का सामना किया है। कई लोगों ने कहा कि पार्टी खत्म हो गई है, लेकिन इसका झंडा हमेशा ऊंचा रहा है।

सीएम ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा लिए गए कई फैसलों में टीडीपी ने अहम भूमिका निभाई है। आंध्र प्रदेश आज जो सोचता है, भारत कल वही सोचता है। यह कई बार साबित हो चुका है। उन्होंने कहा कि पिछली वाईएसआरसीपी सरकार के दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं को बहुत नुकसान उठाना पड़ा और कई टीडीपी कार्यकर्ताओं की जान चली गई। देश में कई राजनीतिक दल हैं। लेकिन टीडीपी एकमात्र ऐसी पार्टी है जिसने लोगों के जीवन को प्रभावित किया है, उन्होंने आगे कहा।

नि:शुल्क मानसून स्वच्छता विशेष अभियान का मुख्य उद्देश्य हर गली को साफ रखना : महापौर

हैदराबाद, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम की मेयर गदवाल विजयलक्ष्मी ने कहा कि मुफ्त मानसून स्वच्छता विशेष अभियान का मुख्य उद्देश्य हर गली को साफ-सुथरा बनाना है। उन्होंने कहा कि हैदराबाद शहर को स्वच्छ रखने के उद्देश्य से शहर भर के 150 वार्डों में युद्ध स्तर पर नि:शुल्क मानसून विशेष अभियान जारी रहेगा। नि:शुल्क मानसून स्वच्छता विशेष अभियान के तहत महापौर ने मंगलवार को एलबी नगर जोन में पार्षदों और अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इस अवसर पर महापौर ने कहा कि प्रत्येक वार्ड की हर तीन या चार दिन में सफाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक वार्ड का काम पूरा होने के बाद अगर लोग बाहर कूड़ा फेंकेंगे तो उन पर जुर्माना लगाया जाएगा। महापौर ने कहा कि प्रत्येक घर को स्वच्छ ऑटो से जोड़ा गया है, तथा उपायुक्त और सफाई अधिकारी उन्हें यह सुनिश्चित करने के लिए शिक्षित कर रहे हैं कि वे स्वच्छ ऑटो शुल्क का भुगतान करें, भले ही वे स्वच्छ ऑटो चालक को निर्धारित मासिक शुल्क का भुगतान न करें। उन्होंने कहा कि कूड़े के अलावा निर्माण

अपशिष्ट और नालों की सफाई का काम भी किया जाएगा और जल बोर्ड के अधिकारियों ने इस संबंध में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया है। महापौर ने सभी नागरिकों से विशेष स्वच्छता अभियान के माध्यम से खराब स्वच्छता और सफाई के कारण होने वाली बीमारियों के प्रसार को रोकने के लिए निवारक उपायों को लागू करने में सहयोग करने का आग्रह किया। एलबी नगर जोन में पार्षदों और अधिकारियों के साथ बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए महापौर ने कहा कि पार्षदों ने अपने वार्डों की समस्याओं के बारे में अपनी चिंता व्यक्त की है और उनका युद्ध स्तर पर समाधान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि उन्होंने विशेष रूप से पार्क विकास, स्वच्छता, बरसाती पानी की निकासी, नाली विकास और सीसी सड़कों के मुद्दे उठाए हैं। कुछ मुद्दों का समाधान क्षेत्रीय स्तर पर किया जा सकता था, जबकि अन्य मुद्दे मुख्यालय के दायरे में थे।

उन्होंने कहा कि यदि आवश्यक हुआ तो वे जीएचएमसी आयुक्त और विभिन्न विभागों के प्रमुखों के साथ बैठक करेंगे तथा सरकार के ध्यान में लाएंगे। उन्होंने कहा कि उन्होंने सफाई कर्मचारियों की संख्या में वृद्धि का अनुरोध किया है, विशेष रूप से कुछ कॉलोनियों के विकास के संदर्भ में। इसी प्रकार, महापौर ने बताया कि राज्य वित्त सलाहकार लम्बे समय से एक ही स्थान पर काम कर रहे हैं तथा अधिकांश पार्षदों ने अनुरोध किया है कि उन्हें स्थानांतरित कर दिया जाए। उन्होंने स्ट्रीट लाइटों की समस्या के बारे में भी शिकायत की, और चूंकि पिछला ईएसएल अनुबंध पूरा हो चुका था, इसलिए जीएचएमसी कुछ समय से अपने उपठेकेदारों के साथ मिलकर उनका प्रबंधन कर रहा है। कुछ पार्षदों ने शिकायत की है कि बिजली विभाग के विद्युत अभियंताओं को प्रतिनियुक्ति पर उच्च वेतन दिया जा रहा है, लेकिन उन्हें इसका कोई लाभ नहीं मिल रहा है, उन्होंने अनुरोध किया है कि स्ट्रीट लाइटों के इंजीनियरिंग रखरखाव की जिम्मेदारी दी जाए। उन्होंने कहा कि आयुक्त की स्थायी समिति के सदस्यों के साथ शीघ्र ही बैठक बुलाकर इस पर निर्णय लिया जाएगा।

महापौर ने बताया कि अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे प्रत्येक कार्य में पार्षदों को शामिल करें तथा किए जाने वाले किसी भी कार्य की जानकारी पार्षदों को दें। उन्होंने बताया कि कुत्तों के संक्रमण को रोकने के लिए सभी उपाय किए गए हैं और जीएचएमसी ने देश में किसी भी अन्य स्थान की तुलना में अधिक प्रतिशत में कुत्तों की नसबंदी की है।

इससे पहले हुई बैठक में बोलते हुए महापौर ने कहा कि यद्यपि एलबी नगर क्षेत्र में अधिक धनराशि स्वीकृत की गई है, तथापि धनराशि बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए स्वीकृत की जा रही है। महापौर के एलबी नगर जोन के दौरे के दौरान पार्षदों ने महापौर से प्रत्येक पार्षद को 50 लाख रुपये देने का अनुरोध किया।

सूर्यापेट में पूर्व सरपंच गिरफ्तार

सूर्यापेट, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सूर्यापेट के आत्मकुर (एस) मंडल में तनाव व्याप्त हो गया, क्योंकि पुलिस ने कई पूर्व सरपंचों को गिरफ्तार कर लिया, जो अपने लंबे समय से लंबित बिलों के निपटान के लिए पंचायत राज विभाग के अधिकारियों को ज्ञापन देने हैदराबाद जा रहे थे। ये गिरफ्तारियां उस समय हुईं जब समूह ने अपनी वित्तीय शिकायतों को उजागर करते हुए मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी को एक ज्ञापन सौंपने के लिए हैदराबाद पहुंचने का प्रयास किया।

राज्यव्यापी आंदोलन का हिस्सा रहे पूर्व सरपंच सरकार का ध्यान आकर्षित करने की मांग कर रहे हैं क्योंकि 2019 से उनके कार्यकाल के दौरान किए गए विकास कार्यों के लिए लगभग 1,300 करोड़ रुपये के अवैतनिक बिल लंबित हैं। इन कार्यों में कब्रिस्तान, खेल के मैदान और डंपिंग यार्ड का निर्माण शामिल है, जिसके लिए कई सरपंचों ने गांव के विकास परियोजनाओं के लिए पैसे उधार लिए, संपत्ति गिरवी रखी या निजी संपत्ति बेची।

राजस्थान के लिए नई रेल सेवाएं शुरू करने और मौजूदा सेवाओं में विस्तार की मांग

हैदराबाद, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अखिल भारतीय राजस्थान रॉयल एसोसिएशन के संस्थापक एवं अध्यक्ष अर्जुन सिंह एन. ऐलाना ने दक्षिण भारत में बसे राजस्थान मूल के लाखों प्रवासी नागरिकों और व्यापारियों को राहत देने के उद्देश्य से केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखकर नई रेल सेवाएं शुरू करने और मौजूदा सेवाओं में विस्तार की पुरजोर मांग की है।

पत्र में दक्षिणी राज्यों से राजस्थान के प्रमुख शहरों को सीधी रेल सेवाओं से जोडऩे, साप्ताहिक ट्रेनों की संख्या बढ़ाने और नई ट्रेनों का संचालन करने की मांग की गई है। अर्जुन सिंह ऐलाना ने विशेष रूप से सिकंदराबाद से जोधपुर के लिए नई ट्रेन सेवा और यशवंतपुर-बाड़मेर साप्ताहिक ट्रेन को प्रतिदिन संचालित करने की मांग की है। पत्र में सिकंदराबाद से जोधपुर जाने वाली प्रस्तावित ट्रेन को भीलड़ी, रानीवाड़ा, मारवाड़ भीनमाल, मोदरान, जालोर, मोकलसर और समदड़ी होते हुए चलाने की मांग की गई है। इसके अलावा ट्रेन 20625/20626 चेन्नई सेन्ट्रल-भगत की कोठी सुपरफास्ट ट्रेन का पैदापली, मंचिरियाल, मोदरा, मोकलसर रेलवे स्टेशन पर ठहराव देने की भी अपील की गई है। ट्रेन 06181/06182 सीबीई बीजीकेटी वाया काचीगुड़ा से होकर जाती है।

रेल मंत्री के साथ ही पत्र की प्रतियां केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री बंदी संजय कुमार, केन्द्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेन्द्रसिंह शेखावत, जी.किशन रेड्डी जी कैबिनेट कोयला एवं खनन मंत्रालय, केन्द्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल, जालोर-सिरोही सांसद लुम्बाराम चौधरी, बाड़मेर सांसद उम्मेदाराम बेनीवाल, राज्यसभा सदस्य राजेन्द्र गहलोत समेत तेलंगाना के सभी बीजेपी सांसदों को लेटर लिखा जिसमें इटला राजेन्द्र, डीके अरुणा और कई जनप्रतिनिधियों और रेलवे प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों को भी भेजी गई है।

सीएम ने नेहरू की पुण्यतिथि पर पुष्पांजलि अर्पित की

हैदराबाद, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने मंगलवार को भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की 61वीं पुण्यतिथि पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। हैदराबाद में अपने जुबली हिल्स निवास पर नेहरू के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए, मुख्यमंत्री ने राष्ट्र के विकास में नेहरू के महत्वपूर्ण योगदान को याद किया।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के कार्यान्वयन पर विचार-विमर्श सत्र आयोजित

हैदराबाद, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आईसीएआर-राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रबंधन अकादमी (एनएएआरएम), हैदराबाद भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के कृषि शिक्षा प्रभाग के सहयोग से 27 और 28 मई, 2025 को 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के कार्यान्वयन: कृषि विश्वविद्यालयों में स्थिति, चुनौतियां और आगे का रास्ता' पर दो दिवसीय विचार-विमर्श सत्र आयोजित कर रहा है। इस कार्यक्रम में लगभग 75 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं, जिनमें 45 राज्य कृषि विश्वविद्यालयों, केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालयों और डीम्ड विश्वविद्यालयों के 56 डीन, निदेशक और रजिस्ट्रार शामिल हैं, इसके अलावा आईसीएआर मुख्यालय और हैदराबाद स्थित आईसीएआर संस्थानों के लगभग 15 अधिकारी भी शामिल हैं। आईसीएआर-एनएएआरएम के संयुक्त निदेशक डॉ. गोपाल लाल ने इस विचार-विमर्श सत्र के उद्देश्य के बारे में संक्षिप्त परिचय दिया। मुख्य अतिथि भारतीय कृषि-आर्थिक अनुसंधान केंद्र (बीएईआरसी), नई दिल्ली के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रमोद चौधरी ने न केवल अपनी आबादी बल्कि दुनिया को खिलाने के लिए भारत की तत्परता को रेखांकित किया, विशेष रूप से स्वतंत्रता के 75 वर्षों और जनसंख्या वृद्धि के बाद। इससे पहले, मुख्य अतिथि डॉ. बिमलेश मान, सहायक महानिदेशक (शिक्षा योजना और गृह विज्ञान), कृषि शिक्षा प्रभाग, आईसीएआर, नई दिल्ली ने अनुसंधान के लिए विदेशी वित्त पोषण की आवश्यकता, संस्थानों के लिए राजस्व सृजन मॉडल के विकास, नए शोध क्षेत्रों की पहचान और प्राकृतिक खेती प्रथाओं पर अधिक जोर देने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर, डॉ.एस.के. दुबे, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, बीएईआरसी, नई दिल्ली ने एनईपी कार्यान्वयन के दौरान आने वाली कठिनाइयों पर प्रकाश डाला और प्रतिभागियों को खुले तौर पर और सेवा-उन्मुख मानसिकता के साथ सुझाव साझा करने के लिए प्रोत्साहित किया, जिसका उद्देश्य अंतिम रिपोर्ट नीति निर्माताओं और मंत्रियों के साथ चर्चा के योग्य होनी चाहिए। बीएईआरसी के महासचिव डॉ. मकरंद करकरे ने इस बात पर जोर दिया कि शिक्षा ज्ञान और कर्तव्यनिष्ठा पर आधारित होनी चाहिए, जो स्थायी प्रभाव पैदा करने की आकांक्षा रखती हो।

सत्यम शिवम सुंदरम गगन पहाड़ स्थित गौशाला में गौ सेवा करते गौ भक्त

शवि मंदिर शमशेरगंज स्थित गौशाला में गौ सेवा करते हुए भक्त

जियागुडा स्थित श्री समर्थ कामधेनु गोशाला में अमावस्या पर गौसेवा करते प्रभु दत्त महाराज,हरि किशन मायच्छ, सत्यनारायण पुरुषोत्तम अग्रवाल ,पंकज वर्मा, जयकिशन उपाध्याय, पवन व्यास, मनोज सोनी, महावीर प्रसाद कड़ेल, माणकचंद देवाल, शरद वर्मा, उमेश रोड़ा।

आमवस्या पर इमलीबन गौशला गौलीगूडा में गायों को चारा खिलाते हुए जामबाग डिवीजन के पार्षद राकेश जायसवाल, एएमसी बोइनपल्ली के वरिष्ठ सरकारी सलाहकार मेम्बर ए. गौतम जैन, पी. राजेंद्र यादव, गजानन्द चौधरी, एम. नरसिंग राव, प्रेमचंद, रघुनंद गोप, किशन शर्मा, सुरेश एवं अन्य।

अग्रवाल समाज दोमलगुड़ा शाखा के चुनाव संपन्न

हैदराबाद, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की दोमलगुडा शाखा के नए पदाधिकारियों के चुनाव संपन्न हुए। उक्त चुनाव में अध्यक्ष डॉ. दिलीप पंसारी, उपाध्यक्ष- योगेश अग्रवाल, सचिव- प्रतिक अग्रवाल, सहसचिव- विजय कुंछल, कोषाध्यक्ष- रोशनलाल मित्तल, केंद्रीय समिति सदस्य प्रदीप अग्रवाल (निवर्तमान अध्यक्ष) और अनिल गर्ग चयनित हुए। चुनाव अधिकारी ओम प्रकाश पंसारी, पर्यवेक्षक गिरधारी लाल अग्रवाल और सहयोगी गिरधारी लाल गुप्त तथा राजेश अग्रवाल के सामायोजन में संपन्न हुए चुनाव में सभी पदाधिकारी निर्विरोध चयनित हुए।

अध्यक्ष पद पर अपनी नियुक्ति के तुरंत बाद डा दिलीप पंसारी ने शाखा द्वारा 22 वर्षों से संचालित अग्रवाल हेल्थ क्लिनिक के उत्थान के साथ ही अग्रसेवा योजना के अंतर्गत गो सेवा, अन्न और जल सेवा को अपनी वरीयता बताया। शाखा अध्यक्ष प्रदीप अग्रवाल ने स्वागत संबोधन, सचिव योगेश अग्रवाल ने वार्षिक रिपोर्ट कोषाध्यक्ष विजय कुंछल ने वर्षिक आय व्यय का लेखाजोखा और अनुमानित बजट, अक्षय अग्रवाल ने अग्रवाल हेल्थ क्लिनिक और महिला संयोजिका रश्मि अग्रवाल ने महिला समिति की रिपोर्ट प्रस्तुत की।

शाखा के परामार्शदाताओं गिरधारी लाल अग्रवाल, ओम प्रकाश पंसारी और श्याम लाल अग्रवाल के साथ ही पूर्व अध्यक्षों दिनेश अग्रवाल, गिरधारी लाल गुप्त, विजय जिंदल और डॉ दिलीप पंसारी को उनकी विशिष्ट सेवा हेतु सम्मानित किया गया।

मैं एमएसएमई क्षेत्र की समस्याओं का समाधान करूंगा : केंद्रीय मंत्री

हैदराबाद, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने आज कहा कि वह एमएसएमई व्यापारियों और कपड़ा उद्योगों के सामने आने वाली समस्याओं को हल करने के लिए काम करेंगे। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने हैदराबाद के टूरिज्म प्लाजा में तेलंगाना फेडरेशन ऑफ चैंबर्स ऑफ कॉमर्स द्वारा आयोजित एक बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।

चैंबर प्रतिनिधियों ने केंद्रीय मंत्री को मुख्य रूप से एमएसएमई क्षेत्र में व्यापारियों और कपड़ा उद्योग के सामने आने वाली समस्याओं के बारे में बताया। इसके साथ ही फेडरेशन की ओर से बातचीत बैठक में चैंबर अध्यक्ष प्रकाश और प्रतिनिधि सतीश ने केंद्रीय मंत्री से एमएसएमई को सब्सिडी वाले बैंक ऋण प्रदान करके व्यापारियों को प्रोत्साहित करने का अनुरोध किया।

गोदावरी नदी से आंध्र प्रदेश के 3 युवकों के शव बरामद : 5 अन्य की तलाश जारी

अमरावती, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के डॉ. बीआर अंबेडकर कोनसीमा जिले में गोदावरी नदी में डूबे आठ युवकों में से तीन के शव बरामद कर लिए गए हैं। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) के कर्मियों ने शेष युवकों की तलाश जारी रखी है। वड्डी राजेश (15), उसके भाई वड्डी महेश (15) और सुब्बिता पॉल अभिषेक (18) के शव सुबह बरामद किए गए। सोमवार को मुम्मिदिवरम मंडल में कामिनी लंका के पास नदी में नहाते समय 11 युवकों का एक समूह डूब गया। तीन युवक बाहर निकलने में कामयाब रहे, जबकि बाकी बह गए।

लापता युवकों में सुब्बिता क्रांति किरण (19), तातिपुडी नितीश (18), एलुमर्थी साई (18), रोहित (18) और एलीप महेश (14) शामिल हैं। इनमें से चार युवक काकीनाडा जिले के थे, जबकि चार अन्य कोनासीमा जिले के थे। वे सभी कक्षा 10 और इंटरमीडिएट के छात्र थे। एसडीआरएफ, पुलिस, राजस्व और मत्स्य विभाग स्थानीय मछुआरों और विशेषज्ञ तैराकों की मदद से तलाशी अभियान चला रहे हैं। तलाशी अभियान के लिए एसडीआरएफ की तीन नौकाओं और छह ड्रोन सहित आठ नौकाओं को तैनात किया गया है, जिसकी निगरानी कोनासीमा जिला कलेक्टर आर. महेश कुमार और पुलिस अधीक्षक कृष्ण राव कर रहे हैं।

युवक के गंगावरम मंडल के सेरी लंका में एक दोस्त के परिवार में शादी में शामिल होने आया था। दोपहर का खाना खाने के बाद वे नहाने के लिए नदी में चले गए। स्थानीय लोगों ने बताया कि युवक को पानी की गहराई का बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था और जाहिर तौर पर वह तैरना भी नहीं जानता था। पुलिस की प्रारंभिक जांच में पता चला है कि जब दो युवक डूबने लगे तो तीन अन्य ने उन्हें बचाने की कोशिश की और जब वे भी डूबने लगे तो तीन अन्य ने उन्हें बचाने की कोशिश की और इस प्रक्रिया में वे सभी डूब गए।

बाकी तीन युवक किसी तरह किनारे पर पहुंचे और शोर मचाया और स्थानीय लोगों से मदद की अपील की।

स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस नदी पर पहुंची और लापता युवक की तलाश शुरू की। एसडीआरएफ कर्मियों के साथ राजस्व और अन्य विभागों के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। देर शाम तक तलाशी अभियान जारी रहा और मंगलवार सुबह फिर से शुरू हुआ। मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने घटना पर दुख जताया। उन्होंने कोनसीमा जिले के कलेक्टर से फोन पर बात की। कलेक्टर ने उन्हें बचाव प्रयासों के बारे में जानकारी दी।

दक्षिण मध्य रेलवे

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से पीसीई/दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्य हेतु ई-निविदा आमंत्रित हैं।

एनआईटी नं. जीएम-डब्ल्यू-एससी-युएसएफडी-25-26-01, कार्य विवरण: आईआर के युएसएफडी मैन्युएल एवं विनिर्देशनों के प्रावधानों नुसार, रनिंग रेल्स एवं वेल्ड्स (फ्रैक्चर परीक्षण को छोडकर) की युएसएफडी परीक्षण करना तथा यह टेस्टिंग करने के साथ साथ ट्राफिक शर्तों के तहत एनबीसी(नीड बेस्ड कन्सेप्ट) प्रणाली द्वारा लेवल क्रासिंग्स, लीड पोर्शन आफ पाइंट्स तथा क्रासिंग्स एवं सभी प्रकार के रेलों की स्कैब्ड रेल टेस्टिंग करना। उपरोक्त कार्य ठेकेदार के युएसएफडी मशीन सहित तत्संबंधित निर्धारित एवं निर्देशित नुसार, रेलवे एवं रेलवे एवं वेल्ड्स की अल्ट्रा सोनिक टेस्टिंग या परीक्षण के लिए ताजा सुधार पर्चियों एवं संबंधित निर्देशों नुसार, यथावत रूप से डिफेक्ट्स मार्किंग, दैनिक रिपोर्ट्स की प्रस्तुति एवं बैक अप डाटा की स्टोरिंग कर उपरोक्त कार्य का निर्वहण करना। (एसआरटी /डीआरटी मशीन में न्यूनतम 9 प्रोब्स (बोल्ट होल क्रैक्स को डिटेक्ट करने के लिए 37 डिग्री फारवर्ड/बैकवर्ड प्रोब सहित) होने चाहिए।

अनुमानित लागत/पूधरा/टीडीसी/बंद करने की तिथि व समय: विज्ञापित निविदा मूल्य:रु.6,79,22,280.00, पूधरा(पूर्व धरोहर राशि)रु.4,89,600.00, निविदा बंद करने की तिथि व समय-17.06.2025 के 15.00 बजे

निविदा दस्तावेज एवं अन्य जानकारी को, वेबसाइट:http://ireps.gov.in से प्राप्त कर सकते हैं। सभी शुध्दिपत्रों को केवल आनलाईन पर ही वेबसाइट:http://ireps.gov.in पर जारी किया जायेगा।

प्रधान मुख्य अभियंता, सिकंदराबाद

निविदा सूचना सं.12-एचआरडी-25-26-एसआर.डीईई-एम-एचवायबी

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, एसआर.डीईई/एम/एचवायबी द्वारा तत्संबंधित निम्न निविदाओं की बंद करने की तिथि 19-06-2025 के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं। बोलीदाता अपने मूल/संशोधित बोलियों को उक्त बंद करने की तिथि व समय तक ही प्रस्तुत कर सकते हैं। इस निविदा के प्रति मैन्युएल आफर्स अमान्य है तथा इस तरह के मैन्युएल आफर्स के प्राप्त होने पर उसपर विचार नहीं किया जायेगा।

निविदा सं. 12-एचआरडी-25-26-एसआर.डीईई-एम-एचवायबी, कार्य विवरण: हैदराबाद डिवीजन: इरीसेट कैम्पस में सुपरवायजर्स होस्टल 1,2 एवं 3 को अपग्रेडेशन या अद्यतन करना-बिजली व्यवस्थाएं। अनुमानित लागत: रु.59,86,690.00, पूधरा: रु.1,19,700.00, पूरा करने की अवधि: 12 महिने, बंद करने की तिथि: 19-06-2025 वेबसाइट विवरण: www.ireps.gov.in निविदा का पूरा विवरण प्रदर्शित करने का नोटिस बोर्ड स्थान: एसआर.डीईई/एम/एचवायबी का कार्यालय, हैदराबाद भवन, सिकंदराबाद-500071

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, हैदराबाद

खुली ई-निविदा सूचना सं. बी/इ.इजीएस/05/2025-26 दि.26-05-2025

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों हेतु अधोलिखित तिथिनुसार समय 15.00 बजे तक ई-निविदा आमंत्रित है।

निविदा सूचना सं.-बी/इ.29/आई/इजीएस/09/25-26 दि.26-05-2025, कार्य विवरण: बीजेडए डिवीजन: बीजेडए डिवीजन पर आईआर-नियंत्रक पोर्टल(फेज-I) सहित वेब आधारित मानिटरिंग (आईओटी) का प्रावधान एवं पम्प्स कन्ट्रोल्स सहित एटोमेशन आफ पम्प्स, 30-70 प्लाटफार्म्स पर बिजली रोशनी या लाइटिंग, स्ट्रीट लाइटिंग सर्कूट्स, लिफ्ट्स व एक्सेलेटर्स व इन्ट्रिग्रेट की व्यवस्था। पूरा करने की अवधि: 6 महिने, निविदा मूल्य: रु.7,50,91,838.73 पूधरा/बोली सुरक्षा रु.5,25,500.00, निविदा दस्तावेज मूल्य:रु. शून्य, बंद करने की तिथि: 18-06-2025

भावी निविदाकर्ताओं को सलाह दी जाती है कि, किसी भी निविदा के परिवर्तनों/शुध्दिपत्रों को नोट करने के लिए, निविदा बंद करने की तिथि से पहले, वेबसाइट: www.ireps.gov.in देखें।

विभागीय रेल प्रबंधक(बिजली), विजयवाडा

निविदा सूचना सं. एनइडी/इ-04/2025-26 दि.27-05-2025

निम्न ई-निविदाओं के लिए वेबसाइट:www.ireps.gov.in पर आफर्स आमंत्रित हैं।

निविदा सं. एनइडी/इ-04/2025-26 कार्य विवरण: नांदेड डिवीजन के मीडियम एवं मेजर स्टेशनों के प्लाटफार्म्स पर चार्जिंग फैसिलीटीज या सुविधाओं का प्रावधान। अनुमानित लागत: रु.1,16,18,866.00 बोली सुरक्षा रु.2,08,100.00 आफर वैध: 60 दिन, पूरा करने की अवधि: 9 महिने, नांदेड विभाग प्रशासन के तहत तत्संबंधित विवरण वेबसाइट:www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। बंद करने की तिथि व समय: 17-06-2025 के 15.00 बजे

निविदा दस्तावेज, योग्यता मानदंड, खास शर्तें आदि विवरण हेतु उपरोक्त हमारे वेबसाइट पर जाएं। यह सलाह दी जाती है, यह चेक या पुष्टि करें कि, आफर की प्रस्तुति के पहले, कहीं कोई शुध्दिपत्र प्रकाशित तो नहीं हुवा है।

विभागीय रेल प्रबंधक(बिजली), नांदेड

A0754

निविदा शर्तों/अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्स www.ireps.gov.in अथवा http://www.scr.indianrail-ways.gov.in पर जाएं।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

जुबान नहीं काम से जवाब देता हूं श्रेयस अय्यर, बस नाम ही काफी है

मुंबई, 27 मई (एजेंसियां)। जवाब देना ही है तो जुबान क्यों, काम से क्यों ना दिया जाए. और, श्रेयस अय्यर ये बात खूब समझते हैं. इसीलिए वो अपने खिलाफ हुई हर एक नाइंसाफी का जवाब अपने काम से दे रहे हैं. श्रेयस अय्यर के साथ हुई नाइंसाफियों की फेहरिस्त जरा लंबी है, मगर अब तक उन्होंने हर एक का जवाब दिया है. उन्होंने हर बार हवा के रुख को मोड़ा है. और, अब तो आलम ऐसा है कि श्रेयस अय्यर का बस नाम ही काफी है.

केकेआर ने किया ऐसा 'बर्ताव' तो काम से दिया जवाब

श्रेयस अय्यर के साथ हुए अन्याय का ताजा मामला तो 26 मई से ही जुड़ा है. केकेआर ने इस दिन अपने तीसरे आईपीएल खिताब को जीतने के एक साल पूरे होने का जश्न मनाया. मगर जिस कप्तान के अंदर उसने वो खिताब जीता था, यानी कि श्रेयस अय्यर, उसने उन्हें ही जश्न से दूर रखा. श्रेयस अय्यर ने खुद को नजरअंदाज किए जाने का जवाब केकेआर को 26 मई को ही अपने काम से दे दिया, जब उन्होंने अपनी कप्तानी में पंजाब किंग्स को क्वालिफायर 1 खेलने का लाइसेंस दिला दिया. ये उस नाइंसाफी का भी जवाब है, जो केकेआर ने उन्हें आईपीएल 2025 के लिए रिटेन ना करके की थी.

श्रेयस अय्यर के साथ टीम इंडिया में भी नाइंसाफी कम नहीं हुईं. मगर यहां भी जवाब में उनका काम ही बोला. उन्होंने भारत के लिए आखिरी टेस्ट फरवरी 2024 में खेला था. उन्हें खराब प्रदर्शन का हवाला देते हुए टीम से निकाल दिया गया था. अय्यर को टेस्ट टीम से ड्रॉप होने का तो मलाल था ही लेकिन उस जले पर और नमक छिड़कने का काम बीसीसीआई के उस फैसले ने

किया, जिसके बूते उसने अनुशासनहीनता का हवाला देकर उन्हें कॉन्ट्रेक्ट लिस्ट से ही बाहर कर दिया गया.

श्रेयस अय्यर ने हर अन्याय का काम से दिया जवाब

श्रेयस अय्यर ने जल्दी ही इन नाइंसाफियों का जवाब दिया. उन्होंने रणजी ट्रॉफी, विजय हजारे ट्रॉफी और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में रनों का अंबार लगा दिया. 2024-25 में रणजी में उन्होंने 90.40 की औसत से 454 रन बनाए. विजय हजारे ट्रॉफी में 325 रन 325 की स्ट्राइक रेट से मारे जबकि सैयद मुश्ताक अली में करीब 50 की औसत से 345 रन जड़े. घरेलू क्रिकेट में एक के बाद एक श्रेयस अय्यर के इन दमदार परफॉर्मेन्स को देखकर आखिरकार बीसीसीआई को भी अपना फैसला बदलना पड़ा और उन्होंने अय्यर को फिर से सेंट्रल कॉन्ट्रेक्ट में खोया उनका सम्मान वापस दिया.

इंग्लैंड दौरे के लिए नहीं चुना गया, चीफ सेलेक्टर ने दी बड़ी दलील

आईपीएल 2025 में श्रेयस अय्यर की कप्तानी और बल्लेबाजी दोनों की बातें होने लगी. इसी बीच उनकी भारत की टेस्ट टीम में फिर से वापसी भी भी चर्चा होने लगी. फरवरी 2024 में टीम इंडिया की टेस्ट टीम से ड्रॉप होने के बाद श्रेयस अय्यर ने जो किया, उसे देखने के बाद हर किसी ने उनके इंग्लैंड दौरे के लिए चुने जाने की वकालत की. कयास भी ऐसे ही थे. मगर जब टीम का ऐलान हुआ तो उसमें श्रेयस अय्यर का नाम तक नहीं आया. टीम इंडिया के चीफ सेलेक्टर ने कहा कि मौजूदा टीम में अय्यर के लिए जगह नहीं बनती.

इस बार भी अय्यर का काम बोलेगा, जुबान नहीं

बीते रणजी सीजन में देखें तो श्रेयस अय्यर ने 90.40 की औसत से रन बनाए. फर्स्ट क्लास क्रिकेट में उनका ओवरऑल औसत भी 48 से ज्यादा है. फिर क्यों नहीं रेड बॉल की टीम में जगह बनती, अगरकर का ऐसा कहना समझ से परे हैं. मगर एक बात जरूर है, जिस तरह से अय्यर एक-एक कर अपने काम से सारे अन्यायों का जवाब दे रहे हैं, उम्मीद एक दिन उनका काम अगरकर के उन्हें लेकर दिए बयान पर भी भारी पड़ेगा.

एशियाई खेल 2025: दक्षिण कोरिया में लहराएगा मेरठ का परचम

पारुल-रूपल की रफ्तार और अन्नू का भाला करेगा कमाल!

मेरठ, 27 मई (एजेंसियां)। एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप का आयोजन 27 मई यानी आज से दक्षिण कोरिया में होने जा रहा है। प्रतियोगिता में

59 सदस्यीय भारतीय टीम प्रतिभाग करेगी। प्रतियोगिता में मेरठ से ही तीन महिला एथलीट हिस्सा लेंगी। इसमें 3000 मीटर स्टीपल चेज में पारुल चौधरी, 4 गुणा 400 मीटर रिले रेस में रूपल और भाला फेंक में अन्नू रानी प्रतिभाग करेंगी। प्रतियोगिता को लेकर रूपल और अन्नू साउथ कोरिया पहुंच चुकी हैं। तीनों खिलाड़ियों से ही देशवासियों को पदक की उम्मीद होगी। पारुल की बात करें तो उन्होंने अभी हाल ही में दोहा में आयोजित डायमंड लीग में 3000 मीटर स्टीपल चेज में नेशनल रिकार्ड भी बनाया है। इन तीनों एथलीट की बात करें तो उन्होंने अपने प्रदर्शन से हमेशा देश का नाम रोशन किया है। अन्नू, रानी और पारूल चौधरी ने वर्ष 2023 एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक जीतकर मेरठ समेत पूरे देश का नाम रोशन किया था। अब एक बार फिर एशियाई खेलों में उनके ऊपर पदक लाने की जिम्मेदारी होगी। वहीं रूपल चौधरी की बात करें तो रूपल भी कई नेशनल व इंटरनेशनल प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग कर देश का नाम रोशन कर चुकी हैं। रूपल ने अभी हाल ही में कोच्चि में चल रहे राष्ट्रीय खेलों में भी 400 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीता था। वहीं अन्नू रानी ने भी भाला फेंक में स्वर्ण पदक जीतकर मेरठ का नाम रोशन किया था।

वैभव सूर्यवंशी बना लें श्रेयस अय्यर को गुरु, आसमान से ऊंचा होगा करियर

मुंबई, 27 मई (एजेंसियां)। 14 साल के वैभव सूर्यवंशी की विस्फोटक बल्लेबाजी देख लगता है कि उसके आगे सब बेकार है. इतनी कम उम्र में जो ऐसी ताबड़तोड़ बैटिंग कर रहा है, वो वक्त के साथ जब और सीखेगा और अनुभवी होगा तो क्या करेगा? इसमें दो राय नहीं कि वैभव सूर्यवंशी, भारतीय क्रिकेट का भविष्य हैं. वो अगले सुपरस्टार भी हो सकते हैं. IPL 2025 में 1.10 करोड़ की लगी उन पर बोली और फिर 35 गेंदों वाले उनके शतक को देखने के बाद करियर तो उफान लेता दिख ही रहा है. मगर, वो करियर आसमान से भी ऊंचा हो सकता है अगर वैभव सूर्यवंशी, श्रेयस अय्यर क अपना गुरु बना लें.

अब आप सोच रहे होंगे कि ये क्या बात हुई? वैभव सूर्यवंशी, श्रेयस अय्यर को गुरु क्यों बनाएं? और, अय्यर जब खुद ही अभी खेल रहे हों, वो एक खिलाड़ी हैं तो क्या इस सूरत में वो वैभव के गुरु बनना चाहेंगे? यहां गुरु बनाने से मतलब देखकर सीखने से है. वो गुण जो श्रेयस अय्यर को स्पेशल फील कराते हैं, उन्हें अपने जीवन में घोलने मतलब अपनाने से हैं.

वैभव सूर्यवंशी जिस मिजाज और अंदाज के बल्लेबाज हैं, श्रेयस अय्यर का खेल उससे बिल्कुल जुदा है. बल्लेबाजी के मोर्चे पर तो दोनों

का नेचर ऑफ गेम अलग है. वैभव सूर्यवंशी को बैटिंग में बदलाव लाने की जरूरत भी नहीं है क्योंकि वो जैसे खेलते हैं, वही उनका नेचुरल गेम है. उनकी ताकत है. इसलिए बल्लेबाजी में तो श्रेयस अय्यर को गुरु बनाने को हम कह भी नहीं रहे. मगर उसके अलावा दूसरी चीजें हैं जो वैभव सूर्यवंशी को श्रेयस अय्यर से करियर में तरक्की के लिए जरूर सीखनी चाहिए.

सीख लें ये 2 चीज तो आसमान से ऊंचा होगा करियर

वैभव सूर्यवंशी के लिए जिन दूसरी चीजों के श्रेयस अय्यर से सीखने की बात हम कर रहे हैं, उनमें कप्तानी और विपरीत हालातों में खुद को कैसे संभाले रखना है, उसका तरीका है. आईपीएल 2025 में श्रेयस अय्यर की कप्तानी चर्चा का विषय बन गई है. ऐसा होना भी चाहिए क्योंकि इस सीजन में उन्होंने दिखाया है कि ज्यादा अनकैप्ड प्लेयर्स को खिलाकर भी मुकाबले जीते जा सकते हैं. वो पहले कप्तान बन गए हैं, जिनकी अगुवाई में पंजाब किंग्स ने टॉप 2 में जगह बनाई है. श्रेयस अय्यर का सेलेक्शन टीम इंडिया में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में नहीं हुआ. मायूषी तो हुई मगर श्रेयस ने उसे बोझ नहीं बनने दिया. उन्होंने अपने सेलेक्शन होने ना होने पर कोई टिप्पणी ना करते हुए जो मौजूदा मुकाबले सामने हैं, उन पर फोकस किया. उन्होंने जो भी जवाब दिया, अपने खेल से दिया. शानदार प्रदर्शन के बाद भी अगर नेशनल टीम में सेलेक्शन ना हो तो उस सिचुएशन की डिफकल्टी का अंदाजा लगाया जा सकता है. श्रेयस अय्यर ने उस टफ सिचुएशन को जिस तरह से हैंडल किया, वो काबिलेतारीफ रहा. वैभव सूर्यवंशी का करियर बुलंदी की ओर बढ़ रहा है, इससे इनकार नहीं किया जा सकता. मगर वो एक नई ऊंचाई को छू सकता है, अगर वैभव, श्रेयस अय्यर से थोड़ा उनकी कप्तानी का और थोड़ी दबाव को हैंडल करने का तरीका सीख लें.

आईपीएल के समापन समारोह से पाकिस्तान को लगेगी मिर्ची

बीसीसीआई ने किया बड़ा ऐलान

अहमदाबाद, 27 मई (एजेंसियां)। आईपीएल 2025 अब अपने आखिरी पड़ाव पर है, जहां तीन जून को इसका फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होने वाले फाइनल मुकाबले से पहले समापन समारोह का आयोजन होगा। इसको लेकर बीसीसीआई ने बड़ा ऐलान कर दिया है, जहां इसमें 'ऑपरेशन सिंदूर' को सेलिब्रेट किया जाएगा और सशस्त्र बलों को ट्रिब्यूट दिया जाएगा। बीसीसीआई के इस फैसले से हर फैंस का दिल खुश हो गया है।

बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने पुष्टि की कि समापन समारोह पूरी तरह से सशस्त्र बलों को समर्पित होगा। सेना, नौसेना, वायु सेना और रक्षा स्टाफ के प्रमुखों को 3 जून को भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है।

'बीसीसीआई सेना को सलाम करता है'

उन्होंने 'स्पोर्टस्टार' से बातचीत में कहा, 'बीसीसीआई हमारे सशस्त्र बलों की बहादुरी, साहस और निस्वार्थ सेवा को सलाम करता है, जिनके ऑपरेशन सिंदूर के तहत वीरतापूर्ण प्रयास देश की रक्षा और प्रेरणा देते हैं। श्रद्धांजलि के रूप में हमने समापन समारोह को सशस्त्र बलों को समर्पित करने का फैसला किया है।'

लगातार दिया जा रहा है सेना को ट्रिब्यूट

'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद जब से आईपीएल फिर से शुरू हुआ है, तब से कई जगहों पर सेना को ट्रिब्यूट दिया जा रहा है। वानखेड़े स्टेडियम में फैंस ने 'भारत माता की जय' के नारे लगाए और बड़ी स्क्रीन पर सेना को धन्यवाद मैसेज दिए गए। इसके अलावा खिलाड़ियों ने मैच से पहले राष्ट्रगान भी गाया।

यह पहली बार नहीं है जब आईपीएल ने सेना को सलाम किया है। इससे पहले 2019 में पुलवामा हमले के बाद बीसीसीआई ने उद्घाटन समारोह में एक सैन्य बैंड को शामिल किया और सशस्त्र बलों के लिए 20 करोड़ रुपये देने का ऐलान किया। फाइनल में एक लाख से ज्यादा फैंस के आने की उम्मीद है, जिससे आईपीएल 2025 का समापन समारोह निश्चित तौर पर एक भावनात्मक क्षण होने वाला है।

सिंगापुर ओपन से वापसी करेगी सात्विक-चिराग की जोड़ी, लक्ष्य और सिंधू भी पेश करेंगे चुनौती

सिंगापुर, 27 मई (एजेंसियां)। सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी फिटनेस संबंधी चिंताओं को दूर करने के बाद शुरू हो रहे सिंगापुर ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में सितारों से सजी भारतीय चुनौती की अगुआई करेगी। इस टूर्नामेंट के एकल वर्ग में एसएच प्रणय, लक्ष्य सेन और दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू भी पेश चुनौती पेश करेंगे।

विश्व की पूर्व नंबर एक जोड़ी सात्विक-चिराग ने पिछली बार मार्च में ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप में चुनौती पेश की थी। यह जोड़ी हालांकि चिराग की पीठ की चोट के कारण दूसरे दौर में ही हट गई थी। सात्विक की स्वास्थ्य समस्याओं के कारण वे सुदीरमन कप से भी नहीं खेल सके थे। इस साल की शुरुआत में मलयेशिया ओपन और इंडिया ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे वाली यह भारतीय जोड़ी मलयेशिया के चूंग होन जियान और मुहम्मद हाइकल के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी।

पिछले सप्ताह मलयेशिया मास्टर्स के फाइनल में पहुंचे किदांबी श्रीकांत इस टूर्नामेंट में प्रतिस्पर्धा नहीं करेंगे। 2023 विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता एचएस प्रणय डेनमार्क के राससस गेम्के के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करने उतरेंगे। प्रणय पिछले साल चिकनगुनिया से जूझने के बाद लय हासिल करने की कोशिश में हैं। लक्ष्य सेन शुरुआती दौर में लिन चुन-यी का सामना करके अपनी फिटनेस पर संदेह को दूर करना चाहेंगे। 2021 विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता अल्मोड़ा के 23 वर्षीय खिलाड़ी पेरिस ओलंपिक के सेमीफाइनल में पहुंचने के बाद इस सत्र में चार बार शुरुआती दौर से ही बाहर हो गए हैं। 23 साल के प्रियांशु राजावत और किरण जॉर्ज भी मौजूदा सत्र में प्रभावित करने में नाकाम रहे हैं। वह महिला एकल में अनुभवी पीवी सिंधू अब भी वापसी की राह पर हैं। अपनी कोचिंग टीम में कई बार बदलाव करने के बाद बावजूद दो बार की ओलंपिक पदक विजेता के प्रदर्शन में निरंतरता नहीं दिखी है।

फुटबॉल: मातम में बदला लिवरपूल की खिताबी जीत का जश्न

विजयी परेड के दौरान भीड़ में घुसी कार; एक गिरफ्तार

लिवरपूल, 27 मई (एजेंसियां)। प्रीमियर लीग फुटबॉल खिताब का जश्न मना रहे लिवरपूल के प्रशंसकों की विजयी परेड के दौरान एक कार भीड़ के बीच घुस गई, जिससे 27 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हालांकि पुलिस ने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि यह घटना आतंकवाद से संबंधित थी। लिवरपूल ने इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबॉल मैच में रविवार को एकतरफा मुकाबले में टोटेनहैम को 5-1 हराकर 20वीं बार इस खिताब को अपने नाम कर मैनचेस्टर यूनाइटेड के रिकॉर्ड की बराबरी की थी। पुलिस ने कहा कि उन्होंने लिवरपूल से एक 53 वर्षीय ब्रिटिश व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस का कहना है कि यह व्यक्ति उस कार का चालक है, जिसने जश्न मना रहे समर्थकों के एक बड़े समूह को टक्कर मार दी थी। एम्बुलेंस अधिकारियों ने बताया कि अस्पताल ले जाए गए 27 लोगों में से चार बच्चे थे। एक बच्चे और एक व्यक्ति की हालत गंभीर है। वाहन के नीचे फंसे चार लोगों को दमकलकर्मियों ने बाहर निकाला। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है जिसमें दिख रहा है कि जब कार ने प्रशंसकों की भीड़ को टक्कर मारी तो कुछ लोग हवा में उछल गए। जब कार रुकी तो गुस्साए प्रशंसक कार चालक पर टूट पड़े और गाड़ी की खिड़कियां तोड़ने लगे। हालांकि, पुलिस अधिकारियों ने हस्तक्षेप कर उन्हें चालक तक पहुंचने से रोका। एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि टक्कर लिवरपूल टीम को ले जा रही बस के गुजरने के लगभग 10 मिनट बाद हुई। लिवरपूल ने आखिरी बार जब खिताब जीता था तो कोरोना महामारी के कारण लगे लॉकडाउन की वजह से विजयी परेड नहीं निकाली जा सकी थी। मैच की बात करें तो डोमिनिक सोलंके के 12वें मिनट में किए गोल से पिछड़ने के बावजूद लीवरपूल ने प्रशंसकों को निराश नहीं किया और मध्यांतर तक 3-1 की बढ़त कायम कर उन्हें जश्न मनाने का मौका दे दिया था। लुइस डियाज ने मैच के 16वें मिनट में बराबरी का गोल दागा, जबकि एलेक्सिस मैक एलिस्टर ने इसके आठ मिनट बाद टीम को बढ़त दिला दी।

'भारतीय टीम की कप्तानी करना अलग'

गिल को कप्तान बनाए जाने पर अनिल कुंबले का बड़ा बयान

बेंगलुरु, 27 मई (एजेंसियां)। इंग्लैंड के साथ होने वाली 5 मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए टीम इंडिया का ऐलान हो चुका है। जून में टीम इंडिया इंग्लैंड का दौरा करने वाली है, जिसके लिए शुभमन गिल को टीम इंडिया का नया कप्तान चुना गया है। गिल को कप्तान बनाए जाने पर दिग्गजों के लगातार बयान सामने आ रहे हैं। वहीं पूर्व भारतीय दिग्गज अनिल कुंबले ने भी गिल को टेस्ट टीम का कप्तान बनाए जाने पर बड़ा बयान दिया है।

गिल को कप्तान बनाए जाने पर क्या बोले कुंबले?

अनिल कुंबले ने ऑस्ट्रेलियाई समर ऑफ क्रिकेट 2025-26 कार्यक्रम में स्टीव वॉ, मैथ्यू हेडन और रॉबिन उथप्पा से बातचीत करते हुए कहा "इसको लेकर सभी सक्षम हैं और आपने देखा होगा कि वे किस तरह से क्रिकेट खेलते हैं। टीम इंडिया के लिए कप्तानी करना किसी फ्रैंचाइजी या राज्य की कप्तानी करने से थोड़ा अलग होता है। टीम इंडिया की कप्तानी के साथ आपको जिम्मेदारी और दबाव भी मिलता है और मुझे लगता है कि गिल इन सबसे निपटने में सक्षम हैं।"

'परिवर्तन होना तय है'

रोहित शर्मा और विराट कोहली के संन्यास को लेकर कुंबले ने कहा "परिवर्तन होना तय है और टीम इंडिया के लिए 3 खिलाड़ी लंबे समय से स्तंभ रहे हैं जो अब नहीं होंगे। फैंस के रूप में ये हमारे लिए काफी अलग होने वाला है जब पहले टेस्ट के दौरान ये 3 बड़े नाम नहीं दिखेंगे। ड्रेसिंग रूम को समय के साथ इसकी आदत हो जाएगी।"

गुजरात टाइटंस की कप्तानी कर रहे गिल

पिछले दो आईपीएल सीजन से शुभमन गिल गुजरात टाइटंस की कप्तानी कर रहे हैं। इस सीजन गिल कमाल की कप्तानी के साथ-साथ शानदार बल्लेबाजी भी कर रहे हैं। गिल की कप्तानी में टीम प्लेऑफ में पहुंच चुकी है इसके अलावा गिल इस सीजन सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज हैं। 14 मैचों में शुभमन गिल के बल्ले से 649 रन निकल चुके हैं। उनके बल्ले से अभी तक 6 अर्धशतक निकल चुके हैं। अब गिल की कप्तानी के लिए इंग्लैंड दौरा काफी अहम होने वाला है।

बृजभूषण के खिलाफ यौन शोषण का एक केस खत्म: नाबालिग पहलवान ने कहा था- बहकावे में आ गई थी

पूर्व सांसद बोले-दूसरा मामला भी क्लोज होगा

गोंडा, 27 मई (एजेंसियां)। दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने बृजभूषण शरण सिंह को नाबालिग पहलवान से यौन शोषण मामले में बरी कर, केस क्लोज कर दिया। पिछली सुनवाई में नाबालिग अपने बयान से पलट गई थी। जिसके बाद कोर्ट ने ये निर्णय लिया। यौन शोषण का मामला क्लोज होने के बाद गोंडा में जश्न का माहौल है।

नाबालिग ने 1 अगस्त, 2023 को बंद कमरे में हुई सुनवाई के दौरान कहा था कि उसने किसी राजनीतिक या भावनात्मक दबाव में आकर ये आरोप लगाए थे। ऐसी कोई घटना नहीं घटी थी। जिसमें वह खुद को पीड़िता मानती हो। इस बयान के बाद कोर्ट ने इसे 'गंभीर परिवर्तनीय साक्ष्य' माना था।

बृजभूषण बोले- मामले में सच्चाई नहीं

कोर्ट के निर्णय पर दैनिक भास्कर ने पूर्व सांसद बृजभूषण से फोन पर बातचीत की। उन्होंने कहा- यह बजरंगबली और प्रभु श्रीराम का आशीर्वाद है कि मुझे इस मामले में पहली बड़ी जीत मिली है। कथित पहलवानों के भड़कने से नाबालिग पहलवान ने मेरे ऊपर आरोप लगाया था। लेकिन जब उसको सच्चाई पता चली, तो उसने सही बयान दिया था। जिसके आधार पर कोर्ट ने उस मुकदमे को खत्म कर दिया है।

कल मैं सबसे पहले अयोध्या पहुंच कर बजरंगबली का आशीर्वाद लूंगा। उसके बाद अपने नंदिनी नगर माता मंदिर पहुचूंगा, जहां आशीर्वाद लेकर अपने घर जाऊंगा। जल्द ही जो अन्य महिला पहलवानों के मामले चल रहे हैं, उसको लेकर हम हाईकोर्ट गए हुए हैं, वह मुकदमा भी जल्द खत्म होगा। उनमें कोई सच्चाई नहीं है।

नाबालिग पहलवान ने माना था कि वह दिल्ली पुलिस की जांच से संतुष्ट है। उसे क्लोजर रिपोर्ट पर कोई आपत्ति नहीं है। दिल्ली पुलिस ने 15 जून, 2023 को इस मामले में क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की थी।

2 एफआईआर दर्ज की गई थीं

दिल्ली पुलिस ने बृजभूषण के खिलाफ कनॉट प्लेस थाने में 2 एफआईआर दर्ज की थी। एक एफआईआर भारतीय दंड संहिता (IPC) की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज की गई थी। जिसमें हरियाणा की महिला पहलवानों ने यौन शोषण का आरोप लगाया था। दूसरी FIR पॉस्को एक्ट के तहत हुई। पॉस्को केस में नाबालिग शिकायतकर्ता ने अपने आरोप वापस ले लिए थे।

पढ़िए नाबालिग के पिता के आरोप

नाबालिग पहलवान के पिता ने कहा था- बेटी ने एशियन

चैंपियनशिप में 62KG फ्री स्टाइल में गोल्ड मेडल जीता। फिर 16 साल की उम्र में झारखंड के रांची में नेशनल गेम्स में जूनियर रेसलिंग चैंपियनशिप में गोल्ड जीता। यहीं पर फोटो लेने के बहाने बृजभूषण ने जबरन बेटी को अपने करीब खींचा। उसे बाहों में इतना कसकर जकड़ लिया कि वह खुद को छुड़ाने के लिए हिल तक नहीं पाई। बृजभूषण हाथ उसके कंधे से नीचे ले गया।

बृजभूषण ने कहा कि एशियन चैंपियनशिप के ट्रायल जल्द होने वाले हैं। कोऑपरेट नहीं किया तो खमियाजा ट्रायल्स में भुगतना पड़ेगा। बृजभूषण ने नाबालिग पहलवान को कमरे में बुलाया। नाबालिग पहलवान प्रेशर में थी कि उसका करियर बृजभूषण बर्बाद न कर दे इसलिए वह मिलने चली गई। वहां पहुंचते ही बृजभूषण ने उसे अपनी तरफ खींचा और जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाने की कोशिश की। नाबालिग पहलवान इससे पूरी तरह सहम गई। उसने किसी तरह खुद को छुड़ाया और कमरे से बाहर भाग निकली।

इसके बाद 2022 के मई महीने में एशियन चैंपियनशिप के ट्रायल हुए, जहां बृजभूषण के कहे मुताबिक नाबालिग पहलवान के साथ भेदभाव किया। इसी ट्रायल में एक और बात हुई। ट्रायल में एथलीट के स्टेट से ही रेफरी और मैट चेयरमैन, दोनों नहीं हो सकते। नाबालिग पहलवान के ट्रायल के दौरान उसे दिल्ली के पहलवान के साथ लड़ाया गया जिसमें रेफरी और मैट चेयरमैन दोनों दिल्ली से थे। यह नियमों का उल्लंघन था।

नाबालिग पहलवान ने वहीं पर इसका विरोध किया तो उससे दो-टूक कहा गया कि उसे खेलना होगा, वरना दूसरे एथलीट को वॉकओवर यानी विजेता घोषित कर दिया जाएगा। नाबालिग पहलवान के मैच के वक्त रिकॉर्डिंग को स्विच ऑफ और ऑन किया जाता रहा ताकि वीडियो में गड़बड़ी कर सकें।

ये सब बृजभूषण के कहने पर किया गया, क्योंकि मेरी बेटी ने उसकी यौन इच्छा पूरी करने से इनकार कर दिया था। 2022 में जब नाबालिग पहलवान लखनऊ ट्रायल्स में प्रैक्टिस कर रही थी तो बृजभूषण फिर उसके पास आया। बृजभूषण ने उसे पर्सनली मिलने को कहा। नाबालिग पहलवान ने कहा कि बार-बार परेशान न करें।

नगर पालिका अध्यक्ष ने जमकर की आतिशबाजी

नाबालिग से यौन शोषण का मामला खत्म होने के बाद गोंडा में बृजभूषण के क्षेत्र में जश्न का माहौल है। लोग पटाखे और राकेट छोड़ रहे हैं। नवाबगंज नगर पालिका अध्यक्ष सत्येंद्र सिंह ने नवाबगंज बाजार में जमकर आतिशबाजी की। एक दर्जन से अधिक गोले और पटाखे दागे।

प्रतीक भूषण बोले- ये जीत आगे भी जारी रहेगी

भाजपा विधायक प्रतीक भूषण सिंह ने कहा- हमने एक झूठे और मनगढ़ंत मामले में न्यायिक विजय प्राप्त की है। प्रत्येक तथ्यहीन आरोप अब न्याय के कठघरे में धराशायी हो रहा है। यह सत्य की जीत है और यह जीत आगे भी कायम रहेगी।

बीजेपी सांसद करण भूषण सिंह ने कहा- न्याय और सत्य की निर्णायक जीत

कैसरगंज से बीजेपी सांसद करण भूषण सिंह ने एक्स पर लिखा- यह न्याय और सत्य की निर्णायक जीत है। सत्य परेशान हो सकता है, लेकिन पराजित नहीं। न्यायपालिका जिंदाबाद, नेताजी जिंदाबाद।

सरकार सारा अनाज खरीदने के लिए तैयार : रेवंत रेड्डी

मुख्यमंत्री ने मंत्रियों और अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस की

हैदराबाद, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि इस वर्ष राज्य में मानसून 15 दिन पहले आ गया, जो अभूतपूर्व है और लोगों को इसके अनुरूप तैयारी करनी चाहिए तथा अग्रिम योजना के साथ काम करना चाहिए। रेवंत रेड्डी ने सभी जिलों के कलेक्टरों को निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि बारिश जल्दी आ जाने के कारण कुछ स्थानों पर अनाज खरीदी में दिक्कतें आई हैं और किसान चिंतित हैं। मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि सरकार सारा अनाज खरीदने के लिए तैयार है। सरकार ने इस बार यासांगी में पहले से कहीं अधिक अनाज खरीदा है। पिछले साल सरकार ने 42 लाख मीट्रिक टन अनाज खरीदा था और इस बार अब तक 64.50 लाख टन अनाज खरीदा जा चुका है। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस बार सबसे ज्यादा अनाज खरीदा गया है और 90 प्रतिशत अनाज खरीद का काम पूरा हो चुका है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार आने के 48 घंटे के भीतर ही उन्होंने किसानों को उनके अनाज का भुगतान कर दिया और अब तक 15000 रुपये का भुगतान कर दिया गया है। इस सीजन में 12,184 करोड़ रुपये का कारोबार हुआ। उन्होंने अधिकारियों और जिला कलेक्टरों को उनके कुशल कार्य के लिए बधाई देते हुए कहा कि सरकार को यह सफलता मिली है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष तेलंगाना में 2.75 करोड़ टन धान की पैदावार, जो देश में सर्वाधिक है, हमारे किसानों की सफलता है। उन्होंने इसमें भागीदारी के लिए कृषि विभाग और नागरिक आपूर्ति विभाग को विशेष रूप से बधाई दी। ऐसा माना जा रहा है कि इस वर्ष समय से पहले हुई बारिश के कारण कुछ स्थानों पर अनाज संग्रहण में बाधा आई है। मुख्यमंत्री ने कलेक्टरों को पिछले वर्ष की तुलना में 21.50 लाख टन अधिक धान खरीदने के निर्देश दिए तथा कहा कि किसानों के पास साढ़े चार लाख टन धान शेष है, उसे बिना किसी परेशानी के खरीदा जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि 33 में से 21 जिलों में अनाज खरीद सफल रही, जबकि 12 जिलों में छिटपुट विरोध प्रदर्शन हुए। उन्होंने कहा कि यदि कलेक्टर फील्ड स्तर पर जाएं तो इन सभी समस्याओं का समाधान मौके पर ही हो जाएगा। उन्होंने कहा कि छोटी-छोटी घटनाओं को बड़ा प्रचार मिल रहा है, क्योंकि अच्छे काम को मान्यता नहीं मिल रही है और कुछ स्थानों पर राजनीति से प्रेरित विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। उन्होंने एक घटना का हवाला दिया जिसमें एक झूठी अफवाह फैलाई गई कि यदि कोई किसान बीमारी से मर गया तो इसका कारण अनाज की खरीद थी।

इसीलिए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि कलेक्टर समय-समय पर अनाज खरीदी का ब्यौरा बिना छिपाए बताएं और कलेक्टर सक्रियता से काम करें। उन्होंने कहा कि यदि शासन के मामले में कोई गलती या विफलता है तो उसे सुधारा जाना चाहिए और यदि कोई दुष्प्रचार हो रहा है तो उसका स्पष्टीकरण दिया जाना चाहिए।

फतेहनगर पुल की सीढ़ियां गिरी, दो लोग घायल

हैदराबाद, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार को सनतनगर में फतेहनगर फ्लाईओवर ब्रिज की सीढ़ी का एक हिस्सा गिरने से दो लोग घायल हो गए। यह घटना उस समय घटी जब 30 साल से अधिक पुरानी पैदल यात्री सीढ़ी, जो पहले से ही क्षतिग्रस्त थी, उस समय अचानक ढह गई जब पैदल यात्री उस पर चढ़ रहे थे। इस घटना में दो व्यक्तियों को हल्की चोटें आईं, जिन्हें तुरंत उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। सनतनगर पुलिस मौके पर पहुंची। उन्हें संदेह है कि सीढ़ियां बारिश के पानी में डूब गईं और ढह गईं।

खेत मजदूर ने कर ली आत्महत्या

आदिलाबाद, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। थमसी मंडल के कप्परला गांव में मंगलवार को एक 31 वर्षीय खेत मजदूर ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। उसके इस कदम के पीछे का कारण अभी पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने बताया कि ए नारायण ने कीटनाशक खाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। नारायण के परिवार में उनकी पत्नी और 5 साल की बेटी है। उनकी पत्नी गर्भवती थीं। नारायण की पत्नी अपर्णा ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। मामला दर्ज कर लिया गया है। जांच जारी है।

पशुओं के अवैध परिवहन को रोकने के लिए चेकपॉइंट स्थापित किए जाएंगे : सीवी आनंद

सिटी पुलिस ने बकरीद को लेकर समन्वय बैठक की

हैदराबाद, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में बकरीद त्यौहार के शांतिपूर्ण और स्वच्छ उत्सव को सुनिश्चित करने के लिए आज सालार जंग संग्रहालय सभागार में एक समन्वय बैठक आयोजित की गई। हैदराबाद सिटी पुलिस कमिश्नर सी.वी. आनंद की अध्यक्षता में हुई बैठक में पशुपालन, जीएचएमसी, आरटीए, टीजीएसपीडीसीएल और एचएमडब्ल्यूएस एस एंड बी जैसे विभिन्न सरकारी विभागों के अधिकारी शामिल थे। बैठक में विक्रम सिंह मान, अतिरिक्त सीपी, कानून और व्यवस्था, जीएचएमसी चारमीनार जोनल कमिश्नर, रघु प्रसाद, आरटीओ-2 सीजेड खैरताबाद, डॉ. मल्लेश्वरी, अतिरिक्त निदेशक, पशुपालन विभाग, डॉ. बाबू बेरी, जिला पशु चिकित्सा और पशुपालन अधिकारी, आरआर जिला, डी. सोमी रेड्डी, एसई/ओपी हैदराबाद, एचएमडब्ल्यूएस एसएंडबी के अधिकारी, कई पुलिस और पशु चिकित्सा कर्मचारी, साथ ही विधायक मजीद हुसैन (नामपल्ली), कौसर मोहिउद्दीन (कारवान), जुल्फिकार अली (चारमीनार), जाफर हुसैन मेराज (याकूतपुरा), एमएलसी मिर्जा रहमत अली बेग, धार्मिक नेता, कुरैशी और मौलाना शामिल रहे। सीपी सिटी सी.वी. आनंद हैदराबाद ने कहा कि हैदराबाद सिटी कमिश्नरेट के आसपास केवल जानवरों के अवैध परिवहन को रोकने और सुरक्षा कारणों से चेकपॉइंट स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने जनता से कानून को अपने हाथ में न लेने का आग्रह किया, इस बात पर जोर देते हुए कि केवल सरकारी अधिकारी और कानून प्रवर्तन एजेंसियां ही वाहनों को रोकने या निरीक्षण करने के लिए अधिकृत हैं।

बैठक में पशुपालन विभाग और जीएचएमसी: सभी चेकपॉइंट्स पर 24/7 पशु चिकित्सकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने का अनुरोध किया गया। जीएचएमसी अधिकारी : बकरीद से पहले सभी क्षेत्रों में स्ट्रीट डॉग कैचिंग टीमों को तैनात करने का निर्देश दिया गया। उन्हें पशुओं के शवों के लिए हर घर में निपटान कवर उपलब्ध कराने और त्योहार के दिन कचरे और शवों को इकट्ठा करने के लिए विशेष टीमों की व्यवस्था करने का भी निर्देश दिया गया। जीएचएमसी को कुशल कचरा संग्रह और निपटान के लिए पर्याप्त वाहन, टिपर और जेसीबी उपलब्ध कराने और बकरीद के दौरान उत्पन्न कचरे को साफ करने के लिए पर्याप्त कर्मचारी नियुक्त करने के लिए भी कहा गया। बिजली और इंजीनियरिंग विभाग : जनता को किसी भी असुविधा को रोकने के लिए त्योहार के दौरान निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी सौंपी गई। एचएमडब्ल्यूएसएसएंडबी और इंजीनियरिंग अधिकारी : सीवरेज सिस्टम की निगरानी और रखरखाव करने और त्योहार के दौरान निरंतर पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

आरटीए अधिकारियों से अपने-अपने क्षेत्रों में पर्याप्त ड्राइवर, मैकेनिक और क्रेन की उपलब्धता सुनिश्चित करने का अनुरोध किया गया। धार्मिक नेताओं और समुदाय के प्रतिनिधियों की अपील : मुस्लिम धार्मिक नेताओं और समुदाय के प्रतिनिधियों ने सभी से जानवरों के कचरे को केवल निर्दिष्ट क्षेत्रों में ही निपटाने, सड़कों को साफ रखने और पुलिस और अन्य विभागीय अधिकारियों के साथ सहयोग करने का आग्रह किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि शहर की "गंगा-जमुना तहजीब" (संयुक्त संस्कृति) को बनाए रखना और शांति बनाए रखना सामूहिक जिम्मेदारी है।

जीएचएमसी जोनल कमिश्नर ने व्यापक स्वच्छता उपायों के बारे में विस्तार से बताया, जिसमें वार्डों और मस्जिदों के पास अतिरिक्त स्वच्छता टीमों और कचरा संग्रह वाहनों की तैनाती शामिल है। उन्होंने पुष्टि की कि कचरा बैग तैयार रहेंगे और जीएचएमसी के अधिकारी सक्रिय रूप से अपने कर्तव्यों का पालन करेंगे। सी.वी. आनंद ने स्पष्ट किया कि केवल नामित पुलिस कर्मी, जीएचएमसी और पशुपालन कर्मचारी ही चौकियों पर मौजूद रहेंगे। उन्होंने हैदराबाद सिटी पुलिस से पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने यह कहते हुए निष्कर्ष निकाला कि यह समन्वित तंत्र, निरंतर सहयोग और सक्रिय उपाय किसी भी समस्या को हल करने में बहुत मदद करेंगे, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि सभी शहरवासी एक सुचारू, सुरक्षित और आनंदमय बकरीद मना सकें।

पूर्व विधायक मदन लाल के निधन पर केसीआर ने जताया शोक

हैदराबाद, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने खम्मम जिले के पूर्व वायरा विधायक और वरिष्ठ नेता बनोत मदन लाल के निधन पर शोक व्यक्त किया। 62 वर्षीय बीआरएस नेता का हैदराबाद के एक निजी अस्पताल में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वह 62 वर्ष के थे।

चंद्रशेखर राव ने एक बयान में मदन लाल के असामयिक निधन पर दुख व्यक्त करते हुए इसे बीआरएस और वायरा के लिए एक बड़ी क्षति बताया। उन्होंने शोक संतप्त परिवार के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त की और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने अपनी संवेदना व्यक्त की और वायरा के लोगों के लिए मदन लाल की समर्पित सेवा को याद किया। उन्होंने आदिवासी, पिछड़े और कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए पूर्व विधायक की प्रतिबद्धता को याद किया। उन्होंने कहा कि एक ईमानदार और प्रतिबद्ध नेता के रूप में मदन लाल के योगदान को हमेशा याद किया जाएगा।

पूर्व मंत्री और वरिष्ठ विधायक टी हरीश राव और एमएलसी के कविता ने भी मदन लाल के आकस्मिक निधन पर दुख व्यक्त किया, जो 2014 से बीआरएस से जुड़े थे।

उन्होंने कहा कि मदन लाल का निधन बीआरएस के साथ-साथ वायरा के लोगों, खासकर आदिवासियों और पिछड़े वर्गों के लिए बहुत बड़ी क्षति है। उन्होंने उनकी दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। स्पीकर गड्डाम प्रसाद, राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, सांसद वड्डीराजू रविचंद्र, वरिष्ठ बीआरएस नेता एस निरंजन रेड्डी, रावुला चंद्रशेखर रेड्डी और कई अन्य लोगों ने भी शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।

प्रेम में असफलता से दुखी होकर उभरते डांस मास्टर ने की आत्महत्या

हैदराबाद, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। प्रेम में असफलता से परेशान 17 वर्षीय उभरते डांस मास्टर ने सोमवार रात मियापुर स्थित एक डांस स्टूडियो में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पीड़ित की पहचान उत्तर प्रदेश के मूल निवासी सागर के रूप में हुई है, जो मियापुर स्थित डेलोइट डांस स्टूडियो में काम करता था और रात में स्टूडियो के एक कमरे में रहता था। पुलिस के अनुसार, सागर एक लड़की से प्रेम करता था और हाल ही में उसने डांस स्टूडियो के मालिक परमेश को अपने प्रेम संबंध में असफलता के बारे में बताया था। वह पिछले एक सप्ताह से काफी परेशान था और सोमवार रात को उसने डांस स्टूडियो के अपने कमरे में पंखे से लटककर आत्महत्या कर ली। डांस स्टूडियो के मालिक ने उसे मृत पाया और पुलिस को सूचना दी। मियापुर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल के मुर्दाघर में भेज दिया गया।

नाबालिग लड़के ने की आत्महत्या

मोबाइल फोन के इस्तेमाल को लेकर माता-पिता ने डांटा था

हैदराबाद, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मोबाइल फोन के अत्यधिक उपयोग के लिए माता-पिता द्वारा डांटे जाने से परेशान होकर एक नाबालिग लड़के ने सोमवार को सैदाबाद में अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। आईएस सदन के विनय नगर कॉलोनी का 16 वर्षीय लड़का हाल ही में स्कूल सेकेंडरी सर्टिफिकेट परीक्षा में एक विषय में फेल हो गया था। वह घर पर रहकर एडवांस सप्लीमेंट्री परीक्षा की तैयारी कर रहा था। जानकारी के अनुसार, शनिवार को उसने अपने एक मित्र से स्मार्ट मोबाइल फोन उधार लिया था और उसमें वीडियो गेम खेल रहा था। पहले भी उसके माता-पिता ने उसे मोबाइल फोन का बहुत अधिक उपयोग करने, टीवी देखने तथा पढ़ाई पर ध्यान न देने के लिए डांटा था। रविवार को उसकी मां ने उसे टीवी देखने और पढ़ाई न करने के लिए डांटा था। सोमवार शाम को भी उसके माता-पिता ने उसे मोबाइल फोन पर वीडियो गेम खेलने के लिए डांटा था। कथित तौर पर इससे परेशान होकर उसने घर में छत के पंखे से रस्सी से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सैदाबाद पुलिस जांच कर रही है।

बीआरएस एमएलसी कविता ने लॉन्च की 'सिंगरेनी जागृति'

हैदराबाद, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना जागृति अध्यक्ष और बीआरएस एमएलसी के कविता ने तेलंगाना जागृति से संबद्ध एक नया मंच सिंगरेनी जागृति लॉन्च किया है। सिंगरेनी जागृति का उद्देश्य सिंगरेनी श्रमिकों के हितों की रक्षा करना और सार्वजनिक क्षेत्र की कोयला कंपनी के भविष्य की सुरक्षा करना है।

उन्होंने श्रमिक वर्ग के प्रति बीआरएस की प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए कहा कि श्रमिकों के मुद्दों का समाधान करना सिंगरेनी जागृति का मुख्य उद्देश्य रहेगा।

मंगलवार को बंजारा हिल्स स्थित अपने आवास पर आयोजित बैठक में कविता ने सिंगरेनी क्षेत्र के जागृति नेताओं से बातचीत की और 11 प्रमुख परिचालन क्षेत्रों के लिए समन्वयक नियुक्त किए। उन्होंने घोषणा की कि सिंगरेनी जागृति टीबीजीकेएस (तेलंगाना बोग्गू गनी कार्मिक संघम) के साथ मिलकर काम करेगी ताकि श्रमिकों के लिए कल्याणकारी कार्यक्रम चलाए जा सकें, साथ ही विशेष आउटरीच पहलों के माध्यम से युवाओं और जनता को भी जोड़ा जा सके।

बीआरएस एमएलसी ने याद दिलाया कि बीआरएस शासन के दौरान आश्रितों की नौकरियां बहाल की गईं और सिंगरेनी को संरक्षण दिया गया। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार में डूबी कांग्रेस सरकार सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) को पतन की ओर ले जा रही है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पक्ष में काम करने और श्रम संहिता पर चुप रहने के लिए मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी की आलोचना की, जिसके बारे में उन्होंने कहा कि यह श्रमिकों के अधिकारों को खतरे में डालता है। उन्होंने मांग की कि सरकार छद्म नामों के मुद्दे के कारण चुनौतियों का सामना कर रहे श्रमिकों का समाधान करे।

ब्रिटेन और अमेरिका के लिए केटीआर रवाना

बीआरएस रजत जयंती समारोह में लेंगे भाग

हैदराबाद, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामाराव तेलंगाना स्थापना दिवस समारोह और अमेरिका में बीआरएस रजत जयंती समारोह सहित कई प्रमुख कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए ब्रिटेन और अमेरिका की यात्रा पर रवाना हो गए हैं। रामाराव सबसे पहले लंदन जाएंगे, जहां वे ब्रिज इंडिया द्वारा आयोजित इंडिया वीक 2025 में मुख्य भाषण देंगे। वे तेलंगाना के शासन मॉडल, नवाचार-संचालित विकास और बीआरएस के नौ साल के शासन के तहत उपलब्धियों को प्रदर्शित करेंगे।

पूर्व मंत्री वारविक में पीडीएसएल (प्रैगमैटिक डिज़ाइन सॉल्यूशन लिमिटेड) नॉलेज सेंटर का भी उद्घाटन करेंगे। मैकलारेन, एस्टन मार्टिन और जगुआर लैंड रोवर जैसी शीर्ष ऑटोमोटिव दिग्गजों को उन्नत आरएंडडी सेवाएं प्रदान करने वाला यह केंद्र, मोबिलिटी तकनीक में तेलंगाना-आधारित नवाचार के लिए एक मील का पत्थर है। अमेरिका में, रामाराव 1 जून को टेक्सास के फ्रिस्को में कोमेरिका सेंटर में आयोजित भव्य तेलंगाना स्थापना दिवस और बीआरएस रजत जयंती समारोह में भाग लेंगे। यह कार्यक्रम अमेरिका में तेलुगु एनआरआई का सबसे बड़ा समारोह होगा। 2 जून को वे डलास स्थित टेक्सास विश्वविद्यालय में छात्रों से बातचीत करेंगे और नवाचार, उद्यमिता तथा भारत के भविष्य को आकार देने में युवाओं की भूमिका पर चर्चा करेंगे। इसके बाद वे हैदराबाद लौट आएंगे।

मिस वर्ल्ड 2025 कार्यक्रम को 'रियल एस्टेट एक्सपो' में बदला गया

कांग्रेस सरकार की दसोजू श्रवण ने की आलोचना

हैदराबाद, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस एमएलसी दासोजू श्रवण ने हैदराबाद में मिस वर्ल्ड 2025 कार्यक्रम को रियल एस्टेट उपक्रमों को बढ़ावा देने के मंच में बदलने के लिए रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली सरकार की आलोचना की है। उन्होंने कांग्रेस सरकार के कार्यों को तेलंगाना का शर्मनाक अपमान बताया, जिसने एक प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम को एक गौरवशाली रियल एस्टेट एक्सपो में बदल दिया।

उन्होंने कहा कि हैदराबाद में मिस वर्ल्ड 2025: जहां खूबसूरती ब्रोकरेज से मिलती है और ताज स्थानीय कॉन्डो से मिलते हैं। दुनिया के लिए तेलंगाना का प्रवेश द्वार अब निर्मित क्षेत्रों, कार पार्किंग और क्लब हाउस सुविधाओं के साथ आता है। कार्यक्रम के क्रियान्वयन पर कटाक्ष करते हुए श्रवण ने कहा कि जब दुनिया भव्यता, प्रतिष्ठा और अंतरराष्ट्रीय आकर्षण की उम्मीद कर रही थी, तब हॉनर होम्स और हैदराबाद के प्लॉट्स ने सुर्खियां बटोरीं। उन्होंने कहा कि वैश्विक प्रायोजकों और अंतरराष्ट्रीय मीडिया के बजाय स्थानीय उपक्रमों को स्थानीय मीडिया में प्राइम-टाइम दृश्यता मिली।

उन्होंने व्यंग्यात्मक रूप से मुख्यमंत्री की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने कैटवॉक को कैटलॉग में बदल दिया और सैश को साइट विजिट में बदल दिया। उन्होंने कहा कि यह हमारे रियल एस्टेट मुख्यमंत्री द्वारा अंतरराष्ट्रीय ब्रांडिंग और वैश्विक निवेश आकर्षित करने का एक दूरदर्शी कदम है। उन्होंने कहा कि इस आयोजन में तेलंगाना के लिए अंतरराष्ट्रीय कवरेज या सार्थक ब्रांडिंग का अभाव था, इसके बजाय यह स्थानीय बिल्डरों के लिए एक मार्केटिंग प्लेटफॉर्म के रूप में काम कर रहा था।

ओजीएच में चौबीसों घंटे रोगी सहायता सेवाएँ होंगी

रोगियों के लिए एक समर्पित हेल्पलाइन

हैदराबाद, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के सबसे बड़े और सबसे पुराने अस्पताल, उस्मानिया जनरल अस्पताल (ओजीएच) में पहली बार चौबीसों घंटे रोगी सहायता सेवाएँ होंगी, साथ ही एक समर्पित हेल्पलाइन भी होगी, जो रोगियों को गतिशीलता, नेविगेशनल सहायता और अन्य रोगी देखभाल सहायता सेवाओं के लिए सहायता प्रदान करेगी। बड़े और जटिल अस्पताल परिदृश्य में चौबीसों घंटे रोगी सहायता सेवाओं, विशेष रूप से व्हीलचेयर और स्ट्रेचर की उपलब्धता एक समर्पित हेल्पलाइन के माध्यम से महत्वपूर्ण और जीवनरक्षक होगी। उदाहरण के लिए, लगभग 25% चिकित्सा आपात स्थितियाँ देर रात को आती हैं, इसके अलावा चौबीसों घंटे चलने वाला डायलिसिस केंद्र प्रतिदिन 120-130 रोगियों की सेवा करता है और कई वैकल्पिक सर्जरी के लिए चौबीसों घंटे रोगी सहायता की आवश्यकता होती है, इसके अलावा रोगियों की अन्य इंट्रा यूनिट शिफ्टिंग भी होती है। बशीर और सरवर बाबू खान मानव विकास ट्रस्ट, (बीएसबी एचडीटी) ने ओजीएच में हेल्प डेस्क सेवाओं का समर्थन करने का संकल्प लिया है और हेल्पिंग हैंड फाउंडेशन को अपने कार्यान्वयन भागीदार के रूप में शामिल करेगा जो पिछले एक दशक से इन अस्पतालों में काम कर रहा है। ओ.पी. ब्लॉक में रैम्प के अलावा अप्रयुक्त स्थान को अब एक समर्पित हेल्प लाइन के साथ रोगी सहायता के लिए एक विशाल वार रूम जैसी सुविधा में बदल दिया गया है। हेल्प डेस्क को एच.एच.एफ. के 20 से अधिक स्वयंसेवकों की एक अच्छी तरह से प्रशिक्षित टीम द्वारा 3 शिफ्टों में चौबीसों घंटे कवरेज के लिए प्रबंधित किया जाएगा। गतिशीलता सहायता प्रदान करने के अलावा, स्वयंसेवक अस्पताल के विभागों में मरीजों की सहायता करेंगे, ओ.पी. सेवाओं, अज्ञात या बेघर रोगियों के उपचार आदि में सहायता करेंगे।

कई बेघर मरीज अक्सर अस्पताल परिसर में पाए जाते हैं और ओ.जी.एच. में सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की मदद से, बेघर मरीजों के साथ सम्मान के साथ व्यवहार किया जाएगा, उन्हें साफ किया जाएगा, कपड़े पहनाए जाएंगे और डॉक्टरों द्वारा उपचार के लिए लाइन में खड़ा किया जाएगा।

ओजीएच के अधीक्षक डॉ. राकेश सहाय ने कहा कि चिकित्सा आपात स्थितियों में व्हीलचेयर और स्ट्रेचर की समय पर उपलब्धता, विशेष रूप से रात या तड़के, महत्वपूर्ण है और चौबीसों घंटे सेवाएं उपलब्ध होने से कई रोगियों को समय पर सहायता मिलेगी, जो जीवन रक्षक होगी।

हमारा उद्देश्य सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत करना है और हम एचएचएफ जैसे संगठनों का समर्थन कर रहे हैं, जो पहले वर्ष में 80 से अधिक सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं (सीएचडब्ल्यू) के साथ 15 से अधिक सरकारी अस्पतालों में पहुंच और रोगी देखभाल में सुधार के लिए लंबे समय से राज्य द्वारा संचालित अस्पतालों के साथ काम कर रहे हैं। ओजीएच में रोगियों के लिए चौबीसों घंटे सहायता डेस्क का औपचारिक उद्घाटन आज सलमान बाबू खान ने ओजीएच के अधीक्षक डॉ. राकेश सहाय और अन्य वरिष्ठ अस्पताल प्रशासकों की उपस्थिति में किया।

सरकार 2 जून को राजीव युवा विकासम के स्वीकृति पत्र जारी करेगी : सीतक्का

हैदराबाद, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार 2 जून को राजीव युवा विकासम योजना में भाग लेने वाले पात्र युवाओं को लाभार्थी प्रमाण पत्र जारी करने जा रही है। योजना की शुरूआत के अनुरूप, राज्य सरकार 1 लाख रुपये से कम मूल्य की इकाइयों को सहायता देकर पहले चरण की शुरूआत करने की योजना बना रही है। चयनित लाभार्थियों को 2 जून को तेलंगाना राज्य स्थापना दिवस पर उनके स्वीकृति पत्र प्राप्त होंगे।मंगलवार को जारी एक बयान में, पंचायत राज मंत्री सीतक्का ने पुष्टि की कि राज्य सरकार बेरोजगार युवाओं के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पूरा कर रही है। सरकारी नौकरी के अवसर प्रदान करने के साथ-साथ यह स्वरोजगार के अवसर भी पैदा कर रही है। सीतक्का ने कहा, आवेदन जमा करने वाले सभी बेरोजगार व्यक्तियों को राजीव युवा विकासम योजना का लाभ उठाना चाहिए। यह पहल बेरोजगारों के लिए एक महत्वपूर्ण लाभ के रूप में कार्य करती है और इसका उद्देश्य कमजोर समूहों और वंचित युवाओं के जीवन को बेहतर बनाना है।

अंतरराज्यीय ड्रग तस्करी रैकेट का भंडाफोड़

4 गिरफ्तार, 3 करोड़ का अल्प्राजोलम जब्त

निजामाबाद, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बोधन ग्रामीण पुलिस ने एक अंतरराज्यीय मादक पदार्थ तस्करी रैकेट का भंडाफोड़ किया, जिसमें 4 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया और 3 करोड़ रुपये मूल्य की 30 किलोग्राम अल्प्राजोलम जब्त की गई। पुलिस ने महाराष्ट्र के सतारा में एमआईडीसी में सूर्य प्रभा फार्मा केम से 4 करोड़ रुपये मूल्य के उत्पाद भी जब्त किए। ये गिरफ्तारियां और जब्तियां तेलंगाना एंटी-नारकोटिक्स ब्यूरो (टीजी एएनबी) की प्रत्यक्ष निगरानी में की गईं, जिसका विवरण निज़ामाबाद के पुलिस आयुक्त पी. साई चैतन्य ने मंगलवार को साझा किया।

गिरफ्तार किए गए लोग तेलंगाना में ताड़ी व्यापारियों को अल्प्राजोलम के निर्माण और आपूर्ति में शामिल थे। 15 मई को, आरोपी-परमेश्वर और शब्बीर-ने सलौरा गांव में एक अन्य आरोपी लक्ष्मण गौड़ को 2.5 किलोग्राम अल्प्राजोलम पहुंचाने का प्रयास किया। आरोपियों को बोधन ग्रामीण पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया और बाद में न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया।

मुख्य आरोपी अमर सिंह देशमुख, सतारा, महाराष्ट्र का निवासी है, जो सूर्य प्रभा फार्मा केम इंडस्ट्री चलाता है और उसने उर्वरक उत्पादन की अनुमति प्राप्त की थी। एक अन्य आरोपी बाबू राव बसवराज कादरे एक बायो-स्टिमुलेंट कंपनी चलाता है। इसी तरह, एक अन्य आरोपी, सलुरा निवासी लक्ष्मण गौड़ ने अल्प्राजोलम खरीदा और उसे ताड़ी डिपो को बेचा। एक अन्य आरोपी विश्वनाथ, राशि ट्रेडर्स फार्मा इकाई चलाता है और उसने सौंदर्य प्रसाधन बनाने की अनुमति ली थी। पुलिस ने कहा कि आरोपियों ने अल्प्राजोलम बनाने और तेलंगाना में ताड़ी डिपो संचालकों को भेजने की साजिश रची।

भारतीय रिज़र्व बैंक
संपदा विभाग, हैदराबाद
निविदा सूचना / Tender Notice
ई-निविदा: हैदराबाद में भारतीय रिज़र्व बैंक के आवासीय कॉलोनियों (एओक्यू और बीएसक्यू) में रूफ टॉप ग्रिड इंटरएक्टिव एसपीवी आधारित सौर ऊर्जा प्रणालियों का डिज़ाइन, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग
हैदराबाद में भारतीय रिज़र्व बैंक के आवासीय कॉलोनियों (एओक्यू और बीएसक्यू) में रूफ टॉप ग्रिड इंटरएक्टिव एसपीवी आधारित सौर ऊर्जा प्रणालियों का डिज़ाइन, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग के लिए ई-निविदा आमंत्रित है। जारी की अनुमानित लागत ₹45 लाख (रुपये पैंतालीस लाख केवल) है। पूर्व-पंजीकरण मानदंडों के बारे में अधिक जानकारी के लिए, कृपया निविदा सूचना के साथ निविदा दस्तावेजों को देखें, जो 28 मई 2025 को 18.00 बजे से एमएसटीसी लिमिटेड के ई-निविदा पोर्टल (https://www.mstcecommerce.com/eprocn) और हमारी वेबसाइट (www.rbi.org.in) पर 'निविदाएँ' के तहत उपलब्ध हैं।
2. ई-निविदाएं केवल एमएसटीसी पोर्टल (https://www.mstcecommerce.com/eprocn) के माध्यम से 07 जुलाई 2025 को 13:00 बजे तक जमा की जा सकती हैं। इच्छुक पात्र बोलीदाताओं को निविदा प्रक्रिया में भाग लेने के लिए एमएसटीसी लिमिटेड के साथ स्वयं को पंजीकृत कराना होगा।
3. बैंक बिना कोई कारण बताए किसी भी या सभी निविदाओं को अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।
हैदराबाद
28 मई 2025
हस्ताक्षर/-
क्षेत्रीय निदेशक

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.